



# भारत का प्रातापद्धति

## The Gazette of India

प्रधानमंत्री द्वारा प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 38]  
No. 38]

नई विल्ली, मन्दिरार, सितम्बर 17, 1994/भाद्रा 26, 1916  
NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 17, 1994/BHADRA 26, 1916

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली है जिससे कि यह अलग संकलन के लिए भी  
उपयोग की जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

भाग II—प्राच 3—उप-वर्ष (II)  
PART II—Section 3—Sub-section (II)

भारत सरकार के मंत्रालयों (एक मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए साँविधिक आदेश और अधिसूचनाएं  
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government  
of India (other than the Ministry of Defence)

विधि, व्याय तथा कानूनी कार्य मंत्रालय

(कंपनी कार्य विभाग)

नई विल्ली, 16 अगस्त, 1994

का. आ. 2302.—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956  
(1956 का 1) की धारा 620क की उपधारा (1) और  
उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए,  
हांडियन मैट्वर्स बेनिफिट फंड लिमिटेड को, जिसका रजिस्ट्री-  
कूट कायलिय तमिलनाडु राज्य में “अल्मा आकेंड” (भूतल)  
प्लाट सं. 104, सं. 9, बी ब्लाक, II एवेन्यू, अन्ना नगर,  
पूर्वी भद्रास—600102 में है, एक निधि घोषित करती है और  
यह निर्देश देती है कि भारत सरकार के भूतपूर्व वाणिज्य  
और उद्योग मंत्रालय (कंपनी विधि प्रशासन विभाग) की  
अधिसूचना सं. सा. का. नि. 978 तारीख 28, मई, 1963  
की अनुसूची 3 के स्तर (1) में विनिर्दिष्ट उक्त अधिनियम  
के उपबंध उक्त निधि को लागू नहीं होंगे या, यथास्थिति,  
उसके स्तर (2) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट

अपवादों, उपांतरणों और प्रनुकूलनों सहित लागू होंगे और  
उक्त अधिसूचना का निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :-

उक्त अधिसूचना की अनुसूची 1 में, मद 145 और उससे  
संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित मद और प्रविष्टियां  
जोड़ी जाएगी, अर्थात् :-

“146 इंडियन मैट्वर्स बेनिफिट फंड लिमिटेड, भद्रास”।

[का. म. 37/8/92—बी. एल. III]

धर्मपाल, अवर सचिव

टिप्पणी : मूल अधिसूचना सा. का. नि. संख्या 978, दिनांक  
28 मई, 1963 को अधिसूचित की गई थी और  
तदन्तर यथासंशोधित की गई :

1. सा. का. नि. सं. 1681 दिनांक 11-10-63
2. सा. का. नि. स. 853 दिनांक 4-6-64
3. सा. का. नि. सं. 297 दिनांक 12-2-65
4. सा. का. नि. स. 1332 दिनांक 30-8-65
5. सा. का. नि. सं. 111 दिनांक 14-1-66
6. सा. का. नि. सं. 1543 दिनांक 1-10-66

- |                                          |                                                  |
|------------------------------------------|--------------------------------------------------|
| 7. सा. का. नि. सं. 607 दिनांक 29-4-67    | 56. सा. का. नि. सं. 244 दिनांक 25-10-89          |
| 8. सा. का. नि. सं. 608 दिनांक 29-4-67    | 57. सा. का. नि. सं. 102 दिनांक 5-2-90            |
| 9. सा. का. नि. सं. 1466 दिनांक 6-6-69    | 58. सा. का. नि. सं. 241 दिनांक 29-3-90           |
| 10. सा. का. नि. सं. 2707 दिनांक 18-11-69 | 59. सा. का. नि. सं. 302 दिनांक 16-4-90           |
| 11. सा. का. नि. सं. 1306 दिनांक 27-7-71  | 60. सा. का. नि. सं. 303 दिनांक 10-5-90           |
| 12. सा. का. नि. सं. 1 दिनांक 21-12-73    | 61. सा. का. नि. सं. 514 दिनांक 30-7-90           |
| 13. सा. का. नि. सं. 690 दिनांक 22-6-74   | 62. सा. का. नि. सं. 515 दिनांक 7-8-90            |
| 14. सा. का. नि. सं. 275 दिनांक 1-4-75    | 63. सा. का. नि. सं. 3052 दिनांक 7-10-90          |
| 15. सा. का. नि. सं. 409 दिनांक 29-3-75   | 64. सा. का. नि. सं. 782 दिनांक 13-12-90          |
| 16. सा. का. नि. सं. 1300 दिनांक 11-9-76  | 65. सा. का. नि. सं. 783 दिनांक 13-12-90          |
| 17. सा. का. नि. सं. 426 दिनांक 8-3-78    | 66. सा. का. नि. सं. 784 दिनांक 13-12-90          |
| 18. सा. का. नि. सं. 728 दिनांक 28-4-78   | 67. सा. का. नि. सं. 314 दिनांक 30-4-91           |
| 19. सा. का. नि. सं. 1296 दिनांक 4-10-79  | 68. (122) सा. का. नि. सं. 2146 दिनांक 26-7-91    |
| 20. सा. का. नि. सं. 1100 दिनांक 9-10-80  | 69. (123) सा. का. नि. सं. 123 दिनांक 30-12-92    |
| 21. सा. का. नि. सं. 1099 दिनांक 9-10-80  | 70. (124 से 131) सा.का.नि.सं. 163 दिनांक 18-3-93 |
| 22. सा. का. नि. सं. 164 दिनांक 10-2-83   | 71. (132 से 134) सा.का.नि.सं. 272 दिनांक 12-5-93 |
| 23. सा. का. नि. सं. 843 दिनांक 19-11-83  | 72. (135 से 137) सा.का.नि.सं. 291 दिनांक 27-5-93 |
| 24. सा. का. नि. सं. 844 दिनांक 19-11-83  | 73. (138 से 141) सा.का.नि.सं. दिनांक             |
| 25. सा. का. नि. सं. 217 दिनांक 25-2-84   | 74. (142) सा.का.नि. सं. 292 दिनांक 27-5-93       |
| 26. सा. का. नि. सं. 231 दिनांक 20-2-85   | 75. (143) सा. का. नि. सं. दिनांक                 |
| 27. सा. का. नि. सं. 21 दिनांक 24-12-85   | 76. (144) सा. का. नि. सं. दिनांक                 |
| 28. सा. का. नि. सं. 275 दिनांक 3-3-86    | 77. (145) सा. का. नि. सं. दिनांक                 |
| 29. सा. का. नि. सं. 306 दिनांक 11-4-86   |                                                  |
| 30. सा. का. नि. सं. 70 दिनांक 22-6-86    |                                                  |
| 31. सा. का. नि. सं. 961 दिनांक 24-10-86  |                                                  |
| 32. सा. का. नि. सं. 353 दिनांक 22-4-87   |                                                  |
| 33. सा. का. नि. सं. 365 दिनांक 22-4-87   |                                                  |
| 34. सा. का. नि. सं. 430 दिनांक 20-5-87   |                                                  |
| 35. सा. का. नि. सं. 598 दिनांक 31-7-87   |                                                  |
| 36. सा. का. नि. सं. 597 दिनांक 31-7-87   |                                                  |
| 37. सा. का. नि. सं. 921 दिनांक 30-11-87  |                                                  |
| 38. सा. का. नि. सं. 922 दिनांक 3-12-87   |                                                  |
| 39. सा. का. नि. सं. 264 दिनांक 5-4-88    |                                                  |
| 40. सा. का. नि. सं. 479 दिनांक 18-6-88   |                                                  |
| 41. सा. का. नि. सं. 515 दिनांक 25-6-88   |                                                  |
| 42. सा. का. नि. सं. 597 दिनांक 15-7-88   |                                                  |
| 43. सा. का. नि. सं. 596 दिनांक 15-7-88   |                                                  |
| 44. सा. का. नि. सं. 598 दिनांक 15-7-88   |                                                  |
| 45. सा. का. नि. सं. 800 दिनांक 22-9-88   |                                                  |
| 46. सा. का. नि. सं. 961 दिनांक 17-12-88  |                                                  |
| 47. सा. का. नि. सं. 32 दिनांक 6-12-88    |                                                  |
| 48. सा. का. नि. सं. 959 दिनांक 17-12-88  |                                                  |
| 49. सा. का. नि. सं. 960 दिनांक 17-12-88  |                                                  |
| 50. सा. का. नि. सं. 318 दिनांक 6-5-89    | 1. GSR No. 1691 dated 11-10-1963                 |
| 51. सा. का. नि. सं. 501 दिनांक 22-7-89   | 2. GSR No. 853 dated 4-6-64                      |
| 52. सा. का. नि. सं. 502 दिनांक 22-7-89   | 3. GSR No. 297 dated 12-8-65                     |
| 53. सा. का. नि. सं. 649 दिनांक 22-8-89   | 4. GSR No. 1332 dated 30-8-65                    |
| 54. सा. का. नि. सं. 650 दिनांक 22-8-89   | 5. GSR No. 111 dated 14-1-66                     |
| 55. सा. का. नि. सं. 651 दिनांक 22-8-89   |                                                  |

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY  
AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 16th August, 1994

S.O. 2302.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) and (2) of Section 620A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby declares that the Indian Members Benefit Fund Limited having its registered office at "ALSA ARCADE" (Ground Floor) Plot No. 104, No. 9 B Block, 11 Avenue, Anna Nagar, East Madras-600102 in the State of Tamil Nadu to be a Nidhi, and directs that the provisions of the said Act specified in column (1) of Schedule III annexed to the Notification of the Government of India in the Ministry of Commerce and Industry (Department of Company Law Administration) No. G.S.R. 978 dated the 28th May, 1963 shall not apply, or as the case may be, shall apply with the exceptions, modifications and adaptations specified in the corresponding entry in column (2) thereof, to the said Nidhi and makes the following amendment in the said notification, namely :—

In Schedule I to the said notification, after item 145 and the entries relating thereto, the following item and entries shall be added, namely :—“146. Indian Members Benefit Fund Limited, Madras.”

[F. No. 37/8/92-CL.III]

DHARAM PAL, Under Secy.

Note :—The Principal Notification was notified vide G.S.R. No. 978 dated 29th May, 1963 and subsequently amended vide :—

1. GSR No. 1691 dated 11-10-1963
2. GSR No. 853 dated 4-6-64
3. GSR No. 297 dated 12-8-65
4. GSR No. 1332 dated 30-8-65
5. GSR No. 111 dated 14-1-66

6. GSR No. 1543 dated 1-10-66  
 7. GSR No. 607 dated 29-4-67  
 8. GSR No. 608 dated 29-4-67  
 9. GSR No. 1466 dated 6-6-69  
 10. GSR 2707 dated 18-11-69  
 11. GSR No. 1306 dated 27-7-71  
 12. GSR No. 1 dated 21-12-73.  
 13. GSR No. 690 dated 22-6-74  
 14. GSR No. 275 dated 14-2-75  
 15. GSR No. 409 dated 29-3-75  
 16. GSR No. 1300 dated 11-9-76  
 17. GSR No. 426 dated 8-3-78  
 18. GSR No. 728 dated 28-4-78  
 19. GSR No. 1296 dated 4-10-79  
 20. GSR No. 1100 dated 9-10-80  
 21. GSR No. 1099 dated 9-10-80  
 22. GSR No. 164 dated 10-2-83  
 23. GSR No. 843 dated 19-11-83  
 24. GSR No. 844 dated 19-11-83  
 25. GSR No. 217 dated 25-2-84  
 26. GSR No. 231 dated 20-2-85  
 27. GSR No. 21 dated 24-2-85  
 28. GSR No. 275 dated 3-3-86  
 29. GSR No. 306 dated 11-4-86  
 30. GSR No. 70 dated 22-6-86  
 31. GSR No. 961 dated 24-10-86  
 32. GSR No. 353 dated 22-4-87  
 33. GSR No. 365 dated 22-4-87  
 34. GSR No. 430 dated 20-5-87  
 35. GSR No. 598 dated 31-7-87  
 36. GSR No. 597 dated 31-7-87  
 37. GSR No. 921, dated 30-11-87  
 38. GSR No. 922 dated 3-12-87  
 39. GSR No. 264 dated 5-4-88  
 40. GSR No. 479 dated 18-6-88  
 41. GSR No. 515 dated 25-6-88  
 42. GSR No. 597 dated 15-7-88  
 43. GSR No. 596 dated 15-7-88  
 44. GSR No. 598 dated 15-7-88  
 45. GSR No. 800 dated 22-9-88  
 46. GSR No. 961 dated 17-12-88  
 47. GSR No. 32 dated 6-12-88  
 48. GSR No. 959 dated 17-12-88  
 49. GSR No. 960 dated 17-12-88  
 50. GSR No. 318 dated 6-5-89  
 51. GSR No. 501 dated 22-7-89  
 52. GSR No. 502 dated 22-7-89  
 53. GSR No. 649 dated 22-8-89  
 54. GSR No. 650 dated 22-8-89  
 55. GSR No. 651 dated 22-8-89  
 56. GSR No. 244 dated 25-10-89  
 57. GSR No. 102 dated 5-2-90  
 58. GSR No. 241 dated 29-3-90  
 59. GSR No. 302 dated 16-4-90  
 60. GSR No. 303 dated 10-5-90  
 61. GSR No. 514 dated 30-7-90  
 62. GSR No. 515 dated 7-8-90  
 63. GSR No. 3052 dated 7-10-90  
 64. GSR No. 782 dated 13-12-90  
 65. GSR No. 783, dated 13-12-90  
 66. GSR No. 784, dated 13-12-90  
 67. GSR No. 314 dated 30-4-91  
 68. GSR No. 2146 dated 26-7-91  
 69. GSR No. 123 dated 30-12-92  
 70. GSR No. 163 dated 18-3-93  
 71. GSR No. 272 dated 12-5-93  
 72. GSR No. 291 dated 27-5-93  
 73. GSR No. dated  
 74. GSR No. 292 dated 27-5-93  
 75. (143) GSR No. , dated  
 76. (144) GSR No. dated  
 77. (145) GSR No. dated

नई दिल्ली, 19 अगस्त, 1994

का. आ. 2033.—केन्द्रीय सरकार, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 620क की उपधारा (1) और उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अयोध्या बैनिफिट फंड लिमिटेड को, और जिसका रजिस्ट्री-कृत कार्यालय तमिलनाडु राज्य में 57, श्रावं गौडर रोड, पश्चिमी मनबालम, मद्रास - 600033 में है; एक निधि घोषित करती है और यह निदेश देती है कि भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) की अधिसूचना सं. सा.का.नि. 978 तारीख 28 मई, 1963 से उपावद्ध अनुसूची 3 के स्तंभ (1) में विनिर्दिष्ट उक्त, अधिनियम के उपर्युक्त उक्त निधि को लागू नहीं होंगे तथा यास्थिति, उसके स्तंभ (2) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट अपवादों, उपांतरणों और अनुकूलनों सहित लागू होंगे और उक्त अधिसूचना का निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थातः—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची 1 में मद 148 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित मद और प्रविष्टियां जोड़ी जाएंगी, अर्थातः—

“149 अयोध्या बैनिफिट फंड लिमिटेड, मद्रास”।

[फा. सं. 37/3/91-सी एल-3]  
धर्मपाल, अवर सचिव

टिप्पणी :—मूल अधिसूचना सा.का.नि. संख्या 978, दिनांक 28 मई, 1963 को अधिसूचित की गई थी और तदनातार यासंशोधन की गई :—

1. सा.का.नि. सं. 168। दिनांक 11-10-63
2. सा.का.नि. सं. 853 दिनांक 4-6-64
3. सा.का.नि. सं. 297 दिनांक 12-2-65
4. सा.का.नि. सं. 1332 दिनांक 30-8-65
5. सा.का.नि. सं. 111 दिनांक 14-1-66
6. सा.का.नि. सं. 1543 दिनांक 1-10-66

7. सांकांनिं सं० 607 दिनांक 29-4-67	64. सांकांनिं सं० 782 दिनांक 13-12-90
8. सांकांनिं सं० 608 दिनांक 29-4-67	65. सांकांनिं सं० 783 दिनांक 13-12-90
9. सांकांनिं सं० 1461 दिनांक 6-5-69	66. सांकांनिं सं० 784 दिनांक 13-12-90
10. सांकांनिं सं० 2707 दिनांक 18-11-69	67. सांकांनिं सं० 314 दिनांक 30-4-91
11. सांकांनिं सं० 1306 दिनांक 27-7-71	68. सांकांनिं सं० 2146 दिनांक 26-7-91
12. सांकांनिं सं० 1 दिनांक 21-12-73	69. सांकांनिं सं० 123 दिनांक 30-12-92
13. सांकांनिं सं० 690 दिनांक 22-6-74	70. सांकांनिं सं० 124 से 131 दिनांक 30-12-92
14. सांकांनिं सं० 275 दिनांक 14-2-75	71. सांकांनिं सं० 132 से 134 दिनांक 30-12-92
15. सांकांनिं सं० 109 दिनांक 29-3-75	72. सांकांनिं सं० 135 से 137 दिनांक 30-12-92
16. सांकांनिं सं० 1300 विनांक 11-9-76	73. सांकांनिं सं० 138 से 141 विनांक 30-12-92
17. सांकांनिं सं० 426 विनांक 8-3-78	74. (142) सांकांनिं सं० 292 दिनांक 27-5-93
18. सांकांनिं सं० 728 विनांक 28-4-78	75. (143) सांकांनिं सं० — दिनांक —
19. सांकांनिं सं० 1296 विनांक 4-10-79	76. (144) सांकांनिं सं० — दिनांक —
20. सांकांनिं सं० 1100 दिनांक 9-10-80	77. (145) सांकांनिं सं० — विनांक —
21. सांकांनिं सं० 1099 दिनांक 9-10-80	78. (146) सांकांनिं सं० --- दिनांक ---
22. सांकांनिं सं० 164 विनांक 10-2-83	79. (147) सांकांनिं सं० --- दिनांक ---
23. सांकांनिं सं० 843 विनांक 19-11-83	80. (148) सांकांनिं सं० --- विनांक ---
24. सांकांनिं सं० 844 विनांक 10-11-83	
25. सांकांनिं सं० 217 विनांक 25-2-84	
26. सांकांनिं सं० 231 विनांक 20-2-85	
27. सांकांनिं सं० 21 विनांक 21-12-85	
28. सांकांनिं सं० 275 विनांक 3-3-86	
29. सांकांनिं सं० 306 विनांक 11-4-86	
30. सांकांनिं सं० 70 विनांक 22-6-86	
31. सांकांनिं सं० 961 दिनांक 24-10-86	
32. सांकांनिं सं० 353 दिनांक 22-4-87	
33. सांकांनिं सं० 365 दिनांक 22-4-87	
34. सांकांनिं सं० 430 दिनांक 20-5-87	
35. सांकांनिं सं० 598 विनांक 31-7-87	
36. सांकांनिं सं० 597 दिनांक 31-7-87	
37. सांकांनिं सं० 921 दिनांक 30-11-87	
38. सांकांनिं सं० 922 विनांक 3-12-87	
39. सांकांनिं सं० 264 दिनांक 5-4-88	
40. सांकांनिं सं० 479 दिनांक 18-6-88	
41. सांकांनिं सं० 515 दिनांक 25-7-88	
42. सांकांनिं सं० 587 विनांक 15-7-88	
43. सांकांनिं सं० 596 दिनांक 15-7-88	
44. सांकांनिं सं० 598 विनांक 15-7-88	
45. सांकांनिं सं० 800 दिनांक 22-9-88	
46. सांकांनिं सं० 961 दिनांक 17-12-88	S.No.      GSR No.      Dated
47. सांकांनिं सं० 32 विनांक 6-12-88	1      1691      11-10-63
48. सांकांनिं सं० 959 दिनांक 17-12-88	2      853      04-06-64
49. सांकांनिं सं० 960 दिनांक 17-12-88	3      297      12-08-65
50. सांकांनिं सं० 318 दिनांक 6-5-89	4      1332      30-08-65
51. सांकांनिं सं० 501 दिनांक 22-7-89	5      111      14-01-66
52. सांकांनिं सं० 502 विनांक 22-7-89	6      1543      01-10-66
53. सांकांनिं सं० 649 विनांक 22-8-89	7      607      29-04-67
54. सांकांनिं सं० 650 विनांक 22-8-89	8      608      29-04-67
55. सांकांनिं सं० 651 विनांक 22-8-89	9      1466      06-06-69
56. सांकांनिं सं० 844 विनांक 25-10-89	10     2707      18-11-69
57. सांकांनिं सं० 102 दिनांक 5-2-90	11     1306      27-07-71
58. सांकांनिं सं० 241 दिनांक 29-3-90	12     1      21-12-73
59. सांकांनिं सं० 302 दिनांक 16-4-90	13     690      22-06-74
60. सांकांनिं सं० 303 विनांक 10-5-90	14     275      14-02-75
61. सांकांनिं सं० 514 विनांक 30-7-90	15     409      29-03-75
62. सांकांनिं सं० 515 विनांक 7-8-90	16     1300      11-09-76
63. सांकांनिं सं० 3052 विनांक 7-10-90	17     426      08-03-78
	18     728      28-04-78
	19     1296      04-10-79
	20     1100      09-10-80

New Delhi, the 19th August, 1994

S.O. 2303.—In exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of Section 620A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby declares the Ayodhya Benefit Fund Limited, having its registered Office at 57, Arya Gowder Road, West Manubalam, Madras-600033, in the State of Tamil Nadu, to be a Nidhi, and directs that the provisions of the said Act specified in column (1) of Schedule III annexed to the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce and Industry (Department of Company Law Administrations) No. G.S.R. 978 dated 28th May, 1963 shall not apply, or as the case may be, shall apply with the exceptions, modifications and adaptations specified in the corresponding entry in column (2) thereto, to the said Nidhi and makes the following amendment in the said notification, namely :—

In Schedule I to the said notification after item 148 and the entries relating thereto, the following item and entries shall be added, namely :—

"149 Ayodhya Benefit Fund Limited, Madras".

[F. No. 37/3/91-CL.III]  
DHARAM PAL, Under Secy.

Foot Note.—The Principal Notification was Noticed vide G.S.R. No. 978 Dated 29th May, 1963 and Subsequently amended vide :—

S.No.	GSR No.	Dated
1	1691	11-10-63
2	853	04-06-64
3	297	12-08-65
4	1332	30-08-65
5	111	14-01-66
6	1543	01-10-66
7	607	29-04-67
8	608	29-04-67
9	1466	06-06-69
10	2707	18-11-69
11	1306	27-07-71
12	1	21-12-73
13	690	22-06-74
14	275	14-02-75
15	409	29-03-75
16	1300	11-09-76
17	426	08-03-78
18	728	28-04-78
19	1296	04-10-79
20	1100	09-10-80

21	1099	09-10-80
22	164	10-02-83
23	843	19-11-83
24	844	19-11-83
25	217	25-02-84
26	231	20-02-85
27	21	24-02-85
28	275	03-03-86
29	306	11-04-86
30	70	22-06-86
31	961	24-10-86
32	353	22-04-87
33	365	22-04-87
34	430	20-05-87
35	598	31-07-87
36	597	31-07-87
37	921	30-11-87
38	922	03-12-87
39	264	05-04-88
40	479	18-06-88
41	515	25-06-88
42	597	15-07-88
43	596	15-07-88
44	598	15-07-88
45	800	22-09-88
46	961	17-12-88
47	32	06-12-88
48	959	17-12-88
49	960	17-12-88
50	318	06-05-89
51	501	22-07-89
52	502	22-07-89
53	649	22-08-89
54	650	22-08-89
55	651	22-08-89
56	844	25-10-89
57	102	05-02-90
58	241	29-03-90
59	302	16-04-90
60	303	10-05-90
61	514	30-07-90
62	515	07-08-90
63	3052	07-10-90
64	782	13-12-90
65	783	13-12-90
66	784	13-12-90
67	314	30-04-91
68	2146	26-07-91
69	123	30-12-92 (123)
70	103	18-03-93 (124 to 131)
71	272	12-05-93 (132 to 134)
72	291	27-05-93 (135 to 137)
73		(138 to 141)
74	292	27-05-93 (142)
75		(143)
76		(144)
77		(145)
78		(146)
79		(147)
80		(148)

नई विलों, 23 अगस्त, 1994

का०आ० 2304—फेस्ट्रीय भरकार, कम्पनी आधिकारियम, 1956 (1956 का 1) की आर 620क की उम्मादा (1) और उपशाया (2) द्वारा प्रवक्त गविनों का प्रयोग करते हुए पैराकेल्पू रूपनेंड फँड लिमिटेड को, जिसका रजिस्ट्रीड उपकार्यालय लम्लनाड़ राज्य से १९८०आर०प० कॉर्प स्ट्रीट (इक्षिण), जवाहर नगर, मद्रास-600082

में है, एक निधि घोषित करती है और यह निवेश देती है कि भारत सरकार के भूपूर्वी वाणिय और उद्योग मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रणाली विभाग) को अधिकृत विभाग सं० सा०का०वि० 978, तारीख 28 मई, 1963 की अनुमती ३ के समझ (1) में विनिर्दिष्ट उक्त आधिकारियम के उपबंध उक्त निधि को लागू नहीं होगी था, पर्याप्ति, उसके समझ (2) में को लक्ष्यान्वित प्रविधिट में विनिर्दिष्ट अधिकारी, उपाधिकारी और अनुकूलमान सहित लागू होगी और उस अधिकृतवाद का निम्नलिखित संक्षेपन करनी है, अर्थात् :—

उक्त अधिकृतवाद की अनुमती १ में, मद १४७ और उससे संबंधित प्रविधिटों के पश्चात् निम्नलिखित मद और प्रविधियां जोड़ी जाएंगी अर्थात् :—

“148 पैराकेल्पू रूपनेंड फँड लिमिटेड, मद्रास”।

[का०प० ३७/२८/९२-सी०ए० III]

धर्मपाल, अवर मन्त्री

टिप्पणी—मूल अधिकृतवाद सा०का०नि० सं०भा० 978, विनाक 28 मई, 1963 को अधिकृतवाद की गई थी और तदन्तर यथासंघोषित की गई :—

1. सा०का०नि०सं० 1691 विनाक 11-10-63
2. सा०का०नि०सं० 853 विनाक 4-6-64
3. सा०का०नि०सं० 297 विनाक 12-8-65
4. सा०का०नि०सं० 1332 विनाक 30-8-65
5. सा०का०नि०सं० 111 विनाक 14-1-66
6. सा०का०नि०सं० 1543 विनाक 1 10-66
7. सा०का०नि०सं० 607 विनाक 29-4-67
8. सा०का०नि०सं० 608 विनाक 29-4-67
9. सा०का०नि०सं० 1466 विनाक 6-6-69
10. सा०का०नि०सं० 2707 विनाक 18-11-69
11. सा०का०नि०सं० 1306 विनाक 27-7-71
12. सा०का०नि०सं० 1 विनाक 21-12-73
13. सा०का०नि०सं० 690 विनाक 22-6-74
14. सा०का०नि०सं० 275 विनाक 14-2-75
15. सा०का०नि०सं० 409 विनाक 29-3-75
16. सा०का०नि०सं० 1300 विनाक 11-9-76
17. सा०का०नि०सं० 426 विनाक 8-3-78
18. सा०का०नि०सं० 728 विनाक 28-4-78
19. सा०का०नि०सं० 1296 विनाक 4-10-79
20. सा०का०नि०सं० 1100 विनाक 9-10-80
21. सा०का०नि०सं० 1099 विनाक 9-10-80
22. सा०का०नि०सं० 164 विनाक 10-2-83
23. सा०का०नि०सं० 843 विनाक 19-11-83
24. सा०का०नि०सं० 844 विनाक 19-11-83
25. सा०का०नि०सं० 217 विनाक 25-2-84
26. सा०का०नि०सं० 231 विनाक 20-2-85
27. सा०का०नि०सं० 21 विनाक 24-02-85
28. सा०का०नि०सं० 275 विनाक 3-3-86
29. सा०का०नि०सं० 306 विनाक 11-4-86
30. सा०का०नि०सं० 70 विनाक 22-6-86
31. सा०का०नि०सं० 961 विनाक 24-01-86
32. सा०का०नि०सं० 353 विनाक 22-4-87
33. सा०का०नि०सं० 365 विनाक 22-4-87
34. सा०का०नि०सं० 430 विनाक 20-5-87
35. सा०का०नि०सं० 598 विनाक 31-7-87
36. सा०का०नि०सं० 597 विनाक 31-7-87
37. सा०का०नि०सं० 921 विनाक 30-11-87

38. सा.का.नि.सं. 922 दिनांक 3-12-87  
 39. सा.का.नि.सं. 264 दिनांक 5-4-88  
 40. सा.का.नि.सं. 479 दिनांक 18-6-88  
 41. सा.का.नि.सं. 515 दिनांक 25-6-88  
 42. सा.का.नि.सं. 597 दिनांक 15-7-88  
 43. सा.का.नि.सं. 598 दिनांक 15-7-88  
 44. सा.का.नि.सं. 598 दिनांक 15-7-88  
 45. सा.का.नि.सं. 800 दिनांक 22-9-88  
 46. सा.का.नि.सं. 961 दिनांक 17-12-88  
 47. सा.का.नि.सं. 32 दिनांक 6-12-88  
 48. सा.का.नि.म. 959 दिनांक 17-12-88  
 49. सा.का.नि.सं. 960 दिनांक 17-12-88  
 50. सा.का.नि.सं. 318 दिनांक 6-5-89  
 51. सा.का.नि.सं. 501 दिनांक 22-7-89  
 52. सा.का.नि.म. 502 दिनांक 22-7-89  
 53. सा.का.नि.सं. 649 दिनांक 22-8-89  
 54. सा.का.नि.सं. 650 दिनांक 22-8-89  
 55. सा.का.नि.सं. 651 दिनांक 22-8-89  
 56. सा.का.नि.सं. 844 दिनांक 25-10-89  
 57. सा.का.नि.सं. 102 दिनांक 5-2-90  
 58. सा.का.नि.सं. 241 दिनांक 29-3-90  
 59. सा.का.नि.सं. 302 दिनांक 16-4-90  
 60. सा.का.नि.सं. 303 दिनांक 10-5-90  
 61. सा.का.नि.सं. 514 दिनांक 30-7-90  
 62. सा.का.नि.म. 515 दिनांक 7-8-90  
 63. सा.का.नि.म. 3052 दिनांक 7-10-90  
 64. सा.का.नि.सं. 782 दिनांक 13-12-90  
 65. सा.का.नि.सं. 783 दिनांक 13-12-90  
 66. सा.का.नि.सं. 784 दिनांक 13-12-90  
 67. सा.का.नि.सं. 314 दिनांक 30-4-91  
 68. सा.का.नि.म. 2146 दिनांक 26-7-91  
 69. सा.का.नि.सं. 123 दिनांक 30-12-92  
 70. सा.का.नि.सं. 124 से 131 दिनांक 30-12-92  
 71. सा.का.नि.सं. 132 से 134 दिनांक 30-12-92  
 72. सा.का.नि.सं. 135 से 137 दिनांक 30-12-92  
 73. सा.का.नि.सं. 138 से 141 दिनांक 30-12-92  
 74. (142) सा.का.नि.सं. संख्या 292 दिनांक 27-5-93  
 75. (143) सा.का.नि.सं. संख्या दिनांक  
 76. (144) सा.का.नि.सं. दिनांक  
 77. (145) सा.का.नि.सं. संख्या दिनांक  
 78. (146) सा.का.नि.सं. दिनांक  
 79. (147) सा.का.नि.सं. दिनांक

In column (2) thereof, to the said Nidhi and makes the following amendment in the said notification, namely :—

In Schedule I to the said notification, after item 147 and the entries relating thereto the following item and entries shall be added, namely :—

"148. Peravallur Permanent Fund Limited, Madras".

[F. No. 37/28/92-CL.III]

DHARAM PAL, Under Secy.

Foot Note:—The principal notification was noticed vide G.S.R. No. 978 dated 29th May, 1963, and subsequently amended vide:—

Sl. No.	GSR No.	Dated	
		1	2
1	1691	11-10-63	
2	853	04-06-64	
3	297	12-08-65	
4	1332	30-08-65	
5	111	14-01-66	
6	1543	01-10-66	
7	607	29-04-67	
8	608	29-04-67	
9	1466	06-06-69	
10	2707	18-11-69	
11	1306	27-07-71	
12	1	31-12-73	
13	690	22-06-74	
14	275	14-02-75	
15	409	29-03-75	
16	1300	11-09-76	
17	426	08-03-78	
18	728	28-04-78	
19	1296	04-10-79	
20	1100	09-10-80	
21	1099	09-10-80	
22	164	10-02-83	
23	843	19-11-83	
24	844	19-11-83	
25	217	25-02-84	
26	231	20-02-85	
27	21	24-02-85	
28	275	03-03-86	
29	306	11-04-86	
30	70	22-06-86	
31	961	24-01-86	
32	353	22-04-87	
33	365	22-04-87	
34	430	20-05-87	
35	598	31-07-87	
36	597	31-07-87	
37	921	30-11-87	
38	922	03-12-87	
39	264	05-04-88	
40	479	18-06-88	
41	515	25-06-88	
42	597	15-07-88	
43	596	15-07-88	
44	598	15-07-88	
45	800	22-09-88	
46	961	17-12-88	
47	32	06-12-88	
48	959	17-12-88	
49	960	17-12-88	
50	318	06-05-89	

New Delhi, the 23rd August, 1994

S.O. 2304.—In exercise of the powers conferred by subsections (1) and (2) of Section 620A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby declares the Peravallur Permanent Fund Limited having its registered Office at 9, S.R.P. Koil Street (South), Jawahar Nagar, Madras-600082 in the State of Tamil Nadu, to a Nidhi, and directs that the provisions of the said Act specified in column (1) of Schedule III annexed to the Notification of the Government of India in the Ministry of Commerce and Industry (Department of Company Law Administrations) No. G.S.R. 978, dated the 28th May, 1963 shall not apply, or as the case may be, shall apply with the exceptions, modifications and adaptations specified in the corresponding entry

1	2	3
51	501	22-07-89
52	502	22-07-89
53	649	22-08-89
54	650	22-08-89
55	651	22-08-89
56	844	25-10-89
57	102	05-02-90
58	241	29-03-90
59	302	16-04-90
60	303	10-05-90
61	514	30-07-90
62	515	07-08-90
63	3052	07-10-90
64	782	13-12-90
65	783	13-12-90
66	784	13-12-90
67	314	30-04-91
68	2146	26-07-91
69	123	30-12-92 (123)
70	103	18-03-93 (124 to 131)
71	272	12-05-93 (132 to 134)
72	291	27-05-93 (135 to 137)
73	---	(138 to 141)
74	292	27-05-93 (142)
75	---	----- (143)
76	---	----- (144)
77	---	----- (145)
78	---	----- (146)
79	---	----- (147)

कामिक, लोक प्रिकायत तथा पैशाज मध्याजय

### (कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

मात्रिक

नई दिल्ली, 30 अगस्त, 1994

का.पा. 2305 —केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन  
प्रधिनियम, 1946 (1946 का भ्रष्टाचार संबंधीक 25) की धारा 6 के  
साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग  
करके हुए सं. 4/2(43)/88-एच, इम्फ़ाल नारीख 15-4-1994 हार  
प्रदान की गई मणिपुर राज्य सरकार, संस्कारालय, गृह विभाग की सहमति  
से, अप्टाक्षार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 13(1)(घ) के साथ  
पठित आरटीप दंड संहिता की धारा 120व्ह, 420, 467, 468, 471  
और धारा 13(2) के अधीन सी.बी.आई./एस.पी.ई./ए.सी.बी./  
सिलचर शास्त्र मामला भं. आर.नी. 5(ए)/94-एस.एस. सी. और  
उपर उल्लिखित एक या अधिक प्रपराधों के संबंध में या उनसे संबंधित  
प्रयत्नों, बुझेरणों और घटनाओं के साथ ऐसे ही तथ्यों से उभयन् या  
उपर्युक्त प्रपराध (प्रपराधों) से संबंधित ऐसे ही संब्यवहार के अनुक्रम में  
किए गए किसी भव्य प्रपराध या प्रपराधों के अन्वेषण के लिए विली  
विशेष पुलिस स्थापन के मदस्यों की शक्तियों और अधिकारिता का  
विस्तार संपूर्ण मणिपुर राज्य पर करती है।

[मरुषा 228/33/94-ए.बी.डी. (II)]

प्रार. एस. बिष्ट, प्रवर सचिव

## **MINISTRY OF PERSONNEL, P.G. AND PENSIONS**

**(Department of Personnel & Training)**

## ORDER

New Delhi, the 30th August, 1994

S.O. 2305.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 5 read with section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act No. 25 of 1946), the Central Government, with the consent of the State Government of Manipur, Secretariate, Home Department accorded vide No. 4/2 (43)88-H, Imphal, dated 15-4-1994, hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole State of Manipur for investigation of CBI/SPE/ACB/Silchar Branch Case No. RC 5(A)94-SLC, under section 120-B, 420, 467, 468, 471 Indian Penal Code and section 13(2) read with section 13(1)(d) of Prevention of Corruption Act, 1988 and attempts, abetment and conspiracies in relation to or connection with one or more of the offence mentioned above and any other offence or offences committed in the course of same transaction arising out of the same facts, or related the above said offence(s).

[No. 228/33/94-AVD.II]  
R. S. BISHT, Under Secy.

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 1994

का. प्रा. 2306 — केन्द्रीय सरकार श्री देवी प्रसाद पाठ्ये, एडवोकेट और उनके जूनियर श्री जे.के. बासु, एडवोकेट, कलकत्ता को दंड प्रतियो संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 24 की उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एटदृश्वरा विल्नी विशेष पुलिस स्थापना मामला संख्या-10/66 सी.आई.ए. (I) ए.सी.यू. (6) के.प्र. अंतर्गत, नई विल्नी (बाद संख्या-जी.प्र.र. 3849 साल 1985, रज्य बनाम जीत पाल एवं अन्यन) के संबंध में माननीय एम.एम. कोटे कलकत्ता उच्च स्थायानय, परिचम बंगाल, कलकत्ता में कार्यालयों के संचालन के विशेष नोक अधियोजक के रूप में नियकत करती है।

[राष्ट्रया 225/12/94-ए. बी. शी. (II)]

भार एस विट, अवर सचिव

New Delhi, the 31st August, 1994

S.O. 2306.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (8) of Section 24 of the Code of Criminal Procedure 1973 (Act No. 2 of 1974), the Central Government hereby appoints Shri Devi Prasad Pandey and his Junior Shri J. K. Basu, Advocates of Calcutta, West Bengal as Special Public Prosecutors for the purpose of conducting Prosecution of Court Case No. GR 3849 of 1985, State Vs. Jit Paul and others arising out of Delhi Special Police Establishment Regular Case No. 10/66-CIA(I)/AVU.VI, CBI, New Delhi in the Court of Metropolitan Magistrate, Calcutta and also in the High Court of West Bengal at Calcutta.

[No 225]12/94-AVD (1D)  
R. S. BISHT, Under Secy.

वित्त भंक्राण

(राजस्व विभाग)

## आयकर मळानिदेशक (एट) का वार्षिक

काल्पनिका, ५ नवंबर १९०३

प्रायफर

का.धा. 2307 .—सर्वाधारण को एनदब्ल्यूआर सुनित विद्या  
प्राप्त है कि निम्नलिखित मंगठन को, शायरर प्रधितियम, 1961

की धारा 35 की उपधारा (i) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के प्रधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नसिखित शर्तों पर "संस्था" संघर्ष के अवौन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा विभाग रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रोद्योगिकी भवन", न्यू मैट्रोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की पति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35(i) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आप-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

#### संगठन का नाम

राजीव गांधी फाउंडेशन,  
जवाहर भवन,  
डा० राजेन्द्र प्रमाद रोड,  
नई दिल्ली-110001

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन की सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिवेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की प्रवृत्ति बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियों गतिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 939 (एफ.सं. म.नि./मा.क. (छूट)/न.दि.-95/35(i)(ii)(iii)/91]

श्रीमती एग. राम, उपनिवेशक

#### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

Calcutta, the 5th November, 1993

#### INCOME TAX

S.O. 2307.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mchrauli Road New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax, (Exemption), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

#### NAME OF THE ORGANISATION

Rajiv Gandhi Foundation,  
Jiwarohar Bhawan,  
Dr. Rajendra Prasad Road,  
New Delhi-110001.

This notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

Notes—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 939/F. No. DG/IT(E)/ND-95/35(1)(ii)(iii)/91]

MRS. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 5 नवम्बर, 1993

आयकर

का. आ. 2308—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के प्रधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नसिखित शर्तों पर "संस्था" संघर्ष के प्रधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा विभाग रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रोद्योगिकी भवन" न्यू मैट्रोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की पति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(i) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आप-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

#### संगठन का नाम

राजीव गांधी फाउंडेशन,  
जवाहर भवन,  
डा० राजेन्द्र प्रमाद मार्ग,  
नई दिल्ली-110001

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा ।

2. संगठन को मुक्ताव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छट) जिनके भेदभागिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिवेशक (छट), कलकत्ता को तीन प्रतिशतों में आवेदन करें, अनुमोदन की विधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतिशत समिति, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है ।

[संख्या 940 (एफ.सं. म.नि./प्रा.क. (छट)/न.टि.-95/35 (1)  
(ii) (iii)/91]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 5th November, 1993

### INCOME TAX

S.O. 2308.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110015 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

### NAME OF THE ORGANISATION

Rajiv Gandhi Foundation,  
Jawahar Bhavan,  
Dr. Rajendra Prasad Road,  
New Delhi-110001.

This notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

Notes—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 942]F. No. DG/IT(E)/AP-4/35(1)(ii)/89]  
MRS. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30 सप्टेम्बर, 1993

आयकर

का. आ. 2309.—मर्यादाधारण के एन्सेट्वराग मुचित किया जाता है कि निम्न-उल्लिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपशार्ता (i) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित जटी पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अन्वय लेखा वहिया रखेगा ।

(ii) यह आपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहराली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-प्रीक्षीत वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिवेशक (छट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिवेशक (छट) जिनके भेदभागिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छट के बारे में लेखा-प्रीक्षीत आय-व्यय छिपाव की भी प्रस्तुत करेगा ।

### संगठन का नाम

पोटाश रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ इंजिनियरिंग,  
सेक्टर-19, बुन्डाहेड, विल्सन गुडगांव रोड,  
गुडगांव-122001  
हरियाणा

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभागी है ।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा ।

2. संगठन की मुक्ताव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छट) जिनके भेदभागिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिवेशक (छट), कलकत्ता को तीन प्रतिशतों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतिशत समिति, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है ।

[संख्या : 941 (एफ.सं. म.नि./प्रा.क. (छट)/ई. 1/35(1)(ii)/89]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

### INCOME TAX

S.O. 2309.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

#### NAME OF THE ORGANISATION

Potash Research Institute of India,  
Sector-19, Dindahera, Delhi-Guragaon  
Road, Guragaon-122001, Haryana.

This notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1994.

Notes—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 941/F. No. DG/IT(E)/E-1/35(1)(ii)/89]

MRS. S. RAY, Dy. Director

कलाता, 30 नवम्बर, 1993

आयकर

का.आ 2310—सर्वेश्वारण को एन्डब्ल्यूआर सूचित किया जाता है फि निम्न- वित्त संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपराग (1) के अन्त (ii) के निम्न, आयकर नियम के नियम 6 के पधीन किहित प्राप्तिकारी द्वारा निर्माणित शर्तों पर “संस्था” संवर्ग के अधीन अनुमंदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुमंदित कार्योंके लिए अन्य लेखा वर्त्ती रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुमंदित सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के निम्न, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुमंदित विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन” स्थ. महाराष्ट्र रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षीत वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानियेक (छट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक विभाग औद्योगिक अनुमंदित विभाग और (ग) आयकर प्रायुक्ति/आयकर महानियेक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई नियम कार्यों सम्बन्धित छट के बारे में लेखा-परीक्षीत प्राय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

भगवान महावीर मेडिकल रिमर्सेंटर,  
10-1-1-महावीर भार्ग,  
हैदराबाद-500004 (आ.प्र.)

यह मर्पिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-96 तक की प्रवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) “संघ” जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की प्रवधि बढ़ाने के लिए, आयकर अधिनियम/आयकर नियेक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानियेक (छट), कलाकृति को नीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की प्रवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदनगत की 6 प्रतियों मन्त्रिय वैज्ञानिक और प्राद्योगिक अनुमंदित विभाग को प्रस्तुत करता है।

[संख्या 942 (एफ.सं. म.नि. आ.क. (छट) आ.प्र -4/35(1)  
(ii)/89]

श्रीमती एस. राय, उपनियेक

Calutta, the 30th November, 1993

#### INCOME TAX

S.O. 2310.—It is hereby notified for general Information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, “Technology Bhawan”, New Mehrauli Road New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemption), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

#### NAME OF THE ORGANISATION

Bhagavan Mahavir Medical Research Centre,  
10-1-1, Mahavir Marg,  
Hyderabad-500004 (A.P.)

This notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

Notes—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 942/F. No. DG/IT(E)/AP-4/35(1)(ii)/89]  
MRS. S. RAY, Dy. Director

[भा II-बाण 3(ii)]

कलकत्ता 30 नवम्बर, 1993

आयकर

का.आ. 2311—मर्वसाधारण को प्रतिष्ठाया मूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के अंडे (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संस्था” संघर्ष के अधीन अनुमोदित किया गया है—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा अहियों रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रोटोग्राफी भवन” न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षीत वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानियेक (छट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर गोपनीय (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसेच कार्यों सम्बन्धित (छट) के बारे में लेखा-परीक्षीत आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

मुकुन्दी लाल मेमोरियल फाउंडेशन फॉर हॉट एंड मेडिकल केपर  
21, नेताजी सुभाष मार्ग  
दरियांगंज, नई दिल्ली ।

यह अधिसूचना विनाक 6-8-93 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (i) “मंच” जैसा संघर्ष के लिए लागू नहीं होगा।  
2. संगठन को सुशाय दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर नियेशक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानियेक (छट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियों सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[संख्या 943/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छट) न.दि. 112/35(1)  
(ii) 93]

श्रीमती एस. राय, उपनियेशक

Calutta, the 30th November, 1993

## INCOME TAX

S.O. 2311.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category ‘Institution’ subject to the following conditions :

- The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions) (b) Secretary Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income

and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Shri Mukundi Lal Memorial Foundation for Heart and Medical Care,  
21, Netaji Subhash Marg, Darya Ganj,  
New Delhi.

This notification is effective for the period from 6-8-1993 to 31-3-1994.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 943/F. No. DG/IT(E)/ND-112/35(1)(ii)93]

MRS. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

आयकर

का.आ. 2312—मर्वसाधारण को प्रतिष्ठाया मूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के अंडे (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संस्था” संघर्ष के अधीन अनुमोदित किया गया है—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा अहियों रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रोटोग्राफी भवन” न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षीत वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानियेक (छट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर गोपनीय (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसेच कार्यों सम्बन्धित (छट) के बारे में लेखा-परीक्षीत आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

इन्स्टीट्यूट फॉर माइटिंग एंड ऐनेजमेंट

62-एफ मुजान मिट पार्क,  
नई दिल्ली-110063

यह अधिसूचना विनाक 1-1-90 से 31-3-93 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) “मंच” जैसा प्रवर्ग के लिये लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुशाय दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये आयकर आयुक्त/आयकर नियेशक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानियेक (छट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में लिये आदेनपत्र की 6 प्रतियों सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[संख्या 944/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छट)/नदि-1 35(1)(iii) 89]  
श्रीमती एस. राय, उपनियेशक

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा प्रबंध के लिए लागू नहीं होगा।  
 2. संगठन को गुजार दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छूट) जिनके अधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिवेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आयोद्धन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आयोद्धन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और ओद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 944/एफ.ए. म.नि./आ.क. (छूट)/नदि-1/35(1)(iii)/89]

श्रीमती एस, राय, उपनिवेशक

### INCOME TAX

Calcutta, the 30th November, 1993

S.O. 2312.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income tax Act, 1961.

### NAME OF THE ORGANISATION

Institute of Marketing and Management,  
62-F, Sujan Singh Park,  
New Delhi-110063.

This notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1993.

Notes—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner

of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 944/F. No.DG/IT(E)/ND-1/35(1)(iii)/89]

MRS. S. RAY, Dy. Director

आयकर

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

का.आ 2313 —सर्वसाधारण को पत्रदृवारा सुचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के बड़े (iii) के लिए, आयकर मियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" मंबर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए, अलग लेखा अधियोग रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थानीय कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विवरण वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक और ओद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रोद्योगिकी भवन" मूल मेहरानी रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षीत वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिवेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा ओद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिवेशक (छूट) जिनके अधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(i) में दी गई रिपोर्ट कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षीत आय-अय्य विस्तार को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इन्स्टीट्यूट ऑफ मारकेटिंग एण्ड मैनेजमेंट,  
62-एफ मुहावर सिह पार्क,  
नई दिल्ली-110063

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा प्रबंध के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छूट) जिनके धारा 35(i) : "गठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिवेशक (छूट) कलकत्ता को तीन प्रतियों में आयोद्धन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आयोद्धन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और ओद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 945 /एफ.ए.म.नि./आ.क (छूट)/न.वि.-1/35(1)(iii) 89]

श्रीमती एस. राय, उपनिवेशक

## INCOME TAX

Calutta, the 30th November, 1993

S.O. 2313.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ;
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Institute of Marketing and Management,  
62-F, Sujan Singh Park,  
New Delhi-110063.

This notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

Notes—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 945/F. No. DG/IT(E)/ND-1/35(1)(iii)/89]

MRS. S. RAY, Dy. Director

आयकर

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

का. प्रा. 2314 —सर्वेसाधारण को एतद्दृश्यारा सूचित किया जाता है कि निम्न-उल्लिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 35 की उपधारा (1) के व्यष्ट (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के प्रधीन विहित प्राप्तिकारी हारा निम्नलिखित जारी पर "संस्कृत" संघर्ष के प्रधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) मंगठन अनुसंधान कार्यों के लिए आलग लेखा अधिकारी रखेगा।  
(ii) यह प्रपत्ते वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विलोय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रोद्योगिकी भवन" न्यू महरेनी रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा परीक्षीत वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (कूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक

तथा औद्योगिक अनुसंधान /विभाग और (ग) आयकर आयकर/आयकर महानिदेशक (कूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उस संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 35(1) में वी गई रिसेच कार्यों सम्बन्धित कूट के बारे में लेखा-परीक्षीत आय-आय लिस्ट को भी प्रस्तुत करेगा :

मंगठन का नाम

मद्रास इंटरटीक्यूट ऑफ मैनेजेंटवायोडाजी  
52ए, ए के ल्लाक, 7वां मेन बोड,  
पूर्णा नगर, मध्यम-40

यह अधिसंधन विनांक 1-4-93 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी 1. उपर्युक्त जारी (1) "संस्कृत" जैसा प्रवर्ग के लिए सार्व नहीं होगा।

2. मंगठन को मुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुस/आयकर निवेशक (कूट) जिनके क्षेत्राधिकार में मंगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (कूट), कलकत्ता की बीज प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए, प्रावेशन-पत्र की 6 प्रतियों संख्या, वैज्ञानिक और प्रौद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[संख्या : 946 (एफ.स. स.नि./आ.क (कूट)/टीएन-19/35(1)  
(ii)/89]

श्रीमती एस राय, उपनिवेशक

## INCOME TAX

Calutta, the 30th November, 1993

S.O. 2314.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ;
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Madras Institute of Magnetobiology,  
No. 52-A, A.K. Block, 7th Main Road,  
Anna Nagar, Madras-40.

This notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

Notes—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 946/F. No. DG/IT(E)/46/TN/19|35(1)(ii)|89]

SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

आयकर

का.भा 2315 --संगठन को एतदद्वारा सूचित किया जाता है कि नियन्त्रित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खिलाफ (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के प्रधीन विहित प्राधिकारी द्वारा नियन्त्रित भारतीय पर "संस्था" संबंध के प्रधीन प्रनुभोवित किया गया है:—

(i) संगठन प्रनुभवान कार्यों के लिए आयकर लेखा बहिर्या रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक प्रनुभवान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व ओरोगिक प्रनुभवान विभाग, "पीडीओगिकी मण्डल" यू. महरेली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अगस्त तक लेखा-पर्गीरीत वार्षिक लेखा को प्रति (क) आयकर महानिदेशक (टूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा जौड़ोगिक प्रनुभवान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (टूट) जिनके द्वारा विभिन्न विभागों में उक्त संगठन पक्षता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई विसर्जक कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-पर्गीरीत आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

एसपीजी इवलोपमेंट रिसर्च सेंटर,  
इण्डियन आयकर के विपरीत, एसपीजी वाटसिंग प्लान्ट,  
क्लॉट फॉल्क रोड, दो दूरवानी नगर,  
बंगलोर-560016

यह अधिसूचना विनांक 5-5-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभागी है।

टिप्पणी 1 उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" ऐसा संबंध के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को शुल्क दिया जाता है कि वे प्रनुभोवन की प्रवधि दफ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर नियेशक (टूट) जिनके द्वारा विभिन्न विभागों में आयकर महानिदेशक (टूट), कालकरता को तीन प्रतिशत में आवेदन करें, अनुभोवन की प्रवधि दफ़ाने के गद्दीय में किए आवेदन एवं की 6 प्रतिशत भवित्व, वैज्ञानिक और ओरोगिक प्रनुभवान विभाग को प्रत्युत करता है।

[संग्या : 947 (एफ.ट. भ.नि./प्रा.क. (टूट) केटी-46/35(1)(ii)/93]

श्रीमती एस राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

### (INCOME-TAX)

S.O. 2315.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

### NAME OF THE ORGANISATION

LPG Equipment Research Centre,  
Opposite Indian Oil,  
LPG Bottling Plant,  
Whitefield Road,  
Dooravani Nagar Post,  
Bangalore-560 016.

This Notification is effective for the period from 5-5-1993 to 31-3-1995.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 947/F. No. DG/IT(E)|KT-46|35(1)(ii)|93]

Smt. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

आयकर

का.प्रा. 2316—सर्वेसंवादग को एन्ट्रेंट्रांग सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35 की उधारा (1) के अन्त (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के प्रधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित गतीय पर “संस्था” संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है—

(i) संगठन अनुमोदित कार्यों के लिए प्रत्यक्ष लेखा रहियाँ रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वापिक विवरण प्रत्येक विस्तृत वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक संचित, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन” न्यू मैरीलॉड रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-प्रीरकीयीत वापिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिवेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिवेशक (छूट) जिनके अंतर्गत भवन में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35(i) में वी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-प्रीरकीय आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

हन्दीटेक्नोलॉजी प्रौद्योगिकी प्रौद्योगिकी प्रौद्योगिकी प्रौद्योगिकी  
नगर सिविल इंजीनियरिंग  
भ्रहमवाहार-380016

यह प्रधिनियम 23-2-93 से 31-3-95 तक की प्रवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त धारा (i) “गव” जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होता।  
2. संगठन को गुपात्र दिया जाता है कि वे अनुमोदित की प्रवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छूट) जिनके अंतर्गत भवन में उक्त संगठन कार्यों, अनुमोदित की प्रवधि बढ़ाने के संबंध में किए आयेतत-पत्र की 6 प्रतियां संचित, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[मल्ला: 918 (ए.स. म.नि./प्रा.क.) (छूट) जी-67/35(1)(ii)  
(93)]

श्रीमती एम. राधा, उपनिवेशक

Calcutta, the 30th November, 1994

## INCOME TAX

S.O. 2316.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category “Institute” subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, “Technology Bhawan”, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every

financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Institute of Cardiology &  
Research Centre,  
New Civil Hospital,  
Ahmedabad-380 016.

This Notification is effective for the period from 23-2-1993 to 31-3-1995.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 948] F. No. DG/IT(E)/G-63/35(1)(ii)/93  
Smt. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

आयकर

का.प्रा. 2317—सर्वेसंवादग को एन्ट्रेंट्रांग सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35 की उधारा (1) के अन्त (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के प्रधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित गतीय पर “संस्था” संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए घरनग से ऐक्या वहिया रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वापिक विवरण प्रत्येक विस्तृत वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक संचित, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन” न्यू मैरीलॉड रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-प्रीरकीय वापिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिवेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिवेशक (छूट) जिनके अंतर्गत भवन में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35(i) में वी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-प्रीरकीय आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

थाकुर रिम्बै का उन्डेन,  
212, दीन दयाल मार्ग,  
नई दिल्ली-110002

यह अधिसूचना दिनांक -1-91 से 31-3-93 तक की अधिक के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. अधिकारी (i) "संव" जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को गुजार दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अधिकारी बहाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छूट) जिनके अधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिवेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों ने आयेदन करें, अनुमोदन की अधिकारी बहाने के संबंध में विषय आयेदन पत्र की 6 प्रतियों मध्यिक, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 949 (एफ. स. म. नि./आ. क. (छूट) न. दि.-40/35(1) (iii)/(89)]

श्रीमती एग. राय, उपनिवेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

## (INCOME-TAX)

S.O. 2317.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 45 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- The organisation will maintain a separate books of accounts for its research activities;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Thakur Research Foundation,  
212, Deen Dayal Marg,  
New Delhi-110 002.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1993.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions) Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 949] F. No. DGIT(E) [ND-40-35(1)(iii)] [89]

Smt. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

आयकर,

का.आ. 2318 -- संवैधारण को प्रस्तुत रखिया जाता है कि निम्न-लिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपयोग (i) के लिए, आयकर नियम के धारा 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नान्वित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अनग लेखा वहिया रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विभाग प्रत्येक वर्ष के लिए, प्रस्तुत वर्ष के 31 मई तक मध्यिक, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" म्यूमेहरीली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षीत व्यापिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिवेशक (छूट), (ख) मध्यिक, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिवेशक (छूट) जिनके अधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(i) में वीर्ये रिसर्च कार्यों सम्बन्धित क्षुट के वारे में लेखा-परीक्षीत आय-भ्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

थाकुर निम्बै का उन्डेन,  
212 दीन दयाल मार्ग,  
नई दिल्ली-110002

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-95 तक की अधिक के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्यन्त ग्राम (i) "संव" जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को समाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अधिकारी बहाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छूट) जिनके अधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिवेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आयेदन करें, अनुमोदन की अधिकारी बहाने के मध्यम में किए आयेदन पत्र की 6 प्रतियों मध्यिक, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या: 950 (एफ. स. म. नि./आ. क. (छूट) न. दि.- 40/35(1) (iii)(89)]

श्रीमती एग. राय, उपनिवेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

## (INCOME-TEX)

S.O. 2318.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "University" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Thakur Research Foundation,  
212, Deen Dayal Marg,  
New Delhi-110 002.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

- Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions) Calcutta through the Commissioner of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 950/F. No. DG/IT(E)/ND-40/35(1)(iii)/89]

Smt. S. RAY, Dy. Director

2005 GI/94—3

आयकर

का.आ. 2319 :—सर्वोच्चारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन ग्रन्तिभेदित किया गया है :—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सूचित, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहराली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर अधिकृत/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(i) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आवश्यक हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

टेक्नोलॉजी इन्फारेंस फोरकास्टिंग एन्ड ऐसेसमेन्ट काउन्सिल (टी आई एफ.ए सी) डिपार्टमेंट आफ साइंस एन्ड टेक्नोलॉजी, टेक्नोलॉजी भवन, मेहराली मार्ग, नई दिल्ली-110016

यह अधिसूचना दिनांक 30-6-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उम्पुक्त शर्त (i) "संव" जैसा संर्व के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुसोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर अधिकृत/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतिशत में आवेदन कर, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतिशत सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 951 (एफ.सं.प.नि./आ.क. (छूट) नं. 116/35 (i) (ii)  
93/आ. क. (छूट)]

अ. मत्त. एस. राध, उपनिदेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

## (INCOME-TAX)

S.O. 2319.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions;

- (i) The organisation will maintain a separate books of accounts for its research activities;

- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

#### NAME OF THE ORGANISATION

Technology Information Forecasting & Assessment Council (TIFAC),  
Department of Science & Technology,  
Technology Bhawan,  
Mehrauli Road,  
New Delhi-110 016.

This Notification is effective for the period from 30-6-1993 to 31-3-1995.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 951] F. No. DG/IT(E)/ND-116/35(1)(ii)/93-  
IT(E)]

Smt. S. RAY, Dy. Director

Dated: 30- नवम्बर, 1993

आपकर

का.आ. 2329:—प्रत्याधारण को गतद्वारा सुचित किया जाता है कि निम्नलिखित मंगठन को, आपकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपचारा (1) के अन्तर्गत (ii) के लिए, आपकर नियम के नियम 6 के अधीन प्रतिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संबंध के अधीन अनुमेदित किया गया है।

(1) मंगठन अनुमंधान कार्यों के लिए अनुग्रह लेखा बहिर्भूत रहेगा।

- (2) यह मंगठन वैज्ञानिक अनुमंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वर्षीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुमंधान विभाग, "प्रोटोटाइप्स अफ" न्यू मैडरीली रोड, नई दिल्ली-110016 पर सेजेगा; और
- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-प्राप्ति वार्षिक लेखा की प्रति (क) आपकर महानिदेशक (छट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुग्रहात्मक विभाग, और (ग) आपकर आपूर्ति/आपकर महानिदेशक (छट') जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आपकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छट के बारे में लेखा-प्राप्ति आवश्यक हिताब को भी प्रस्तुत करेगा।

मंगठन का नाम

मंगलोर किलो फाउन्डेशन,  
316, 14 वां प्रांग, II फ्लॉर,  
जगनगर,  
मंगलोर-560011

यह अधिसूचित दिनांक 1-4-93 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- दिलाई: 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" वैज्ञानिक के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को समाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आपकर आपूर्ति/आपकर नियम (फट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आपकर महानिदेशक (छट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन कर, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के सबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियों सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुमंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[लंबा : 952/प.क. सं. भ.नि./सा.क. (छट)/कटी-38/35 (1)

(ii) (91)]

श्रीमती एम राधा, उपनिदेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

#### (INCOME-TAX)

S.O. 2320.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax(Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

#### NAME OF THE ORGANISATION

Bangalore Kidney Foundation,  
316, 14th Cross, II Block,  
Jayanagar, Bangalore-560 011.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 952] F. No. .DG[IT(E)|KT-38]35(1)(ii)91-  
IT(E)]

Smt. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

आयकर

का.प्रा. 2321 :—संबंधित संगठन को एटद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संघ” संबंध के प्रधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिर्भूत रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक संचित, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रीशोगिकी भवन” न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और

- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अप्रैल तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा वो प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) मंत्रिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुल, आपायकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई विवरण कार्यों सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आग-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

#### संगठन का नाम

ओएन जी भी स्कम्बर आयकर विभाग द्वारा द्वारा आयल एन्ड नैचरल गेस कमीशन कैलाण, 6वीं तल, नई दिल्ली-110001

यह अधिसूचना विनांक 1-4-93 से 31-3-96 तक की प्रवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) “संघ” जैसा संबंध के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदित की प्रवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुल/आपायकर नियंत्रण (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), बालकन्ता को सीन प्रतियों में आवेदन करे, अनुमोदित की प्रवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पद की 6 प्रतियो सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 953/एफ सं. म.नि. आ.क. (छूट) नं. 38/35 (1) (ii)  
(89)]

श्रीमती एम. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

#### (INCOME-TAX)

S.O. 2321.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category “Association” subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, “Technology Bhawan”, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy

of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

#### NAME OF THE ORGANISATION

ONGC-Schlumberger Wireline Research Centre, C/o. Oil & Natural Gas Commission, "Kailash" 6th Floor, New Delhi-110 001.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

**NOTES :** (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 953]F. No. DG|IT(E)|ND-38|35(1)(ii)|89]  
IT(E)]

SMT. S. RAY, Dy. Director

কলকাতা, 30 নভেম্বর, 1993

প্রাপক

কা.প্রा. 2322 :—সর্বসামাজিক একাডেমি সুচিত কিয়া জাতা হই কি নিম্নলিখিত সংগঠন কো, প্রাপক অধিনিয়ম, 1961 কী ধারা 35 কী উদ্ধারণ (1) কে অ্যাপ্লিকেশন (iii) কে নিয়ে, প্রাপক নিয়ম কে নিয়ে 6 কী অধীন থিলিন প্রাধিকারী দ্বারা নিম্নলিখিত শর্তোঁ পর “সংস্থা” সংবর্গ কী অধীন অনুমতি নিয়া গয়া হৈ :—

- (1) সংগঠন অনুসংগ্রহ কোর্টে লিএ অবগত সেখা বহুযোঁ রক্ষেগা।
- (2) যহ প্রয়েতে বৈজ্ঞানিক অনুসংগ্রহ সম্বন্ধী কোর্টে প্রক বাধিক বিবরণ প্রয়েক বিনোয় বৰ্ণ কে নিয়ে, প্রয়েক বৰ্ণ কে 31 মৰ্চ তক মচিব, বৈজ্ঞানিক ব ঔর্যোগিক অনুসংগ্রহ বিভাগ, “প্রৌর্যোগিক ভবন”, ন্যূ মেহরালী রোড, নই দিল্লী-110016 কো পঞ্জেগা, ঔর
- (3) যহ প্রয়েক বৰ্ণ কে 31 অক্টোবৰ তক লেখা-পরীক্ষত চাপিক লেখা কী প্রতি (ক) প্রাপক মহানিদেশক (ছুট), (খ) গজিব, বৈজ্ঞানিক নথা ঔর্যোগিক অনুসংগ্রহ বিভাগ ঔর (গ) প্রাপক প্রাপ্ত/প্রাপক মহানিদেশক (ছুট) জিনকে ক্ষেত্ৰাধিকার মে উকল সংগঠন পড়তা হৈ ঔর প্রাপক অধিনিয়ম, 1961 কী ধারা 35(1) মে দী গৱেষণা কোর্টে সম্বন্ধী ছুট কে বারে মে লেখা-পরীক্ষত প্রাপ্ত/প্রাপক হিসাব কো ভী প্রস্তুত কোরেগা।

সংগঠন কো নাম

নেশনল কাউন্সিল প্রাপক এন্ড্রেড ইকোনোমিক রিপোর্ট,  
11, ইন্দ্রপ্রস্থ এস্টেট,  
নই দিল্লী-110002

যহ অধিসূচিতা দিনাংক 1-4-93 সে 31-3-96 তক কী অবধি কে লিএ প্রমাণী হৈ।

**টিপ্পণী :** 1. উপর্যুক্ত শর্ত (1) “সংস্থা” জৈব সংবর্গ কে লিএ লাগু নহৈ হৈগো।

2. সংগঠন কো সুজাব দিয়া জানা হৈ কি খে অনুমতি দান কী অবধি ক্ষেত্ৰাধিকার মে সংগঠন পড়তা হৈ কে মাধ্যম সে প্রাপক মহানিদেশক (ছুট), কলকাতা বৰ্ণ তোন প্রতিযোঁ মে প্রাপকে করে, অনুমতি দান কী অবধি বৃদ্ধান্ত কে সংক্ষেপ মে কিএ প্রাপকেন-পত্র কী 6 প্রতিযোঁ সত্যিয়, বৈজ্ঞানিক ঔর ঔর্যোগিক অনুসংগ্রহ বিভাগ কো প্রস্তুত কোরনা হৈ।

[সংল্পনা 954/পক.সং. ম.নি. আ.ক. (ছুট) নথি-41/35 (1) (iii)]

শ্রীমতী এস. রায়, উপর্যুক্ত

Calcutta, the 30th November, 1993

#### (INCOME-TAX)

S.O. 2322.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, “Technology Bhawan”, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

#### NAME OF THE ORGANISATION

National Council of Applied Economic Research,  
11, Indraprastha Estate,  
New Delhi-110002.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

NOTES : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 954 (F. No. DG|IT(E)|ND-41|35(1)(iii)]

SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

प्रायकर

का आ. 2323.—मन्त्रसाधारण को प्रत्यक्षात् सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, प्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के अंतर्गत (iii) के लिए, प्रायकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन प्रत्योक्ति किया गया है :—

(1) संगठन प्रत्युत्थान कार्यों के लिए, प्रालय लेखा बहिर्भूत रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक प्रत्युत्थान मंड़ंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक संचित, वैज्ञानिक व औद्योगिक प्रत्युत्थान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मैट्टर्स रोड, नई दिल्ली-110016 को सेवेगा, और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अगस्त तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) प्रायकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक प्रत्युत्थान विभाग और (ग) प्रायकर आपूर्यत/प्रायकर महानिदेशक (छूट) जिनके अधिकार उक्त संगठन पड़ता है और प्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों संबंधित (छूट), के बारे में लेखा-परीक्षित आवश्यक हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

#### संगठन का नाम

के पी केन ऑरिएंटल इंस्टीट्यूट  
136, वर्षाई गमाधार मार्ग  
फोर्ट, बांगलौ-400023

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पण : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" ऐसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को मुलाक दिया जाता है कि वे प्रत्युत्थान की अवधि बढ़ाने के लिए प्रायकर आपूर्यत/प्रायकर निदेशक (छूट) जिनके अधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से प्रायकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को दीन प्रतिश्वेत में

प्रावेदन करें प्रत्युत्थान की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आयोदत-पत्र की 6 प्रतियाँ सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक प्रत्युत्थान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[राज्या : 955/पक. भ. म. नि./आक. (छूट) वी-89/35(1)(iii)(90)]  
श्रीमती पंग. राय, उपर्यन्देशक

Calcutta, the 30th November, 1993

#### INCOME-TAX

S.O. 2323.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mchrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

#### NAME OF THE ORGANISATION

The K. P. Cane Oriental Institute,  
136, Bombay Samachar Marg, Port,  
Bombay--400023.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1994.

Notes.—1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 955|F. No. DG|IT(E)|B-89|35(1)(iii)|90]  
SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

प्रायकर

का.ग्रा. 2324.—सर्वसाधारण को एन्ड्रेड्रारा सूचित किया जाता है कि निम्न-उल्लिखित संगठन को, प्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड(ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संघ” संबंध के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अनग लेखा वहियां रखेगा।

(ii) यह आपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वापिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन” न्यू मेहरौली रोड, नई विल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वापिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके द्वेषाधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों संबंधित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-ध्यय हिसाब भी भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

सेटर फॉर स्टडी मैन एड एन्वायरमेंट,  
सी के-11, सार्ट लेक,  
कलकत्ता-700091

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (i) “संघ” जैसा संबंध के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को युक्ताव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छूट) जिनके द्वेषाधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता की तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के रांग में किए गये देवेन्पत्र की 6 प्रतियों सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या: 956/एफ. सं. म नि./प्र.क. (छूट)/पब-26/35(1)(ii)/90]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

### INCOME-TAX

S.O. 2324.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category “Association” subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate books of account for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New

Mehruli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year : and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

### NAME OF THE ORGANISATION

Centre for Study of Men & Environment,  
CK-11, Salt Lake,  
Calcutta-700091.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

Notes.—1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 956/F. No. DG/IT(E)/WB-26/35(1)(ii)/90]

SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

आयकर

का.ग्रा. 2325.—सर्वसाधारण को एन्ड्रेड्रारा सूचित किया जाता है कि निम्न-उल्लिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संस्था” संबंध के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा-वहियां रखेगा;

(ii) यह आपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वापिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन”, न्यू मेहरौली रोड, नई विल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वापिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके द्वेषाधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-ध्यय हिसाब भी भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

गबन्नमेट दूत सम एंड ट्रेनिंग सेंटर,  
इंडस्ट्रियल एस्टेट, राजाजी नगर,  
बंगलोर-360044

यह अधिग्रहन दिनांक 1-4-91 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन वो गुमाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर अधिनियम/आयकर नियमेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानियेशक (छूट), कलाकारों को बीते प्रतिवर्षों में आपेक्षत करें, अनुमोदन वीर अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आयेदत्त-पत्र की 6 अविवादी सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[संख्या : 957 / फ. सं. म.नि/मा.क. (छूट)/केटी-35/35(1)(ii)/90]

श्रीमती एम. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

## INCOME-TAX

S.O. 2325.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Account and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Govt. Tool Room and Training Centre,  
Industrial Estate, Rajaji Nagar,  
Bangalore-360044.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1994.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax |Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 957/F. No. DG|IT(E)|KT-35|35(1)(ii)|90]  
SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

आयकर

का.आ. 2326.—संवर्साधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न-उल्लिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के प्रधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के प्रधीन अनुमोदित किया गया है :—

(1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग योग्या-बहिर्यां रखेगा ;

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वैज्ञानिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 अप्रैल तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मैट्टेनी, गोर, नई दिल्ली-110016 को मेंजेंगा ; और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-पर्योगित वायिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानियेशक (छूट), (ख) गवर्नर, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त-आयकर महानियेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उस संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई ग्रिम्प कार्यों संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय विभाव को भी प्रस्तुत करेगा ।

## संगठन का नाम

वैद विज्ञान महाविद्यालयी, वैदिक मार्दम का फारेज, योगा एंड मंसुका स्टडीज,  
19, 39वां ए लाल, 11वां गेट रोड,  
4था इलाक, जयनगर,  
बंगलोर-560041

यह अधिग्रहन दिनांक 1-4-92 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को गुजारा दिया जाता है कि वे अनुमोदन की प्रवधि बढ़ाने के लिए आपकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छट) जिनके धेताधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में भावेदन करें, अनुमोदन वी अवधि वरांते के गवंध में लिए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां गचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[नंबर: 958/एफ. म.नि./या.क. (छट) केटी-15/35(i)(iii)/(89)]

श्रीमती एम. राय, उपनिदेशक

## INCOME-TAX

Calcutta, the 30th November, 1993

S.O. 2326.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- The organisation will maintain a separate books of accounts for its research activities;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- It will submit to the (a) Director, General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax| Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Ved Vignan Mahavidya Peeth,  
College of Vedic Sciences,  
Yoga and Sanskrit Studies,  
19, 39th Across,  
11th Main Road,  
IV T Block, Jayanagar,  
Bangalore-560041.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1994.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax Exemptions, Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 959/F. No. DG|IT(E)|KT-15|35(1)(iii)|89]

Smt. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

## आयकर

का.आ. 2327.—मर्वासाधारण को एप्टेंडेड्या गूचित किया जाता है कि निम्न-उल्लिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" मर्याद के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा वहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वाधिक विवरण प्रत्येक विलीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रोचोरिपो भवन", न्यू मैट्रौनी रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा भी प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छट) जिनके धेताधिकार में उत्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में शी गई रिमर्क कार्यों संबंधित छट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-न्यय दिशाव को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

धृष्टिगत काउन्सिल ऑफ रेस्क्यूल ग्रिन्ट,  
अन्नारी नगर, पो. वा. नं. 45001,  
नई दिल्ली-110029

यह अधिभूत दिशाओं 1-1-91 से 31-3-94 तक की प्रवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त घर्त (i) "संघ" जैसा मंवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को मुआव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की प्रवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छट) जिनके धेताधिकार में संगठन पड़ता है माइयम ने आयकर महानिदेशक (छट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन वी अवधि बढ़ाने के संबंध में लिए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां मञ्चिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[नंबर: 959/एफ. म.नि./या.क. (छट)/एन शी 59/35(1)(ii)/99]

श्रीमती एम. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

## INCOME TAX

S.O. 2327.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Indian Council of Medical Research,  
Ansari Nagar, Post Box 4508,  
New Delhi-110029.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1994.

- Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 959 (F. No. DG/IT(E)/ND-59/35(1)(ii)]

SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30 नवंबर, 1994

आयकर

का.आ. 2328.—सर्वभाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्रधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :-

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा वहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रोद्योगिक भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

2005 GI/94—4

- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर, तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयकर/आयकर महानिदेशक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार छट उक्त संगठन पड़ता यहै और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छट ) के बारे में लेखा-परीक्षित आय व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

एडिक्शन रिसर्च सेंटर,  
6, कैथिड्रल रोड,  
मद्रास-600086

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लाग नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयकर निदेशक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 960 (एफ सं. म.नि./आ.क. (छट)/टी एन-39/35  
(1) (ii) (90))]

श्री मर्ती एस. राय, उपनिदेशक आयकर (छट)

Calcutta, the 30th November, 1993

## INCOME TAX

S.O. 2328.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION :

Addiction Research Centre,  
6, Cathedral Road,  
Madras-600086.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1995.

Notes : (i) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 960 (F.No. DG/IT(E)/TN-39/35(1)(ii)/90-IT(F)]  
SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

आयकर

का.आ. 2329.—सर्वमाध्यारण को एनद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संघ” संबंध के अधीन अनुमोदित किया गया है :-

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए, ग्रन्त लेखा विहित रखेगा।  
(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक संचित, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रोटो-पिकी भवन” न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और  
(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (एट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (एट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में सी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित (पूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय व्यय हिमाच को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

एडिक्शन रिसर्च सेन्टर,  
6, कैपिटल रोड,  
मद्रास-600086

यह प्रधिसूचित दिनांक 1-4-1995 से 31-3-1996 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) “संघ” जैसा संबंध के लिए सामूह नहीं होगा।  
2. संगठन को भुगताव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (एट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (एट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में लिए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां राजिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[मंज्या : 961/एफ सं. स.नि./आ.क. (एट)/ टीएन.-39/  
35 (1) ii (90)/आ.क. (एट)]

श्रीमती एम. राम, उप निदेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

### INCOME TAX

S.O. 2329.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 5 of the Income Tax Act, 1961 under the category “Association subject to the following conditions;

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

### NAME OF THE ORGANISATION :

Addiction Research Centre,  
6, Cathedral Road,  
Madras-600086.

This Notification is effective for the period from 1-4-1995 to 31-3-1996.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 961/F. No. DG/IT(F)/TN-39/35(1)(ii)/90-IT(E)]

SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

आयकर

का.आ. 2330.—सर्वमाध्यारण को एनद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न-उल्लिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संस्था” संबंध के अधीन अनुमोदित किया गया है :-

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए ग्रन्त लेखा विहित रखेगा।  
(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक गतिविधि, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रोटो-पिकी भवन” न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और  
(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर, तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (एट), (ख) सचिव,

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिंपैच कार्यों सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-स्थित हिसाय को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

नैणनल इन्ड्योरेन्स अकाउंट्स

क.सं. 25, बनेर रोड,

ग्राम पलेवडी, तालुक हवेली

जिला : पुने-पिन-411008

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संबंध के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को गुम्फाय दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकरता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[मंजूरी : 962 एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट)/एम-149/ 35 (1) (ii) (91) /आ.क. (छूट)]

श्रीमती एम. राय, उप निदेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

## INCOME TAX

S.O. 2330.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION :.

National Insurance Academy,  
S. No. 25, Baner Road,  
Village Palewadi, Taduk Hoveli,  
Dist. Pune, Pin-411008.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1994.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 962/F. No. DG/IT(E)/M-149/35(1)(ii)/91-IT(E)]

SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30 नवम्बर 1993

## आयकर

का०आ० 2331.—संवैसाधारण को एतदारा सूचित किया जाता है कि निम्न-उल्लिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के बाइ (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है—

- संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिर्या रखेगा।
- यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बद्धी कार्यों का एक वाचिक विवरण प्रत्येक विभीत वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक संचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहराली रोड, नई विल्ली-110016 को संभेदेगा, और
- यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिंपैच कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-स्थित को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

श्री राम साइटिकल एण्ड इन्डस्ट्रीयल रिसर्च फाउण्डेशन  
संस्कृत भवन, शार्दूलाला, नई विल्ली ।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संबंध के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाय दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकरता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[मंजूरी : 963/एफ.सं. म.नि.0/आ.क. (छूट) नं-87/35(1)(ii)  
(90)].

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

## INCOME-TAX

S.O. 2331.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemption), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Shri Ram Scientific and Industrial Research Foundation, Sanskrit Bhawan, Jhandewalan, New Delhi.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

- Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 963/F. No. DG/IT(E)/ND-87/35(1)(ii)/90]

SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

आयकर

का० ३३२.—संवैसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न-उल्लिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित गतों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा ;
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वाषिक विवरण प्रत्येक विस्तीर्ण वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मैहराली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वाषिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्र-

धिकार में उभत संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

सेन्ट्रल मशीन टूल इन्स्टीट्यूट, टंकर रोड, बंगलौर-560022

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त धारा (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 964 /एफ० सं० म०नि०/आ०क० (छूट) केटी-19/35(1)(ii)/90]

श्रीमती एस० राय, उपनिवेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

## INCOME-TAX

S.O. 2332.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Central Machine Tool Institute,  
Tunkur Road,  
Bangalore-560022.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

- Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax

Calcutta, the 30th November, 1993

## INCOME-TAX

(Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 964/F No. DG/IT(E)/KT-19/35(1)(ii)/90]

SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

आयकर

कानून २३०-३-गणेशाधारण को एन्ट्रीट्रैट दृचित किया जाता है कि निम्न-उल्लिखित संगठन का, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम ६ के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघर्ष" मंड़वा के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिर्याँ रखेगा ;
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान मामलों की कार्यों का एक वापिक विवरण प्रत्येक विभिन्न वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "ओशोगिनी भवन", न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा ; और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षीत वापिक नेतृत्व की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छट), (ख) मार्जिव वैशानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त आयकर महानिदेशक (छट) जिनके संवाधिकार में उन्नत गंगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षीत आयोग्य हिंगाव को भी प्रस्तुत करेगा ।

संगठन का नाम

नेशनल काउन्सिल फार मीटिंग एंड बिल्डिंग मेर्टिसिल एम-१०, साउथ एक्सेंसन II, रिय रोड, नई दिल्ली-110049

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-96 तक वी अधिक के लिए प्रभासी है ।

टिप्पणी १. उपर्युक्त जन्त (1) "ग" जैसा संवर्ग के लिए दिया नहीं है ।

२ संगठन को गुणात्मक दिग्गज जाता है कि वे अनुशोदन की अधिक बढ़ावे के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छट) जिनके संवाधिकार में गंगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छट), कलकत्ता को लीन प्रतियों में आयुक्त वार, अनुशोदन की अधिक बढ़ावे के संदर्भ में किए आयोजन-पर्याय वी ६ प्रतियों मध्यस्थ, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है ।

[मंधा ९०५ /एफ २० ग्रन्ति/ग्राहक (छट) नंदि-६२/३५(1)(ii)/  
५०]

कृपानी एस. राय, उपनिवेशक

S.O. 2333.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year; by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

National Council for Cement and Building Materials,  
M-10, South Extension II Ring Road,  
New Delhi-110049.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 965/F. No. DG/IT(E). ND-62/35(1)(ii)/90]

SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

आयकर

कानून २३०-३४—सर्वसाधारण को एन्ट्रीट्रैट दृचित किया जाता है कि निम्न-उल्लिखित संगठन का, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम ६ के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिर्याँ रखेगा ।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वापिक विवरण प्रत्येक विभिन्न वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षीत वापिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छट), (ख) मार्जिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग)

आयकर आयुक्त/आयकर महानिवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षीत आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

सिद्धो मल रिसर्च फाउण्डेशन,  
40, गली राजा केदार नाथ, बाजार, नई दिल्ली-110006

यह प्रधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (i) 'संघ' जैसा संबंध के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिवेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[संख्या : 966/एफ०सं० म०नि०/आ०क० (छूट)/नदि-7/35(1)(ii)/  
(89) :

श्रीमती एस० राय, उपनिवेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

## INCOME-TAX

S.O. 2334.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Siddho Mal Research Foundation,  
50, Gali Raja Kedar Nath,  
Chawri Bazar,  
Delhi-110006.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 966/F. No. DG/IT(E)/ND-7/35(1)(ii)/89]

SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30, नवम्बर, 1993

## आयकर

का०प्रा० 2335:—सर्वसाधारण को सूचना के लिये प्राप्तिकारा यह प्रधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के अधृत (iii) के लिये आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (i) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक प्रलग सेक्षा रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष को 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "औद्योगिक भवन," स्ट्री मेहराली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष को 31 अक्टूबर तक सेक्षा-परीक्षीत वार्षिक सेवों को प्राप्त (क) आयकर महानिवेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक आयुक्त और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च क्रिया-कालाप सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षीत आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

इन्डियन नेशनल थियेटर, 19/21, आमबाला दोस्ती मार्ग,  
दिल्ली-400023

यह प्रधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
- 2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिवेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[मं० 967/फा०सं० दी०जी०, प्रा० कर (छूट) : एम-50/कल०/35 (1)  
(iii)/89]

श्रीमती एस० राय, उपनिवेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

## (INCOME-TAX)

S.O. 2335.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year a copy of its audited annual accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Indian National Theatre,  
19/21, Ambala Doshi Marg,  
(Haman Street),  
Bombay-400 023.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1994.

- NOTES : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 957|F. No. DG|IT(E)|M-50|35(1)(iii)|89]  
SMT. S. RAY, Dy. Director

## आयकर

का.ओ. 2336—संवेदनाधारण को प्रदर्शन सूचित किया जाता है कि निम्न-उल्लिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के अप्ट (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विद्युत प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित पार्टी पर "संरक्षा" संवर्ग के अधीन प्रत्युमोदित किया गया है—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए शब्दग्रंथों वहियां रखेगा
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक मन्त्रिय, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रोटोटाइपी भवन" न्यू मेहराली गोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेप्टो-परीक्षीत वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई विसर्जन कार्यों संशोधित छट के बारे में लेप्टो-परीक्षीत आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

बंगलदादा मुगर इन्स्टीट्यूट मंजरी (बीके) 412307 साल ह्येनी जिला-पुने, महाराष्ट्र

यह अधिसूचना रिनाक 1-4-93 से 31-3-95 तक वी प्रदक्षिके लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को सुलाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की प्रवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की प्रवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 969 (एफ. सं. मानि. ०/आ०क० (छट)/एम-५१/३५(1)(ii) (89)]

श्रीमती एग० राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

## INCOME-TAX

S.O. 2336.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31<sup>st</sup> May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31<sup>st</sup> October each year a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Vasantdada Sugar Institute,  
Manjari (BK) 412307.  
Tal Haveli,  
Dist. Pune,  
Maharashtra.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

NOTES : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 969|F. No. DG|IT(E)|M-51|35(1)(ii)|89]

SMT. S. RAY, Dy. Director

Calcutta, 30 November, 1993

आयकर

का.आ. 2337 :—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित

प्रतिकारी दाया निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संबंध के प्रधान अनुसंधान किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह असं वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वापिक विवरण प्रत्येक विचारी वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मैट्टर्सी रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वापिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक नथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयकर आयकर महानिदेशक (छट) जिनके थेट्राधिकार में उन संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई विसर्जन कार्यों सम्बन्धित छट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-आय दिव्यावाको भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

अस्ट्रा रिसर्च मेन्टर,  
पो. बा. नं. 359  
18 वाँ क्रम, मलेश्वरम,  
कर्नलौर-560003

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संबंध के लिए लागू नहीं होगी।
2. संगठन को सुनाव दिया जाता है कि वे अनुसंधान की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयकर महानिदेशक (छट) जिनके थेट्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छट), कलकत्ता को तीन प्रतिवर्ष में आवेदन कर, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किंवा आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[मंज्या : 970 /एक.सं. म.नि./आ.क. (छट) केटी-4/  
35(1)(ii)/89]

श्रीमती एस.राय, उपनिदेशक,

Calcutta, the 30th November, 1994

## (INCOME-TAX)

S.O. 2337.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/ Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Astra Research Centre,  
Post Box No. 359,  
18th Cross, Malleswaram,  
Bangalore-560 003.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

NOTES : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 970/F. No. DG/IT(E)/KT-4/35(1)(ii)/89]

SMT. S. RAY, Dy. Director

2005 GI/94-5

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

## आयकर

का.आ. 2338 :—मर्वसाधारण को एतद्वाया सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन का, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपाधार (1) के खण्ड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" मंड़ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिया रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विभागीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व श्रीदौषिगिक अनुसंधान विभाग, "श्रीदौषिगिकी भवन" लू मेहरगढ़ी रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छट), (ख) मन्त्री, वैज्ञानिक तथा श्रीदौषिगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयकर/आयकर महानिदेशक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में गई रिमर्च कार्यों सम्बन्धित छट के यारे में लेखा-परीक्षित आयव्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

नेटर फॉर प्रानियों रिसर्च,  
धर्मा मार्ग, चाणक्यपुरी,  
नई दिल्ली-110021

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा मंड़ग के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयकर/आयकर महानिदेशक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां भवित्व, वैज्ञानिक और श्रीदौषिगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करें।

[मंसा 971/एफ.सं.म.नि./आ.क. (छट)  
नदि-60/35(1)(iii)/90]  
श्रीमती एम. राज. उपनिदेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

## INCOME-TAX

S.O. 2338.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax| Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October, each year a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Centre for Policy Research,  
Dharma Marg,  
Chankypuri,  
New Delhi-110 021

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

NOTES : (1) Condition (1) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 971|F. No. DG|IT(E)|ND-60|35(1)(iii)|90]

SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

## आयकर

का.आ. 2339 :—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियाँ रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मैहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

रिसर्च फाउन्डेशन फॉर जैनोलॉजी (रजिस्टर्ड),  
सुगन हाउस, 18 रामानुज अय्यर स्ट्रीट,  
सोबेरपेट, मद्रास-600079

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होता।
2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के साध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 972/एफ.सं. म.नि./आ.क (छूट)/टीएन-9/  
35 (1) (iii) (89):]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

## INCOME-TAX

S.O. 2339.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Research Foundation for Jainology (Regd.),  
Sugar House,  
18, Ramanuja Iyer Street,  
Sowcarpet,  
Madras-600 079.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1994.

- NOTES : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 972] [F. No. DG|IT(E)|TN-9|35(1)(iii)|89]

SMT. S. RAY, Dy. Director

## आयकर

का.आ. 2340 :—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संबंध के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियाँ रखेगा ;
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू महरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा ; और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

अरविन्द मेडिकल रिसर्च फाउण्डेशन,  
1 अन्ना नगर, मदुरई-625020,  
तमिलनाडु।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियाँ सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करें।

[संख्या 973/एफ.सं. म.पि./आ.क. (छूट)/टीएन-14/  
35(1)(ii)/(89)]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

## INCOME-TAX

S.O. 2340.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mchrauli Road, New Delhi-1100016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts, and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Aravind Medical Research Foundation,  
1, Anna Nagar,  
Madurai-625 020,  
Tamil Nadu.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

- NOTES : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 973/F. No. DG|IT(E)|TN-14|35(1)(ii)|89]

SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

## आयकर

का.आ. 2341.—सर्वसाधारण को एतदद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अवीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संबंध के अवीन अनुमोदित किया गया हैः—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियों रखेगा ;
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वापिक विवरण प्रत्येक विस्तृय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मेहराली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा ; और
- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वापिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धी छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा ।

## संगठन का नाम

इन्डियन कैसर सोसाइटी,  
नैशनल हैडवरार्टर,  
74, जेरबाई वाडिया रोड,  
परेल, बम्बई-12

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है ।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संबंध के लिए लागू नहीं होगा ।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां भविव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है ।

[संख्या 974/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट)/एम-59/  
35(1)(ii)(89)]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

## (INCOME-TAX)

S.O. 2341.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Indian Cancer Society,  
National Hqrs.,  
74, Jerbai Wadia Road,  
Parel, Bombay-12.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1994.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions) Calcutta through the Commissioner of Income-tax |Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific Industrial Research.

[No. 974/F. No. DG/IT(E)/M-59/35(1)(ii)/89]

SMT. S. RAY, Dy. Director

## आयकर

का.आ. 2342. :—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, प्रावक्तर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा नियमित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिर्भास रखेगा।
- (2) यह ग्राहक वैज्ञानिक अनुसंधान मन्त्री कार्यों का एक वैज्ञानिक विवरण प्रत्येक वर्ष के 31 वर्ष तक अधिक, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहराली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (3) यह ग्राहक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वैज्ञानिक विभाग की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ब) अधिक, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आवक्तर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों से सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आवश्यक हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

महेन्द्र आई रिसर्च सेटर  
द्वेरेवाद आई हास्पिटल,  
स्वरूप नगर,  
कानपुर-208002

यह अधिसूचना दिनांक 8-2-91 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन की सुविधा दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आवक्तर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 975/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट) यूपी-25/  
35(1)(ii)/91]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक:

Calcutta, the 30th November, 1993

## (INCOME-TAX)

S.O. 2342.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax| Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Mahendra Eye Research Centre,  
Khoirabad Eye Hospital,  
Swaroop Nagar,  
Kanpur-208 002.

This Notification is effective for the period from 8-2-1991 to 31-3-1994.

Notes—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 975|F. No. DG|IT(E)|UP-25|35(1)(ii)|91]

SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

का.आ. 2343:—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के छंड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू महरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रसि (क) आयकर निदेशक (छंट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छंट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसंच कार्यों से सम्बन्धित (छंट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब की भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

फाउन्डेशन फॉर एप्लाइड रिसर्च इन कैन्सर,  
डी-13, पंचशील एन्कलेव,  
नई दिल्ली-110017

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रधारी है।

- टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होता।
2. संगठन को सुधार दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छंट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छंट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के साथ-साथ विहित आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 976/एफ सं. म.नि./आ.क. (छंट) न.  
दि.-54/35(1)(ii) 90]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

## INCOME-TAX

S.O.2343.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions;

- (i) The organisation will maintain a separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Foundation for Applied Research in Cancer,  
D-131, Panchsheel Enclave,  
New Delhi-110 017.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1994.

NOTES : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 976/F. No. DG/IT(E)/ND-54/35(1)(ii)/90]

SMT. S. RAY, Dy. Director

## आयकर

का. आ. 2344— संवर्धान को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपचारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राविकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :-

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिर्यां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक ग्रनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विदरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च कार्यों से सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

वत्तरा मेडिकल रिसर्च सेंटर  
अमीरा कदाल, बादशा चौक  
श्रीनगर, कश्मीर

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1992 से 31-3-1994 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी : 1. उपयुक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को सज्जाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियां में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 977/एफ सं. म.नि./आ.क. (छूट)/  
जे एवं के-2/35 (1) (ii)]

श्रीमती एस० राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

## आयकर

## INCOME-TAX

S.O. 2344.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category “Association” subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary Department of Scientific and Industrial Research, “Technology Bhawan”, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year. and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation by the 31st October each year a copy of its Audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Batra Medical Research Centre,  
Amira Kadal,  
Badsha Chowk,  
Srinagar (Kashmir).

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1994.

NOTES : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 977|F. No. DG|IT(E)|J&K-2|35(1)(ii)]

SMT. S. RAY, Dy. Director

का.आ. 2345.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संघ” संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :-

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिर्भार रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव वैज्ञानिक व औद्योगिक, अनुसंधान विभाग “प्रौद्योगिकी भवन” न्यू मेहोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक, अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

बोराकीवाला फाउण्डेशन

बीएफएफ/2 दिल्ली इण्डस्ट्रीयल एस्टेट

जी टी करनाल रोड

नई दिल्ली-110033

यह अधिसूचना दिनांक 25-1-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) “संघ” जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट) कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 978 /एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट)/

न.दि.-117/35(1) (ii) 93]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

कलकत्ता, 7 दिसम्बर, 1993

## INCOME-TAX

S.O.2345.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research; and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Khorakiwala Foundation,  
BFF/2, Dilkush Industrial Estate,  
G. T. Karnal Road,  
Delhi-110 033.

This Notification is effective for the period from 25-1-1993 to 31-3-1995.

NOTES : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 978/F. No. DG/IT(E)/ND-117/35(1)(ii)/93]

SMT. S. RAY, Dy. Director

2005 GI/94—6

## आयकर

का.आ. 2346.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचि किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिर्भाग रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान मंबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिकी अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों संबंधित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

बिडला अकादमी,  
सूर्य किरन, 5वां तल,  
19, कस्तुरबा गांधी मार्ग,  
नई दिल्ली 110001

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-90 से 31-3-93 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।  
2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में वारेदान करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियों राजिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[संख्या : 979 / एफ. सं. म.नि./आ.क. (छूट) / नदि-52/35(1)  
(ii) (90) / आ.क. (छूट)]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 7th December, 1993

कलकत्ता, 7 दिसम्बर, 1993

## INCOME-TAX

S.O. 2346.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation by the 31st October each year, a copy of its audited annual accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Birla Academy,  
Surya Kiran, 5th Floor,  
19, Kasturba Gandhi Marg,  
New Delhi-110 001.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1993.

Notes.—1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 979/F. No. DG/IT(E)/ND-52/35(1)(ii)/  
IT (E)]

SMT. S. RAY, Dy. Director

## आयकर

का.श्र. 2347 —सर्वसाधारण को एनदब्ल्यूआर सूचित किया जाता है कि निम्न-उल्लिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संच्चा" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अनुग्रह लेखा बहियाँ रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहराली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों संबंधित (छट) के बारे में लेखा-परीक्षित आग्रह्य हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

बिडला अकादमी,  
सूर्य किरन, 5वां तल,  
19, कम्पूरबा गांधी मार्ग,  
नई दिल्ली-110001

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा प्रबंध के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर शायक/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संभव में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियाँ गाँव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्राप्त करना है।

[संच्चा 980 /एफ. सं. म.नि/आ.क. (छूट)/नंदि-52/35(1)(ii)(90)/आ.क. (छूट)]

श्रीमती एम. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 7th December, 1993

कलकत्ता, 7 दिसंबर, 1993

## INCOME-TAX

S.O. 2347.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax [Director of Income-tax (Exemptions)], having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Birla Academy,  
Surya Kiran, 5th Floor,  
19, Kasturba Gandhi Marg,  
New Delhi-110 001.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1994.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 980/F. No. DG/IT(E)/ND-52/35(1)(ii)/  
90-IT(E)]

Smt. S. RAY, Dy. Director

## आयकर

का.आ. 2348.—सर्वसाधारण को एनद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन प्राप्ति की गयी है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके खेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ वर्ल्ड कल्चर,  
सेंटर फॉर हिस्ट्री एंड फिलोसोफी ऑफ साइंस,  
पो. बा. नं. 402,  
6, श्री बी. पी. वाडिया रोड, बसावनगुड़ी,  
बंगलोर-560004,

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-94 तक को अवधि के लिए प्रभावी है।

- ठिप्पणी : 1. उपर्युक्त ग्रन्त (1) "संघ" जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके खेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 981 /प.फ. सं. म.नि./आ.क. (छूट)/केटी-18/35 (1)  
(iii)/90)/आ.क. (छूट)]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 7th December, 1993

बालकर्णा, 7 दिसम्बर, 1993

## INCOME-TAX

आपात्र

S.O. 2348.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax (Exemptions), Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

The Indian Institute of World Culture,  
Centre for History and Philosophy of  
Science, P. Box No. 402,  
6, Sri B. P. Wadia Road,  
Basavangudi,  
Bangalore-560 004.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1994.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 981/F. No. DG/IT(E)/KT-18/35(1)(iii)/  
90-IT(E)]

Smt. S. RAY, Dy. Director

का.शो. 2349.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के मध्येन विहित प्राधिकारी "संस्था" संवर्ग के मध्येन अनुसंधान किया गया है:

(1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियाँ रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वापिक विकरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, अत्येक वर्ष के 31 मई तक संविच, वैज्ञानिक व शोधांगिक अनुसंधान विभाग, "प्रायोगिक भवन" न्यू भेहराली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वापिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा जोशांगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) ने दी गई रिसर्च कार्यों संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

मैन बेड टैक्मटाइल रिसर्च एसोशिएशन,  
माइक्रोवेव टावर के पास रिंग रोड,  
सुरत-395002

यह अधिभूत दिनांक 1-4-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनु-मोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियाँ में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में लिए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियाँ संचित, वैज्ञानिक और शोधांगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करें।

[संख्या : 982 /एफ. सं. मर्नि/आ.क. (छूट)/जी-17/35(1)  
(ii)/89/आ.क. (छूट)]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 7th December, 1993

कलकत्ता, 7 दिसंबर, 1993

## INCOME-TAX

S.O. 2349.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Man-Made Textile Research Association,  
Near Microwave Tower,  
Ring Road,  
Surat-395 002.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 982/F. No. DG|IT(E)|G-17|35(1)(ii)|89]

SMT. S. RAY, Dy. Director

## आयकर

का.आ. 2350.—सर्वसंधारण को एतद्वारा सूचित क्या जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के बंड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अंतर्गत विद्वा प्राप्तिहारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "विश्वविद्यालय" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अनग्र लेखा अहियां रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व श्रीदोगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू बेटौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों को प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा श्रीदोगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई विवरण कार्यों से संबंधित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आयव्यवहारको भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

नैशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया,  
सेंट्रल कॉलेज कम्पाउण्ड  
बंगलौर-560001,

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को नीति प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और श्रीदोगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 983 (फ. सं. म.नि./श्रा.क.(छूट)/केटी-6/35(1)(ii)/89]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 7th December, 1993

कलकत्ता, 7 दिसंबर, 1993

## INCOME-TAX

S.O. 2350.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "University" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May on each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

National Law School of India,  
Centre College Compound,  
Banagalore-560 001.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1994.

- Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent direct to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 983/F. No. DG|IT(E)|KT-6|35(1)(iii)|89]

SMT. S. RAY, Dy. Director

ग्राम्यकर

का.आ. 2351.—सर्वेसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि ग्रन्तिलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 का उपधारा (1) के खड़ (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राचिकारी द्वारा निभत्तिलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन ग्रन्तमोदित किया गया है:—

(1) संगठन ग्रन्तुसंधान कार्यों के लिए अन्वग लेखा बहिःसांख्येगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक ग्रन्तुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक संचिव, वैज्ञानिक व श्रौद्योगिक ग्रन्तुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर-महानिदेशक (छूट), (ख) संचिव, वैज्ञानिक तथा श्रौद्योगिक ग्रन्तुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों में संबंधित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय दिसाव को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी  
इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट  
ईस्ट प्राजा, प्रथम गढ़  
पा. बैग न. 7152  
नई दिल्ली-110002

यह अधिसूचना विनांक 1-4-93 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा प्रवर्ण के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे ग्रन्तमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, ग्रन्तमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां संचिव, वैज्ञानिक और श्रौद्योगिक ग्रन्तुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 984/एफ. सं. म.नि./आ.क. (छूट) नंदि-71/35(iii)]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 7th December, 1993

कलकत्ता, 7 दिसंबर, 1993

## INCOME-TAX

S.O. 2351.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

National Institute of Fashion Technology,  
Indira Gandhi Indoor Stadium,  
East Plaza, 1-Gate,  
P.B. No. 7152,  
New Delhi-110 002.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1994.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 984|F. No. DG|IT(E)|N.D.-71|35(1)(iii)]

SMT. S. RAY, Dy. Director

## आयकर

का.आ. 2352 सर्वसाधारण को एनदीआर सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की भाग 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अवीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" रूपर्ण के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अन्वय लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विनीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक शनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/ आयकर महानिदेशक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित (छट) के बारे में लेखा-परीक्षित आयकर हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

श्री हरकिशन दास नरोत्तमवाल मैडिकल रिसर्च सोसायटी  
राजा राममाहन राय रोड  
बस्टर्ड-400004

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा प्रबंग के लिए नाम नहीं होगा।
2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/ आयकर महानिदेशक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, शनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियों सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग यो प्रस्तुत करेंगा है।

[मंज्या : 985 /एफ. सं. म.नि./आ.क. (छट)/वि 25/  
35(i)(ii)]

श्रीमती एम. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 7th December, 1993

कलकत्ता, 8 दिसंबर, 1993

## INCOME-TAX

S.O. 2352.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/ Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Sir Hurkisondas Nurrotomdas Medical Research Society,  
Raja Rammohan Roy Road,  
Bombay-400 004.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1994.

Notes—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research

[No. 985/F. No. DG/IT(E)/M-25/35(1)(ii)]

SMT. S. RAY, Dy. Director

## आयकर

का.आ. 2353.—सर्वोचारण को प्रतिवार्ष मुचिन किया जाता है फि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपाया (1) के छन् (iii) के निए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राचीकारा द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "विश्वविद्यालय" संघर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए आयकर लेखा बहिर्यां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान मन्त्रवदी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रोटोटाइप भवन" न्यू मेहराली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परिक्षीत वार्षिक लेखा की प्रति 'क' आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमर्च कार्यों गम्भीरता (छूट) के बारे में लेखा-परिधित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

गुजराती विद्यापीठ,

आथ्रम रोड,

आहमदाबाद-380014

यह अधिमूलन दिनांक 1-4-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को सुनाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है को माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आदेश करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के मंत्रिय ने छिप आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां संभिल वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[मंजुषा : 986/एफ सं. न-ति-/प्रा.क. (छूट)/गी-2.9/  
35(1)(iii)/90]

श्रीमती पग. राधा, उपनिदेशक

Calcutta, the 8th December, 1993

कलकत्ता, 10 दिसंबर, 1993

आयकर

## INCOME-TAX

S.O. 2353.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "University" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research; and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Gujarat Vidyapith,  
Ashram Road,  
Ahmedabad-380 014.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

Notes—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 986/F. No. DG/IT(E)/G-29/35(1)(iii)/90]

SMT. S. RAY, Dy. Director

का.आ. 2354.—संवादारण को एनद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्ननिवित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपशाखा (1) के छन्द (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी आरा निम्ननिवित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा अधियां रखेगा ;
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रोस्थोगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयकर/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा ।

## संगठन का नाम

फाउन्डेशन कार मैडिकल रिसर्च  
84-ए, आर जी थन्डानी मार्ग,  
वर्सी, बम्बई-400018

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-95 तक की प्रवधि के लिए प्रभावी है ।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगा ।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की प्रवधि बढ़ाने के लिए आयकर/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार से संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तोत प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की प्रवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियों सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है ।

[संख्या 987/एक.सं. म.नि./आ.क. (छूट)/८८-१३१/  
35(1)(ii) ९०]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 10th December, 1993

কলকাতা, 13 ডিসেম্বর, 1993

## INCOME-TAX

S.O. 2354.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax[Director of Income-tax (Exemptions)] having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

The Foundation for Medical Research,  
84-A, R. G. Thadani Marg,  
Worli,  
Bombay-400 018.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1995.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax[Director of Income-tax (Exemptions)] having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 987/F. No. DG/IT(E)/M-131/35(1)(ii)/90-  
IT(E)]

SMT. S. RAY, Dy. Director

आयकर

का.आ. 2355 :—सर्वसाधारण को सूचना के लिए एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 को उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

1. संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक प्रत्यक्ष नेतृत्व रखेगा।
2. यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विस्तीर्ण वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष को 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "औद्योगिक भवन", न्यू महरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
3. यह प्रत्येक वर्ष को 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक आयुक्त और (ग) आयकर आयुष्म/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके धेनाधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च क्रिया-कलाप सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-अय्य हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

विवेकानन्द निधि,  
149/1ई, रास विहारी एकेन्यू,  
कलकत्ता-700029

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) 'संघ' जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके धेनाधिकार संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के गंभीर में किए आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 988/फा.सं. डी.जी./आ.क. (छूट)  
डब्ल्यू बी-35/कल/35/(1)(iii)/89]  
श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 13th December, 1993

कलकत्ता, 13 दिसम्बर, 1993

## INCOME-TAX

S.O. 2355.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities or which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Vivekananda Nidhi,  
149/1E, Rashbehari Avenue,  
Calcutta-700 029.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 988] F. No. DG|IT(E)|WB-35|35(1)(iii)|89]

SMT. S. RAY, Dy. Director

प्रायकर

का.आ. 2356 :— संवंशाधारण को एसबद्धारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 को उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "विश्वविद्यालय" संवर्ग के मध्येन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए प्रलग लेखा बहिर्भूत रखेगा।
- (ii) यह आने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रोद्योगिकी भवन", न्यू महरोली रोड, नई विल्सी-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके धोनाधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-ध्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

विडला इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नालॉजी,  
मेसरा-835215 (रांची)

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके धोनाधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए गण आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 989/एफ सं. म.नि./आ.क. (छूट)/वि.-1/

35(1)(iii)/89]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 14th December, 1993

## INCOME-TAX

S.O. 2356.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "University" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Birla Institute of Technology,  
Mesra-835 215 (Ranchi).

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 989]F. No. DG[IT(E)]B-1|35(1)(ii)|89-  
IT(E)]

SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 17 दिसम्बर, 1993

आदेश

का.ग्रा. 2357.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के अंडे (iii) लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संबंध के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा वहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वास्तविक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के, लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रोद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके थेवाधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई सिवर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा परीक्षित आयकर हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

हिमालय इंस्टीट्यूट आफ हास्पिटल इन्स्ट  
113/89, स्वरूप नगर  
कामपुर-208001(यू.पी.)

यह अधिसूचना विनाक 1-4-92 से 31-3-94 तक की प्रवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा प्रबंध के लिए सागृ नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके थेवाधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पत्र की 6 प्रतियों सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 990/एक सं. म.नि./प्रा.क. (छूट)/यू.पी.-9/  
35(1)(ii)/89 आ.क. (छूट)]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 17th December, 1993

कलकत्ता, 17 सितम्बर, 1993

आयकर

## INCOME-TAX

S.O. 2357.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The Organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Himalayan Institute of Hospital Trust,  
113/89, Swaroop Nagar,  
Kanpur-208 001, U.P.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1994.

**Notes—**(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research

[No. 990] F. No. DG/IT(E)/UP-9/35(1)(ii)/  
89-IT(E)]

SMT. S. RAY, Dy. Director

का.प्रा. 2358.—संवेदनाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के अंडे (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संबंध के अधीन घूमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिर्यां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रोडोगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 की भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिवेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक सथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

इंडियन सोसायटी ऑफ इंटरनेशनल लॉ, 7-8 सिंधिया हाउस,  
कस्टर्का गांधी मार्ग,  
नई दिल्ली-110001

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

**टिप्पणी:** 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा प्रबंध के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिवेशक (छूट), कलकत्ता को सीन प्रतियों में प्रावेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियों सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 991/एक सं. म.नि./प्रा.क. (छूट)/  
न दि-8/35(1)(iii) 89-आ.क. (छूट)]

श्रीमती एस. राय, उपनिवेशक

Calcutta, the 17th December, 1993

कलकत्ता, 20 दिसम्बर, 1993

## INCOME-TAX

S.O. 2358.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mchrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax| Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Indian Society of International Law,  
7-8, Scindia House,  
Kasturba Gandhi Marg,  
New Delhi-110 001.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

Notes—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 991/F. No. DG|IT(E)|ND-8|35(1)(iii)|89]

SMT. S. RAY, Dy. Director

## आयकर

का.पा. 2359:—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर के अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राप्तिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संबंध के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा लहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मृहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर, तक लेखा परीक्षित व्यापिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा परीक्षित आय व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

ट्रिब्यूनी फर्स्ट सेन्ट्रल इंडिया सोसायटी  
2ए, सेक्टर, 19ए, मध्य मार्ग,  
चंडीगढ़-160019

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-90 से 31-3-93 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संबंध" जैसा प्रबंध के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट) कलकत्ता को तीन प्रतियों में आयोदय करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के सांबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 992/एफ सं. म.नि./आ.क. (छूट)/पी-3/  
35(1)(iii)/89]  
श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक,

Calcutta, the 20th December, 1993

## INCOME-TAX

S.O. 2359.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject of the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year a copy of its audited annual accounts, audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Twenty First Century India Society,  
2-A, Sector 19-A, Madhya Marg,  
Chandigarh-160 019.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1993.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations, categorised as associations..

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 992/F, No. DG/IT(E)/P-3/35(1)(iii)/89]

SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 21 दिसम्बर, 1993

## प्राप्तकर

का. शा. 2360.—सर्वेसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नउल्लिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के त्रैण (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए श्रलग लेखा वहिया रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विसीम वर्ष, के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक संचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहराली रोड, मई दिल्ली—110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर गहनिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आयन्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

छठो फ्रेंच मेन्टर फौर डी-प्रोमोशन आफ एक्चार्ट्स  
रिसर्च, नई दिल्ली

13, ओ एन ली—एफ पाने मार्ग

नई दिल्ली—57

यह अधिसूचना दिनांक 20-6-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी.—1. उपयुक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुनाद दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियाँ में आवेदन करे, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियाँ संचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या . 993/एफ. सं. म. नि./आ. क. (छूट)/न दि-  
110/35 (1) (ii)]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 21st December, 1993

## INCOME-TAX

S.O. 2360.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Indo-French Centre for the Promotion of Advance Research,  
New Delhi,  
13, OLDF PALME MARG,  
New Delhi-57.

This Notification is effective for the period from 20-6-93 to 31-3-95.

Notes.—1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 993/F. No. DG/IT(E)/ND-110/35(1)(ii)]

SMT. S. RAY, Dy. Director

কলকাতা, 20 দিসেম্বর, 1993

প্রায়কর

কা. আ. 2361.—সর্বসাধারণ কো এতদ্বারা সূচিত কিয়া জাতা হৈ কি নিম্ন-উল্লিখিত সংগঠন কো আয়কর অধিনিয়ম, 1961 কী ধারা 35 কী উপধারা (1) কে খণ্ড (ii) কে লিএ, প্রায়কর নিয়ম কে নিয়ম 6 কে প্রধীন বিহুত প্রাধিকারী দ্বাৰা নিম্নলিখিত শতাংশে পর "সংস্থা" সংবর্গ কে অনুমোদিত কিয়া গয়া হৈ :

- (i) সংগঠন অনুসংধান কার্যো কে লিএ প্রাপ্ত লেখা অভিযোগ রক্ষণ কো এক বার্ষিক বিবরণ প্রত্যেক বিস্তীর্ণ বৰ্ষ কে লিএ, প্রত্যেক বৰ্ষ কে 31 মই তক সচিব, বৈজ্ঞানিক ও ঔষোঝিক অনুসংধান বিভাগ, "প্রৌদ্যোগিক ভবন" ন্যূ মেহরাবী রোড, নই দিল্লী-110016 কো ভেজেগা, ও পৰি
- (ii) যহ প্রথেক বৰ্ষ কে 31 অক্টোবৰ তক লেখা পরীক্ষিত বার্ষিক লেখা কী প্রতি (ক) প্রায়কর মহানিদেশক (ছুট), (ক্র) সচিব, বৈজ্ঞানিক তথা ঔষোঝিক অনুসংধান বিভাগ ও (গ) প্রায়কর আয়ুক্ত প্রায়কর মহানিদেশক (ছুট) জিনকে ক্ষেত্ৰ ধিকার মেঁ উক্ত সংগঠন পড়তা হৈ, ও প্রায়কর অধিনিয়ম, 1961 কী ধারা 35 (1) মেঁ দী গই রিসচেং কার্যো সম্বন্ধিত ছুট কে বারে মেঁ লেখা-পরীক্ষিত প্রায়ক্ষয় বিস্মাব কো ভী প্ৰস্তুত কো হৈগা।
- (iii) যহ প্রথেক বৰ্ষ কে 31 অক্টোবৰ তক লেখা পরীক্ষিত বার্ষিক লেখা কী প্রতি (ক) প্রায়কর মহানিদেশক (ছুট), (ক্র) সচিব, বৈজ্ঞানিক তথা ঔষোঝিক অনুসংধান বিভাগ ও (গ) প্রায়কর আয়ুক্ত প্রায়কর মহানিদেশক (ছুট) জিনকে ক্ষেত্ৰ ধিকার মেঁ উক্ত সংগঠন পড়তা হৈ, ও প্রায়কর অধিনিয়ম, 1961 কী ধারা 35 (1) মেঁ দী গই রিসচেং কার্যো সম্বন্ধিত ছুট কে বারে মেঁ লেখা-পরীক্ষিত প্রায়ক্ষয় বিস্মাব কো ভী প্ৰস্তুত কো হৈগা।

## সংগঠন কা নাম

এব এ আইসী এপো রিসচেং এণ্ড ডেভেলপমেন্ট সেন্টার,  
2/3 সেক্টর, 15, পংকুলা,  
হারিয়ানা

যহ অধিসূচনা বিনাংক 13-12-93 সে 31-3-95 তক কী অবধি কে লিএ প্ৰমাণী হৈ।

টিপ্পণী .—1. উপর্যুক্ত শতে (1) "সংষ্ঠ" জৈসা সংবৰ্গ কে লিএ লাগু নহীন হৈগা।

2. সংগঠন কো সুস্থাব দিয়া জাতা হৈ কি বে অনুমোদন কী অবধি বৃদ্ধান্ত কে লিএ প্রায়কর আয়ুক্ত/প্রায়কর নিদেশক (ছুট) জিনকে ক্ষেত্ৰ ধিকার মেঁ সংগঠন পড়তা হৈ কে মাধ্যম সে প্রায়কর মহানিদেশক (ছুট), কলকাতা কো তীন প্রতিযোগী মেঁ আবেদন কো, অনুমোদন কী অবধি বৃদ্ধান্ত কে সংবৰ্ধ মেঁ কিএ আবেদন-পত্ৰ কী 6 প্রতিযোগী সচিব, বৈজ্ঞানিক ও ঔষোঝিক অনুসংধান বিভাগ কো প্ৰস্তুত কো হৈগা।

[সংখ্যা 994/এফ. সং. ম. নি./প্রা. ফ. (ছুট)/এন্স-4  
35 (1) (ii)/93]

শ্ৰীগতী এস. রায়, উপনিদেশক

Calcutta, the 20th December, 1993

## INCOME-TAX

S.O. 2361.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year, and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

H.A.I.C. Agro Research & Development Centre,  
2/3, Sector-15,  
Panch Kula,  
Haryana.

This Notification is effective for the period from 13-12-1993 to 31-3-1995.

Notes—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 994/F. No. DG/IT(E)/H-4/35(1)(ii)/93]

SMT. S. RAY, Dy. Director

2005 GI/94—8

कलकत्ता, 21 दिसम्बर, 1993

आयकर

का. आ. 2362.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न-उल्लिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उधारा (1) के स्पष्ट (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित ग्रन्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए श्रावण लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहराली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छट), (ब्र) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त आयकर महानिदेशक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-द्वय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इण्डियन कैन्सर सोसाइटी  
74 जर्बाइ बाड़िया रोड, परेल,  
बम्बई-400012

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-94 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी :—1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को सुमाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छट) कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 995/एफ. सं. म. नि. /आ. क. (छट) /एम-59  
35 (1)(ii)]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 21st December, 1993

## INCOME-TAX

S.O. 2362.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan"; New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemption), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax(Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Indian Cancer Society,  
74, Jarbai Wadia Road,  
Parel,  
Bombay-400 012.

This Notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1996.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 995/F. No. DG/IT(E)/M-59/35(1)(ii)]

SMT S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 11 जनवरी, 1994

## आयकर

का. आ. 2363 :—सर्वसाधारण को एतद्वाया सूचित किया जाता है कि निम्न-उल्लिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिरां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान मम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वर्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्षी के 31 मई तक मन्त्रिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहराली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छट), (ख) मन्त्रिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) मेंदी गई रिसर्च कार्यों गम्बन्धित छट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-अपग्र द्विसाव को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

नेशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ कल्पनातम सैन्यत्रैमेन्ट एण्ड रिसर्च, वालचन्द बेट्टर, नारदेन रोड

बम्बई — 400034

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी :— 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छट), कलकत्ता को तीन प्रतियाँ से आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियाँ मन्त्रिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करजा है।

[संख्या 996/एफ. सं. म. नि./आ. क. (छट) एम—110  
35 (1) (ii) /90]

श्रीमती पृष्ठ राग, उपनिदेशक

Calcutta, the 11th January, 1994

## INCOME-TAX

S.O. 2363.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

National Institute of Construction Management and Research,  
Walchand Centre,  
Tardeo Road,  
Bombay-400 034.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1995.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as association.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax |Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 996/F. No. DG|IT(E)|M-110|35(1)(ii)|90]

SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 12 जनवरी, 1994

आयकर

का. आ. 2364 :—संस्थाधारण का प्रदान। सूचित किया जाता है कि निम्न-उल्लिखित गणठन का, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 का अधार (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अंतर्वाल विभाग प्राप्तशाश्वत द्वारा नियमानुसार गता पर "संस्था" संवर्ग के अंतर्वाल प्रनुभावित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए उल्लंघन लेखा वाहियों द्वारा देता है।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वैज्ञानिक विवरण प्रत्येक वर्त्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक वैज्ञानिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" त्वां महरौली रोड, नई दिल्ली-110016 का भेजता है।
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वैज्ञानिक लेखों की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा वैज्ञानिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/मानामान महानिदेशक (छट) जिनके अंतर्वाधिकार में संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई स्थिर कार्यों सम्बन्धित छट के विचार में लेखा-परीक्षित ग्राफ-न्यून द्वारा की भी प्रस्तुत करता है।

## संगठन का नाम

गांधी सेमोरियल लेप्रोसी फार्मेसियन

हिन्दी नगर पो. आ.

वर्गी—442103

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :—1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होता।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि के अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/प्रायकर निदेशक (छट) जिनके अंतर्वाधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छट), वैज्ञानिक तथा वैज्ञानिक अनुसंधान विभाग की आवेदन करने, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में लिए आवेदन पत्र की 6 प्रतियां समिति, वैज्ञानिक और वैज्ञानिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करने हैं।

[संख्या : 997/एफ. मं. म. नि./प्रा. क. (छट) पर्याप्त—110/  
35(1)(ii)(90)]

श्रीमती एम. राज, उपनिदेशक

Calcutta, the 12th January, 1994

कलकत्ता, 12 जनवरी, 1994

## INCOME-TAX

S.O. 2364.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research & (c) Commissioner of Income-tax| Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Gandhi Memorial Leprosy Foundation,  
Hindi Nagar P.O.,  
Wardha-442 103.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

NOTES : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 997/F. No. DG/IT(E)/M-118/35(1)(ii)/90]

SMT. S. RAY, Dy. Director

## आयकर

का. आ. 2365 :—संवेसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न-उल्लिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के बिष्ट (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्ननिवित भर्ती पर "संघ" संबंध के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा ;
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110036 को भेजेगा ; और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके थोनाधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई ग्रिम्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में नेवा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

तमिलनाडु साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी सेंटर,

इंजीनियरिंग कालेज पो.

मद्रास-600025

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी :— 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संबंध के लिए लागू नहीं होगा ।
2. संगठन को मुकाबला दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके थोनाधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियों सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 998/एफ. सं. म. नि./आ. क. (छूट) /टी एन-46/ 35 (1) (ii) 90]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 12th January, 1994

## INCOME-TAX

S.O. 2365.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities.
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Tamil Nadu Science and Technology Centre,  
Technology Centre,  
Engineering College Post,  
Madras-600 025.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1995.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 998] F. No. DG|IT(E)|TN-35(1)(ii)|90]  
SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 12 जनवरी, 1994

## आयकर

का.आ. 2366—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न उल्लिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, आयकर नियम के नियम 6 के ग्रंथीन विहित प्राविकारों द्वारा निम्ननिर्वित शर्तों पर "संघ" संबंध के अधीन अनुमंदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिये अलग लेखा बहियाँ रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक किर्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रीद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर, तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा को प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आयकर विभाग को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

एम.एस.स्वामी नाथन रिसर्च फाउंडेशन  
3ए आस स्ट्रीट, तारामती इन्डस्ट्रीयल एरिया  
मद्रास-600013

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संबंध के लिये लागू नहीं होगा।  
2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुयोदन की अवधि बढ़ाने के लिये आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये संबंध में किये आवेदन पत्र को 6 प्रतियों सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 999/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट) टी एन-5/  
35(1)(ii)/89]

श्रीमती एस.राय., उपनिदेशक

Calcutta, the 12th January, 1994

## INCOME-TAX

S.O. 2366.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

M. S. Swaminathan Research Foundation,  
3rd Cross Street,  
Taramani Industrial Area,  
Madras-600113.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

## NOTES :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 999/F. No. DG/IT(E)/TN-5/35(1)(ii)/89]  
SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 12 जनवरी, 1994

## आयकर

का.आ. 2367.—मर्बंसाधारण को प्रदान करने वाली संगठन का, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के विषय (iii) के लिये, आयकर नियम के अधिनियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित गतीय पर "संस्था" संबंध के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुमंधान कार्यों के लिये अलग लेखा बहिया रखेगा।

(ii) यह आगे वैज्ञानिक अनुमंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वापिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वापिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छट), सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छट) जिनके अधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई विवरण कार्यों सम्बन्धित छट के बारे में लेखा-परीक्षित आदेश विस्तृत करेगा।

## संगठन का नाम

प्ररोचने काउन्डेशन

भारत निवास

प्ररोचने-605101

पांडिचेरी

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-94 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. [उपर्युक्त पार्ट (1) "संघ" जैसा संबंध के लिये लागू नहीं होगा।

2. संगठन को भूमाल दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छट) जिनके अधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छट), वर्षता की तर्ज प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किये आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 1000/एफ.मं. भ.नि./प्रा.क. (छट)  
टी एन-53/35(1)(iii)/92]

श्रीमती प्र. राधा, उपनिदेशक

Calcutta, the 12th January, 1994

## INCOME TAX

S.O. 2367.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October, each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of the audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Auroville Foundation,  
Bharat Nivas,  
Auroville-605 101,  
Pondicherry.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1994.

NOTES : 1.—Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1000/F. No. DG/IT(E)/TN-53(1)(ii)/92]  
SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 12 जनवरी, 1994

## आयकर

का.आ. 2368.—सर्वसाधारण को एनद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिये अलग लेखा वहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई विल्सनी-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छट), (म्र) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में उन्हें संगठन पड़ता है और आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आप-घर्य हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

श्री ए.ए.एम.मुरुगप्पा चेनेयर रिसर्च मेटर  
रजिस्टर्ड आफिस : नियाम हाउस  
28, राजाजी सलार्म  
मद्रास-600001

यह अधिमूलना दिनांक 1-4-92 से 31-3-95 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिये लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के मंत्रधर्म में किये आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 1000/एफ.सं. भ.नि./आ.क. (छट)टी एन-4/  
35(1)(ii)(89)]

श्रीमती एस.राय, उप निदेशक

Calcutta, the 12th January, 1994

## INCOME TAX

S.O. 2368.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan' New Mchrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research; and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Shri A.M.M. Murugappa Chettiar Research Centre,  
Regd. Office : Tiam House,  
28, Rajaji Salai,  
Madras-600 001.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1995.

NOTES : 1.—Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1001/F. No. DG/IT(E)/TN-4|35(1)(ii)|89]  
SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 13 जनवरी, 1994

## आयकर

का. आ. 2369—गर्वसाधारण को एतदहारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के छान्ड (iii) के लिये, आयकर नियम के नियम 6 के प्रधान गिहिन प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित गतीय पर "संस्था" संबंध के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिये अलग लेखा बक्षियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वास्तविक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रीचौगिकी भवन" न्यू मैहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छृट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छृट) जिनके क्षेत्राधिकार में उसन संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों भवनित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय दिमाक को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

कर्सलेटेसी डेवेलपमेंट सेटर  
कुत्तव होटल, अपार्टमेंट ई-1  
न्या मैहरौली रोड, नई दिल्ली-110016

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-94 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संबंध के लिये नाम नहीं होगा।  
2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छृट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छृट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में फिये आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[मंस्था 1002/एफ सं. म.नि./आ.क. (छृट)  
नं दि.-93/35(1)(iii)(90)]  
श्रीमती एस राय, उप निदेशक

Calcutta, the 13th January, 1994

कलकत्ता, 13 जनवरी, 1994

## INCOME TAX

S.O. 2369.—It is hereby notified for general Information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Consultancy Development Centre,  
Qutab Hotal,  
Apartment, E-1,  
New Mehrauli Road,  
New Delhi-110 016.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1994.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1002/F. No. DG/IT(E) ND-93] 35(1)(ii)'90]

SMT. S. RAY, Dy. Director

2005 GI/94—9

## आयकर

का.प्रा. 2370.—सर्वमाधारण को एतद्वाग मूचित किया जाना है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (2) के लिये, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिये आवग लेखा बहियां रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान मन्त्रालयी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहराली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छट), (ख) मन्त्री, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छट) जिनके क्षेत्रप्रभाव में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों मन्त्रित छट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

इन्डियन एकादमी आफ माईक्स  
सी वी गमन एवेन्यू,  
मार्शिव नगर, बंगलौर-560080

यह अधिसूचना विनांक 1-4-92 से 31-3-95 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिये लागू नहीं होगा।

2. संगठन को मुझाब दिया जाना है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छट) जिनके क्षेत्रप्रभाव में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किये आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां मन्त्री, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 1003/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छट)  
वैदी-23/35(1)(ii)(90)]

श्रीमती एम राम, उपनिदेशक

Calcutta, the 13th January, 1994

कलकत्ता, 13 जनवरी, 1994

## INCOME TAX

S.O. 2370.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, Technology Bhawan, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Indian Academy of Science,  
C. V. Raman Avenue,  
Sadashivanagar,  
Bangalore-560 080.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1995.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No 1003/F. No. DG/IT(E)/KT-23/35(1)(ii)/90]  
SMT. S. RAY, Dy. Director

## आयकर

का. आ. 2371—सर्वसाधारण को एतद्वारा गूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 35 को अनुबाद (1) के अनुष्ठान (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघर्ग" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए, अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान मञ्चनाथी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक मन्त्रिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रोटोग्रामी भवन" न्यू मेहराली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वाष्पिक लेखा की प्रति (क) आयकर मन्त्रिदेशक (छृट), (ख) मन्त्रिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छृट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है, और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों मञ्चनाथी छृट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

दि इन्डियन लॉ इन्स्टीट्यूट

भगवानश्वाम रोड

नई दिल्ली-110001

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 में 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (क) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छृट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छृट), कलकत्ता या तीन प्रतियां में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के मंदंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां मन्त्रिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक प्रतुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[मंख्या : 1004/प्रक. म. म.नि./आ.क. (छृट)  
न दि-14/35(1)(iii)/90)]

श्रीमती एम. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 13th January, 1994

कल्पकला, 13, जनवरी, 1994

## INCOME-TAX

S.O. 2371.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rules 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

The Indian Law Institute,  
Bhagwandas Road,  
New Delhi-110 001.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

## NOTES :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisations. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1004/F. No. DGIT(E)/ND-44/35(1)(iii)/90]

SMT. S. RAY, Dy. Director

## आयकर

का. आ. 2372.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संबंध के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिर्भूत रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान मन्त्रिनी कार्यों का एक वापिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के पंचांग, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रोग्रामिकी भवन" न्यू मैट्रीली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वापिक लेखा की प्रति (a) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दो गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आयन्य विसाव को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

कमला नेहरू भैरोरियल अस्पताल  
हसीमपुर रोड  
इलाहाबाद-211002

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-95 तक की प्रबंधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संच" जैसा संबंध के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर गहानिदेशक (छूट), कलाकृता को सीन प्रतियों से आवेदन करें, अनुगांश की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियों भवित्व, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करें।

[संख्या : 1005 /एफ. सं. म. नि./आ. क. (छूट)/  
न दि-98/35(1)(ii)/92]

श्रीमती एम. राधा उपनिदेशक

Calcutta, the 13th January, 1994

कलकत्ता, 18 जनवरी, 1994

## INCOME-TAX

S.O. 2372.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Kamla Nehru Memorial Hospital,  
Hasimpur Road,  
Allahabad-211 002.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

## NOTES :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1005/F. No. DG/IT(E)/ND-98/35(1)(ii)/92]

SMT. S. RAY, Dy. Director

आयकर

का. प्रा. 2373.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35 का लगधारा (1) के अनुभव (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के प्रधीन विहित प्राप्तिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" सर्वर्ग के प्रधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुमत्यात् कार्यों के लिए प्रत्येक लेखा बहिर्या रखेगा।
- (ii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रायोगिकी भवन" न्यू मेहराली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (ii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा को प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छृट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर प्राधिकरण/आपकर महानिदेशक (छृट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमर्च कार्यों सम्बन्धित छृट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

दि फिसकल रिसर्च फाउन्डेशन,  
एल-22, होम आम एन्ड लेन्वे,  
नई दिल्ली-110016

यह अधिसूचना दिनांक 1-1-93 से 31-3-94 तक दी अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा सर्वर्ग के लिए नाम नहीं होगा।
2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदित की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर प्राधिकरण/आपकर निदेशक (छृट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छृट), कलकत्ता को नोट प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदित की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियाँ सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संध्या : 1006/ए.क. स. म.नि./ग्रा.क. (छृट) नंदि-58/35(1)(iii)/92]

श्रीमति एम. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 18th January, 1994

कलकत्ता, 18 जनवरी, 1994

## INCOME-TAX

S.O. 2373.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities.
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

The Fiscal Research Foundation,  
L-22, Hauz Khas Enc.,  
New Delhi-110 016.

This Notification is effective for the period from 1-4-93 to 31-3-94.

## NOTES :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisations. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1006|F. No. DG|IT(E)|ND-58|35(1)(iii)]

MRS. S. RAY, Dy. Director

## आयकर

का. आ. 2374.—संवेदनाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपचारा (1) के खण्ड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संबंध के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वापिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व शौद्धीयिक अनुसंधान विभाग, "शौद्धीयिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वापिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा शौद्धीयिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर उपर्युक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

भारती समकर्ता विद्या निकेतन

12, शंकर कुम्ह, गोविन्द नगर

बम्बई-400084

यह अधिसूचना दिनांक 11-8-92 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संबंध के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर उपर्युक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और शौद्धीयिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1007/एफ. सं. म.नि./आ.क. (छूट)एम-163/35(1)(iii)/93]

श्रीमति एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 18th January, 1994

## **INCOME-TAX**

S.O. 2374.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
  - (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
  - (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/ Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

**NAME OF THE ORGANISATION**

Bharati Samakrta Vidya Niketanam,  
12, Shanker Kunj,  
Govind Nagar,  
Bombay-400 084.

This Notification is effective for the period from 11-8-1992 to 31-3-1994.

## NOTES :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
  2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1007|F. No. DG|IT(E)|M-163|35(1) (iii)|93]  
MRS. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 19 जनवरी, 1994

आयकर

का. आ. 2375.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सुचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए, आयकर नियम के निवध 6 के अधीन विहित प्राप्तिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संस्था” संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक दितीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहराली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा आद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर प्राप्ति/प्रायकर महानिदेशक (छूट), जनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आयव्यव हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

दि इन्स्टीट्यूशन आफ इंजीनियर्स (इण्डिया)

8, गोखले रोड

कलकत्ता-20

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

**टिप्पणी :** 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संबंध" जैसा संवर्ग के लिए लाग नहीं होगा।

2. संगठन को सुनाव दिया जाता है कि वे अनु-  
मोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर  
आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्रा-  
धिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से  
आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन  
प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि  
बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6  
प्रतियां सत्त्विव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनु-  
संघान विभाग को प्रस्तुत करने, है।

[संख्या : 1008/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट)/प.ब-  
25/35(1) (ii)/90]

श्रीमति एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 19th January, 1994

## INCOME-TAX

S.O. 2375.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

The Institution of Engineers (India),  
8, Gokhale Road,  
Calcutta-20.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1994.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1008/F. No. DG/IT(EE)/WB-25/35(1)(ii)/90]  
MRS. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 20 जनवरी, 1994

## आयकर

स. ओ. 2376.—यर्द्धाया सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उल्लंघन (1) के बारे में विभिन्न (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित गर्ती पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अनुग्रह लेखा वहिया रखेगा;

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक मध्यव वैज्ञानिक व शैक्षणिक अनुसंधान विभाग "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मैहरौली रोड नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) मनिव वैज्ञानिक तथा शैक्षणिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/शैक्षक महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उन संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

इन्स्टीट्यूट ऑफ इंजिनियर फाइउन्डेशन  
मिडलटन कोर्ट (प्रथम तल)

1/2 मिडलटन स्ट्रीट

कलकत्ता-71

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी : 1. उपर्युक्त गर्त (i) "संव" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट) कलकत्ता को नीति प्रतियों में अवैदन करें अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गये विवेदन-व्रत की 6 प्रतियों मध्यव वैज्ञानिक और शैक्षणिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संस्था 1009/एफ. सं. म.नि./ग्र.क. (छूट)/पव-9/35(1)(ii)/89]

पी.सी. विश्वाम, उपनिदेशक

Calcutta, the 20th January, 1994

## INCOME TAX

SO. 2376.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehta Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Institute of Indian Foundrymen,  
Middleton Court (1st Floor),  
A/2, Middleton Street,  
Calcutta-71.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1009/F. No. DG/IT(E)/E]WB-9|35(1)(ii)'89]

P. C. VISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 20 जनवरी, 94

आयकर

का.आ. 2377.—संबंधारण को एतद्वारा सूचित

किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के अण्ड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अनग्र लेखा बहियां रखेगा;
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति '(क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर अधिकृत/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई ग्रिम्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

कन्ज्यूमर एजूकेशन प्रॉडरिमर्च सेटर,  
"सुरक्षा सेन्क्लू",  
अहमदाबाद-गांधीनगर हाईवे  
प.ल्टी।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "मन्त्र" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर अधिकृत/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट) कलकत्ता को नीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 1010 /एफ.म. म.नि./आ.क. (छूट)जी-8/  
(35) (1)(iii)-89]  
पी.सी. विश्वास, उपनिदेशक

Calcutta, the 20th January, 1994

## INCOME-TAX

S.O. 2377.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110 016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Account's and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Consumer Education & Research Centre,  
"Suraksha Sankool",  
Ahmedabad—Gandhinagar Highway,  
Thaltry.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

## NOTES :

- (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1010/F. No. DG/IT(E)/G-8/35(1)(iii)/89]

P. C. BJSWAS, Dy. Director

2005 GI/94-10

कलकत्ता, 20 जनवरी, 1994

## आयकर

का. शा. 2378 :—सर्वसाधारण को एनदड़ाग सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संबंध के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिर्भूत रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व प्रौद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मैहरीनी रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छटा), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयुकर महानिदेशक (छटा) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छटा के बारे में लेखा-परीक्षित प्राव-अव दिग्गज को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

दि रिसर्च सोसाइटी, ग्रान्ट मेडिकल कालेज एन्ड जे.जे. ग्रुप आफ हास्पिटल, बाम्बे फॉन्ट निंग, डिनीय तल, (स्कॉल, एवं बी डी डिपार्टमेन्ट), जे.जे. कैम्पस, बाईकुला, बम्बई-400008

यह अधिसूचना दिनांक 01-4-93 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संबंध के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को मुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छटा) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छटा), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1011/एफ.मं. म.नि./आ.क. (छटा) एम-84 / 35 (1) (ii))]

राजेन्द्र मिह, उपनिदेशक

Calcutta, the 20th January, 1994

कलकत्ता, 24, जनवरी 1994

## INCOME-TAX

आयकर

S.O. 2378.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

The Research Society,  
Grant Medical College & J. J. Group of  
Hospitals,  
Bombay,  
Front Wing,  
2nd Floor of Skin & VD Deptt. J. J. Campus,  
Byculla,  
Bombay-400 008.

This Notification is effective for the period from 01-04-1993 to 31-3-1994.

## NOTES :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1011/F. No. DG/IT(E)/M-84/35(1)(ii)]

R. SINGH, Dy. Director

का.आ. 2379 :—सर्वसाधारण को एनद्डारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के छट्ठे (2) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संघ” संबंध के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अन्य लेखा वहियां रखेगा।
- (2) यह प्राप्ते वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन” न्यू मैहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छट्ट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छट्ट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छट्ट के बारे में लेखा परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

डायाकेटिक एसोसिएशन ऑफ इण्डिया,  
मानेकजी वाडिया विल्डिंग, प्रथम तल,  
127, एम जी रोड, फॉर्ट,  
बम्बई-400001

यह अधिसूचना दिनांक 01-4-94 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) “संघ” जैसा संबंध के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को प्रमाण दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छट्ट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छट्ट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1012/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छट्ट)  
एम-56/35(1)(ii)]  
राजेन्द्र सिंह, उपनिदेशक,

Calcutta, the 24th January, 1994

कलकत्ता, 24, जनवरी 1994

## INCOME-TAX

S.O. 2379.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Diabetic Association of India,  
Maneckji Wadia Building,  
1st Floor, 127, M. G. Road,  
Fort, Bombay-400 001.

This Notification is effective for the period from 01-04-1994 to 31-03-1995.

## NOTES :

- (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1012] [F. No. DG|IT(E)|M-56] 35(1)(ii)]  
R. SINGH, Dy. (Exemptions)

## आयकर

का.प्रा. 2380 :—सर्वसाधारण को एनदब्ल्यूआरा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के छण्ड (2) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा-बहिःपात्र रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विनीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

नागरी आई रिसर्च फाउन्डेशन,  
सी एच नागरी म्यूर्निसिपल आई हास्पिटल,  
एलिसब्रिज, प्रह्लादपुर-380006

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभायी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संस्था" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1013 / एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट) जी-46/  
35(1) (ii) (91)]  
राजेन्द्र सिंह, उपनिदेशक

Calcutta, the 24th January, 1994

कलकत्ता, 24 जनवरी, 1994

## INCOME-TAX

S.O. 2380.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities.
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Nagri Eye Research Foundation,  
CH Nagri Municipal Eye Hospital,  
Ellisbridge,  
Ahmedabad-380006.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

NOTES : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1013/F. No. DG|IT(E)|G-46|35(1)(ii)91]  
R. SINGH, Dy. Director

आयकर

का.आ. 2381:—सर्वसाधारण को एतद्वाया सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संबंध के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रीधोगिकी भवन", न्यु मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित व्यापिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

नेशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ माइनर्स हेल्प  
द्वारा पी जी एम एन हास्पिटल,  
चैम्पियन रोफस पो.आ. के जी एफ,  
पिन-563117 (बंगलौर)

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संबंध के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को सुशाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1014 / एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट)केटी-28/  
35(1)(ii)(90)]  
राजेन्द्र सिंह, उपनिदेशक

Calcutta, the 24th January, 1994

आयकर

## INCOME-TAX

S.O. 2381.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

National Institute of Miners Health,  
C/o B.G.M.L. Hospital,  
Champion Reefs,  
P.O. K.G.F.,  
PIN-563 117,  
Bangalore.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1994.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1014/F. No. DG/IT(E)/KT-28/35/(1)(ii)/90]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 27 जनवरी, 1994

का.आ. 2382 :—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के छण्ड (2) के निम्न आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमंदित किया गया है :—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियाँ रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मैट्टर्स रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयकर/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दो गई रिसर्च कार्यों सम्बंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-अय्य विस्तार को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

के जै पी रिसर्च फाउन्डेशन,  
डोर नं. 7/85, चेमाला,  
मेक्सिन्डपम, कन्याकुमारी,  
तमिलनाडू-629166

यह अधिसूचना दिनांक 3-4-92 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
2. रांगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियाँ सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1015/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट)/टीएन-52/35 (1)(ii) (91)]  
राजेन्द्र सिंह, उपनिदेशक

Calcutta, the 27th January, 1994

কলকাতা, 28 জনবরী, 1994

## INCOME-TAX

S.O. 2382.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

KJP Research Foundation,  
Door No. 7/85, Chemala,  
Meckamandapam,  
Kanyakumari Dist.,  
Tamil Nadu-629 166.

This Notification is effective for the period from 3-4-1992 to 31-3-1994.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

## প্রাপকর

কা.আ. 2383.—সর্বসাধারণ কো এতদ্বারা সূচিত কিয়া জাতা হৈ কি নিম্নলিখিত সংগঠন কো, আয়কর অধিনিয়ম, 1961 কী ধারা 35 কী উপধারা (1) কে খণ্ড (iii) কে নিএ, আয়কর নিয়ম কে নিয়ম 6 কে অধীন বিহৃত প্রাধিকারী দ্বাৰা নিম্নলিখিত শর্তোঁ পৰ "সংস্থা" সংবৰ্গ কে অধীন অনুমোদিত কিয়া গয়া হৈঃ—

- (i) সংগঠন অনুসংধান কার্যোঁ কে লিএ অলগ লেখা বহিয়া রাখেগা।
- (ii) যহ অপনে বৈজ্ঞানিক অনুসংধান সম্বন্ধী কার্যোঁ কা এক বার্ষিক বিবরণ প্রত্যেক বিত্তীয় বৰ্ষ কে নিএ, প্রত্যেক বৰ্ষ কে 31 মই তক সচিব, বৈজ্ঞানিক ব ঔদ্যোগিক অনুসংধান বিভাগ, "প্রোগ্রামিক ভবন" ন্যূ মেহৰোলী রোড, নই দিল্লী-110016 কো ভেজেগা, ঔৰ
- (iii) যহ প্রত্যেক বৰ্ষ কে 31 অক্টোবৰ তক লেখা-পরীক্ষিত বার্ষিক লেখা কী প্রতি (ক) আয়কর মহানিদেশক (ছুট), (খ) সচিব, বৈজ্ঞানিক তথা ঔদ্যোগিক অনুসংধান বিভাগ ঔৰ (গ) আয়কর আযুক্ত/আয়কর মহানিদেশক (ছুট) জিনকে ক্ষেত্ৰাধিকাৰ মেঁ উক্ত সংগঠন পড়তা হৈ ঔৰ আয়কর অধিনিয়ম, 1961 কী ধারা 35(1) মেঁ দী গই রিসচৰ্চ কার্যোঁ সম্বন্ধিত (ছুট) কে বারে মেঁ লেখা-পরীক্ষিত আয়-ব্যয় হিসাব কো ভী প্ৰস্তুত কৰেগা।

## সংগঠন কা নাম

ইন্সটীট্যুট ফার ফাইনেসিয়ল মেনেজমেণ্ট এণ্ড রিসচৰ্চ  
30, কোঠারী রোড, পো. বো. নং. 3330  
মুগ্ধমুক্তকম, মদ্রাস-600034

যহ অধিসূচনা দিনাংক 1-4-93 সে 31-3-96 তক কী অবধি কে লিএ প্ৰভাৱী হৈ।

- টিপ্পণী : 1. উপৰ্যুক্ত শর্ত (1) "সংব" জৈসা প্ৰবৰ্গ কে লিএ লাগু নহোঁ হোগা।
- (2) সংগঠন কো সুপ্ৰাব দিয়া জাতা হৈ কি বে অনু-সোবন কী অবধি বড়ানে কে লিএ আয়কর আযুক্ত/আয়কর নিদেশক (ছুট) জিনকে ক্ষেত্ৰাধিকাৰ মেঁ সংগঠন পড়তা হৈ কে মাধ্যম সে আয়কর মহানিদেশক (ছুট), কলকাতা কো তীন প্ৰতিযোঁ নে আবেদন কৰে, অনুসোবন কী অবধি বড়ানে কে সংবৰ্ধ মেঁ কিএ আবেদন পত্ৰ কী 6 প্ৰতিযোঁ সচিব, বৈজ্ঞানিক ঔৰ ঔদ্যোগিক অনুসংধান বিভাগ কো প্ৰস্তুত কৰনা হৈ।

Calcutta, the 28th January, 1994

## INCOME TAX

S.O. 2383.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year, and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Institute for Financial Management & Research  
30, Kothari Road,  
P.B. No. 3330,  
Nungambakkam,  
Madras-600 034.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

## NOTES :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance, for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1016/F. No. DG(E)/TN-28]35(1)(iii)[90]  
R. SINGH, Dy. Director

करकाना, 28 जनवरी, 1994

## आयकर

का.आ. 2384 :—सर्वसाधारण को एतदडारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघर्ग" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों : लिए अन्वय लेखा-बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वापिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, 'प्रोद्योगिकी भवन' न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयकर/आयकर महानिदेशक (छट) जिनके धोकाधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छट के बारे में लेखा परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

स्वीकार रिहैबिलिटेशन इंस्टीट्यूट फार हैंडिकैप्ड उपकार मक्किल, पिकेट, सिकन्दराबाद-3

यह अधिसूचना दिनांक 13-12-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी : 1. उपरुक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को मुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयकर/आयकर निदेशक (छट) जिनके धोकाधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1017/एफ म. नि./आ.क. (छट)-ग्री-19/  
35(i) (iii)/93]

राजेन्द्र सिंह, उपनिदेशक

Calcutta, the 28th January, 1994

कलकत्ता, 28 जनवरी, 1994

## INCOME-TAX

S.O. 2384.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Sweekaar Rehabilitation Institute, for Handicapped, Upkaar Circle, Picket, Secunderabad-3, A.P.

This Notification is effective for the period from 13-12-1993 to 31-3-1995.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1017/F. No. DG/IT(E)/AP-19/35(1)(iii)/93]  
R. SIGH, Dy. Director

## आयकर

का.आ. 2385 :—सर्वेसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन, की आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के बगड़ (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "विश्वविद्यालय" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा-भूमियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वापिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक भविष्य, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रोद्योगिकी भवन" न्यू मेहराली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वापिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

तमिलनाडु यूनिवर्सिटी एंड एनिमल साइंस यूनिवर्सिटी बेपेरे हाई रोड,  
मद्रास-600007

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतिवर्षों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आयेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[मंज्ञा : 1018/एफ सं. म.नि./आ.क. (छूट)/टी.ए. 42/  
35(1)(ii) 90]  
राजेन्द्र मिह, उपनिदेशक

Calcutta, the 28th January, 1994

## INCOME-TAX

S.O. 2385.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "University" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Tamil Nadu Veterinary and Animal Sciences University,  
Vepery High Road,  
Madras-600 007.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1995.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1018] F. No. DG[IT(E)]TN-42|35(1)(ii)|90]  
SHRI R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 28 जनवरी, 1994

आयकर

का. प्रा. 2386 :—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के लाएँ (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के मध्येन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संबंध के अधिन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिर्या रखेगा।
- (ii) यह प्रथमे वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रोटोप्रिंसी भवन" न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके लेखाधिकार में उक्त संगठन पड़ता और आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35(i) में ही गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-म्यव हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

इन्डियन रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट लेबोरेट्री,  
फ्लाट नं. 47, गांधी-पैकेनगड़ी,  
मद्रास-600096

यह प्रधिसूचना विनापक 1-4-93 से 13-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संबंध के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके लेखाधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[संख्या : 1019/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट) ई एन-15/  
35(1)(ii)(89)]  
राजेन्द्र तिथि, उपनिदेशक

Calcutta, the 28th January, 1994

কলকাতা, 28 জনুয়ারী, 1994

## INCOME-TAX

S.O. 2386.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Indchem Research and Development Laboratory,  
Plot No. 47,  
Village : Perungudi,  
Madras-600 096.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

## NOTES :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1019] F. No. DG/IT(E)/TN-15/35(1)(ii)/89  
SHRI R. SINGH, Dy. Director

আয়কর

কা.ধা. 2387 :—সর্বসাধারণ কো এতদ্বাগ্য সুন্দির কিয়া জাতা হৈ কি নিম্নলিখিত সংগঠন কো, আয়কর অধিনিয়ম, 1961 কী ধারা 35 কী উপধারা (1) কে ঘণ্ট (ii) কে লিএ, আয়কর নিয়ম কে নিয়ম 6 কে অধীন বিস্থিত প্রাধিকারী দ্বাৰা নিম্নলিখিত স্থানে পৰ "সংস্থা" সংবর্ধ কে অধীন অনুমোদিত কিয়া গয়া হৈ ।—

- (i) সংগঠন অনুসংধান কার্যো কে লিএ অলঙ্গ লেখা বহিয়ো রখেগো।
- (ii) যহু আমেন বৈজ্ঞানিক অনুসংধান সম্বন্ধী কার্যো কা এক ধার্যিক বিবৰণ প্রত্যেক বিচ্ছিন্ন বৰ্ষ কে লিএ, প্রত্যেক বৰ্ষ কে 31 মই তক সচিক, বৈজ্ঞানিক ব প্রৌঢ়োগিক অনুসংধান বিভাগ, "প্রোগ্রামিক ভবন" ন্যূ মেহুরোলি রোড, নদী বিল্ডিং-110016 কো নেজেগা, আৰ
- (iii) যহু প্রত্যেক বৰ্ষ কে 31 অক্টুবৰ তক লেখা-পরীক্ষিত বাধিক লেখা কী প্রতি (ক) আয়কর গহনিদেশক (ছুট), (খ) সচিক, বৈজ্ঞানিক তথা প্রৌঢ়োগিক অনুসংধান বিভাগ পৌর (গ) আয়কর আযুক্ত/প্রাধিকার মহানিদেশক (ছুট) গিনকে ক্ষেত্ৰাধিকাৰ মেঁ উক্ত সংগঠন পড়তা হৈ আৰ আয়কর অধিনিয়ম, 1961 কী ধারা 35(1) নে কী গই রিসুৰ্চ কার্যো সম্বন্ধিত ছুট কে বাবে মেঁ লেখা পরিক্ষিত আধ-ধৰ্য হিসাব কো ভী প্রস্তুত কৰেগো।

সাংগঠন কা নাম

সাইম এণ্ড টেকনোলজী এন্টেনেস পাৰ্ক  
গুৱানান্দা ইণ্ডিনিয়ারিং কলেজ  
শিধিয়ানা-141006

যহু অধিভূতনা কিমাক 1-4-93 সে 31-3-94 তক কী অৱধি কে লিএ প্ৰভাৱী হৈ।

- বিষণণ : 1. উপৰ্যুক্ত পৰ্যট (i) "সংস্থা" জেসা সংবর্ধ কে লিএ কাগু নহীন হোৰিব।  
2. সংগঠন কো সুসাব দিয়া জাতা হৈ কি বে অনুমোদন কো অধিক বড়তে কে লিএ আয়কর আযুক্ত/প্রাধিকার নিদেশক (ছুট) গিনকে ক্ষেত্ৰাধিকাৰ মেঁ সংগঠন পড়তা হৈ কি ভাধ্যম সে আয়কর মহানিদেশক (ছুট), কলকাতা কো তীন প্রতিয়ো নে আবেদন কৰে, অনুমোদন কী শব্দিত বহান্ত কে সংক্ষেপ মেঁ লিএ আবেদন-পত্ৰ কী 6 প্রতিয়ো গুণিব, বৈজ্ঞানিক আৰ প্ৰৌঢ়োগিক অনুসংধান বিভাগ কো প্ৰস্তুত কৰনা হৈ।

মিল্ডে : 1020/এফ.সং. ম.নি. /প্রা.ক. (ছুট) পৰি-5/  
35(1)(ii)/90]  
রাজেন্দ্ৰ সিংহ, উপনিদেশক

Calcutta, the 1st January, 1994

## INCOME-TAX

S.O. 2387.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st Oct. each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Science & Technology Entrepreneurs' Park,  
Guru Nanak Engineering College,  
Ludhiana-141 006.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1994.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1020/F. No. DG/IT(E)/P-5|35(1)(ii)|90]

Ms. R SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 28 जनवरी, 1994

## आयकर

का.आ. 2388.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी, द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघर्ष" संघर्ष के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियाँ रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रोद्योगिकी भवन" न्यू महरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर अधिकृत/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

## संगठन का नाम

इण्डियन टेक्नोलॉजीज एंड इंजीनियरिंग  
द्वारा इस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इण्डिया)  
बहादुर शाह जफर मार्ग,  
नई दिल्ली-110002

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपयुक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर अधिकृत/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पत्र की 6 प्रतियों सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या: 1021/एफ.सं.मा.नि/आ.क. (छूट) एन डी-56/  
35(1)-(ii)(90)]  
राजेन्द्र सिंह, उपनिदेशक

Calcutta, the 28th January, 1994

## INCOME-TAX

S.O. 2388.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section 1 of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the Category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax( Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

Indian National Academy of Engineering,  
C/o Institution of Engineers (India),  
Bahadur Shah Zafar Marg,  
New Delhi-110 002.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1994.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1021]F. No. DG|IT(E)|ND-56|35(1)(ii)|90]  
MRS. R. SINGH, Dy. Director

प्रिय संचालय  
(राजस्व विभाग)

मई दिल्ली, 13 जुलाई, 1994

मुख्यालय स्थापना

का.आ. 2389.—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (कारबाहर संव्यवहार विविधम) नियम, 1964 के तिथम 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के सदस्य एवं भारत सरकार के पदेन प्रपर सचिव श्री टी.एस. श्रीनिवासन को तारीख 13 जुलाई, 1994 पूर्यकृत से अगला आवेदन होने तक केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त करती है।

[फ. सं. ए-19011/1/93-प्रश्ना. I]  
रमेश कुमार, प्रबर सचिव

MINISTRY OF FINANCE  
(Department of Revenue)

New Delhi, the 13th July, 1994

## HEADQUARTERS ESTABLISHMENT

SO. 2389.—In exercise of the powers conferred by Rule 3 of the Central Board of Direct Taxes (Regulation of Transaction of Business) Rules, 1964, the Central Government hereby appoints Shri T. S. Srinivasan, Member, Central Board of Direct Taxes and ex-officio Additional Secretary to the Government of India, as Chairman of the Central Board of Direct Taxes with effect from the forenoon of the 13th July, 1994 and until further orders.

[F. No. A-19011/1/93-Ad. I]  
RAMESH KUMAR, Under Secy.

(व्यव विभाग)

मई दिल्ली, 9 अगस्त, 1994

का.आ. 2390.—सामान्य अधिकार विविधम, 1925 (1925 का 19) की धारा 8 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उपर्युक्त विविधम की अनुसूची में निम्न लिखित सरकारी संस्थान का नाम सामिल करती है; भारत

"जवाहर लाल नेहरू उच्च वैज्ञानिक अनुसंधान केन्द्र"  
[संज्ञा 4(1)-संस्था बी/92(I)]  
श्री. सेकर, उप सचिव

(Department of Expenditure)

New Delhi, the 9th August, 1994

S.O. 2390.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 8 of the Provident Fund Act, 1925 (19 of 1925), the Central Government hereby adds to the Schedule to the said Act the name of the following public institution, namely :—

"JAWAHARLAL NEHRU CENTRE FOR ADVANCE SCIENTIFIC RESEARCH".

[No. 4(1)-EV/92(I)]  
V. SEKAR, Dy. Secy.

मई दिल्ली, 9 अगस्त, 1994

का.प्रा. 2391.—भविष्य निधि अधिनियम, 1925 (1925 का 19) की धारा 2 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा यह निर्देश देती है कि उपर्युक्त अधिनियम के उपर्यंथ (धारा 6-क को छोड़कर) “जवाहर लाल नेहरू उच्च वैज्ञानिक अनुसंधान केन्द्र” जिसे उपर्युक्त अधिनियम की अनुसूची में विविष्ट किया गया है, के कर्मचारियों के लाभार्थ स्थापित भविष्य निधि पर साधू होंगे। \*

[सं. 4(1)-संस्था. वी/92(II)]  
वी. सेकर, उप सचिव

New Delhi, the 9th August, 1994

S.O. 2391.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 8 of the Provident Fund Act, 1925 (19 of 1925), the Central Government hereby directs that the provisions of the said Act (except Section 6-A) shall apply to the Provident Fund established for the benefit of the employees of the 'JAWAHARLAL NEHRU CENTRE FOR ADVANCE SCIENTIFIC RESEARCH' specified in the Schedule of the said Act.

[No. 4(1)-E.V/92(II)]  
V. SEKAR, Dy. Secy.

(राजस्व विभाग)  
केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

मई दिल्ली, 24 अगस्त, 1994

का.प्रा. 2392.—आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 119 की उपधारा (2) के खण्ड (क) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड निम्नलिखित श्रेणी के करकाताओं के संबंध में धारा 139 की उपधारा (i) के अंतर्गत स्पष्टीकरण के प्रयोजनों के लिए करनिधारण वर्ष 1994-95 के संबंध में वेय तारीख 31 अक्टूबर, 1994 विनिर्दिष्ट करता है:—

कर निर्धारितियों की श्रेणी

आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 44 का के प्रावधानों के अनुसार करनिधारण वर्ष 1994-95 के संदर्भ में 31-3-1994 को समाप्त पिछले वर्ष के लिए जिन फर्मों को अपने लेखों की लेखा परीक्षा कराना आवश्यक है, उनमें आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 40 के खण्ड (ख) के उपखण्ड (v) के अधीन स्पष्टीकरण (4) में यथापरिभाषित कार्यशील भागीदारों के संबंध में यह प्रावधान किया गया है कि भागीदारी विलेख की शर्तों के अनुसार या उसके द्वारा यथा प्राप्तिकृत ऐसी फर्मों से 31-3-1994 को समाप्त पिछले वर्ष के लिए उक्त कार्यशील भागीदार पारिश्रमिक प्राप्त करने के हक्कावार हैं और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 40 के खण्ड (ख) के उपखण्ड (iv) के अधीन स्पष्टीकरण (3) में यथा परिभाषित खातालाभों के एक हिस्से के रूप में उक्त पारिश्रमिक वेय है।

[प्रधिकारिता सं. 9591/फा. सं. 220/6/93-आयकर  
नि.-II]

जी. मुथुरामाकृष्णन्, निदेशक

(Department of Revenue)

### CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 24th August, 1994

S.O. 2392.—In exercise of the powers conferred under clause (a) of sub-section (2) of Section 119 of the Income-tax Act, 1961, the Central Board of Direct Taxes hereby specifies the due date for the purposes of the Explanation under sub-section (1) of Section 139 as 31st October, 1994 in respect of the following class of assessees for the assessment year 1994-95.

### CLASS OF ASSESSEES

The working partners as defined in Explanation (4) under sub-clause (v) of clause (b) of Section 40 of the Income-tax Act, 1961, in firms which are required to get their accounts audited in respect of the previous year ended 31-3-1994 relevant to the assessment year 1994-95 in accordance with the provisions of Section 44AB of the Income-tax Act, 1961, provided that such working partners are entitled to receive remuneration for the previous year ended 31-3-1994 from such firms, as authorised by or in accordance with the terms of the partnership deed and the said remuneration is payable as a proportion of the book profits as defined in Explanation (3) under sub-clause (v) of clause (b) of Section 40 of the Income-tax Act, 1961.

[Notification No. 9591/F. No. 220/6/93-ITA. II]

G. MUTHURAMAKRISHNAN, Director.

### मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(युवा कार्यक्रम और खेल विभाग)

मई दिल्ली, 12 अगस्त, 1994

का. वा. 2392:—केन्द्रीय सरकार राजसाधारा (संघ) के प्रावधानों के लिए प्रयोग नियम 10, (4) के बनुसरण में नेहरू युवा केन्द्र संगठन, नई दिल्ली जिसके कर्मचारी द्वारा यह में हिन्दी का कार्यसाधक शान प्राप्त कर लिया, अधिसूचित करती है।

[सं. 3-7/94-हि. ए.]

आशा स्वरूप, संयुक्त सचिव

### MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

(Department of Youth Affairs & Sports)

New Delhi, the 12th August, 1994

S.O. 2393.—In pursuance of rule 10(4) of the Official Language (use of official purposes of the Union) Rule 1976, the Central Government hereby notifies the Nehru Yuva Kendra Sangathan, New Delhi the staff whereof have acquired a working knowledge of Hindi.

[F. No. 3-7/94-H.U.]  
ASHA SWAROOP, Jt. Secy.

## पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 30 अगस्त, 1994

का. आ. 2394 :—केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) का जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 571 तारीख 26 फरवरी, 1994, द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाश्च लाइन विछाने के प्रयोजनाएँ वस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनियिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन के घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र की अधिसूचना की प्रतियोगिता को तारीख 12 अक्टूबर, 1994 को उपलब्ध करा दी गई थी;

और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में सक्रम प्रधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट देती है—

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर निचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनियिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाना चाहिए;

प्रत: अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनियिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है—

और केन्द्रीय सरकार, उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, आमे यह निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए सभी वित्तीयमां से मुक्त, इंडियन प्रायल कॉर्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा :—

## अनुसूची

संख्यालिंग:	मानसा	जिला :	मानसा	राज्य :	पंजाब
गांव का नाम	इलाहाबाद	मुस्तसील/किला मंडल	क्षेत्र	हैंडिकर भारत	संटीपारे
1	2	3	4	5	6
जोगा	8	6			
	18		00	00	76
	25		00	01	01
	25				
	5		00	01	01
	6/2		00	01	01
	15/1		00	00	51

[संकाय आर—31016/13/93—ओ. धार—I]

जे.के. मायल, प्रबन्ध सचिव

## MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 30th August, 1994

S.O. 2394.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 571, dated the 26th February, 1994, issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land)

Act, 1962 (50 of 1962), hereinafter referred to as the said Act, the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum;

And whereas the copies of the said Gazette notification were made available to the public on the 12th April, 1994;

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of Section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering the said report in satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired;

And further in exercise of the powers conferred by the sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited;

## SCHEDULE

Tehsil : Mansa District : Mansa State : Punjab.

Name of Village	Hadbast No.	Mustateel/ Killa No.	Area . Hect.	Area . Are	Area . Centiare
1	2	3	4	5	6
Joga	8	6	16	00	00 76
	25		00	01	01
	25				
	5		00	01	01
	6/2		00	01	01
	15/1		00	00	51

[No. R-31015/13/93-O.R. I]

J.K. MAYALL, Under Secy.

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 1994

का. आ. 2395 :—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 2427 तारीख 13-11-93 द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के प्रयोजन के लिए पाइपलाइन विछाने के बजाए अनुसूची में विनियिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन के प्रयोग घोषणा की थी ;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियोगिता जन्मा को तारीख 23 सितम्बर, 1993 को उपलब्ध करा दी गई थी ;

और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के मानसा में सक्रम प्रधिकारों में केन्द्रीय सरकार को गिरोह देती है ;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समझान हो गया है कि इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिविष्ट भूमि में उपयोग का अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः शब्द, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना के उपाबद्ध अनुसूची में विनिविष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है;

यह और कि केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमियों के उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित हाने के बजाए सभी विलंगमों से रहित, इडियल ऑफिल कारपोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

## अनुसूची

तहसील—तसीरावाद जिला : अजमेर राज्य : राजस्थान

गांव का नाम	खसरा नम्बर	क्षेत्र			हैवटेयर अरे सेटी आरे	1	2	3	4	5
		हैवटेयर	अरे	सेटी						
रामसर	7944	0	00	44		1535/1	0	06	60	
	7931	0	18	92		1539	0	04	07	
	7932	0	04	73		1563	0	08	80	
	7921	0	13	31		1553	0	05	50	
	7922	0	00	22		1554	0	05	06	
	7924	0	01	65		1552	0	02	86	
	7916	0	00	11		1551	0	08	58	
	7912	0	07	26		1547/1	0	07	92	
	7913	0	08	03		1548	0	00	44	
	7914	0	03	74						
	7886	0	01	10						
	7879	0	08	14	नेपोली	1	0	03	30	
	7875	0	00	66		2	0	37	62	
	7874	0	04	62						
	7873	0	02	64						
	7872	0	00	44	सूरजपुरा	363	0	11	44	
मावशिया	296	0	03	96		364	0	06	82	
	294	0	01	87		426	0	07	22	
	299	0	05	83		431	0	07	37	
	300	0	01	87		429	0	06	38	
	298	0	00	99		447	0	06	93	
	401	0	00	66		498	0	04	29	
	400	0	04	73		457	0	06	60	
	399	0	01	43		458	0	03	19	
	398	0	07	37						
	397	0	00	55						
	392	0	08	69		814	0	02	42	
	390	0	05	61		816	0	04	62	
	393	0	04	51		815	0	06	27	
	386	0	02	97		821	0	00	22	

लहसुन : किलोग्राम	जिला : अमरेपुर	राज्य: राजस्थान	1	2	3	4	5		
पीढ़ी का नाम	कासरा नम्बर			लैंगफल					
	इक्सेपर	प्रारं	वर्गीटर						
पांडोडिया	1680	0	18	48	87	0	09	63	
	1683/1	0	48	75	95	0	09	63	
	1684	0	04	40	97	0	08	58	
	1689/1	0	07	48	99/2	0	00	22	
					100	0	00	88	
					101/1	0	02	42	
					101/2	0	00	11	
					73	0	03	39	
					783/1	0	01	10	
जोरावरपुर	606	0	10	34	904/1	0	10	01	
	604	0	04	07	903	0	04	18	
	603	0	04	07	902	0	10	23	
	24	0	02	20	897	0	05	72	
	14	0	05	06	896	0	01	98	
	12	0	14	52	895	0	06	60	
	13	0	01	10	905/2	0	15	40	
	21	0	15	95	907	0	02	20	
	36	0	21	34	908/1	0	15	18	
	34	0	01	65					
	60	0	04	62	965	0	00	99	
	59	0	04	51	966	0	06	82	
	58	0	02	42	967	0	00	66	
	64	0	00	88	984	0	17	49	
	66	0	19	47	983	0	05	83	
	732	0	28	16	982	0	05	83	
	75	0	02	64	981	0	04	95	
	119	0	05	39	996	0	01	43	
	117	0	03	63	997	0	39	71	
	121	0	05	50					
	120	0	06	27					
बोठियाणा	255	0	07	15	मीरोता	287	0	06	16
	256	0	00	66		291	0	09	57
	257	0	08	91		292	0	04	40
	259	0	19	14		289	0	08	58
	269	0	09	35		301	0	01	87
	270	0	01	87		299	0	09	90
	268	0	02	64		304	0	01	10
	266	0	04	40		300	0	07	70
	260	0	14	52		314	0..	26	84
	267	0	20	02		316	0	18	48
	272	0	16	17		317	0	00	55
	273	0	27	63		228	0	15	84
	250	0	06	49		226	0	04	84
	251	0	07	15		225	0	08	14
	249	0	04	73		229	0	02	31
	248	0	01	10		215	0	00	88
	282	0	23	10		214	0	03	41
	223	0	05	83		213/6	0	08	47
	221	0	01	76		196	0	08	91
	222	0	00	68		212	0	03	52
	137	0	01	76		210	0	11	22
	126	0	02	75		209/2	0	03	14
	125	0	01	21		206/1/14	0	05	17
	123	0	08	03		121	0	01	10
	89	0	00	88		113/2	0	15	62

1	2	3	4	5
श्रीगोता	116	0	00	44
	117	0	14	52
	118	0	01	10
	112	0	10	12
	111	0	00	44
	110	0	01	10
	109	0	00	33
	102	0	22	44
	100	0	01	76
	101	0	15	18
	89	0	28	71
	90	0	09	35
	84	0	07	37
	45	0	00	55
	46	0	07	37
	47	0	48	51
कालुक	813/1136	0	10	56
	816	0	21	78
	814	0	08	58
	798	0	42	20
	798/1131	0	02	64
	62/1118	0	03	74
	61	0	07	70
	793	0	00	22
	76	0	07	37

[संचया प्राप्त 31015/40/93-ओ आर-I]

जे के मायल, अवर संचय

New Delhi, the 5th September, 1994

S.O. 2395.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 2427 dated the 13th November, 1993 issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum;

And whereas the copies of the said Gazette notification were made available to the public on 23rd November, 1993;

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited;

## SCHEDULE

Tehsil : Nasirabad District : Ajmer State : Rajasthan

Area

Name of Village Khasra No.

Hect. Are Centiares

1	2	3	4	5
Ramsar	7944	0	00	44
	7931	0	18	92
	7932	0	04	73
	7921	0	13	31
	7922	0	00	22
	7924	0	01	65
	7916	0	00	11
	7912	0	07	26
	7913	0	08	03
	7914	0	03	74
	7886	0	01	10
	7879	0	08	14
	7875	0	00	66
	7874	0	04	62
	7873	0	02	64
	7872	0	00	44
Mawasiya	296	0	23	96
	294	0	01	87
	299	0	05	83
	300	0	01	87
	298	0	00	99
	401	0	00	66
	400	0	04	73
	399	0	01	43
	398	0	07	37
	297	0	00	55
	392	0	08	69
	390	0	05	61
	393	0	04	51
	386	0	02	97
	385	0	00	11
	344	0	08	69
	345	0	00	11
	346	0	00	33
	351/1	0	03	74
	351/2	0	00	11
	350	0	03	85
	690	0	01	32
	1636	0	04	73
	1496	0	00	88
	1503	0	03	74
	1502	0	01	32
	1504	0	05	28
	1505	0	03	74
	1506	0	01	76
	1507	0	05	17
	1560	0	05	17
	1525	0	09	46
	1524	0	08	36
	1523	0	01	54
	1521	0	07	48

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Mawasiya	1535/1	0	06	60	Gothlyana	268	0	02	64
	1564	0	05	94		266	0	04	40
	1539	0	04	07		260	0	14	52
	1563	0	08	80		267	0	20	02
	1553	0	05	50		272	0	16	17
	1554	0	05	06		273	0	27	83
	1552	0	02	86		250	0	06	49
	1551	0	08	58		251	0	07	15
	1547/1	0	07	92		249	0	04	73
	1548	0	00	44		248	0	01	10
NePolI	1	0	03	30		282	0	23	10
	2	0	37	62		223	0	05	83
Swajpura	363	0	11	44		221	0	01	76
	364	0	06	82		222	0	00	66
	426	0	07	22		137	0	01	76
	431	0	07	37		126	0	02	75
	429	0	06	38		125	0	01	21
	447	0	06	93		123	0	08	03
	498	0	04	29		89	0	00	88
	457	0	06	60		87	0	09	68
	458	0	03	19		95	0	09	68
	814	0	02	42		97	0	08	58
	816	0	04	62		99/2	0	00	22
	815	0	06	27		100	0	00	88
	821	0	00	22		101/1	0	02	42
						101/2	0	00	11
						73	0	05	39

Tehsil : Kishangarh Distt. Ajmer State : Rajasthan

Name of Village	Khasra No.	Area			Jheerota	287	0	06	16
		Hect.	Are	Cen-tiare					
Ankodiya	1680	0	18	48		291	0	09	57
	1683/1	0	46	75		292	0	04	40
	1684	0	04	40		289	0	08	58
	1689/1	0	07	48		301	0	01	87
Jorawarpura	606	0	10	34		299	0	09	90
	604	0	04	07		304	0	01	10
	603	0	04	07		300	0	07	70
	24	0	02	20		314	0	26	84
	14	0	05	06		316	0	18	48
	12	0	14	52		317	0	00	55
	13	0	01	10		228	0	15	84
	21	0	15	95		226	0	04	84
	36	0	21	34		225	0	08	14
	34	0	01	65		229	0	02	31
	60	0	04	62		215	0	00	88
	59	0	04	51		214	0	03	41
	58	0	02	42		213/6	0	08	47
	64	0	00	88					
	66	0	19	47					
	73/2	0	28	16					
	75	0	02	64					
	119	0	05	39					
	117	0	03	63					
	121	0	05	50					
	120	0	06	27					
Gotlyana	255	0	07	15					
	256	0	00	66					
	257	0	08	91					
	259	0	19	14					
	269	0	09	35					
	270	0	01	87					

1	2	3	4	5
Jhicerota	196	0	08	91
	212	0	03	52
	210	0	11	22
	209/2	0	03	14
	206/1/14	0	05	17
	121	0	01	10
	113/2	0	15	62
	116	0	00	44
	117	0	14	52
	118	0	01	10
	112	0	10	12
	111	0	00	44
	110	0	01	10
	109	0	00	33
	102	0	22	44
	100	0	01	76
	101	0	15	18
	89	0	28	71
	90	0	09	35
	84	0	07	37
	45	0	00	55
	46	0	07	37
	47	0	48	51
	813/1136	0	10	56
	816	0	21	78
	814	0	08	58
	798	0	42	20
	798/1131	0	02	64
	62/1118	0	03	74
	61	0	07	70
	793	0	00	22
	76	0	07	37

[No. R-31015/40/93-OR.I]  
J.K. MAYALL, Under Secy.

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 1994

का.आ. 2396 --केन्द्रीय सरकार ने, पैट्रोलियम और खनिज पालनपालन (भूमि में उपरोक्त के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की (जिसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम पहला गया है) धारा 3 को उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस संचालन की अधिकृतवादी का.आ. 2428 नारीख 13 नवम्बर, 1993, द्वारा पैट्रोलियम के पालनपालन के लिए पालनपालन कियाने के पांचवार्ष उम्मीदमूल्य से गंतव्य अनुमूल्य में विनियिष्ट भूमि में उपरोक्त के अधिकारों के अर्जन के प्राप्त प्राप्ति की घाराणा की थी।

ओर उक्त राजपत्र प्राप्तिवता की प्रतियोगता का तारीख 23 नवम्बर, 1993 का उत्तराव फरा दी गई थी।

ओर उक्त अधिनियम को धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसार में गंतव्य प्राप्तिकारी ने केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दी थी है:

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिकृतवादी में गंतव्य अनुमूल्य में विनियिष्ट भूमि में उपरोक्त का अधिकार का अर्जन किया जाना चाहिए।

अब यह, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा पद्धति अनियोजित प्राप्ति करने वृण्ड, यह घोषणा करती है कि इस अधिकृतवादी में गंतव्य अनुमूल्य में विनियिष्ट भूमि में उपरोक्त के अधिकार का अर्जन किया जाना है;

और केन्द्रीय सरकार, उक्त धारा की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शासकीयों का प्रयोग करने वृण्ड, आपे यह निवेदण देती है कि उक्त अधिनियम में उपरोक्त का अधिकार केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्धारित किया जाने के बजाए सभी विलगमों में मूल्त, होकर इंडियन ओयल कार्पोरेशन निमिटेड द्वारा निहित किया जाएगा।

### पन्नमूर्ती

प्राप्ति का नाम :	भावल	जिला :	रत्नाड़ी	राज्य :	हरियाणा
हृदयस्तान	मुस्तानी	किलोमीटर		धौपड़ा	प्रैटोम्यारे
प्राप्ति का नाम :	भावल	जिला :	रत्नाड़ी	राज्य :	हरियाणा

[मंड़ा. नं. 31015/4/93-ओआर-I]

ज.क. मायल, प्रब्र. मन्त्रि

New Delhi, the 5th September, 1994

S.O. 2396.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 2428, dated the 13th November, 1993, issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) hereinafter referred to as the said Act, the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum;

And whereas the copies of the said Gazette notification were made available to the public on the 23rd November, 1993;

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of Section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of the user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired;

And further in exercise of the powers conferred by the sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited;—

### SCHEDULE

Tehsil : Bawal District : Rewari State : Haryana

Name of Village	Had- basi No.	Musta- fee/ Killla	Hec- Are	Area Cen- tiare	1	2	3	4	5	6
Pragpura	3	36	00	01	26					

[No. R-31015/41/93-O.R.-I]

J.K. MAYALL, Under Secy.

नई विनी, 5 मिस्रवर, 1994

बा.प्रा. 2397—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकाहेत में यह आवश्यक है कि राजस्थान राज्य में चाकम् से हरियाणा राज्य में पानीपत तक पैदोनियम के परिवहन के लिए इंडियन ओयल कॉर्पोरेशन द्वारा पाइपलाइन लिलाई जाएँ।

और ऐसा प्रतीत होता है कि उक्त पाइपलाइन विद्युत के प्रयोजन के लिए अधिकारी से उपचाल अनुग्रहीत में विभिन्न भूमि में उपयोग के अधिकार का ग्रन्त करना आवश्यक है;

अब अब, केन्द्रीय सरकार, पैटोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का ग्रन्त), अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपचारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उनमें उपयोग के अधिकार का शर्तने ग्रन्त के अन्तर्में आग्रह की घोषणा करती है;

उक्त अनुग्रहीत में विभिन्न भूमि में इतिवह जोई अधिक, उस तारीख से जिसको भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिकारी की प्रतियां साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, 21 दिन के भीतर, भूमि के नीचे पाइपलाइन लिलाने के सम्बन्ध में उनमें उपयोग के अधिकार का ग्रन्त करते अनुग्रहीत व्यक्ति या आधिकारी श्री शर्मा रमेश कौशिक, यथाम प्राधिकारी, हरियाणा, कोठी नम्बर 1158, सेक्टर-13, अब्देन पर्सेन, करनाल, हरियाणा, को कर सकेगा।

### प्रमुख

नहसील: रिवाई जिला: रिवाई राज्य: हरियाणा

गांव वा नाम	हृदवस्तन	मुद्रानील किलोम.	क्षेत्र	हृदर	पारे	सेटोपारे	1	2	3	4	5	6
गिन्वेल्डर	113	339		00	00	51						
चांग	238	13		6	00	10	62					
			15	00	11	13						
			16	00	10	88						
			25	00	04	05						
			14									
			10	00	01	26						

तहसील: लज्जर जिला: रोहतक राज्य: हरियाणा

जज्जर	00	348	1/3/2	00	00	06
			613	00	66	83

तहसील: रोहतक जिला: रोहतक राज्य: हरियाणा

कुलताना	16	337	00	06	32
क्षस्माईला	38	158	00	05	56

9 बिस्तरा

नहसील: गाहाना	जिला: मोनीपत	राज्य: हरियाणा			
1	2	3	4	5	6
गिरिहाना	24	119	00	03	79
मेवाल	68	108			
कला मिठान		10	00	07	09
नायत	62	61	9	06	28

नहसील: पानीपत	(जल): पानीपत	राज्य: हरियाणा			
1	2	3	4	5	6
बुगाना लालू	86	72	18	00	05
कायथ	91	48	3	00	09
बालबा	41	18	5	00	06
		6	00	09	57
		44	3	00	02
		8	00	00	36
		18	00	10	12
		13	00	03	79
		19	00	02	53
		22/2	00	02	78
		23	00	00	25

नहसील: गृताना	जिला: गृताना	राज्य: हरियाणा			
1	2	3	4	5	6
ग्रामन खुर्य	22	24	22	00	09
		34	2	00	06
उटला	41	11	22	00	06
		10	00	06	83
कारद	64	92	122	00	06
		3	00	02	28
गाहपुर	89	20	0	00	00
आसन खला	21	198	0	00	01

[मंडप, पार 340, 5/1/93-बाहरआई (पार्ट-1)]

ज.क.मायल, अवर सचिव

New Delhi, the 5th September, 1994

S.O. 2397.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum for Chaksu in the State of Rajasthan to Panipat in the State of Haryana pipeline should be laid by the Indian Oil Corporation Limited :

And, whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in

the land described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said Schedule may within 21 days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein of laying of the pipeline under the land to Shri R. P. Kaushik, Competent Authority, Kotbi No. 1158 Sector-13, Urban Estate, Karnal.

#### SCHEDULE

Tehsil : Rewari District : Rewari State : Haryana

Name of Village	Had- bast No.	Mus- tateel/ Killa No.	Area		
			Hec- tares	Are	Cen- tiare
1	2	3	4	5	6
Gindokhar	113	339	00	00	51
Chang	238	13			
		6	00	10	62
		15	00	11	13
		16	00	10	88
		25	00	04	05
		14			
		10	00	01	26

Tehsil : Jhajjar District : Rohtak State : Haryana

Jhajjar	100	348			
		1/3/2	00	00	06
		613	00	06	83

Tehsil : Rohtak District : Rohtak State : Haryana

	1	2	3	4	5	6
Kultana	16	337	00	06	32	
Ismayila 9 Biswa	38	158	00	05	56	

Tehsil : Gohana District : Sonepat State : Haryana

Giwana	74	119	00	03	79
Bhainswal	68	108			
Kalan Mithan		10	00	07	59
Nayat	62	61	00	02	28

Tehsil : Panipat		District : Panipat		State : Haryana	
1	2	3	4	5	6
Bowana Lakhu	86	72			
		18	00	05	06
Kayath	91	48			
		3	00	09	36
Kalkha	41	18			
		5	00	06	83
		6	00	09	36
		44			
		3	00	02	78
		8	00	09	36
		18	00	10	12
		13	00	03	79
		19	00	02	53
		22/2	00	02	78
		23	00	00	25
Sutana	23	66			
		15	00	01	26
		16	00	01	77
Asan Khurd	22	24			
		22	00	09	11
		34			
		2	00	06	58
Untla	44	14			
		22	00	06	07
Karad	64	92			
		10	00	06	83
		122			
		3	00	02	28
Shahput	89	20			
		9	00	00	03
Asan Kalan	21	198			
		00	01	52	

[No. R-31015/41/93-O.R. I (Pt. 1)]

J. K. MAYALL, Under Secy.

नई दिल्ली, 5 मितम्बर, 1994

का.आ. 2398 —केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा(1)के अधीन जारी की गई भारत के राजपत्र, भाग-II खण्ड-3, उपखण्ड (ii) पृष्ठ 1318 पर प्रकाशित भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 1016 तारीख 30 अक्टूबर, 1994 द्वारा उम अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में वर्णित भूमि का अर्जन करने के अपने आशय की सूचना दी थी;

और केन्द्रीय सरकार की जानकारी में यह लाया गया है कि राजपत्र में प्रकाशित उक्त अधिसूचना में मुद्रण प्रकृति की कुछ गलतियाँ हैं;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए,

उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करती हैः—

पृष्ठ संख्या 1350 गांव के किला संख्या 24/20/3 के ऊपर, तहसील का नाम 'झज्जर' जिला का नाम 'राहतक' और राज्य का नाम 'हरियाणा' निवेश करें।

पृष्ठ संख्या 1352 भैसबाल कलां मीठान गांव के स्तम्भ 2 के नीचे, हृदवस्त संख्या '6' के स्थान पर '68' पढ़ें।

पृष्ठ संख्या 1351 छारा गांव के स्तम्भ 3 के नीचे किला संख्या "20/19/3" के स्थान पर "6720/19/3" पढ़ें।

ऐसी भूमि में, जिसकी बाबत उपरोक्त संशोधन जारी किया गया है, हितबच्चे कोई व्यक्ति उस तारीख से, जिसको इस अधिसूचना की प्रतियां साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, इक्कीस दिन के भीतर उक्त अधिनियम की धारा 5 की उपधारा (1) के निवंधनों के अनुसार उक्त भूमि के सम्पूर्ण या किसी भाग के या ऐसी भूमि में या उस पर के किसी अधिकार के प्रतित किए जाने के संबंध में आक्षण, संक्षम प्राधिकारी, इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड, 1158, सेक्टर-13, नगर सम्पदा, करनाल (हरियाणा) को बार मर्केगा।

स्पष्टीकरण — इस अधिसूचना के द्वारा संशोधित भूमियों, खंभरा सं. और क्षेत्रफल की बाबत ही उक्त अधिनियम की धारा 5 की उपधारा (1) के निवंधनों के अनुसार इक्कीस दिन की उक्त अवधि उस तारीख से आरम्भ होती है यह अधिसूचना राजपत्र में प्रकाशन के पश्चात् जनता को जिसको उपलब्ध करा दी जाती है।

[सं. ग्रार-31015/2/94-ओ ग्रार-] ]

जे.के. मायल, अवर मन्त्रिव

New Delhi, the 5th September, 1994

S.O. 2398.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 1016, dated 30th April, 1994, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) at page 1355 issued under sub section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government gave notice of its intention to acquire the lands specified in the Schedule appended to this notification;

And whereas, it has been brought to the notice of the Central Government that certain errors of printing nature have occurred in the publication of the said notification in the Gazette; -

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the said Act, the Central Government hereby amends the schedule appended to the said notification as follows:-

At page 1355, in village Qutabpur Maula, in column 2, for hadbast No. '31' read '131';

Any person interested in any land in respect of which the above amendment has been issued, may within twenty one days of the issue of this notification, object to the acquisition of the whole or any part of the said land or any right in or over such land in terms of sub-section (1) of Section 5 of the said Act.

Explanation.—In respect of the lands, kila Hadbast no. and area amended through this notification only, the said period of twenty one days in terms of sub-section (1) of Section 5 of the said Act starts running from the date of notification is made available to the public after publication in the Gazette.

[No. R-31015/2/94-O.R. II  
J. K. MAYALL, Under Secy.

### स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1994

का.आ. 2399 —भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की अधिसूचना सं.का.आ. 1660, तारीख 30 जून, 1994 की उद्देशिका में “का प्रयोग करते हुए” शब्दों से आरंभ होने वाले और “नामनिर्दिष्ट करती है और” शब्दों से समाप्त होने वाले भाग के स्थान पर “के अनुसरण में और परिषद् द्वारा यह सूचित किए जाने पर कि आ. भास्करानंद रे चौधरी को कलकत्ता विश्वविद्यालय द्वारा 21 मार्च, 1994 से परिषद् का सदस्य निर्वाचित किया गया है” शब्द रखे जाएंगे।

2. नीचे के पैरा में “डा. भास्कर नंद रे चौधरी” के स्थान पर “डा. भास्करानंद रे चौधरी” पढ़ें।

[का. सं.वी. 11013/9/94-एम.ई. (यूजी )

एस.के. मिश्रा, ईस्क अधिकारी

### MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING

New Delhi, the 22nd August, 1994

S.O. 2399.—In the Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare notification No. S.O. 1660 dated the 30th June, 1994, in the preamble for the portion beginning with the words “hereby nominates and ending with the words “Medical Council of India and makes” the words, “on being informed by the Council that Dr. Bhaskarananda Ray Chaudhuri has been elected by the Calcutta University to be a Member of the Council with effect from the 21st March, 1994 and hereby makes shall be substituted,

[F. No. V. 11013/9/94-ME(UG)]

S. K. MISHRA, Desk Officer

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1994

का.आ. 2400 —केन्द्रीय सरकार, भारतीय आयु-विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उपधारा (i) के खंड (क) के अनुसरण में आंग लियुरा भग्कार के परामर्श से, डा. एल. डी. कुन्ड, संयुक्त निवेशक, स्वास्थ्य सेवाएं, तिपुरा सरकार का इस अधिसूचना के जारी होने की तारीख से भारतीय आयु-विज्ञान परिषद् का सदस्य नामनिर्दिष्ट करती है;

अतः श्रब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के उपवंशों के अनुभरण में, भारत सरकार के तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्रालय की अधिसूचना संस्थाक का आ. 138, तारीख 9 जनवरी, 1960 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, धारा 3(1)(क) के अधीन नाम-गिरिष्ट शीर्ष के नीचे क्रम संख्याक 21 और उससे संबंधित प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित क्रम संख्याक और प्रविष्टियां अंतः स्थापित की जाएंगी, अर्थात् :—

“22. डा. एल. डी. कुन्दू,  
संयुक्त निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं,  
त्रिपुरा सरकार,  
अगरतला”।

[व. वी. 11013/27/94-एम.ई. (यू.जी.)]

एम.ई. मिश्रा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 23rd August, 1994

S.O. 2400.—Whereas the Central Government in pursuance of clause (a) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) and in consultation with the Government of Tripura have nominated Dr. L. D. Kundu, Joint Director of Health Services, Government of Tripura to be a member of the Medical Council of India with effect from the date of issue of this notification;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the then Ministry of Health number S.O. 138 dated 9th January, 1960, namely :—

In the said notification, under the heading “Nominated under section 3(1)(a)” after the serial number 21 and the entries relating thereto, the following serial number and entries shall be inserted, namely :—

“22. Dr. L. D. Kundu,  
Joint Director of Health Services,  
Government of Tripura,  
Agartala.”

[No. V. 11013/27/94-ME(UG)]

S. K. MISHRA, Desk Officer

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1994

का.प्रा. 2401 ---भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 7 की उपधारा (4) के साथ पठित धारा 3 की उपधारा (1) के खंड (क) के अनुभरण में, डा. सुरेन्द्र कुमार सिंहा, आयुर्विज्ञान के प्राप्तर्द्दि, पटना आयुर्विज्ञान महाविद्यालय, पटना द्वा, विहार सरकार द्वारा डा. ए. के. एन. मिश्रा के स्थान पर तारीख 16-12-1997 तक की शेष श्रवणि के लिए भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् का भद्रम्य नामनिर्दिष्ट किया गया है;

अतः श्रब, केन्द्रीय सरकार, भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 7 की उपधारा (4) के साथ पठित धारा 3 की उपधारा (1) के

अनुसरण में, भारत सरकार के तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्रालय की अधिसूचना सं. वा.आ. 138, तारीख 9 जनवरी, 1960 में निम्नलिखित आर संशोधन करता है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, “धारा 2 की उपधारा (1) के खंड (क) के अधीन नामनिर्दिष्ट” शीर्ष के नीचे श्रम संस्थाक 13 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“13. डा. सुरेन्द्र कुमार सिंहा  
आयुर्विज्ञान द्वा, महाविद्यालय,  
पटना आयुर्विज्ञान महाविद्यालय, पटना।”

[सं. वी. 11013/26/94 एम.ई. (यू.जी.)]

एम.ई. मिश्रा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 23rd August, 1994

S.O. 2401.—Whereas in pursuance of clause (a) of sub-section (1) of section 3 read with sub-section (4) of section 7 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), Dr. Surendra Kumar Singha, Associate Professor of Medicine, Patna Medical College, Patna has been nominated by the Government of Bihar to be a member of the Medical Council of India in place of Dr. A. K. N. Sinha for the remaining period upto 16-12-1997;

Now, therefore in pursuance of sub-section (1) of section 3 read with sub-section (4) of section 7 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the then the Ministry of Health number S.O. 138 dated 9th January, 1960, namely:—

In the said notification, under the heading ‘Nominated under clause (a) of sub-section (1) of section 3, for serial number 13 and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely :—

“13. Dr. Surendra Kumar Sinha,  
Associate Professor of Medicine,  
Patna Medical College,  
Patna.”

[No. V. 11013/26/94-ME(UG)]

S. K. MISHRA, Desk Officer

### कृपि मंत्रालय

(कृपि और सहकारिता विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 1994

का.प्रा. 2402 ---केन्द्रीय सरकार, बहुराज्य सहकारी गोमाइटी अधिनियम, 1984 (1984 का 51) की धारा 99 द्वी उपधारा (2) के खंड (वा) के उपखंड (ii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हए, यह निदेश देती है कि बहुराज्य सहकारी सोमाइटी (थिएपाइकार, संपत्ति और निधियां, लेखा, लेखापारीका, परिसमापन तथा डिक्रियों, आदेशों और प्रतिष्ठानों का निपादन) नियम, 1995 के नियम 5 के खंड (क) के उपर्युक्त मार्गवत कोशारकर्त्तव्य देक लिमिटेड,

मुझहूँ को इस उपांतंरण के माथ लाग होगे कि उसने दैक्षण्यपूर्ण प्रेटिनय जयंती वर्ष की स्मृति में 31 मार्च, 1993 को समाप्त होने वाले वर्ष के शुद्ध लाभ में से अपनी समादलत योग्य पूंजी पर उक्त नियम 5 के खंड (क) में विनिर्दिष्ट लाभांश में अधिक तीन प्रतिशत अतिरिक्त लाभांश की घोषणा कर सकेगा और अपने योग्य धारकों को उसका मदाय कर सकेगा।

[फा. सं. आर.-11017/1/90-एन एंड एम.]

भगत सिंह, संयुक्त मन्त्रिव

### MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture & Coopn.)

#### ORDER

New Delhi, the 31st August, 1994

S.O. 2402.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (ii) of clause (a) of sub-section (2) of section 99 of the Multi-State Co-operative Societies Act, 1984 (51 of 1984), the Central Government hereby directs that the provisions of clause (a) of rule 5 of the Multi-State Co-operative Societies (Privileges, Properties and Funds, Accounts, Audit, Wind-up and Execution of Decrees, Orders and Decisions), Rules 1985 shall apply to the Saraswat Co-operative Bank Limited, Bombay, with the modification that the said bank may declare and pay to its shareholders an additional dividend of three percent on its paid up share capital, out of the net profits for the year ending 31st March, 1993, to mark its Platinum Jubilee year, over and above the dividend specified in clause (a) of the said rule 5.

[F. No. R-11017/1/90 I&M]

BHAGAT SINGH, Jt. Secy.

### ग्राहरी विकास मंत्रालय

(दिल्ली प्रभाग)

नई दिल्ली, 25 अगस्त, 1994

का.आ. 2403.—अतः, निम्नांकित क्षेत्रों के बारे में कठोर प्रतिपथ संशोधन, जिन्हें केंद्र सरकार अधिनियम क्षेत्रों के बारे में दिल्ली वृहद् योजना/क्षेत्रीय विकास योजना में प्रस्तावित करती है तथा जिसे दिल्ली विकास अधिनियम, 1956 (1957 का 61) की धारा 44 के प्रावधानों के अनन्तर दिनांक 7-8-93 के तोटिस मंद्या एफ. 20(1) 93-एम पी द्वारा प्रकाशित किये गये थे जिसमें उक्त अधिनियम की धारा 11-क की उपधारा (3) में अवेक्षित आपत्तियां सुझाव, उक्त तोटिस की तारीख के 30 दिन की अवधि में आमंत्रित किया गए थे।

और यतः प्रस्तावित संशोधनों के बारे में जनता से कोई आपत्तियां और सुझाव नहीं प्राप्त हुए हैं, और अतः केंद्र सरकार ने दिल्ली वृहद् योजना/क्षेत्रीय विकास योजना में संशोधन करने का निर्णय किया है।

अतः अब, केंद्र सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 11-क की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत के राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से दिल्ली की उक्त वृहद् योजना में प्रतद्वारा निम्नलिखित संशोधन करती है।

#### संशोधनः—

3. उप-जोन (एम.ओ.आर. पाकिट नं. 49, 58 और 104 कालकाजी) में आने वाला 6.1 एक्टेयर (15.07 एकड़) भेत्रफल के भूमि उपयोग को निम्नलिखित विवरण के अनुसार "मनोरंजनात्मक" से "आवासीय" में परिवर्तित किया जाता है:—

(i) पाकिट नं. 49, जो कि उत्तर में जिला पार्क, दक्षिण में "एम.ओ.आर. पाकिट नं. 104, पूर्व में जिला पार्कों और पश्चिम में आवासीय क्षेत्र" एवं स्कूल से घिरी हुई है।

(ii) पाकिट नं. 58, जो कि उत्तर में जिला पार्क, दक्षिण में "लाइट मैन्यूफैचरिंग", पूर्व में 45 मी. (150) चौड़ी मड़क और पश्चिम में एम.ओ.आर. पाकिट नं. 104 से घिरी हुई है।

(iii) एम.ओ.आर. पाकिट नं. 104, जो कि उत्तर में एम.ओ.आर. पाकिट, दक्षिण में "आवासीय क्षेत्र" पूर्व में "लाइट मैन्यूफैचरिंग" एवं मनोरंजनात्मक और पश्चिम में आवासीय एवं 18 मी. (60) चौड़ी मड़क से घिरी हुई है।

[संख्या के-13011/4/90-डी डी 1 बी]

प.स.सी. सामर, अवर मन्त्रिव

### MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT

(Delhi Division)

New Delhi, the 25th August, 1994

S.O. 2403.—Whereas certain modifications, which the Central Government proposed to make in the Master Plan for Delhi/Zonal Development Plan regarding the areas mentioned hereunder, were published with Notice No. F. 20(1) 93-MP dated 7-8-93 in accordance with the provisions of Section 44 of the Delhi Development Act, 1956 (61 of 1957) inviting objections/suggestions as required by sub-section (3) of Section 11-A of the said Act, within thirty days from the date of the said notice;

And whereas no objections/suggestions were received from the public with regard to the said proposed modifications and whereas the Central Government have decided to modify the Master Plan for Delhi/Zonal Development Plan:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 11-A of the said Act, the Central Government hereby makes the following modification in the said Master Plan for Delhi with effect from the date of publication of this Notification in the Gazette of India.

#### MODIFICATION

The land use of the area measuring 6.1 ha. (15.07 acres) falling in sub-zone (MOR Pocket Nos. 49, 58 and 104, Kalkaji) is changed from 'recreational' to 'residential' as per the details below :

(i) Pocket No. 49, bounded by District Park in the North MOR Pocket No. 104 in the South, District Parks in the East and 'residential area' and school in the West.

(ii) Pocket No. 58, bounded by District Park in the North 'light manufacturing' in the South, 45 mt. (150') wide road in the East and MOR Pocket No. 104 in the West.

(iii) MOR Pocket No. 104 bounded by MOR pocket in the North, 'residential area' in the South, 'light manufacturing' and 'recreational' in the East and residential' and 18 mt. (60' wide) road in the West.

[No. K-13011/4/90-DDIB]

S. C. SAGAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 30 अगस्त, 1994

का.आ. 2404—यह निम्नांकित क्षेत्रों के बारे में कुछ संशोधन, जिन्हें केन्द्रीय सरकार अधिनियम क्षेत्रों के बारे में दिल्ली वृहद् योजना क्षेत्रीय विकास योजना में प्रस्तावित करती है तथा जिसे शिल्पी विकास अधिनियम 1956 (1957 का 61) की धारा 44 के प्रावधानों के अनुसार दिनांक 1-1-194 के नोटिस मंद्या पाँक.-20 (4)-93 एमपी द्वारा प्रकाशित किये गये थे जिसमें उक्त अधिनियम, की धारा 11-क की उपधारा (3) में अवैधित आपत्तियाँ समाप्त, उक्त नोटिस को नारीख के 30 दिन की अवधि में आमंत्रित किया गया था।

और यह प्रस्तावित संशोधनों के बारे में कोई आपत्तियाँ और सम्भाव प्राप्त नहीं हुए हैं, अतः केन्द्रीय सरकार ने दिल्ली वृहद् योजना/क्षेत्रीय विकास योजना में संशोधन करने का निर्णय किया है।

अतः श्रव केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 11-क की उपधारा (2) द्वारा प्रदल शक्तियों का प्रयोग करने हुए, भाग्य के गतिपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख में दिल्ली की उक्त वृहद् योजना में एतद् उग्र विनाशक संशोधन करती है।

संशोधन:—

“शहरी विस्तार में आनेवाले और पश्चिम में जी.टी. करनाल रोड (राष्ट्रीय राजमार्ग-1) तथा दक्षिण में रोड सं. 50 और उत्तर में ग्रामीण उपयोग जोन क्षेत्र जंटांगी-पुरी से विरोद्ध हुये लगभग 29.31 हैक्टेयर (72 पाँकड़) भूमि का भू-उपयोग “ग्रामीण उपयोग क्षेत्र” से वेयर हार्डिंग एवं स्टोरेज (व्यापारिक) (21.21 हैक्टेयर) और “मनो-रंजनात्मक” (8.1 हैक्टेयर) में बदल दिया गया है।

[संख्या के.-13011/18/93-डीडी-1 बी]

एम.सी. सागर, अवार सचिव

Delhi, the 30th August, 1994

S.O. 2404.—Whereas certain modifications, which the Central Govt. proposed to make in the Master Plan for Delhi/Zonal Development Plan regarding the areas mentioned herein-under, were published with Notice No. F. 20(4)-93-MP dated 1-1-1994 in accordance with the provisions of Section 44 of the Delhi Development Act, 1956 (61 of 1957) inviting objections/suggestions, as required by sub-section (3) of Section 11-A of the said Act, within thirty days from the date of the said notice.

And whereas no objections/suggestions were received from the public with regard to the said proposed modifications and whereas the Central Government has decided to modify the Master Plan for Delhi/Zonal Development Plan;

2005 GI/01--13

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 11-A of the said Act, the Central Government hereby makes the following modification in the said Master Plan for Delhi with effect from the date of publication of this notification in the Gazette of India.

## MODIFICATION

“The land use of an area measuring about 29.31 ha. (72 acres) falling in Urban Extension and bounded by G.T. Karnal Road (NH-1) on the West, road No. 50 on the South and rural use zone area and Jahanpur on the North and East is changed from ‘Rural use Zone’ to ‘Warehousing and storage’ (Commercial) (21.21 ha.) and ‘Recreational’ (8.1 ha.).

[No. K-13011/18/93-DDIB]

S. C. SAGAR, Under Secy.

## धम मंत्रालय

### प्रादेश

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1994

का.आ. 2405—भारत सरकार में नक्कालीन श्रम तथा पूर्तिवास मंत्रालय (श्रम विभाग) की अधिसूचना मंस्या का.आ. 2251 दिनांक 21 मई, 1983 द्वारा गठित श्रम व्यायालय, चंडीगढ़ के पीटासीन अधिकारी के कार्यालय में एक स्थान रिक्त हो गया है।

अतः श्रव, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 8 के उपबंधों के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार श्री एम.एम. मुल्लर को 28 जुलाई, 1994 के पुर्वाह्न में उक्त श्रम व्यायालय के पीटासीन अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या प-11016/5/93-सी.एल.एम-II]

इन्हे मिह, अवार सचिव

## MINISTRY OF LABOUR

### ORDER

New Delhi, the 22nd August, 1994

S.O. 2405.—Whereas a vacancy has occurred in the office of the Presiding Officer of the Labour Court, Chandigarh, constituted by the notification of the Government of India in the then Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour) No. S.O. 2251 dated the 21st May, 1983.

Now, therefore, in pursuance of the provisions of Section 8 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby appoints Shri M. S. Sullar as the Presiding Officer of the said Labour Court with effect from 28th July, 1994.

[No. A-11016/5/93 CLS-II]

INDER SINGH, Under Secy.

प्राप्तेश

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1994

का.आ. 2106—भारत सरकार में तत्कालीन अमंत्री पूर्ववास मंत्रालय (अमंत्री प्रधान) की अधिसूचना मंजुषा का.आ. 2252 दिनांक 21 भैंड, 1983 द्वारा गठित औद्योगिक अधिकारण, चंडीगढ़ के पीठासील अधिकारी के कार्यालय में एक स्थान रिक्त हो गया है।

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा ४ के उपबंधों के प्रत्युत्तर में केन्द्रीय सरकार श्री एम.एम. मुख्यमंत्री की 28 जनवरी, 1994 के वृद्धिन से उक्त औद्योगिक अधिकारण के पीठासील अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या ए-11016/5/93/सी.एम.एम. II ]  
इन्ह सिंह, अधर सचिव

## ORDER

New Delhi, the 22nd August, 1994

S.O. 2406.—Whereas a vacancy has occurred in the office of the Presiding Officer of the Industrial Tribunal, Chandigarh, constituted by the notification of the Government of India in the then Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour) No. S.O. 2252 dated 21st May, 1983.

Now, therefore, in pursuance of the provisions of Section 8 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby appoints Shri M. S. Sullar, as the Presiding Officer, of the said Industrial Tribunal with effect from 28th July, 1994.

[F. No. A-11016/5/93-CLS-II]  
INDER SINGH, Under Secy.

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1994

का.आ. 2407—मान के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपलंड (ii) दिनांक 15 जनवरी, 1994 के पृष्ठ 201 पर प्रकाशित भारत सरकार, अमंत्री प्रधान की अधिसूचना मंजुषा का.आ. 236 दिनांक 21 विमानवर 1993 में, कथित अधिसूचना की पक्षि 2 में “संख्या 1” के स्थान पर “संख्या 2” पढ़े।

[संख्या ए-11016/8/92/सी.एम.एम. II]

इन्ह सिंह, अधर सचिव

## CORRIGENDUM

New Delhi, the 22nd August, 1994

S.O. 2407.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 236, dated the 21st December 1993, published at page-201 in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-Section (ii) dated the 15th January 1994;

In the line 2 of the said notification for “Industrial Tribunal No. 1” read “Labour Court No. 2”.

[F. No. A-11016/8/92-CLS II]  
INDER SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1994

का.आ. 2408—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्तर्गत मैसर्स डिल्मन एंड दिनशाह पी. लि. के प्रबन्धनात्मक संवद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अन्तर्वद में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में ऐन्ड्रीय सरकार औद्योगिक अधिकारण नं. 2, वर्मड के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-8-94 को प्राप्त हआ था।

[संख्या एल - 31012/4/86-डी (iv) (ग)]

श्री. एम. रेडि, इन्ह अधिकारी

New Delhi, the 22nd August, 1994

S.O. 2408.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby published the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Bombay as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. Hill Son and Dinshaw Pvt. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 19-8-1994.

[No. L-31012/4/86-D.IV (A)]

B. M. DAVID, Desk Officer

## ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, BOMBAY

PRESENT :

Shri S. B. Panse, Presiding Officer.

Reference No. CGIT-2/24 of 1987

Employers in relation to the management of M/s. Hill Son and Dinshaw Pvt. Ltd.

AND

Their Workmen.

## APPEARANCES :

For the Employers—Shri N. M. Makandar, Advocate.

For the Workmen—Shri V. A. Pal, Advocate.

INDUSTRY : Port and Docks

STATE : Maharashtra

Bombay, the 4th August, 1994

## AWARD

1. The Government of India, Ministry of Labour, New Delhi by its letter No. L-31012/4/86-D.IV (A) dated 15th April, 1987 referred to this Tribunal an industrial dispute between M/s. Hill Son and Dinshaw Pvt. Ltd. and one Shri N. Narayan in the following schedule.

## SCHEDULE

“Whether the action of the Management of M/s. Hill Son and Dinshaw Pvt. Ltd., Bombay in terminating the services of Shri N. Narayan, Clerk working in the Accounts Department of the Company at Bombay with effect from 8-8-84 is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?”

2. The workmen filed his claim at Exh. W-3. He joined the Company i.e. M/s. Hill Son and Dinshaw Pvt. Ltd. in October 1978 as Comptist/Clerk in the Accounts department. The last drawn salary of the workman was Rs. 1,400.

3. On 22nd of March, 1978 the workman submitted a letter of resignation to the Company expressing his desire to resign from the Company. After that letter the General Manager Mr. E. R. R. Chari persuaded the workman to withdraw his resignation and continue to work in the Company on account of exemplary service being rendered by him in the Company. The workman showed his inability to continue with the work. At last the Company accepted his letter of resignation with effect from 13th August 1983 by virtue of their letter dated 4th August, 1983. Even though his resignation was accepted he was not paid all his legal dues and called upon him to hand over the charge.

4. The Management, more particularly Mr. Chari thereafter requested the workman to continue to work with them, partly on account of the Company's persuasion and partly on account of the workman's personal problems, having been solved to some extent, started working in the Company. The workman therefore continued to work in the Company as before till 8th August, 1984.

5. On 8th August, 1984 the Company terminated the services of the workman with immediate effect on the pretext of accepting the resignation letter submitted by the workman on 22nd March, 1983. After continuation of services on the request of the Management no resignation was pending with the Company nor he had an intention to resign from the Company at that time.

6. In the letter of termination the Management averred that apart from the resignation letter submitted by the workman, he was also found to have misappropriated Office cash which amounts to misconduct and it cannot be condoned. It is also found that the workman used to come late daily and was not observing the rules and regulations of the Administration. No departmental enquiry as required was held by the Management before finding the applicant guilty. It is against the principles of natural justice. The action of the Company is arbitrary and unjustified.

7. Initially the workman lodged the complaint with the State Government Authorities. It was revealed that it had no jurisdiction. Hence the workman moved the Central Government. He prays that the order of termination dated 8th August, 1984 be set aside with reinstatement along with full back wages. He also prayed for interest @24% p.a.

8. The Management by their written statement denied the claim of the applicant. It is contended that the resignation which was given by the workman was not accepted earlier as alleged. It is averred that the workman was given Rs. 40,000 for disbursement as a Bonus payment to the Employees of the Company. He disbursed Rs. 39,000 and the balance of Rs. 1,000 was not returned to the cashier immediately. He kept that amount with him for a pretty long time i.e. about 2 months. When it came to the light he was questioned as to why he was not refunding the amount of Rs. 1,000. He confessed and gave in writing his letter dated 30-12-82 that he had put the said amount in his personal account in the Bank. Mr. K. B. Mistry, Finance Manager of the Company out of misplaced sympathy did not bring to the notice of the Higher Authorities this serious irregularity committed by the workman. Thereafter he submitted his resignation. Then he approached the Managing Director to continue him in employment on humanitarian grounds inspite of the fact that his resignation was accepted by the Company's letter dated 4-8-83. The Managing Director of the Company unaware of the workman's background allowed him to continue in the services. It is, therefore the Company's letter dated August 4, 1983 remained only on record and was not given effect to. Naturally there was no final payment to the workman, on the basis of acceptance of resignation.

9. The Company came to know that false claims were made by the workman in respect of Leave Travel Assistance which is a misconduct. It also found that the workman attends the Office late everyday. He poses himself to be superior and indispensable. The Company lost confidence in him due to dishonest use of the Company's fund and claiming inflated and false Leave Travel Assistance. Naturally the Company sent to him a termination letter which is perfectly legal and proper. There is no justification in the claim of the workman.

10. My Learned Predecessor framed issues at Exh. 3. The issue and the findings thereof are as follows :

ISSUES	FINDINGS
(1) Whether the Management proves that the workman Shri N. Narayan had committed misappropriation in respect of the Company's amounts in 1982, or therebefore	No
(2) Whether the said workman had voluntarily tendered his resignation on 22-3-1983 ?	YES
(3) Whether the workman proves that after he tendered the resignation, he continued to be in service on the request of the Management of the Company ?	YES

- (4) Whether the action of the Management in terminating the service of the said workman, without holding any inquiry against him, was just and proper ? No
- (5) Whether the action of the Management of M/s. Hill Son and Dinshaw Pvt. Ltd., Bombay in terminating the services of Shri N. Narayan, Clerk, working in the Accounts department of the Company at Bombay w.e.f. 8-8-84 is justified ? No
- (6) If not, to what relief the workman concerned is entitled ? As per order below.
- (7) What Award ? As per order below.

#### REASONS

11. It is not in dispute that N. Narayan the workman was initially appointed on the post of Comptist-cum-Clerk in the year 1978 on a monthly salary of Rs. 610 plus other allowances in the accounts department. He was entrusted with the work of pay roll section. His main duty was to maintain pay rolls and also disburse salaries and wages to the staff at Head and also at the Docks. He also used to disburse other cash benefits such as Bonus, Ex-gratia and Medical benefits to the staff employed by the Company. His immediate superior was the Finance Manager by name Mistry.

12. Narayan admitted the fact that he was given Rs. 40,000 in the month of November 1982 for distribution as Bonus payment to the Employees of the Company. Out of this amount Rs. 39,000 were disbursed and the remaining balance i.e. Rs. 1,000 were supposed to be returned to the Cashier immediately after disbursement. Narayan affirmed that he kept that amount in the drawer of the table and thereafter found that it was missing. When he informed this fact to Mistry, he told that the matter will be reported to the Police if he does not accept the responsibility. He further affirmed that he gave a confessional letter dated 30-12-82. He mentioned in that letter that he had put the amount in his personal account in the Bank. Mr. Chari, the witness for the Management denied suggestion that because of the undue influence used on the Worker he gave the confessional statement to Mr. Mistry. It is pertinent to note that the Management has not examined Mr. Mistry as its witness. No logical explanation has come on record why he could not be examined by the Management. This letter was alleged to be found in the Drawer of Mistry by Chari. It was not handed over by Mistry to Chari or another Finance Manager who came in his place. There is no record to show that under what circumstances exactly the letter was written by the Worker to the Management. It appears that when the letter was written the worker and Mr. Mistry were present and none else. Now it is to be seen in the absence of Mistry as the witness, the word of Narayan is to be accepted or not on the basis of the circumstances on the record.

13. In the letter dated 30-12-82 it is categorically mentioned by the workman that the balance of Rs. 1,000 was with him. So far as this balance is concerned there is no distribution. The further part of the letter is disputed which pertains to the admission of the guilt by the workman. It states "By mistake I had kept the amount of Rs. 1,000 and deposited in my personal balance savings account with Central Bank of India, Ballard Estate, situate on the ground floor of the Building. I am sorry for the mistake on my part. I regret you please pardon me and will not commit any such mistakes in future".

14. As per the version of Mr. Narayan he had written it down to the throat. It was not a willing confession. According to him he never deposited Rs. 1,000 in his savings account of Central Bank of India as mentioned in that statement, in the letter. To substantiate this contention he produced an extract of his account of that Bank.

15. On perusal of the extract from the pass book of the workman of the Central Bank of India, it reveals that between the relevant period he never deposited an amount of Rs. 1,000 in the Bank as alleged in the confessional statement. If this is so one has to accept the version of the Worker that the alleged confessional statement was at the instance of Mr. Mistry who told him that if he did not confess the matter will be reported to the Police regarding the missing of Rs. 1,000. This circumstance supports the case of the Worker that he kept a balance of Rs. 1,000 in the drawer and later on found that it is missing. In the absence of testimony of Mistry, there is no reason why the worker's word is not to be relied. It appears from the record that he showed his willingness to make good the loss which was caused to the Company by his act.

16. It is rightly argued on behalf of the Worker if really that would have been the confessional statement the Management would have taken action against the Worker. The Finance Manager would have reported the matter to the Higher Authorities. He did not do so. It is because he was aware of the fact that the loss was due to some mistake on the part of the Worker and it was not a case of misappropriation. It can be further seen that even though Mistry left the job or for that purpose was removed from the job he never gave this letter of confession to the Higher Authorities or to whom he gave the charge. That also speaks in favour of the Worker. Mr. Chari admits to have received that letter from the drawer of the Worker.

17. It is tried to argue on behalf of the Management that there is confusion in respect of the date of the confessional letter by the worker. Three dates have come on the record. They are 13-12-1982, 30-12-1982 and 31-12-1982. After perusal of the claim, the written statement and the testimony of the witness it is crystal clear that so far as the dates 13-12-1982 and 31-12-1982 are concerned they are clerical mistakes. The relevant date is 30-12-1982. No importance can be given to these mistakes for coming to any conclusion.

18. The Management issued a memorandum dated August 8, 1984 (Exh. W-3/C) by which the service of the Worker was terminated. It has mentioned therein that his resignation is accepted which was a voluntary one. It is also mentioned therein that he was found to have misappropriated Office cash and which is difficult to condone. It is further observed that he was found coming late daily and not observing any rules and regulations of the Administration. Because of this his services were terminated. I have already come to the conclusion that so far as misappropriation of Rs. 1,000 is concerned there is no evidence at all.

19. That takes me to the second part of the memorandum that the Worker is coming late daily and not observing any rules and regulations of the Administration. The Workman admitted his signatures on the muster roll which are produced on the record which clearly speaks that on many occasions he was late. He had given explanation to that as he was required to attend duties at late hours and work for the sister concern also. It is therefore the Management who had not given him memo at any time nor had taken any steps against him. Mr. Chari admits that no action was taken against the workman regarding coming late nor any departmental enquiry was started against that matter. As this is so it has to be accepted that the Management pardons him for coming late so far he was allowed to come late due to his nature of work assigned to him.

20. Mr. Chari had affirmed that the workman presented Leave Travel application for which he was not entitled. By this he did not observe the rules of conduct. Exh. M/2-G1 is a claim prepared by the workman but was not signed. He had explained that he took that claim form with him as he was not aware whether on earlier occasion for that period he had claimed or not. When he realised the fact that he had already claimed the Leave Travel concession for the period, he did not submit it. It can be seen that when such a claim is made it has to be signed by the concerned party. The fact that it was not signed by the Worker shows that he prepared the same and was to submit it only

after verification. By no stretch of imagination it can be said that stated he presented that claim and committed a misconduct.

21. Exh. M/2-G2 is another claim in respect of the Worker, his wife and his Aunt. It is argued on behalf of the worker that he was of the view that he can claim the Leave Travel Concession for that Aunt. It was left to the discretion of the Management to sanction that claim, it was rejected. By putting the claim of the Aunt and praying for the discretion of the Management cannot be said to be a misconduct. It can be further seen that in the memo of termination dated August 8, 1984 there is no reference of these misconducts.

22. Mr. Chari the witness for the Management affirmed that the Worker was assigned the work to prepare the salary slips and other works which are required to be done periodically. The Worker used to go on leave on a relevant time putting the Management in difficulty. Narayan affirmed that he never did so. There is no record to show that he avoided the work of preparation of bills or that he prepared these bills at a later stage and put the Management to harassment. Again in the memo of termination of the Worker there is no reference of these allegations. It is tried to suggest that it comes under not observing the rules and regulations of the Company Administration. It is well settled that when such an allegation is to be made it should be specific and the person concerned should know what exactly is the charge against him.

23. It is rightly argued on behalf of the Worker that in the letter dated August 8, 1984 there is no whisper of loss of confidence in the Worker, by the Management for terminating his services. It is also not mentioned in the earlier written statement filed by the Management. In an additional written statement for the first time it is mentioned that the Worker was terminated as the Management had lost all confidence in him. So far as the loss of confidence is concerned the Management has to prove on the basis of the record. It appears that it wants to rely on the grounds namely misappropriation, coming late, preparation of false Leave Travel Concession. I have already dealt with all these points in detail. For the above reasons I do not find any reasons for the Management for loss of confidence in the Worker.

24. Narayan admits to have given the resignation dated March 22, 1983. He affirmed that he gave that resignation due to his own difficulties and was to get a new appointment. He deposed that Mr. Chari requested him to continue with the job and take back the resignation. He was not willing to do so. In the resignation letter he had mentioned that he was giving notice from 1st April 1983 for 30 days and privilege leave 40 days which may please be adjusted and he is going on leave after the expiry of 30 days notice period. He affirmed that he was requested by the Management, more particularly by Mr. Chari not to leave the job. On May 4, 1983 Mr. Chari admits to have written a note to the worker in the following words :

"My Dear Narayan, I am surprised to note that you have not been coming for the last 30 days, please note that your resignation has not been accepted by the Management and may report duty immediately". That clearly goes to show that the Management refused to accept the resignation of the Worker. It is admitted position that after the notice period was over the Worker was not given the necessary Monetary benefits which the Worker is entitled to after the resignation.

25. Narayan affirmed that after the statutory period of notice he was requested by the Management to continue with the job. It is not in dispute that thereafter Narayan continued in the services and on August 4, 1983 the Management wrote a letter to him which was signed by the Managing Director. In this letter it is mentioned that Narayan had a talk with the Management a couple of times, he was not ready to withdraw the resignation, which makes them to conclude that Narayan wants to resign for personal reasons. On the basis of this para it can be very well seen that the Management wanted Narayan not to resign. In the next para of that letter it is mentioned that his resignation is accepted from

August 13, 1983. It is also mentioned that all the dues will be paid to him on September 1983 and he was directed to return the Identity Card and hand over other documents in his possession. It is not in dispute that the due amount as mentioned in this letter was not paid to the Worker on 1st September, 1983. He continued to be in service thereafter i.e. till 8th August, 1984. In other words even though the letter dated August 4, 1983 was issued he continued to be in service. So far as the record is concerned it is to be said that so far as the Management is concerned he was given new assignment. The resignation of the Workman was no more in Existence.

26. It is argued on behalf of the Management that he continued in the employment of the Company till it came to the notice of the Higher Management that he misappropriated the funds of the Company and therefore the Management lost confidence in him and invoked its right to accept his resignation dated 22-3-83, which was not given effect and which was still pending on 8-8-84. On that day his resignation was accepted. He also inclined to accept this. It is really difficult to accept that for about 15 months the resignation can be kept in hand by the Management. An action has to be taken on it. The Management had taken action at the first stage by rejecting it on May 4, 1983. Later on they accepted it and again allowed him to continue in the services by their letter dated 4-8-83. In other words the resignation was not accepted even though that letter was there. Thereafter there is no letter on behalf of Narayan by which he informed the Management that he wants to resign. Therefore no resignation letter was in the hands of the Management when the memo of termination was issued on August 8, 1984.

27. It is rightly argued on behalf of the Workman that instead of finding the workman guilty for the reasons the Company found reasons to find the Workman guilty.

28. It is tried to argue on behalf of the workman that no show cause notice was given to him for holding any enquiry whatsoever. Without doing so he was terminated from the services. To substantiate this contention reliance was placed on Theatre Employees Union V/s. S. V. Kotnis and others 1992 volume II CLR 474. The Learned Advocate for the Management on the other hand relying on several authorities argued that the Management had put ample evidence on the record to show that the action of the Management is justifiable. Even if the particulars on which the Management relies on the basis of the authorities is taken into consideration the record which is put before is not sufficient, for coming to the conclusion that the action of the Management is justifiable for terminating the services of the Worker.

29. There is no record to show that the Worker was ever warned or given memo showing that his actions, his work is prejudicial to the interest of the Company. There is no record to show that the workman had lost confidence of the Management and therefore a particular type of work was taken away from him and allotted to somebody else. The word loss of confidence is used only in the written statement to bolster up the case of the Management. I do not find any merit in it. For all these reasons I record my findings on the point accordingly and pass the following Award.

#### AWARD

- The action of the Management of M/s. Hill Son and Dinshaw Pvt. Ltd., Bombay in terminating the services of Sri N. Narayan, Clerk working in the Accounts department of the Company at Bombay with effect from 8-8-84 is not justified.
- The Management of M/s. Hill Son and Dinshaw Pvt. Ltd. is directed to reinstate the Workman with continuity in service.
- The Management is also directed to make the payment of full back wages from 8-8-84 with 9% interest per annum on it within 3 months from today.
- The Management is directed to pay Rs. 300 as the cost of application to the Worker and to bear its own.

S. B. PANSE, Presiding Officer

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1994

का. आ. 2409—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 1-9-94 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय-4 धारा-44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है (और अध्याय 5 और 6) धारा-76 की उपधारा (1) और धारा 77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है के उपबन्ध केरल राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, अर्थात् :—

“जिला मालपुरम के तालुक इरनाद में राजस्व ग्राम चेरुकावू के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र”।

[संख्या-एस-38013/12/94-एसएस-I]

जे. पी. शुक्ला, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd August, 1994

S.O. 2409.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 1st September, 1994 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V and VI [except sub-section (1) of section 76 and Sections, 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force] of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Kerala, namely :—

“The areas within the revenue village of Cherukavu in Ernad Taluk of Malappuram District.”

[No. S-38013/12/94-SS.I]  
J. P. SHUKLA, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1994

का. आ. 2410—जबकि भारत सरकार में तत्कालीन श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संख्या का. आ. 441 दिनांक 29 जनवरी, 1965 द्वारा गठित श्रम न्यायालय, जबलपुर के पीठासीन अधिकारी के कार्यालय में एक स्थान रिक्त हो गया है।

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 8 के उपबन्धों के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री ए. के. अवस्थी को 4 अगस्त, 1994 के अपराह्न से उक्त श्रम न्यायालय के पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या ए-11016/5/92-सी. एल. एस-II]  
इन्द्र सिंह, अवर सचिव

#### ORDER

New Delhi, the 24th August, 1994

S.O. 2410.—Whereas a vacancy has occurred in the office of the Presiding Officer of the Labour Court, Jabalpur, constituted by the Notification of the Government of India in the

then Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 441 dated the 29th January, 1965;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of Section 8 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby appoints Shri A. K. Awasthi as the Presiding Officer of the said Labour Court with effect from 4th August, 1994 (A.N.).

[F. No. A-11016/5/92-CLS-II]  
INDER SINGH, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1994

का. ग्रा. 2411.—जबकि भारत गवर्नर में तत्कालीन श्रम, रोजगार और पुनर्वास (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संख्या का. ग्रा. 2747 दिनांक 6 गियर्हर, 1966 द्वारा गठित औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पीठासीन अधिकारी के कार्यालय में एक स्थान रिक्त हो गया है।

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (14 वा 14) की धारा 8 के उपबंधों के अनुमरण में केन्द्रीय सरकार एन्टव्हारा श्री ए. के. अवस्थी को 4 अगस्त, 1994 से अपराह्न से उक्त औद्योगिक अधिकरण के पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या ए-11016/5/92-सी.एन.एस.-II]  
इन्द्र सिंह, अवर सचिव

#### ORDER

New Delhi, the 24th August, 1994

S.O. 2411.—Whereas a vacancy has occurred in the office of the Presiding Officer of the Industrial Tribunal, Jabalpur, constituted by the notification of the Government of India in the then Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 2747 dated the 6th September, 1966;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of Section 8 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby appoints Shri A. K. Awasthi, as the Presiding Officer of the said Industrial Tribunal with effect from the 4th August, 1994 (A.N.).

[F. No. A-11016/5/92-CLS-II]  
INDER SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1994

का. ग्रा. 2412.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (14 वा 14) की धारा 17 के अनुमरण में, केन्द्रीय सरकार फेडरल बैंक लि. के प्रबन्धनालय के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में श्रम न्यायालय, एनाकुलम, कोची के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23-8-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या ए-12012/355/91-प्राई शार्ट नी. III/वी.आई]  
वी. के. शर्मा, ईम्प क अधिकारी

New Delhi, the 24th August, 1994

S.O. 2412.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Labour Court, Ernakulam, Kochi as shown in the Annexure, in the industrial dispute

between the employers in relation to the management of Federal Bank Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 23-8-1994.

[No. L-12012/355/91-IRB.III/B.I]  
V. K. SHARMA, Desk Officer

#### ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT LABOUR COURT,  
ERNAKULAM

(Labour Court, Ernakulam)

(Thursday, the 4th day of August, 1994)

#### PRESENT:

Shri M. V. Viswanathan, B.Sc., LL.B., Presiding Officer,  
Industrial Dispute No. 1 of 1992(C)

#### BETWEEN

The Chairman, M/s. Federal Bank Ltd., Head Officer,  
Alwaye, Kerala-683101.

#### AND

The General Secretary, Federal Bank Employees' Union,  
P.B. No. 10 Alwaye, Kerala-683101.

#### REPRESENTATIONS:

Sri B. S. Krishnan,  
Advocate, Ernakulam. ....For Management.

Sri M. Ramachandran,  
Advocate, Kochi 17. ....For Union.

#### AWARD

This industrial dispute was referred to this Court by the Central Government us per Order No. L-12012/355/91-IRB.III dated 31-12-91. The dispute is between the management of M/s. The Federal Bank Limited and their workmen represented by the General Secretary, Federal Bank Employees' Union. The issue referred for consideration is "Whether the action of the management of M/s. Federal Bank Ltd. in imposing the punishment of withholding one increment with cumulative effect on Sri K. O. Johny, Clerk, while working at Quilon branch, is justified. If not, to what relief the said workman is entitled to?"

II. The workman Sri K. O. Johny was charge sheeted for misconduct vide charge sheet dated 1-9-84. The management ordered a domestic enquiry into the charges levelled against the workman concerned and in the domestic enquiry, the workman was found guilty of the charges. On the basis of the findings of the enquiry officer, the management imposed the punishment of barring one increment with cumulative effect. The union representing the workman raised an industrial dispute in respect of the said punishment imposed on the workman concerned, and ultimately that dispute was referred by the Central Government to this court.

III. The validity and legality of the domestic enquiry and the findings thereof were disputed by the union and the workman concerned. So this court considered the legality and validity of the domestic enquiry. This court has upheld the domestic enquiry vide order of this court dated 20-7-94. The order is extracted below :

#### "PRELIMINARY ORDER"

The workman concerned was working as a cashier of the Quilon Branch of the management bank. While he was working at Quilon branch, he was charge sheeted for misconduct vide charge sheet dated 1-9-84. The workman concerned submitted his explanation to the said charge sheet. But the management was not satisfied with the explanation submitted by the workman. So a domestic enquiry was ordered into the charges levelled against the workman. The enquiry officer conducted the enquiry and found the workman guilty of the charges of misconduct. The management accepted the findings of the enquiry officer and imposed the punishment of stoppage of one increment with cumulative effect. The punishment was imposed only after hearing the workman concerned

on the question of the proposed punishment. The union representing the workman concerned raised an industrial dispute in respect of the punishment imposed on the workman. Hence, the present reference.

2. The union disputed the validity and legality of the domestic enquiry. So this court was pleased to consider the legality and validity of the domestic enquiry and the findings thereon as a preliminary point.

3. So the preliminary point for consideration is "Whether the domestic enquiry conducted against the workman concerned is legal and valid".

4. The union filed claim statement before this court stating mainly as follows :—

The domestic enquiry was only an empty formality. The workman was not given a fair opportunity to prove his innocence. The lists of documents and witnesses were not furnished sufficiently early and the enquiry officer had objected many pertinent questions in the cross-examination. The enquiry was violative of the principles of natural justice and fairness and liable to be quashed. The enquiry officer had adopted a partisan approach from the very beginning. The findings of the enquiry officer are perverse and liable to be reversed. The workman was posted to the cash section for the first time in his career and that he cannot be expected to perform at the level of an experienced cashier. He was victimized for his involvement in the union activities. The direction of the cash officer to account the money was neither lawful, nor reasonable. The Ext. D1 document would prove the fallacy of the charges. The punishment inflicted is excessive and disproportionate to the charges alleged. Hence the union requested to exonerate the workman from the charges and to cancel the punishment imposed.

5. The management filed written statement contending as follows :

The workman was issued charge sheet dated 1-9-84. He submitted his explanation dated 5-10-84 to the above charges. The explanation was not found satisfactory. A domestic enquiry was ordered by the Disciplinary Authority and Sri P. M. Joseph, Area Manager, Trivandrum was appointed as the Enquiry Officer. He conducted the enquiry in full compliance with the principles of natural justice and provisions of the Bipartite Settlement. The workman was allowed to be represented by his union representative. He cross examined the witness of the management and adduced defence evidence. Based on the materials on record and on appreciation of the same, the Enquiry Officer entered his findings. The workman was found guilty of the charges of wilful insubordination, disobedience of lawful and reasonable orders of the superiors and doing act prejudicial to the interest of the Bank. The Disciplinary Authority considered the Enquiry Officer's report along with the materials in support of the same. He accepted the findings of the Enquiry Officer. The workman was given an opportunity of being heard in the matter of punishment. The Disciplinary Authority, inflicted the punishment of stoppage of one increment with cumulative effect. The punishment imposed is not excessive or disproportionate. The enquiry conducted is legal and proper. The workman was given every opportunity to prove his innocence. He was given list of witness and documents in advance. No pertinent questions were objected by the enquiry officer. The allegations that the enquiry officer adopted a partisan approach is false. The findings of the enquiry officer are supported by evidence and not liable to be interfered in any manner. Hence the management prayed for the dismissal of the claim of the union.

6. The domestic enquiry file was marked as Ext. M1 with consent of the parties. No oral evidence was adduced from either side.

7. The Point : The workman was charge sheeted for misconduct in terms of clauses 19 S(e) and (ii) of the Bipartite Settlement. The workman accepted the charge sheet dated 1-9-84. He submitted his explanation to the charge sheet. The management ordered domestic enquiry into the charges levelled against the workman vide charge sheet dated 1-9-84. The Area Manager, Trivandrum namely Sri P. M. Joseph was appointed as the enquiry officer. There was a presenting

officer to prosecute the charges levelled against the workman. The workman was represented by the union representative. The domestic enquiry was started on 26-9-85 and it was concluded on 12-8-1986. There were 7 sittings for the enquiry. Both the workman and the management were represented in the enquiry. The workman was fully represented in the enquiry. He was represented by a defence representative. The workman requested for adjournment of the enquiry on 2 occasions and the said request were allowed by the enquiry officer. Likewise, the request of the management for adjournment was also allowed. The workman was given the list of documents and list of witnesses. He did not raise any objection before the enquiry officer regarding the acceptance of the list of witnesses and list of documents. The workman or his representative had no objection to the way and manner in which the enquiry was conducted by the enquiry officer. A perusal of Ext. M1 enquiry file would establish the fact that the enquiry officer acted only in an impartial manner. The procedure adopted by the enquiry officer is only just and proper. The workman or the union could not point out any single incident or instance of partisan approach of the enquiry officer. On the other hand, the available evidence on record would show that the enquiry officer was impartial and the enquiry was conducted in a just and proper manner by observing the principles of natural justice.

8. A perusal of the enquiry proceedings would show that the enquiry was conducted by observing the principles of natural justice. The workman was given full opportunity to defend his case in the enquiry. The management witnesses were cross examined by the defence representative. On the side of the workman document was marked. There is nothing on record to show that the enquiry officer objected any pertinent questions put in the cross-examination of the management witnesses. The union has not succeeded in establishing their case that the enquiry was conducted in violation of the principles of natural justice. Thus it can very safely be concluded that the domestic enquiry was conducted by observing the principles of natural justice. Hence, I hold that the enquiry conducted against the workman concerned is only legal and valid.

9. The union has raised the contention that the findings of the enquiry officer are erroneous and perverse. But a study of the enquiry report submitted by the enquiry officer would show that the findings of the enquiry officer are based on the evidence on record. It can be seen that the enquiry officer has appreciated the entire evidence on record. The enquiry officer has given the reasonings for his findings. He has appreciated the evidence in its correct perspective. There is no ground to hold that the findings are perverse. On the other hand, the findings are supported by evidence on record. Hence I have no hesitation to hold that the domestic enquiry conducted against the workman concerned is legal and valid. The point is answered accordingly.

10. In the result, the domestic enquiry is held legal and valid.

IV. This court has upheld the domestic enquiry and the findings thereon. The punishment imposed on the workman concerned is only withholding of one increment with cumulative effect. There is no ground to interfere with the order of punishment passed by the management therein. This court has no jurisdiction to interfere with the said order of the management. The provisions of section 11A of the I.D. Act cannot be made applicable in the present case, as the punishment imposed is withholding of one increment with cumulative effect. So the action of the management is to be justified. Hence, this court is pleased to uphold the action of the management in imposing the punishment of withholding of one increment with cumulative effect on the workman concerned.

V. In the result, the action of the management of M/s. The Federal Bank Ltd. in imposing the punishment of withholding of one increment with cumulative effect on Sri K. O. Johny, Clerk while working at Quilon Branch, is justified. The workman concerned is not entitled to any relief in this reference. An award is passed accordingly.  
Ernakulam,

4-8-1994.

M. V. VISWANATHAN, Presiding Officer

## APPENDIX

Exhibit marked on the side of Management:

Fxt. M1.—Domestic enquiry file containing proceedings, findings and other connected papers.

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1994

का.आ. 2413.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुमति में, केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद के प्रबन्धनंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 24-8-94 को प्राप्त हुआ था।

[मंख्या एन-12012/236/89-आईआर (वी III)/वी I]  
वी. के. शर्मा, डेस्क अधिकारी

## NOTIFICATION

Now Delhi, the 24th August, 1994

S.O. 2413.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Hyderabad and their workmen, which was received by the Central Government on 24-8-1994.

[No. L-12012/236/89-IR (B.III)/B.I]  
V. K. SHARMA, Desk Officer

## ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL AT  
HYDERABAD

## PRESENT :

Sri Y. Venkatachalam, M.A., B.L., Industrial Tribunal-I  
Dated, 16th day of August, 1994  
Industrial Dispute No. 7 of 1990

## BETWEEN :

Shri J. D. Nageswar Rao,  
Ex-Workman, H. No. 4-3-3-, Zaheerpuram,  
Khammam-507 007 . . . Petitioner.

AND

The Zonal Manager, State Bank of,  
Hyderabad, Zonal Office, Nakkalagunta,  
Hanumekonda. . . Respondent.

## APPEARANCES :

Mrs. A. Survanarayana Murthy, D. Srinivas & D. Kamala-kara Rao, Advocates—for the Petitioner.

M/s. K. Srinivasa Murthy and G. Sudha, Advocate—for the Respondent.

## AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-12012/236/89-IR(B.III), dt. 14-12-1989 referred the following dispute under Section 10(1)(d) (2A) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the Management of State Bank of Hyderabad and their workmen to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of State Bank of Hyderabad, Warangal (A.P.) in dismissing Sri J. D. Mageshwari Rao, Ex-Head Cashier from ser-

vise with effect from 13-9-1986 is justified ? If not, to what relief the workman is entitled to?"

This reference was registered as Industrial Dispute No. 7 of 1990 and notices were served to both the parties.

2. The brief facts of the claim statement filed by the Petitioner-workman read as follows. The workman was working as Head Cashier (E-Grade) and belongs to Award staff in the Respondent Bank at its Gandhi Chowk Branch, Khanuman. While so, he was suspended on 25-4-1981 and was served with a charge sheet dt. 26-2-1982 which contained 8 allegations. Domestic enquiry was conducted on 2nd August, 1982, 11th and 12th October, 1982, 10th to 13th June, 1983 and on 21st and 22nd June, 1983. While charges Nos. 3 to 8 were held as not proved, Charges No. 1 and 2 were held as proved for which a punishment of dismissal from service without notice treating the period of suspension as such, was proposed by the Disciplinary Authority by his show cause memo dt. 11-4-1986 and the same was imposed on the workman by his final order dated 15-9-1986. The appeal dt 2-11-1986 preferred by the workman was also dismissed by the Appellate Authority by his order dt. 12-2-1987. Therefore an I.D. was raised by the workman against the punishment before the Asst. Labour Commissioner (Central) Vijayawada on 25-6-1988, ended in failure and hence the reference. The entire allegations made against the claimant which are covered by charges I and II were trumped up, fictitious more imaginative than real. Basing on that, enquiry was initiated against the applicant by the Disciplinary Authority who is the Regional Manager. The Regional Manager who is the disciplinary authority appointed one Sri P. V. Bapiraju as Enquiry Officer, in other words the Disciplinary Authority has thought fit at the time of initiation of enquiry to get the matter enquired by an Officer subordinate to him thus Sri P. V. Bapiraju became the Enquiry Officer. He initiated the preliminary enquiry and first hearing was made on 2-8-82 and on that day he examined the claimant and the case was posted for further enquiry on 11-10-82 on that day Sri Bandi Veeriah on whose reported charge No. II was framed was examined in chief and ME, 1, 2 and 3 were marked as exhibits and the case was posted to 12-10-1982 for further examination including cross examination. On 12-10-1982 the witness did not turn up and the case was adjourned to 10-11-1982. The case was further posted after long lapse of 3 years on 10-8-1985. On that day Sri M. Gopala Krishna Murthy, Accountant was examined as MW2. It may not be out of place to mention it is on his report the Disciplinary proceedings were initiated, the management did not further examined D. Vecriaha (MW-1) and not made available for cross examination. Sri Bapiraju who became the Regional Manager on promotion passed the punishment order as Disciplinary Authority. This clearly opposed to all principles of natural justice and it may not be out of place to mention that he must have carried in his mind, the statement given by Sri D. Veeriah whose veracity is not tested by cross examination. The subject matter of the charge No. 1 is in respect of L. Rs. or R. Rs. mentioned in Annexure I to this case. In that, it is brought to the notice of the E.O. that the R Rs./L.Rs. pertaining to item referred in Annexure-I were handed over to the customer on receipt of cheques for the actual amounts on Saturdays after business hours and the cheques were cleared on the following Monday and all the officers through whom the cheques and L.Rs./R.Rs. were passed are fully aware of these things. Hence it can be safely informed that the Management has approved the transactions. In this regard, it is further submitted that the Branch Manager who was examined as MW-5 stated in his evidence that credit limits were enhanced in respect of the Padmajah Medical Distributors covered by L.Rs./R.Rs. mentioned in Annexure-I. Hence by accepting the cheques on Saturday and delivering the L.Rs./R.Rs. he has not committed any grave irregularity in accepting the cheques which were cleared on the following Monday. Thus, if the entire evidence relating to the charge No. 1 has been evaluated in the correct prospective, no case is made out warranting the imposition of penalty of dismissal against the claimant. It is further submitted that there is no worth-while evidence warranting imposition of penalty of dismissal against the claimant, particularly all the 11 transactions mentioned in Annexure-I to charge No. 1 follows :—It is further submitted that Charge No. II regarding granting of loan to

B. Veeraiah and alleging that it is a Benami transaction to the claimant, is not at all made out and there is no legal evidence to sustain the charge, the entire case sought to be made out by MW-4, 5 and 6. In this regard, it is submitted that DE-5 which clearly shows that B. Veeraiah paid the amount and discharged the loan. It is further submitted that Sri B. Veeraiah was not at all examined to substantiate that he has obtained loan benami for the benefit of claimant. The claimant submits that by not examining Sri B. Veeraiah who is the material and principal witness in respect of charge No. I particularly when he is cooperating and available with the management at all times clearly proves beyond doubt that the management has no evidence and if Sri B. Veeraiah is examined, the charge No. II will fall automatically. The claimant was never cross examined by the Presentation Officer or Enquiry Officer on Ex. M.E. 25 or for that matter on any issue though he was present throughout the enquiry. Therefore, the conclusions drawn by Disciplinary Authority are against law or evidence. Neither Bandi Veeraiah nor K. Bangara Raju was produced by the management as their witnesses to speak on their letters/statements, though they were available so that the claimant herein can cross examine them, thus the claimant herein had lost the fair and reasonable opportunity to prove his innocence. On the other hand Bandi Veeraiah was M.WI in the beginning but never turned for cross examination but the Enquiry Officer and Disciplinary Authority are not depending upon his original evidence and statement. The claimant in his appeal dt. 2-11-1986 wanted a personal hearing disposing of the Appeal. Even though, the claimant is entitled for that, as per the mandatory provisions of the Sastry Award and Bipartite Settlement the claimant was not granted such a personal hearing which is against the principles of natural justice. The claimants appeal dt. 2-11-1986 was disposed off by the Appellate Authority on 12-2-1987 i.e. after 3-1/2 months as against the time limit of 2 months. Out of the total 8 charges framed, E.O. disallowed three charges in the enquiry itself i.e. the E.O. advised presentation officer to drop the charges as they cannot be proved. Finally according to E.O. only Charges I and II are established and the Disciplinary Authority agreed with the E.O. and awarded capital punishment i.e. dismissal from service without notice or pay. The findings of the Appellate Authority that hearsay evidence is admissible in domestic enquiry is unsound and untenable in law. In this case it is the evidence of a responsible official of the Bank and therefore cannot be taken as alleged. The Disciplinary Authority and Appellate Authority failed to see that there is no loss to the Bank on any account. They ought to have seen that in any event the punishment awarded is excessive and disproportionate to the charges said to have been established against the claimant. It is submitted that the Appellate Authority before disposing the appeal did not give any personal hearing even though Clause 19.14 of the Bipartite Settlement dated 10-10-66 clearly stipulates personal hearing when it was sought by the claimant. In this case the Disciplinary Authority or Appellate Authority did not take into account the past conduct and his unblemished long service was not at all taken into consideration, particularly when there is no pecuniary loss to the management before imposing the penalty of dismissal. At any rate the claimant humbly submits that the imposition of dismissal from service is highly excessive disproportionate, unseasonable, arbitrary and is liable to be set aside. The claimant therefore prays that the Hon'ble Tribunal may be pleased to hold that the action of the Management of State Bank of Hyderabad, Warangal in dismissing the claimant from service w.e.f. 13-9-1986 is not justified. Further prays that the Hon'ble Tribunal may be pleased to pass an award directing to re-instatement of the workman with all other consequential benefits.

3. The brief facts of the counter filed by the Respondent-Bank read as follows : It is submitted that in relation to the serious misconducts committed by the petitioner-workman while he was working as Head Cashier at Khammam, Gandhi Chowk Branch a charge sheet dated 26-2-1982 inter alia charging various serious misconducts relating to bills received from outside parties, obtention of loan in the name of one Sri Bandi Veeraiah while he was working in the poultry farm of the petitioner, obtaining medium term loan of Rs. 47,500.00 in the name of Inashwari Poultries misusing official position to again pecuniary advantage to M/s. Sri Medical Hall, in which his wife was partner, obtention of a dairy loan for Rs. 32,000.00 from State Bank

India, Khammam in the name of his wife for starting a dairy farm and guaranteeing the same and involving in monetary obligations which were far in excess of his resources inflating the weight of the gold ornaments pledged by the borrowers and missing of gold ornaments pledged in respect of certain gold loan accounts, delivering part of the gold ornaments pledged. One Sri P. V. Bapi Raju, an officer in Middle Management Grade Scale-III at that time was appointed as Enquiry Officer to conduct the enquiry in accordance with the relative provisions of the various Awards and Bipartite Settlements under which the services of the petitioner claimant are governed. It is submitted that the Disciplinary Action Authority/Enquiry Officer has appreciated the record adduced before him and arrived at the findings and held that the charge No. 1 against the petitioner was proved. It is not correct to say that there was a deliberate attempt made by the Management to award the penalty of dismissal. It is submitted that in accordance with the banking practice, the L.Rs. and R.Rs. will be duly discharged and delivered to the custody of the Head Cashier. The Head Cashier should not deliver these documents before payment and they should be delivered only against payment. The petitioner claimant having in his charge these documents, had delivered these documents without payment. It is submitted that the discharge of the bills and endorsement on the documents in favour of the drawees are well within the procedure contemplated under para 20, Chapter 15 of the Bank Book of instructions. In terms of the said para, all bills are discharged and accompanied by L.Rs. and R.Rs. should be endorsed in favour of the drawees by the competent officer and delivered to the Head Cashier in order to avoid delay in the delivery of the bills when they are paid. It is submitted that the evidence of Sri B. Veeraiah has not been taken into consideration in arriving at any finding on charge No. 2. This does not affect the finding. The Disciplinary Action Authority/Enquiry Officer had appreciated the evidence in his report has come to the conclusion both in relation to Charge No. 1 and Charge No. 2. The non-examination of Sri B. Veeraiah and Sri K. Bangara Raju or any of the persons from Bhadram Sports or Transport Companies/Railway authorities does not affect the findings or the orders of punishment. The contentions raised in the said paras are either not relevant or cannot be sustained. It is submitted that out of the 8 charges in charge sheet, six have been dropped, as there was no substance in the charges. The other charges 1 and 2 have been established and punishment was awarded by the Disciplinary Action Authority and confirmed by the Appellate Authority. It is submitted that it is not mandatory nor there is any obligation on the part of the respondent bank to lodge criminal complaint for prosecuting the employee. Any misconduct which involves fraud can be a matter of disciplinary proceedings independent of criminal proceedings. Notwithstanding the fact that no criminal complaint was lodged, disciplinary proceedings under the relevant provisions may be initiated. In this context, the Appellate Authority was using the words "fraudulent acts with male fide intention" and "questionable honesty and integrity" only to describe the acts of misconduct. They are not separate charges as such but inherent in para 19.5(j) of the Bipartite Settlement which is one of the provisions under which the petitioner claimant has been charged. The other contentions raised in the said paras are not relevant and cannot be sustained. The charges imputed against the petitioner claimant have been clearly stated in the charge sheet dt. 26-2-1982. The proceedings have been conducted for major punishment. There is no ambiguity or vagueness in the charge sheet and the proceedings. In the charge sheet it has been clearly mentioned that the acts state therein were acts prejudicial to the interests of the Bank. The findings of the Disciplinary Action Authority and Appellate Authority are based on evidence and the punishment was proportionate to the misconducts proved to have been committed by the petitioner claimant. It is also submitted that when the misconducts themselves warrant deterrent punishment, there is no necessity to take the rest record into consideration. Therefore the contentions raised in the said para cannot be sustained. It is submitted that the petitioner is not entitled for any relief as claimed therein and the petition is liable to be dismissed.

4. The brief facts of the rejoinder filed by the petitioner-claimant read as follows :—It is submitted that even though 8 charges were framed, charges 3 to 8 were held as "not

proved" and only on charges No. 1 and 2 alone, even though there is no evidence on record to sustain the charges, the authorities concerned held proved. But the Respondent went to the extent of mentioning all the charges that were dropped by the authorities in para 3 of the counter. This is contrary to the record. When Sri P. V. Bapi Raju having conducted the enquiry ought not to have proceeded with the passing of the final orders as Disciplinary Authority. Thus it is clearly opposed to all principles of natural justice and vitiated the impugned orders are liable to be set aside for this reason alone. That even this clarification cannot help the Respondent as it does not answer the situation and the contention involved in this case. The way in which finding is arrived at on charge No. 1 even in the absence of evidence and particularly Sri P. V. Bapi Raju who recorded evidence as Enquiry Officer on charge No. 1 gave finding on charge No. 1 against the claimant as Disciplinary Authority is not only illegal and but also untenable in law. This finding is given only to impose punishment or dismissal even in the absence of any evidence on charge No. 1. The claimant did not deliver any of the document referred to in para 8 without payment by the customer. It is further submitted that nobody has even opined before the E.O. that any of the documents referred to in para 8 were delivered to the consignee or to anybody without discharging of the same by payment of cash. It is also pertinent to note that no party or the consignor has made any complaint to the bank or to anybody, that there is any financial loss or delayed payment. For this reason, charge No. 1 is not maintainable. It is also further submitted there is no financial loss to the bank. Having examined him and not making him available for cross-examination clearly shows that the E.O. did not want the witness to face the cross-examination. When once Bandi Veeraiah is not available for cross-examination, the question of proceedings further on Charge No. 2 does not arise. The claimant submits that the contentions raised in counter are not tenable in law and therefore prays that this Hon'ble Tribunal may be pleased to allow the petition as prayed for.

5. The point for adjudication is whether the action of the Respondent in dismissing J. D. Nageswar Rao, from service w.e.f. 13-9-1986 is justified?

6. No oral or documentary evidence has been adduced by the Petitioner-workman. M.W1 was examined on behalf of the Respondent and marked Exs. M1 to M25.

7. Before going into the merits of the case, this Tribunal passed an order dt. 28-6-1993 as a preliminary issue regarding the validity of the domestic enquiry. The domestic enquiry conducted by the Management against the Petitioner-Workman is vitiated and bad in law. Aggrieved by this order, the Respondent-Management filed writ in Writ Petition No. 16415 of 1993 in the High Court of Andhra Pradesh, and passed the following order :

".....The Industrial Tribunal is justified in eschewing the evidence of R. Veeraiah since he was not tendered for cross-examination. But there is no justification for setting aside the entire domestic enquiry conducted by the management on that simple score. Therefore, the order of the Industrial Tribunal has to be set aside except to the extent of the finding that R. Veeraiah's evidence cannot be relied upon and the Industrial Tribunal will go into the other evidence a fresh and dispose of the same in accordance with law."

As per the above orders of the Hon'ble High Court this Tribunal has to decide the case taking into the other evidence afresh.

8. M.W1 is P. V. Bapi Raju. In brief he deposed that he has been working as Asstt. General Manager, State Bank of Hyderabad at Bangalore since April, 1989. He was appointed as Enquiry Officer to conduct a domestic enquiry against the petitioner by the Disciplinary Authority by its order dt. 1-7-1982 and the said order is Ex. M1. Ex. M2 is the charge sheet issued to the petitioner and it is dt. 26-2-1982. The petitioner did not submit any explanation to the charge sheet Ex. M2. Prior to Ex. M2 charge sheet, a show cause notice was issued to the petitioner and the petitioner gave explanation to the said show cause notice and the said explanation to the show cause notice is Ex. M3. He issued a notice

dt. 5-7-1982 to the Petitioner fixing the date of enquiry as 14-7-1982 to be conducted at Gandhi Chowk Branch, Khammam at 11.00 A.M. The office copy of the said notice is Ex. M4. On 14-7-1982 the Petitioner attended the enquiry and submitted an application praying for an adjournment and the said application submitted by the petitioner is Ex. M5. Later he sent a notice dt. 13-10-83 fixing the date of enquiry on 25-10-1983 at 11.00 A.M. to be conducted at Gandhi Chowk Branch, Khammam and the said notice is Ex. M6. The petitioner did not attend the enquiry on 25-10-1983 and sent a letter praying for an adjournment and the said letter is Ex. M7. He postponed the enquiry. He issued another letter dt. 13-12-1983 to the petitioner fixing the date of enquiry on 23-1-1984 at 11.00 A.M. to be conducted at State Bank of Hyderabad, Gandhi Chowk Branch, Khammam, and Ex. M8 is the office copy of the said notice. In the year 1982 he was working as Manager (Personnel Administration) at Head Office. Ex. M1 is the letter dt. 2-11-1984 issued by him to the petitioner. He asked the workman under Ex. M1 to bring his defence representative to represent his case during the enquiry. Ex. M10 is a notice of enquiry issued to the petitioner. Ex. M11 is the letter dt. 3-11-1982 issued by Sri Nageswar Rao requesting for his inspection of the documents and records of the Bank. Exs. M12 and M13 are the letters dt. 12-10-1982 and 2-9-1982 requesting for inspection of the documents. Ex. M14 is the letter dt. 20-9-1982 addressed to him. Only after Ex. M14 letter, the petitioner wrote Ex. M11 to Ex. M13 letter requesting for particulars of the documents. During the domestic enquiry proceedings, Sri D. Suryanarayana represented the case of the management and one Mr. B. V. Raghavulu represented the case of Sri J. D. Nageswara Rao. In view of the superannuation of Sri Raghavulu, workman representative was changed to Sri N. Sitarama Rao. Both the workmen representatives during their tenure, fully represented the case of Sri J. D. Nageswara Rao. Ex. M15 is the enquiry proceedings. On behalf of the management, 7 witnesses were examined. On behalf of the workmen, the concerned workmen and two more witnesses were examined. During the course of domestic enquiry, 27 documents have been marked on behalf of the Management to prove the charges and 5 documents on behalf of the workmen were marked for defence. Ex. M16 is the full set of documents marked during the domestic enquiry i.e. 32 documents. Ex. M17 is the enquiry report dt. 26-3-1986 submitted by him to the Management. Ex. M18 is dt. 26-3-1986 issued by the disciplinary authority. Ex. M18 is the proceedings dt. 26-3-1986 with regard to show cause notice issued to the workmen. Ex. M19 is the letter dt. 11-4-1986 issued by the disciplinary authorities calling upon the workman to show cause within 7 days with regard to the proposed punishment. Ex. M20 is the letter dt. 17-4-1986 submitted by the workman requesting for time and Ex. M21 is the letter dt. 19-4-1986 permitting Sri Nageswar Rao to reply by 9-5-86. Ex. M22 is the reply submitted by the workman on 8-5-1986. Exs. M23 and M24 are the final proceedings issued to the workman. Sri Nageswar Rao was working as Head Cashier at Gandhi Chowk Branch. During the period, he was promoted and also posted as Disciplinary Authority. During the course of management's evidence, one witness was examined on behalf of the management but Management could not produce him for cross-examination by the workman and his representative, as such during the course of proceedings, he passed an order no credence will be given other evidence of the said witness who was not brought for cross-examination. Ex. M25 is the letter dt. 13-7-82 issued by the Bank appointing Sri L. Survanarayana to represent the case on behalf of the management in lieu of Sri B. V. Nagabhushanam.

9. Ex. M17 is the Enquiry Report of the Enquiry Officer dt. 26-3-1986. The Enquiry Officer found Charges (i) and (ii) proved against the Petitioner-workman. Charge No. (i) the Enquiry Officer has given its finding as follows :

"From a perusal of the examination and cross-examination of M.W2 and M.W3 and also scrutiny of the exhibits marked, it is evident from R.R. in respect of LSC 786 was delivered by CSE to M/s. Bhadram Sports and General Goods suppliers either 30-8-80 or earlier and the party took delivery of the consignment on 30-8-80 much earlier to the payment of the bill which was paid subsequently on 24-2-1981. Similarly the consignment covered by LSC No. 973 was taken delivery by the party from the Transport

Company on 30-10-1980 whereas the relative Bill was paid on 24-2-1981. The retirement of both the bills viz., LSC's 876 and 973 on 24-2-1981 was confirmed by the party vide their letter dt. 24-2-81 which was marked as ME12. The documents in respect of LSC No. 973 also should have been delivered to the party by CSE only on or before 30-10-1980 although the bill remained unpaid which fact is known to CSE. Although CSE made an attempt to build up a feasible defence that the bills might have been misplaced by him or the Officiating Head Cashier in his absence, the Presenting Officer by producing evidence about the CSE being on duty on the dates on which the consignments were delivered by the Transport authorities, could successfully demolish the feasible defence put up. Sufficient evidence was produced by the Presenting Officer to prove that the documents of title to goods in respect of 11 bills listed in the Annexure to the charge sheet which were drawn on M/s. Padmaja Medical Distributor and M/s. Bhadram Sports and General Goods Suppliers were delivered to the parties to enable them to take delivery of the consignments from the Transport Company's even before payment of bills by them. The Defence counsel in the cross-examination of M.W2 and M.W5 and examination of D.W1 could neither prove the innocence of the CSE nor counter the preponderant evidence produced by the Presenting Officer. D.W1 detailed the procedure followed in LSC counter which was more or less the same as stated by M.W2. An unsuccessful attempt was made by Defence Counsel as a last effort to prove that there is scope for another staff member to remove the documents stealthily before they are returned to ledgers. Charge (i) is, therefore, established beyond all doubt." A perusal of the records oral and documentary evidence, it is seen that R. R. in respect of LSC 786 was delivered by the Petitioner-workman to one Company namely M/s. Bhadram Sports and General Goods Suppliers either on 30-8-1980 or some where before that and the party took delivery of the consignment on 30-8-1980 as is evident by the letter dt. 21-2-1981 of the party which is marked as ME12 in the domestic enquiry, and the party took delivery of the consignment on 30-8-1980 before the payment of the bill which was subsequently paid on 24-2-1981. There was another consignment covered by LSC No. 973 was taken delivery by the party from the Transport Company on 30-10-1980 whereas the relative bill was paid on 24-2-1981. Even this was confirmed by the party that they have taken the consignment much earlier to the payment made on 24-2-1981. No doubt sufficient evidence was produced by the Presenting Officer to prove that the documents of title to goods in respect of 11 bills listed in the annexure to the charge sheet which was drawn on M/s. Padmaja Medical Distributor and M/s. Bhadram Sports and General Goods Suppliers were delivered to the parties to enable them to take delivery of the consignments from the Transport Company's even before payment of bills by them. Except this charge (i) was proved against the Petitioner workman all other charges i.e. charges (ii) to (viii) were not proved against the petitioner-workman. Now having seen that the petitioner workman no doubt delivered the goods to the parties without payment and that the payment was made later on i.e. on 24-2-1981, that it might be the scope for another staff member to remove the documents stealthily before they are returned to ledgers. Be that whatever it may be. The payment was made subsequently and that there was no loss to the Respondent Bank. The only mistake the Petitioner workman committed was that the goods were delivered to the party without payment and that payment was made belately. However I find that the punishment of dismissal is shockingly disproportionate to the gravity of misconduct committed by the Petitioner-workman, and the petitioner workman was suffering for the last eight years for want of job, and I find that the punishment is more than enough for the petitioner-workman. In view of the above facts and circumstances, I am of the clear opinion that it is a

fit case where the petitioner-workman should be reinstated but without back wages and all other attendant benefits, as the capital punishment of the petitioner-workman dismissing from service is shockingly disproportionate to the proved charge.

19. In the result, the action of the Management of State Bank of Hyderabad, Warangal (A.P.) in dismissing Sri J. D. Nageswara Rao, Ex-Head Cashier from service with effect from 13-9-1986 is not justified. The concerned workman is entitled to be reinstated into service but without back wages and without other attendant benefits. The workman is not entitled for any kind of monetary relief.

Award passed accordingly.

Typed to my dictation, given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 16th day of August, 1994.

Y. VENKATACHALAM, Industrial Tribunal-I

#### Appendix of Evidence

Witness Examined on behalf of Petitioner-Workman : Witness Examined on behalf of Respondent-Management :  
NIL M.WI P.V. Bapi Raju.

#### Documents marked for the Respondent-Management :

- Ex. M1 1-7-92—Copy of the disciplinary action proceedings issued by the Disciplinary action authority to Sri. J. D. Nageswara Rao.
- Ex. M2 26-2-92—Copy of the Disciplinary Action Proceedings.
- Ex. M3 2-11-81—Copy of the explanation submitted by Sri J. D. Nageswara Rao to the Disciplinary Action Authority S.B.H., Region-V, Hyderabad.
- Ex. M4 5-7-82—Copy of the Enquiry Notice issued by the Enquiry Officer to J. D. Nageswara Rao.
- Ex. M5 12-7-82—Letter submitted by Sri J. D. Nageswara Rao to the Enquiry Officer with regard to postponement of the enquiry.
- Ex. M6 13-10-83—Copy of the Enquiry notice issued by the Enquiry Officer to J. D. Nageswara Rao.
- Ex. M7 25-10-83—Letter submitted by J. D. Nageswara Rao to the Enquiry Officer with regard to postponement of the enquiry.
- Ex. M8 13-12-83—Copy of the Enquiry Notice issued by the Enquiry Officer to J. D. Nageswara Rao.
- Ex. M9 2-11-82—Letter issued by the E.O. to petitioner.
- Ex. M10—Notice of enquiry issued to the petitioner.
- Ex. M11 3-11-82—Letter issued by Nageswara Rao requesting for inspection of the documents and records of the Bank.
- Ex. M12 12-10-82—Letters requesting for inspection of the documents.
- Ex. M13 12-10-82—Letters requesting for inspection of the documents.
- Ex. M14 20-9-82—Letter addressed to the Enquiry Officer.
- Ex. M15—Enquiry Proceedings.
- Ex. M16—Full set of documents filed before the Enquiry Officer.
- Ex. M17—Enquiry report.
- Ex. M18 26-3-86—Show Cause Notice (Proceedings) issued to the workman.
- Ex. M19 11-4-86—Letter issued by the Disciplinary Authorities calling upon the workman for explanation.
- Ex. M20 17-4-86—Letter submitted by the workman requesting for time.

Ex. M21 19-4-86—Letter permitting Sri Nageswara Rao to reply by 9-5-86.

Ex. M22 8-5-86—Reply submitted by the workman.

E. M23 & I.x. M24—Final proceedings issued to the workman.

Ex. M25 15-7-87—Proceedings issued by the Bank appointing Sri L. Suryanarayana to represent the case on behalf of the Management.

Documents marked for the Workman :

**NIL**

Y. VENKATACHALAM, Industrial Tribunal-I

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1994

का. आ. 2414.—आंशोगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) को धारा 17 के अनुमत्तम, केन्द्रीय सरकार न्यूक्लीयर फूल काम्पलैन्स, हैदराबाद के प्रबन्धन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुवर्य में निर्दिष्ट आंशोगिक विवाद में आंशोगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय गवर्नर को 23-8-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-42012/97/87-ई. 2(बा) (पांच)]  
के. बी. बी. उमी, डैम्क अधिकारी

New Delhi, the 24th August, 1994

S.O. 2414.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Nuclear Fuel Complex, Hyderabad and their workmen, which was received by the Central Government on 23-8-1994.

[No. L-42012/97/87 D.II(B)(Pt.)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL AT HYDERABAD

PRESENT:

Sri Y. Venkatachalam, M.A., B.L., Industrial Tribunal-I

Dated : 12th day of August, 1994

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 3 OF 1989

#### BETWEEN

The Workmen of Nuclear Fuel Complex, Hyderabad .. PETITIONER

#### AND

The Management of Nuclear Fuel Complex, Hyderabad .. RESPONDENT

#### APPEARANCES:

M/s. G. Bikshapathy, G. Vidyasagar, V. Vishwanathan, N. Vinesh Raj, K.V.V. Bhasker, Advocates for the Petitioner.

Sri P. Damodar Reddy, Addl. Central Government Standing Council for Respondent

#### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, by its Order No. L-42012/97/87-D.II(B), dt. 27-12-1988 referred the

following dispute under Section 10(1)(d)(2A) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the Workmen and the Management of Nuclear Fuel Complex Hyderabad to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action on the part of the Management of Nuclear Fuel Complex Hyderabad in terminating the services of Sri B. Hanumantha Rao, as a casual labour with effect from 27-12-1985 is legal and justified? If not, to what relief the said workman is entitled?"

This reference was registered as Industrial Dispute No. 3 of 1989 and notices were served to both the parties.

2. After due procedure, this Tribunal passed an Award on 31-7-1992 and it was published in the Notification dt. 9-9-1992. Aggrieved by this Award, the Respondent-Management filed OA before the Central Administrative Tribunal in O.A. No. 60/93. The Central Administrative Tribunal passed judgement in O.A. No. 60/93 on 25-4-1994 as with the following observation :

"In the result, the Award dated 31-7-1992 is set aside and the matter is remitted to R-2 for disposal in accordance with law by keeping in view the observations in this order and the same has to be disposed of expeditiously and preferably within three months from the date of receipt of this order. The applicant herein i.e. the Management has to pay the wages referred to this order till the disposal of the I.D. and it is open to the applicant herein to move this Tribunal in regard to the wages if the circumstances so warrant. OA is ordered accordingly. No costs."

Now the matter has come before this Tribunal for disposal in accordance with law and the I.D. was desisted.

3. The brief facts of the claim statement filed by the Petitioner-workman read as follows :

The Respondent appointed the petitioner by its Order NFCI AR/0225/83, dt. 18-4-1983 casual basis to work in their Accounts Department w.e.f. 18-4-1983. The petitioner joined duty on the same day and was working in that Department continuously till 6th May 1984. On 7-5-1984 the Respondent by its Order, dt. 7-5-1984 directed the Petitioner to report to Sri G.R.G Chowdary, Asst. Stores Officer. Accordingly the petitioner reported to the said officer on that day and was working under him till his services were illegally, without any cause and with malafide intention terminated with effect from 27-12-1985. From 18-4-1983 to 27-12-1985 the petitioner was working continuously and to the utmost satisfaction of his superiors. During this period he was paid daily wages once in a month. That as per the regulations the employees, who work for more than 180 days in a year are entitled for regularisation of their services. The petitioner's services ought to have been regularised on 18-4-1984 w.e.f. 18-4-1984 the petitioner was entitled to be regularised in the services of the Respondent in the post of Helper Grade I and ought to have been paid the same salary as a Helper Grade-I is paid. With a view to avoid regularisation of services of the petitioner, the management resorted to the illegal practice of giving artificial breaks and ultimately terminated the services of the petitioner w.e.f. 27-12-1985. The Petitioner was not given any official order to the effect that his services were terminated. The Security Officials at the gate were informed that the petitioner was not to be allowed into the premises. The petitioner was surprised at this action of the management as he was reliably informed that the Chief Officer of the Personnel Department of the management passed orders regularising his services in the post of Helper Grade-I just 2 or 3 days before and that he will be receiving the orders shortly. The petitioner demanded an interview with the Personnel Officer on 27-12-1983. He was asked to come on the next day. The petitioner went to this factory on 28-12-1985 as usual. He was asked to wait to see the Personnel Officer. He waited in the open outside the factory gate till 12.30 hrs. in the afternoon, when he was informed that he should come on the next day.

This went on continuously for more than 3 months and ultimately in the month of April 1986 he was informed that his services were terminated with effect from 27-12-1985 and that the question of continuing him even as a Casual Labour let alone regularising his services in the post of Helper Grade I does not arise. There was absolutely no cause for terminating the services of the petitioner. Whereas junior to the petitioner were continued and regularised the services of the petitioner were terminated. Savari D. Raja Rao, D. Bikshapathy, Murali Krishna etc. who were working as casual labour were regularised in service but the petitioner's services were arbitrarily terminated. The petitioner completed one year service by 18-4-1984 and ought to have been regularised in the post of Helper Grade-I w.e.f. 18-4-1984. The petitioner completed more than 240 days of service. The Respondent before terminating the services of the petitioner has not given one month notice or the one month wages in lieu of notice. The Respondent has also not paid retrenchment compensation as per Section 25-F of the I.D. Act. Hence the termination amounts to retrenchment without following Section 25-F of the Act is illegal and void. The petitioner is entitled to regularisation of his services and post of Helper or other Category posts. Number of vacancies in Helper category were filled up from the casual labour who worked for more than 180 days. Instead of regularising the services of petitioner as Helper, terminating his services is illegal and arbitrary. It is therefore prayed that the Hon'ble Court may be pleased to hold that the action of the management in terminating the services of petitioner w.e.f. 27-12-1985 is illegal arbitration and contrary to provisions of I. D. Act and consequently pass an award directing the respondent to reinstate the petitioner into services as Helper in Category I post with back wages, continuity of service and other attendant benefit.

4. The brief facts of the counter filed by the Respondent read as follows:-

It is submitted that the petitioner was working only as Casual Labour and he never put in continuous service under the Respondent. The petitioner was working in leave vacancy and his employment was never regular. The petitioner worked for 167 days in 1983 during the period from 18-4-1983 to 30-11-1983 and for 149 days from 4-5-1984 to 29-12-1984 and for 199 days from 1-1-1985 to 10-12-1985. The petitioner was only a Casual Labour and when the employment itself was casual i.e. not regular but only intermittent, there cannot be any termination or retrenchment of his service. The Respondent is a Government Department and it has a procedure for recruitment and the allegation that breaks were unjust in the service of the petitioner to avoid regularisation is not correct. It is submitted that allegation that Section 25-F is violated is not correct as casual employees are specifically excluded from the purview of Section 2(oo) of the I.D. Act. The allegation that some of his juniors are still working has no basis. The reason being that though all the employees including the petitioner, applied for regular appointments as internal candidates the petitioner could not qualify in the interview conducted by the Selection Committee for the purpose of regularisation. As such, he was not given regular appointment. It is therefore, prayed that this Hon'ble Court may be pleased to dismiss the claim petition with costs to the Respondent.

5. The point for adjudication is whether the action of the Respondent in terminating the services of Sri D. Hanumantha Rao w.e.f. 27-12-1985 is legal and justified?

6. W.W1 was examined on behalf of the Petitioner-workman and marked Exs. W1 and W2. M.W1 was examined on behalf of the Respondent-Management and marked Exs. M1 to M10.

7. W.W1 is D. Hanumantha Rao. In brief he deposed that he is the petitioner workman in this I.D. He was appointed as Casual Labourer on 18-4-1983 in the Respondent Company. He was given the post of inward and outward clerk in the Accounts Department of the Respondent. He worked in the said post till May 1984. On 27th December, 1985 his services were orally terminated by the Respondent. The Respondent did not issue any notice to him before terminating his services and the Respondent did not pay him any retrenchment compensation and also did not pay notice

pay in lieu of not issuing notice to him. No reasons are assigned by the management of the Respondent for terminating him from service. He was not given any written order terminating his services by the Respondent. Ex. W1 is the appointment order dt. 18-4-1983 issued to him by the Respondent directing him to work in the Accounts Department w.e.f. 18-4-1983. Ex. W2 is another letter dt. 7-5-1984 issued by the Management of the Respondent directing him to report to Sri G.R.G. Chaudhary Asst. Stores Officer. After his services were terminated. He approached the Personnel Officer of the Respondent at his House on 27-12-1985 and he asked him to come and meet him in the Respondent on the next day morning. On the next day, he went to the Respondent to meet the Personnel Officer, but he was not allowed by the Security Officer to go inside the Company. He reported this matter about the Security Officer obstructing him at the main gate on that evening at his house and he instructed him to come to the factory on the next day stating that he will phone to the Security Officer to allow him to go into the Company. Accordingly he went to the Respondent on the next day but he was not allowed to go into the Company by the Security Officer and he informed that he did not receive any phone call from the Personnel Officer. Three workmen viz., Sri B. Raja Rao, Murali Krishna and Sri B. Bikshapathi who were juniors to him were regularised by the Respondent. He completed service of one year and therefore he is entitled to be regularised. He was not paid the salary for Sundays during the period he worked in the Respondent. He worked in the Respondent continuously from 18-4-1983 to 27-12-1985 and for more than 240 days continuously. There were no breaks in his service during the period from 18-4-1983 to 27-12-1985. He prays the Court to pass an Award directing the Respondent to reinstate him with full back wages, with continuity of service and all other attendant benefits.

8. M.W1 is T. Koteswara Rao. In brief he deposed that he has joined the Respondent on 25-4-1994 as Industrial Relations Officer. He is giving evidence on the basis of the records available in the Respondent. Ex. M3 is the photostat copy of the application dt. 9-4-1983 from the petitioner duly furnishing the Bio data requesting for a job. In Ex. M3 in the column pertaining to "experience" the petitioner shown that he worked as Litt Mechanic during the period from 20-3-1978 to 25-1-1983 in Best Crompt Engineering Private Limited both at Hyderabad and Vijayawada. The petitioner also enclosed Ex. M4 and M5 experience certificate (xerox copies) issued by Best & Crompton Engg. Ltd., The petitioner also submitted a xerox copy of Ex M6 Board of Secondary Education Certificate. In 1983 the petitioner worked for 170 days and Ex. M7 above the Attendance particulars of the Petitioner (xerox copy). Due to arithmetical error in the counter it is shown as 167 days working days for the year 1983 is the matter of petitioner. The petitioner worked 144 days in 1984 and Ex. M8 is the photostat copy of the statement showing the attendance particulars. Due to arithmetical error in the counter it is stated as if the petitioner worked for 149 days in 1984. The petitioner worked for 199 days in 1985 and Ex. M9 (xerox copy) in the photostat copy of the statement showing the attendance particulars for the year 1985. The petitioner worked as Casual Labour. The petitioner worked in the leave vacancies and some extra work when it was available. As per Ex. W1 and W2 the petitioner worked two different sections in the Respondent. The Respondent is part and parcel of automatic Energy Department of Government of India. They maintain muster rolls for casual labour. Ex. M10 is the bunch of muster rolls pertaining to the petitioner signed in the muster rolls some times and some times the officers also marked the attendance particulars. Based on the attendance records the particulars will be sent to the Accounts Department, in turn the Accounts Department will check up the records and wages will be paid. In the matter of petitioner also the said procedure was followed. The petitioner has not worked continuously as stated by him in his evidence. In fact he worked intermittently in the Respondent. The petitioner worked upto 10-12-1985 only and he has not worked after the date. The petitioner has not worked for 240 days continuously, in any year and the Respondent has not violated the provisions of the I.D. Act.

9. The case of the Petitioner-workman that he worked in the Respondent Company during the period from 18-4-1983 to 27-12-1985. He was appointed by an Order Ex. W1 dt. 18-4-1983 as Casual labour and he was directed in Ex. W1 to the Accounts Officer-III to work on casual basis in Accounts (Costing) Section w.e.f. 18-4-1983. The contention of the Respondent in its counter that the Petitioner-workman was working only as Casual labour and he never put in continuous service under the Respondent, that the Petitioner was working in leave vacancy and his employment was never regular, that the Petitioner worked for 167 days in 1983 during the period from 18-4-1983 to 30-11-1983 and for 149 days from 4-5-1984 to 27-12-1984 and 199 days from 1-1-1985 to 10-12-1985. It is pertinent to note that the Respondent did not file any documentary evidence to show that the petitioner worked in the leave vacancy for the specified periods during the relevant period from 18-4-1983 to 10-12-1985 which was the period during which the petitioner admittedly worked in the Respondent-Company. It is clear from Ex. W1 that the appointment order it does not disclose that the petitioner was appointed for any specific period during the leave vacancy and it clearly shows that the petitioner was appointed for the first time in the Respondent-Company. It is also seen that the petitioner's services were directed to be utilised in the Accounts (Costing) Section, while he was working as Casual labourers, disowning him to work as labourer. Hence I do not agree with the contention of the Respondent that the petitioner was working in leave vacancy. Even according to the case of the Respondent, the Petitioner worked in the Respondent Company during the period from April, 1983 to December, 1983. According to the case of the Respondent, the petitioner worked for 149 days during the period from 4-5-1984 to 29-12-1984 and for 199 days during the period from 1-1-1985 to 10-12-1985. Thus it is clear from the statements Ex. M8, a break was given for two days i.e. on 30-12-1984 and 31-12-1984 which should be treated as artificial break. So I find that the Petitioner worked for 348 days during the period from 4-5-1984 to 10-12-1985, which in my opinion that the petitioner worked for more than 240 days within a period of 12 months immediately prior to the date of his termination from service. Such termination without complying with the mandatory provisions of Section 25-F of the I.D. Act, amounts to retrenchment as defined in Section 2(oo) of the I.D. Act. The main argument of the counsel for the Petitioner that no doubt the Petitioner workman worked for 139 days as per Ex. M9 but the decision of the Supreme Court in 1985 (II) L.L.J. page 539(SC) is that for counting of 240 days continuously within a period of 12 months immediately prior to the date of the termination from service of an employee, the week offs, Public Holidays and Festival Holidays also should be counted in arriving at 240 days. So if we add week offs, Public Holidays and Festival Holidays, it would be more than 240 days. I am of the opinion that it is established that the petitioner worked for more than 240 days continuously within a period of 12 months immediately prior to the date of his termination from service which amounts to retrenchment under Section 2(oo) of the I. D. Act and the retrenchment of the petitioner without complying with the mandatory provisions of Section 25-F of the I.D. Act entitles the petitioner for reinstatement into service with full back wages and continuity of service. I would like to bring another point that the Respondent-Management has marked a bunch of muster rolls as Ex. M10. In Ex. M10 the Respondent filed Muster Roll for the period from April, 1983 to November, 1983 and from May 1984 to September 1985 and presumably from November, 1985 to December, 1985. A reading of Ex. M10 would show that the Respondent has not filed the Muster rolls for the months of December, 1983, January 1984, February 1984, March 1984 and April, 1984 and then for October, 1984. It is noticed that the Petitioner workman used to initial the muster rolls for the period from April 1983 to November, 1983 whereas for the rest of the periods i.e. from May 1984 to end of December, 1985 the Respondent-Management used to mark the attendance of the workmen. Why the change of the petitioner-workman putting his initials on the muster rolls upto November 1983 and then switched on to marking of the attendance of the petitioner workman by the Respondent Management is best known to themselves. It is also seen that the Respondent-Management has not filed the Muster Rolls for the period from December

1983 to April 1984. It is also pertinent to note that the Respondent-Management has filed only the selected muster rolls to suit their case. It is also seen that Exs. M7, M8 and M9 are not attested by the person who prepared these documents. Taking into consideration all the facts and circumstances of the case, I am of the firm opinion that the Petitioner is entitled for reinstatement into service with full back wages and continuity of service.

10. In the result, the action on the part of the management of Nuclear Fuel Complex, Hyderabad in terminating the services of Sri D. Hanumantha Rao, as a casual labourer with effect from 27-12-1985 is illegal and unjustified. The concerned workman is entitled to be reinstated into service with full back wages and all other attendant benefits.

11. Award passed accordingly.

Typed to my dictation, given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 12th day of August, 1994.

Y. VENKATACHALAM, Industrial Tribunal-I

#### Appendix of Evidence

**Witnesses Examined on behalf of the Petitioner-Workman :**

W.W1 D. Hanumantha Rao      M.W1 T. Koteswara Rao  
Documents marked for the Petitioner-Workman :

Ex. W1/18-4-83.—Letter issued by the Asst. Personnel Officer, N.F.C., Administration-I to Sri D. Hanumantha Rao.

Ex. W2/7-5-84.—Letter issued by the Asst. Personnel Officer, N.F.C. Administration-I to Sri D. Hanumantha Rao.

Documents marked for the Respondent-Management:

Ex. M1.—Xerox copy of Minutes of conciliation.

Ex. M2/11-5-87.—Xerox copy of Failure of conciliation report.

Ex. M3.—Xerox copy of the Biodata Form.

Ex. M4/9-2-81.—Experience Certificate issued by Best & Crompton Engineering Ltd.

Ex. M5/3-7-1982.—Experience Certificates issued by Best and Crompton Engineering Ltd.

Ex. M6/30-11-82.—Xerox copy of SSC Memo.

Ex. M7.—Xerox copy of attendance particulars in 1983.

Ex. M8.—Xerox copy of attendance particulars in the year 1984.

Ex. M9.—Xerox copy of attendance particulars in the year 1985.

Ex. M10.—Muster Roll, pertaining to the petitioner.

थम और पुनर्दाय संवाद

(यम विभाग)

तई दिल्ली, 25 अगस्त, 1994

का. आ. 2415.—यम, मैसर्स पंजाब एवं श्री मण्डल, आदमपुर, शोपारा, फिस्ट्रक्ट, जालंधर (उपरे प्रांगे जहाँ कहीं भी उक्त स्थापना अब्द का प्रयोग हो, उसमें प्रभिप्रायः उक्त स्थापना से है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) द्वारे आगे उक्त अधिनियम के नाम से निर्दिष्ट को धारा 17 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के अन्तर्गत छठ पाला करने के लिए आवेदन किया है।

यह केन्द्र सरकार की राय में उक्त स्थापना के कर्मचारियों के लिए नैयार किए गए भविष्य निधि नियमों में अंशदान की दर उक्त अधिनियम की धारा 6 में उल्लिखित कर्मचारी अंशदान की दर में कम नहीं है तथा इसके कर्मचारियों को मिलने वाले भविष्य निधि उक्त अधिनियम तथा कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम, 1952 इसके आगे जहाँ कहीं भी स्कीम शब्द का प्रयोग किया गया है उससे अभिप्राय उस स्कीम से है में उल्लिखित लाभों से किसी भी प्रकार से कम नहीं है जो इस वर्ग को स्थापनाओं में कार्यरत कर्मचारियों को उपलब्ध है।

अब इसलिए उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा एक के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शर्तियों का प्रयोग करते हुए और संलग्न अनुसूची में वर्णित शर्तों के अधीन केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा उक्त स्थापना को उक्त स्कीम के सभी उपलब्धों के लागू होने से छूट प्रदान करती है।

### अनुसूची

1. उक्त स्थापना से संबंधित नियोक्ता केन्द्र सरकार के द्वारा समय-समय पर दिए गए निदेश के अनुसार उक्त अधिनियम की धारा 17 को उपधारा (3) के खण्ड (क) में उल्लिखित निरीक्षण के लिए सुविधाएँ प्रदान करेगा और ऐसे निरीक्षण प्रभार की अदायगी प्रत्येक माह की समाप्ति के 15 दिन के अन्दर करेगा।

2. न-छूट प्राप्त स्थापनाओं के सम्बन्ध में उक्त अधिनियम और उसके अधीन सुजित स्कीम के अन्तर्गत देय अंशदान के दैर में स्थापना के भविष्य निधि नियमों के अन्तर्गत देय अंशदान का दर किसी समय भी कम न होगा।

3. पेशेगियों के मामले में छूट प्राप्त स्थापना की स्कीम कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम 1952 से कम हितकर नहीं होगा।

4. उक्त स्कीम में कोई भी मंगोधन जो स्थापना के अंतर्मान नियमों से अधिक नाभकारी है उन पर अपने आप नागू किया जाएगा। उक्त स्थापना के भविष्य निधि नियमों में कोई भी संगोधन, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त की पूर्व अनुमति के बगैर नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से उक्त स्थापना के कर्मचारियों के हित के प्रतिकूल प्रभावीय होने की सम्भावना है वहाँ ग्रामी अनुमति में पूर्व, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, कर्मचारियों को अपने विचार प्रस्तुत करने का उचित अवसर देगा।

5. यदि स्थापना को छूट न दी जाती तो वे सभी कर्मचारी [जैसे उक्त अधिनियम की धारा 2(च) में निश्चित किया गया है] जो सदस्य बनने के पात्र होने, सदस्य बनाए जायेंगे।

6. जहाँ एक कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि (कानूनी) या किसी अन्य छूट-प्राप्त स्थापना का पहले से नवाच्य है, को अपनी स्थापना में काम पर लगाया जाना है तो नियोक्ता उसे निधि का तुरन्त सदस्य बनाएगा और

ऐसे कर्मचारी के पिछले नियोक्ता के पास भविष्य निधि लेखे में संक्षयों को अनंगित करने और उसके लेखे में जमा करने की व्यवस्था करेगा।

7. केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त के द्वारा अथवा केन्द्रीय सरकार के द्वारा जैसे भी सामग्रा हो, समय-समय पर दिए गए निदेशों के अनुसार भविष्य निधि के प्रबन्ध के लिए नियोक्ता न्यासी बोर्ड की स्थापना करेगा।

8. भविष्य निधि, न्यासी बोर्ड में निहित होगा जो अन्य बात के होते हुए भविष्य निधि में आय के उचित लेखों और भविष्य निधि में अदायगियों और उनकी अभिरक्षा में शेषों के लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के उत्तरदायी होगा।

9. तथा 10. न्यासी बोर्ड कम से कम 3 माह में एक बार बैठक करेंगे और केन्द्र सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त या उसके द्वारा अधिकारी द्वारा समय-समय पर जारी किये गए मार्ग निदेशों के अनुसार कार्य करेंगे/न्यासी बोर्ड द्वारा ऐसे गये भविष्य निधि लेखों की लेखा परीक्षा वार्षिक रूप से योग्य सनदी लेखापाल द्वारा स्वतंत्र रूप से की जायेगी/जहाँ भी आवश्यक होगा केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को अधिकार होगा कि वह किसी अन्य योग्य लेखा परीक्षक से खातों की दुबारा लेखा-परीक्षा कराए और ऐसे पुनः लेखा-परीक्षा के बारे नियोक्ता बहन करेंगा।

11. प्रत्येक वर्ष स्थापना के लेखा परीक्षित तुलन-पत्र के साथ लेखापरीक्षित वार्षिक भविष्य निधि लेखों की एक प्रतिक्रितीय वर्ष की समाप्ति के छ: माह के अन्दर क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को प्रस्तुत की जाएगी। इस प्रयोजन के लिए भविष्य निधि का किसी वर्ष पहली अप्रैल से 31 मार्च तक होगा।

12. नियोक्ता प्रतिमाह भविष्य निधि के देय अपने कर्मचारियों के अंशदानों को शामाली माह की 14 तारीख तक न्यासी बोर्ड को अन्तरित कर देगा। अंशदानों की विलम्ब में अदायगी करने के लिए समान परिस्थितियों में नियोक्ता नुकसानी देने का उसी प्रकार उत्तरदायी होगा जिस प्रकार एक न-छूट प्राप्त स्थापना उत्तरदायी होती है।

13. न्यासी बोर्ड सरकार द्वारा समय-समय पर दिए गए निदेशों के अनुसार निधि में जमा राशियों का निवेश करेगा। प्रतिभूतियों न्यासी बोर्ड के नाम पर प्राप्त की जाएंगी और भारतीय रिजर्व बैंक के जमा नियंत्रण में अनुसूचित बैंक की अभिरक्षा में रखा जाएगा।

14. सरकार के निदेशों के अनुसार निवेश न करने पर न्यासी बोर्ड अलग-अलग रूप से और एक साथ केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त या उसके प्रतिनिधियों द्वारा नगाए गए अधिक प्रभार का उत्तरदायी होगा।

15. न्यासी बोर्ड एक वस्तु-स्थोरा रजिस्टर तैयार करेगा और ब्याज और विमोचन आय की समय पर वसुली सुनिश्चित करेगा।

16. जमा किए गए अंशदानों, निकाले गए और प्रत्येक कर्मचारी से संबंधित व्याज को दिखाने के लिए न्यासी बोर्ड विस्तृत लेखे तैयार करेगा।

17. वित्तीय/लेखा वर्ष की समाप्ति के छठे माह के अन्दर बोर्ड प्रत्येक कर्मचारी को वार्षिक लेखा विवरण जारी करेगा।

18. बोर्ड प्रत्येक कर्मचारी को वार्षिक लेखा विवरण के स्थान पर पासबुक जारी कर सकता है। ये पासबुकों कर्मचारियों की अभिरक्षा में रहेंगी और कर्मचारियों के प्रस्तुतीकरण पर बोर्ड के द्वारा इन्हें अद्यतन किया जाएगा।

19. लेखा वर्ष के पहले दिन आदि शेष पर प्रत्येक कर्मचारी के लेखे में व्याज उस दर से जमा किया जाएगा जिसका न्यासी बोर्ड निर्णय करें परन्तु यह उक्त स्कीम के पैरा 60 के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार द्वारा घोषित दर से कम नहीं होगा।

20. यदि न्यासी बोर्ड केन्द्रीय सरकार द्वारा घोषित व्याज की दर इस कारण से कि निवेश पर आय कम है या किसी अन्य कारण से अदा करने में असमर्थ है तो इस कमी को नियोक्ता पूरा करेगा।

21. नियोक्ता भविष्य निधि की चोरी के कारण लूट-घसूट, व्यानत, गबन अथवा किसी अन्य कारण से हुई हानि को पूरा करेगा।

22. नियोक्ता और न्यासी बोर्ड, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियां प्रस्तुत करेगा जो समय-समय पर केन्द्रीय सरकार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त निर्धारित करें।

23. उक्त स्कीम के पैरा 69 को शैली पर किसी कर्मचारी को निधि के सदस्य न रहने पर यदि स्थापना के भविष्य निधि नियमों में नियोक्ताओं के अंशदानों को जब्त करने की व्यवस्था है तो न्यासी बोर्ड इस प्रकार जब्त की गई राशियों का अलग से लेखा तैयार करेगा और उसे प्रयोजना के लियों उपयोग करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की पूर्व अनुमति से सुनिश्चित किया गया हो।

24. स्थापना के सान्नियोग में किसी वात के होते हुए भी सेवानिवृत्त होने अथवा किसी अन्य स्थापना में रोजगार लगने के परिणामस्वरूप किसी व्यक्ति के निधि की सदस्यता न रहने पर यदि यह देखने में आता है कि स्थापना के भ. नि. नियमों के अन्तर्गत अंशदान की दर, जब्ती आदि की दर, सांविधिक स्कीम की दरों की तुलना में कम अनुकूल तो उस का अन्तर नियोक्ता द्वारा दिया जाएगा।

25. नियोक्ता भविष्य निधि के प्रशासन से सम्बन्धित सभी खर्च जिसमें लेखों के स्वरूप दिनांक प्रस्तुत किए जाने, राशियों का अन्तरण शामिल है, वहन करेगा।

26. नियोक्ता समुचित प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित निधि के नियम की एक प्रति तथा जब भी कोई संशोधन होता है, उसकी मुख्य बातों को कर्मचारियों के बहुमत की भाषा में अनुवाद करके स्थापना के बोर्ड पर लगाएगा।

27. "समुचित सरकार" स्थापना की चालू छूट पर और शर्तें लगा सकती हैं।

28. यदि उक्त अधिनियम के अन्तर्गत स्थापना वर्ष जिसमें उसकी स्थापना आती है, पर अंशदान की दर बढ़ायी जाती है, नियोक्ता भविष्य निधि अंशदान की दर उचित रूप में बढ़ाएगा ताकि उक्त अधिनियम के अन्तर्गत दिए जाने वाले लाभों से स्थापना को स्कीम के अन्तर्गत दिए जाने वाले भविष्य निधि के लाभ किसी भी प्रकार से कम न हों।

29. उक्त शर्तों में से किसी एक से उल्लंघन पर छूट रद्द की जा सकती है।

[सं. एस-35015/4/94-एस.एस.-II]

जे.पी. शुक्ला, अवर सचिव

#### MINISTRY OF LABOUR AND REHABILITATION

(Department of Labour)

New Delhi, the 25th August, 1994

S.O. 2415.—Whereas Messrs Punjab Khadi Mandal Adampur, Jalandhar, (hereinafter referred to as the said establishment) has applied for exemption under clause (a) of sub-section (1) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas in the opinion of the Central Government that the rules of the provident fund of the said establishment with respect to the rates of contribution are not less favourable to employees therein than those specified in section 6 of the said Act and the employees are also in enjoyment of other provident fund benefits which on the whole are not less favourable to the employees than the benefits provided under the said Act or under the Employees' Provident Funds Scheme, 1952 (hereinafter referred to as the said Scheme) in relation to the employees in any other establishment of a similar character;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme,

## THE SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall provide for such facilities for inspection and pay such inspection charges as the Central Government may from time to time direct under clause (a) of sub-section (3) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

2. The rate of contribution payable under the provident fund rules of the establishment shall at no time be lower than those payable under the said Act in respect of the un-exempted establishments and the said Scheme framed thereunder.

3. In the matter of advances, the scheme of the exempted establishment shall not be less favourable than the Employees' Provident Fund Scheme, 1952.

4. Any amendment to the said scheme which is more beneficial to the employees than the existing rules of the establishment shall be made applicable to them automatically. The employer shall not however make any other amendment in its P. F. Rules without the approval of Regional Provident Fund Commissioner.

The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their points of view.

5. All employees as defined in section 2(f) of the said Act who would have been eligible to become members of the Provident Fund had the establishment not been granted exemption shall be enrolled as members.

6. Where an employee who is already a member of the Employees' Provident Fund (Statutory) or a provident fund of any other exempted establishment is employed in his establishment, the employer shall immediately enroll him as a member of the fund and arrange to have the accumulations in the provident fund account of such employee with his previous employer transferred and credited to his account.

7. The employer shall establish a Board of Trustees for the management of the provident fund according to such directions as may be given by the Central Provident Fund Commissioner or by the Central Government, as the case may be, from time to time.

8. The provident fund shall vest in the Board of Trustees who will be responsible for and accountable to the Employees' Provident Fund Organisation inter-alia for proper accounts of the receipts into and payments from the provident fund and the balances in their custody.

9. The Board of Trustees shall meet at least once in every three months and shall function in accordance with the guidelines that may be issued from time to time by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner or an officer authorised by him.

10. The accounts of the Provident Fund maintained by the Board of Trustees shall be subject to audit by a qualified independent Chartered Accountant annually. Where considered necessary, the Central Provident Fund Commissioner shall have the right to have the accounts re-audited by any other qualified auditor and the expenses so incurred shall be borne by the employer.

11. A copy of the audited annual provident fund accounts together with the audited balance sheet of the establishment for each accounting year shall be submitted to the Regional Provident Fund Commissioner within six months after the rules of the financial year. For this purpose the financial year of the provident fund shall be from the 1st of April to the 31st of March.

12. The employer shall transfer to the Board of Trustees the contributions payable to the Provident Fund by himself and employees by the 15th of each month following the month for which the contributions are payable. The employer shall be liable to pay simple interest for any delay of the contributions at such rate and manner as an un-exempted establishment is liable in similar circumstances.

13. The Board of Trustees shall invest the monies in the fund as per directions that may be given by the Government from time to time. The securities shall be obtained in the name of the Board of Trustees and shall be kept in the custody of a scheduled Bank under the Credit Control of the Reserve Bank of India.

14. Failure to make investments as per directions of the Government shall make the Board of Trustees severally and jointly liable to surcharge as may be imposed by the Central Provident Fund Commissioner or his representative.

15. The Board of Trustees shall maintain a scriptwise register and ensure timely realisation of interest.

16. The Board of Trustees shall maintain detailed accounts to show the contributions credited, withdrawal and interest in respect of each employee.

17. The Board shall issue an annual statement of accounts to every employee within six months of the close of financial/accounting year.

18. The Board may, instead of the annual statement of accounts, issue pass books to every employee. Those pass book shall remain in the custody of the employees and will be brought up-to-date by the Board on presentation by the employees.

19. The accounts of each employee shall be credited with interest calculated on the opening balance as on the 1st day of the accounting year at such rate as may be decided by the Board of Trustees but shall not be lower than the rate declared by the Central Government under para 60 of the said Scheme.

20. If the Board of Trustees are unable to pay interest at the rate declared by the Central Government for the reason that the return on investment is less or for any other reason then the deficiency shall be made good by the employer.

21. The employer shall also make good any other loss that may be caused to the Provident Fund due to theft, burglary, defalcation, misappropriation or any other reason.

22. The employer as well as the Board of Trustees shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner as the Central Government/Central Provident Fund Commissioner may prescribe from time to time.

23. If the Provident Fund rules of the establishment provide for forfeiture of the employees' contribution in cases where an employee ceases to be a member of the fund on the lines of para 69 of the said Scheme, the Board of Trustees shall maintain a separate account of the amount so forfeited prior to 1-1-1990 utilised by the B-O-T for such purposes as may be determined with the prior approval of the Central Provident Fund Commissioner.

24. Notwithstanding any thing contained in the Provident Fund Rules of the establishment, if on the cessation of any individual from the membership of the fund consequent on retiring from service or on taking up the employment in some other establishment, it is found that the rate or contribution rate of forfeiture etc., under the P. F. Rules of the establishment are less favourable as compared to these under the statutory Scheme, the difference shall be borne by the employer.

25. The employer shall bear all the expenses of the administration of the Provident Fund including the maintenance of accounts, submission of returns, transfer of accumulations.

26. The employer shall display on the notice board of the establishment, a copy of the rules of the fund as approved by the appropriate authority and as and when amended thereto alongwith a translation of the salient points thereof in the language of the majority of the employees.

27. The "appropriate Government" may lay down any further conditions for continued exemption of the establishment.

28. The employee shall enhance the rate of provident fund contributions appropriately if the rate of provident fund contribution is enhanced under the said Act so that the benefits under the Provident Fund Scheme of the establishment shall not become less favourable than the benefits provided under the said Act.

29. The exemption is liable to be cancelled for violation of any of the above conditions.

[No. S-35015/4/94-SS. III]

J. P. SHUKLA, Under Secy.

नई दिल्ली, 25 अगस्त, 1994

का. आ. 2416.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार पश्चिम रेलवे, बम्बई के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नं. 1, बम्बई के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 24-8-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल - 41011/83/89-आई आर (डी यू)/बी आई]

बी. के. शर्मा, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th August, 1994

S.O. 2416.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Bombay as shown in the Annexure, in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Western Railway, Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on the 24-8-1994.

[No. L-41011/83/89-IR (DU)/B-1]

V. K. SHARMA, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT BOMBAY

PRESENT :

Shri Justice R. G. Sindhakar, Presiding Officer.

Reference No. CGIT-50 of 1990

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of Western Railway, Bombay.

AND

Their workmen.

#### APPEARANCES :

For the Management : Shri P. R. Pai, Advocate.

For the Workman : Shri M. B. Anchan, Advocate.

INDUSTRY : Railways.

STATE : Maharashtra

Bombay, the 3th August 1994

#### AWARD

The Divisional Secretary, Paschim Railway Karamchari Parishad, hereafter referred to as 'Parishad' has filed his statement of claim in the above reference made by the Government of India, Ministry of Labour, New Delhi under Section 10(1)(d) read with sub-section 2A of the Industrial Disputes Act, for adjudication.

2. He has stated that the 9 employees mentioned in the statement of claim were employed as casual labourers and designated as Khalasi at the relevant time. They were serving under the Bridge Inspector (RBI) Bhayander in the Bombay Central Division of Western Railway. Their services were terminated with effect from 20-6-1985, and they were again reinstated with effect from 21-1-1987. Parishad's General Secretary in claiming wages for the intervening period. According to him 5 of them had completed 240 days and their names are mentioned in para 4. According to him, the rights and privileges admissible to casual labourers who are treated as temporary and governed by Rule 2511 of Indian Railway Establishment Manual (hereinafter referred to as IREM) which stated that the Casual Labour treated as temporary are entitled to all the rights and privileges admissible to temporary railway servant as laid down in Chapter XXIII and which also includes the benefits of Discipline and Appeal Rules. They are also allowed to carry forward the leave at their credit to the new post on absorption in regular service. It is also his case that services of temporary railway servants are liable to be terminated on 14 days notice or either side and such notice should be given by an authority not lower than the appointing authority and in case railway servant to whom the provisions of Industrial Disputes Act, 1947 apply, he shall be entitled to notice or wages in lieu thereof in accordance with the provisions of that Act. The 5 employees who had completed one year continuous service were governed by Section 25F of the Industrial Disputes Act requiring three months notice or wages for the period of notice.

3. The management during the conciliation proceedings stated that none of the 9 employees have completed 240 days continuous service and hence were not eligible for retrenchment compensation. It is further contended that the Parishad wanted to verify the records particularly in reference to the letters of appointment of their concerned workmen the dates of actual receipts of the alleged notice by the concerned workmen and the actual period of employment of the 5 workmen who had completed 240 days. They were not made available and hence the conciliation failed.

4. It is contended that as per Rule 2302, all the employees were entitled to 14 days notice in the absence of which the termination was illegal, null and void. It is also to be shown that the notice dated 20-5-1985 was served on the same day on the employees and further with the amendment of Industrial Disputes Act, it is necessary to comply with the provisions of Section 25F of the Act which has not been done. It is also not shown that the other provisions concerning retrenchment have been complied with.

5. The management has filed written statement to the statement of claim contending that the reference is not maintainable as it has been made without application of mind. It is admitted that the 9 casual labourers were engaged on daily wages from 21-11-1984 under Bridge Inspector, Bhayander against Extra Labour Allocation sanctioned for a specific period and against a particular work. The particular work completed on 20-6-1985 and ELA against which those casual labourers were engaged also expired. Therefore, the said 9 casual labourers were given notice dated 20-5-1985 for termination of their services. It is denied that they were reinstated on 21-1-1987. However, on findings that they could be provided with similar type of work they were engaged with effect from 21-11-1987 under BRI BYR. In the meanwhile, however, they did not respond to the letter dated 19-1-1987 issued by BRI BYR to work under CPWI BVI.

6. It is denied that the 5 employees indicated in para 5 to put in 240 days of work. It is denied that they are entitled to benefits of discipline and appeal rules even though they attained temporary status because they are entitled to carry forward their leave from the date of attaining temporary status. The contention is that they had given month's notice as per rules and they are not entitled to anything more than that.

7. Parties submitted written arguments.

8. The dispute mentioned in the schedule is as follows :

"Whether the action of Western Railway in retrenching the services of nine casual workmen w.e.f. 20-6-85 is justified? Whether the said workmen are entitled

for interim relief for the idle period from 20-6-85 to 20-1-87? If not what relief the concerned workmen are entitled to?"

9. The undisputed position is that these 9 persons mentioned in the statement of claim worked as casual labourers. Dates they attain temporary status are mentioned in the statement of claim. With regard to five of them period during which they worked is mentioned in para 4. The point for consideration is whether the termination with effect from 20-6-1985 by notice dated 20-5-1985 is justified and the contention is that it is not.

10. The management has come out with a case that they had not worked for 240 days in a year preceding the date of termination and therefore, the provisions of Section 25F were not attracted. In this connection, there is an admission in the statement of claim that only five of them had completed 240 days and names are mentioned in para 4 and rest of them admittedly have not completed 240 days. Therefore, they could not be said to have been in continuous service for a year and if that be so they cannot claim benefit of Section 25I of the I.D. Act. Even with regard to the five persons, the management had disputed that they have put in 240 days work and in this connection there is material produced on behalf of the management. It has not been shown to me that material shows that these five persons have put in 240 days of work to enable them to contend that they have been in continuous service for one year within the meaning of Section 25H of the Act. In fact the claim for the intervening period between 20-6-1985 and 21-1-1987 is based on the ground that the retrenchment is in contravention of Section 25F and therefore, they should be deemed to be in service holding that the termination was illegal and paid for the intervening period. I am unable to hold in favour of the workmen on any of these points in view of position obtaining on record.

11. I may mention that the next contention raised on behalf of the Parishad is that they attained temporary status under the Indian Railway Establishment Manual and protection is given to them. So far as these workmen are concerned it is stated that they attained temporary status with effect from the dates mentioned in the statement of claim and also in written submissions made. Let me assume that the position is correctly mentioned. The point that arises for consideration is whether the termination of said persons is in contravention of Manual and if so whether they are entitled to the wages for the intervening period as a result of illegal termination of their services. The rights and privileges are mentioned in para 2503 of the Manual in Chapter XXV dealing with Casual Labour. It is mentioned that they are not entitled to rights and privileges other than those statutorily admissible under the various Acts, such as Minimum Wages Act, Workman's Compensation Act etc. or those specifically sanctioned by the Railway Board from time to time. Para 2505 says that except where notice is necessary under any statutory obligation, no notice is required for termination of service of the casual labour. Their services will be deemed to have terminated when they absent themselves or on the close of the day. A note there under says that: in the case of a casual labourer who is to be treated as temporary after completion of six months continuous service, the period of notice will be determined by the rules applicable to temporary railway servants.

12. Para 2511 speaks of rights and privileges admissible to casual labour who are treated as temporary after completion of six months continuous service. They are entitled to all the rights and privileges admissible to temporary railway servants as laid down in Chapter XXIII of the Indian Railway Establishment Manual. That also include the benefits of the Discipline and Appeal Rules. Their service, prior to the date of completion of six months' continuous service will not, however, count for any purpose like reckoning of retirement benefits, seniority etc. Such casual labourers will, also, be allowed to carry forward the leave at their credit to the new post on absorption in regular service. The later part of the paragraph which deals with absorption of casual labourer in regular vacancy is not relevant for the purpose of this proceeding. It is not shown that any right contained is violated or privilege denied by Chapter XXIII of the Indian Railway Establishment Manual.

13. Para 2302 in Chapter XXIII deals with temporary railway servant's termination of service and periods of notice. Sub-section (1) says that he shall be liable to termination on 14 days notice on either side. There is a provision which dispenses with that notice in certain circumstances. I have already dealt with fourth category in the proviso while dealing with Section 25F of the Industrial Disputes Act. In this particular case, management contends that the work for which they were appointed was over and there was no work that could be provided to them and when it was possible to do so it was done. It further contends that even then one month's notice has been given and that is more than 15 days notice contemplated by para 2302. The management has produced the notices and acknowledgements of the workers and in view of this, I find that there is no merit in the contention that the termination is not in accordance with the Indian Railway Establishment Manual. I therefore, find that the Parishad has not been able to make out the case that the retrenchment is not in accordance with Section 25F of the Industrial Disputes Act, nor has it succeeded in showing that the termination is in contravention of the Indian Railway Establishment Manual.

14. On behalf of the Workmen, two decisions have been relied upon, the first is in the case between Mohan Lal and Bharat Electronics Ltd., reported in 1981, Vol. II, LLJ, page 70. The said proposition laid down by the Supreme Court is that the termination of service by way of retrenchment without complying provisions of Section 25F is illegal and the consequence is that the workman was entitled to declaration of continuous service with all consequential benefits. If I were to hold that the present case before me is one of retrenchment without following the provisions of Section 25F, the ruling would have been applicable. The other authority referred to and relied upon is in the case between L. Robert D'Souza, and Executive Engineer, Southern Railway and another reported in 1982, Vol. I, LLJ, page 330. In this case the workman's services were terminated on account of absence during the time he was on fast. Since that constituted a misconduct it has been held that it was open to employer to terminate services without notice and enquiry or at any rate without complying with the principles of natural justice and rule 2303 clearly prescribed the mode manner and method of termination of services of temporary railway servant and the same procedure had not been followed rendering the termination void and invalid. I find that the provisions of Section 2302 for termination, even if attracted have been followed inasmuch as notice has been given. Though, 14 days notice was required, the management has given one month's notice. I thus find that the claim based on the ground that the termination was illegal is not sound and hence, direction to make payment of the intervening period cannot be given.

Award accordingly.

R. G. SINDHAKAR, Presiding Officer

नई दिल्ली, 25 अगस्त, 1994

का. आ. 2417.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसार में; केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व बैंक के प्रबन्धताल के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नं. 1, अम्बई के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 24-8-94 को प्राप्त हुआ था।

[संलग्न एन--12012/14/89-आई-आर०(बी आई)]

बी. के. शर्मा, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th August, 1994

S.O. 2417.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. I Bombay as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Reserve Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on 24-8-1994.

[No. L-12012/14/89 IR (B-I)]

V. K. SHARMA, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, BOMBAY

##### PRESENT :

Shri Justice R. G. Sindhakar, Presiding Officer.

Reference No. CGIT-54 of 1989

##### PARTIES :

Employers in relation to the management of Reserve Bank of India, Bombay

AND

Their workmen.

##### APPEARANCES :

For the Management—Shri G. S. Hegde, Officer.

For the Workman—Workman present in person.

INDUSTRY : Banking

STATE : Maharashtra

Bombay, the 9th day of August, 1994

#### AWARD

Shri Kamble was employed in daily wages on the Establishment of Reserve Bank of India, Byculla, Bombay. He came to be appointed in the month of 24th September, 1981 and worked till 17th September 1983 when his services came to be terminated. According to him, he worked for more than 200 days in each year and was entitled for absorption in the temporary cadre of Class IV employees, however, that was not done. He approached the Assistant Labour Commissioner, Central Bombay, Government of India. The management, however, did not agree to reinstate him but agreed to continue his services as daily wage worker. However, that was also not done. Hence following dispute have been referred for adjudication under Section 10(1)(d) read with sub-section 2-A of the Industrial Disputes Act, 1947.

"Whether the action of the management of Reserve Bank of India, Bombay in terminating the services of Shri S. K. Kamble of Byculla branch w.e.f. 17-9-83 without any consequential benefits under the provisions of Industrial Disputes Act, 1947 is justified? If not to what relief the workman concerned is entitled?"

2. He also submits that 7 other workmen who joined alongwith him on daily wages were absorbed and regularised. He is a handicapped person with one eye, was rejected an opportunity for regular employment after putting in more than two years service with the Bank. He therefore, prayed for a direction to the Bank to absorb him as a regular employee from the date of termination, that is 17-9-1983 and to pay him back wages with effect from that date.

3. Management has filed written statement Admitting that he was appointed as a Badli Farash from 24th September 1981 and that his engagement was discontinued with effect from 17th September 1983 it is contended that he had not worked for more than 240 days in the previous 12 months and therefore, provisions of Section 25-F of the Act were

not attracted. It is therefore stated that by letter dated 17th October 1983, he had requested to issue him a call for interview for recruitment to the post of Class IV at the time of next recruitment. As his case was not however, covered by the existing recruitment policy he was not eligible for being called.

4. On 28th October 1987 he had referred the matter to the Assistant Labour Commissioner where Bank filed reply on 5th May 1988. The current procedure for recruitment was mentioned. Employment Exchange was to be informed and that was done. Applications were received through Employment Exchange from several candidates including those who were working/had worked in the Bank on daily wages basis. Claimant's application was however, not received and therefore, it was not permissible and not proper as well to consider his candidature for recruitment. His case was not covered by the other categories of candidates. Those categories were; existing Class IV employees in other categories with 5 year full time service and part time employees or waitlisted/badlis who have rendered daily wage service. The third category was candidates sponsored by the Employment Exchange.

5. It is contended that Shri Kamble had not in his letter dated 28th October 1987 to the Assistant Labour Commissioner made out a case that his daily wage engagement as Badli Farash was illegally terminated by the Bank. It is stated that such cases arise because he had not completed 240 days of work during the previous 12 months prior to his termination. The scope of the dispute referred, it is contended on behalf of the Bank is limited.

6. It is contended that the case was not covered by Section 2-A or (k) of the I. D. Act.

7. It is further defined that he worked for a total period of 240 days preceding 12 months and therefore, defining provisions of Section 25-B (2) of the Act was not attracted. Even assuming that he had worked for 200 days in a year it does not entitle him for absorption in the temporary cadre.

8. As a special case at the request of the Assistant Labour Commissioner, the Bank had agreed and was ready to consider engaging him on daily wage as junior-most daily wage worker in the list of Farash/Mazdoor but this offer made was refused by Shri Kamble. Hence failure report was made. Since his name was not on the list of daily wage Farash/Peon maintained by the Bank. He was not eligible for regular employment in the Bank and he was not satisfying the eligibility criteria for regular appointment. It is further contended that he was never in the service of the Bank but was engaged on daily wage basis from September 1981 to September 1983 and since he had not completed 240 days during the preceding 12 months from the date of discontinuance of his daily wage engagement, the Bank was justified in discontinuing his engagement. Prayer for rejecting the reference is made.

9. The point that arises for consideration in view of the admitted position is whether the discontinuance of Shri Kamble with effect from 17-9-1983 is justified. As stated earlier, there is no dispute on the point that he joined the Bank on 24th September 1981 and his engagement was discontinued on 17th September 1983. The Bank has in the course of written statement, in para 11 stated that he was a daily wage worker and was not in the service of the Bank, that he had not completed 240 days in the preceding 12 months from the date of discontinuance and hence the Bank was justified in discontinuing his engagement.

10. So far as Shri Kamble is concerned the contention is that he was a workman who had been retrenched and therefore, provisions of Section 25-F were attracted inasmuch as he was in continuous service for a year. Workman has been defined in Section (s) as any person employed in any industry to do any manual, unskilled, skilled, technical operational clerical or supervisory work for hire or reward, whether the terms of employment be express or implied, and for the purposes of any proceeding under this Act in relation to an industrial dispute, includes any such person who has been dismissed, discharged or retrenched in connection with, or as a consequence of that dispute, or where dismissal, discharge or retrenchment has led to that dispute, is a

workman. However, certain categories of persons are excluded and it cannot be disputed that he does not come within the excluded category. In my opinion Kamble is covered by the definition of workman because he was employed in the Bank. He was engaged as a Farash. Whether he was a casual workman or not will not bring him out of the definition of workman under Section (s) because the Act makes no distinction between casual workman and other workman and benefit of Section 25-F is available to casuals as well. What is relevant is the relationship of employer and employee for requisite length of time and the nature of employment is irrelevant provided the conditions of Section 2(s) are satisfied. In my opinion, he is a workman within the meaning of Section 2(s).

11. Next point that arises is whether he was retrenched. Retrenchment has been defined under Section 2(oo) of the Act, as meaning the termination by the employer of the service of a workman for any reason whatsoever, otherwise than as a punishment inflicted by way of disciplinary action. It will not be disputed that this case does not come within the exceptions mentioned under Clauses (a), (b), (bb) and (c). It is a case of termination of his service and it is not as a punishment inflicted by way of disciplinary action.

12. The question that then arises is whether Section 25-F of the Act is attracted. It mentioned conditions precedent to retrenchment of the workman, but to attract the provisions of Section 25-F, he should have been in continuous service for not less than one year under the employer. It is not disputed that the conditions precedent to retrenchment have not been followed. What is contended is that his case is not covered by Section 25-F of the Act because he has not been in continuous service for not less than one year. Section 25-F of the Act, therefore, becomes relevant because it defines continuous service. Sub-section (1) of Section 25-B reads thus "a workman shall be said to be in continuous service for a period if he is, for that period, in uninterrupted service, including service which may be interrupted on account of sickness or authorised leave or an accident or a strike which is not illegal or a lock-out or a cessation of work which is not due to any fault on the part of the workman". Sub-section (2) of Section 25-B speaks of a workman who is not covered by sub-section (1) and it says that he shall be deemed to be in continuous service under an employer for a period of one year, if he has during a period of twelve calendar months preceding the date with reference to which calculation is to be made, has actually worked under the employer for not less than 240 days. Now the argument advanced is that it is not shown by the workman that he had actually worked for not less than 240 days in a period of 12 calendar months prior to 17th September 1983. It is true that the management has stated in the written statement that the total number of days he worked during the preceding 12 months was 156. A statement to that effect was called for and that shows the number of days he has worked during the entire period of September 1981 to September 1983. Let us assume that he has not worked for 240 days in a preceding 12 months. It is also not the case of workman as can be seen from the statement of claim that he had put in more than 240 days in the preceding 12 months. But the point that arises is whether it is necessary to invoke and deeming provisions of sub-section (2) of Section 25-B. If it is not covered by sub-section (1) then only sub-section (2) is attracted. However, if it falls under sub-section (1) and I think it does in this case then it is not necessary to go to the deeming provisions of sub-section (2). Here in this case before the admitted position is that he is in the employment from September 1981 as Farash, may be a Badli Farash and that employment came to an end in September 1983. Therefore, he was in continuous service during this spell of two years. It is not the management's case that there was any break in service during the spell of two years. Even if this interruption is there if it is on account of sickness or authorised leave or an accident or a strike which is not illegal, or a lock-out or a cessation of work which is not due to any fault on the part of the workman that it will affect the workman's case. Therefore, I find that merely contending that he has not actually worked for 240 days in 12 months preceding termination will not go to

show that he is not entitled to benefit under Section 25F. If he is in continuous service for a period of one year he will get benefit of Section 25-F. Which begins with the words "No workman employed in any industry who has been in continuous service for not less than one year under an employer shall be retrenched by that employer .....". It is in my opinion, established that he has been in continuous service for not less than one year within the meaning of sub-section (1) of Section 25-F and therefore, he could not have been retrenched without following the provisions of Section 25-F, clauses (a), (b) and (c). As stated earlier, fact that he was a daily wage worker will not make any difference. It is admitted position that they have not been complied with as the contention is that he was not entitled to the protection and the Bank was justified in discontinuing his daily wage engagement.

13. It is true that the workman had on 17th October, 1983, requested the management to consider him for the interview and copy of that letter is produced on record. But that will not come in the way of him making grievance about his termination on 17-9-1983 without following the provisions of Section 25-F and it is that dispute that has been referred for adjudication. After his services came to be terminated he has applied to the management that he should be considered and given a call for interview at the time of next recruitment, and that was for job on permanent basis. He furnished therein the educational qualifications, his date of birth, fact that he belonged to backward community, and he had registered himself at the Employment Exchange and mentioned his registration number. At the foot of application he states that previous application dated 1st December 1982 for the post of Farash was not considered on the ground that he passed the VIIth standard. How this could come in the way of Shri Kamble in contending that his case was governed by Section 25-F and that the management has not complied with the said provision, is difficult to understand.

14. The management has stated in the written statement that during the conciliation proceedings he was given an offer that the Bank would be willing to consider him for engagement on daily wages as the junior most daily wage worker in the list of Farash/Mazdoor. The workman, it is stated, rejected that offer. The workman, in this Tribunal said that he was willing to accept that offer. The management stated in reply that he was medically examined and it was found that he could not take in regular service of the Bank as Shri Kamble was blind. Now reasons assigned by the Bank for not giving him regular appointment did not appear to be sound. He is physically handicapped since he is blind by one eye and the functioning eye is partially blind but the report submitted shows that he could be considered for a job meant for near total blindness. It is stated further that Farash/Mazdoor job in other section where delivery of ledgers and articles to be handled may be considered for him. It is true that at the end of the report is mentioned that behavioral pattern has bearing in the course of his duties that the superiors may have difficulty in getting work done by him. However, what is contended is that he could not be considered for the said post as he did not satisfy the liberalised requirement. I am unable to see how this is coming in the way. Circular of R.B.I., Department of Administration and Personnel dated, 30th September 1980, deals with the cases of blind persons who are not deaf and dumb. For the Class IV appointment, I find that there should not be any difficulty. Candidates belonging to this category could not be considered for the following post in Class IV namely, Durwan/Security Guard/Farash/Sweeper/Tea Boy/Khitmatgar/Waiter/Carpenter/Liftman, but for other posts mainly Peons in Class IV, they can consider such candidates whose lower extremities are normal and who have in their upper extremities one of the limbs functionally normal. This is annexed to the said circular dated 30-9-1980 and that is issued on receiving instructions of Government of India, coupled with the report of the Medical Examination he could have been absorbed. However, that is not the ground why his services were terminated and I have dealt with that aspect of the matter.

15. So far as recruitment policy is concerned I find that Badli employees engaged on daily wages could be considered for Class IV employment taking into consideration

length of service put in. Circular dated December 10, 1982 issued (Annexure II) shows claims of Budless engaged for daily wage work may be considered for Class IV post taking into consideration their service record but irrespective of their length of service. They may be treated on par with outsiders and due weightage should be given to the daily wage service rendered by them at the time of selection. It is precisely this request that is made by the application dated 17-9-1983 and appears have been ignored by the management till this reference has been made in the year 1989.

15. I therefore, find that, considered from all angles the termination dated 17-9-1983 is in contravention of provisions of Section 25-F of the Act and therefore, bad. He has to be reinstated in services with back wages.

Award accordingly.

R. G. SINDHAKAR, Presiding Officer

नई दिल्ली, 25 अगस्त, 1994

का. आ. 2418.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मध्य रेलवे, बम्बई के प्रबन्धतंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नं. 1, बम्बई के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 24-8-94 को प्राप्त हुआ था।

[मंख्या प्रल-41011/33/90-आई आर (डी यू)/बी आई]

वी. के. शर्मा, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th August, 1994

S.O. 2418.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, No. I, Bombay as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Central Railway, Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on the 24-8-94.

[No. L-41011/33/90-IR(DU)](B.I)  
V. K. SHARMA, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I AT BOMBAY

Present :

Shri Justice R. G. Sindhakar, Presiding Officer.  
REFERENCE NO. CGIT-21 OF 1991

Parties :

Employers in relation to the management of Central Railway, Bombay,

AND

Their workmen

Appearances :

For the Management : Shri P. R. Pai, Advocate.  
For the Workman : Shri Mahadeshwar, Advocate.

INDUSTRY : Railways

STATE : Maharashtra

Bombay dated the 4th day of August, 1994

#### AWARD

Government of India, Ministry of Labour, New Delhi, has made by letter dated 12-3-1991, following reference for adjudication under Section 10(1)(d) read with 2A of the Industrial Disputes Act, 1947.

"Whether the management of Central Railway, Bombay V.T. were justified in rejecting the demands of Railway Mazdoor as per Annexure 'A' attached? If not, what relief the workmen concerned are entitled to?"

2. Annexure 'A' mentioned the relevant demands has made in the charter of Demands. No. 1, relates to providing adequate staff for work. No. 3, end of victimisation and No. 5, callousness towards workers' difficulties. The matter was adjourned from time to time for enabling the union sponsoring dispute to file its statement of claim. In spite of all this, till this day no statement of claim has been filed. It is needless to mention that the union representative remained absent on several days and on some of the dates an Advocate appeared on its behalf, but it is noticed that none has filed Vakalathnama. As stated earlier there is no statement of claim on record.

3. Statement has been filed on behalf of the management and the allegations of the union made by charter of demands are not admitted. It is stated that the Administration has always been posting staff after assessing the workload of particular depot/unit. For any increase or decrease in the workload review is done periodically and staff are posted as per requirements. The vacancies are also filled in regularly. In view of this statement made, it is difficult to appreciate the grievance made at item No. 1, in charter of demands much less accede to the demand.

4. The second demand which is at item No. 3 is about the victimisation by transfer of the staff. It is in the statement filed by the Railway Administration that the transfers made are not in breach of accepted norms. It is further stated that the representations made are examined carefully and action taken. Transfers are inevitable and permissible under the rules in the interest of Administration. Therefore, in the absence of any material to show that there has been a victimisation, demand at item No. 3 also will have to be rejected. It must be however stated that the management cannot effect transfers by way of victimisation. Demand at item No. 5, which is the third one is with regard to the difficulties faced by the staff and may seemingly appear to be of a minor and that is about non-supply of Pay slips, Provident Fund slips, Dividend Warrants, absence of provisions of Tiffin Room, Lockers, non-payment of dues in time, Seniority list not being circulated and confirmation not being made in time. In the statement filed on behalf of the Railway Administration, all these allegations are denied. It is stated that pay slips are issued regularly and so also provident fund slips as and when they are received from accounts, dividend warrants to eligible staff as and when they are received from Society. It is stated that tiffin room is provided at V.T. Yard and so also lockers. With regard to leave it is stated that sick leave is sanctioned on production of medical certificate from Railway Doctors after resumption of duty from sickness. Other leave is also sanctioned as and when applied for. It is further stated that the payment of arrears are made when they are due and there is no delay of such payment. With regard to the seniority list it is stated that it has been already published and up dated and confirmation is also made in time. It is thus seen this demand is also already met.

5. As stated earlier the workman have not filed any statement of claim and as against that the management has filed a statement. It has been duly verified by an Officer of the Railway Administration and in the circumstances, the workmen are not entitled to any relief and the reference stands rejected. Award accordingly.

R. G. SINDHAKAR, Presiding Officer

नई दिल्ली, 25 अगस्त, 1994

का. श्रा. 2419.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार हिन्दुस्तान जिक लि. के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, उदयपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23-8-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एन-29012/22/91-प्राई शार (मिस.)]

बी. प्रम. डेविड, ईस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th August, 1994

S.O. 2419.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby published by the award of the Industrial Tribunal, Udaipur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Hindustan Zinc Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 23-8-94.

[No. I-29012/22/91-IR(Misc.)]  
B. M. DAVID, Desk Officer

अनुबन्ध

न्यायालय औद्योगिक विवाद अधिकरण एवं श्रम न्यायालय, उदयपुर पीटासीन अधिकारी : श्री ओम प्रकाश गुरुता, श्रार०एच०जे० ७५३०

प्रकरण संख्या

3 नं. 91

श्री ठाकुरदास पिता श्री नन्द लाल, निवासी कर्मशील मार्ग ब्रेकमपोल, उदयपुर —प्रार्थी

बनाम

मुख्य प्रबन्धक, अयरक मजजीकरण हिन्दुस्तान जिक लिमिटेड, राजपुर दरीबा, दरीबा, उदयपुर। —विपक्षी

उपस्थित :

श्री आर०एम० चौधरी, प्रार्थी की ओर से।

श्री बी०एल० स्वरूपरिया, विपक्षी की ओर से।

दिनांक 12-7-1994

जांच

यह रैफरेन्स भाग्न भरकार के श्रम मंत्रालय द्वाग इस अधिकरण को निम्न विवादित बिन्दु अभिनिधार्घित करने के लिए अग्रप्रेरित किया गया है।

“क्या हिन्दुस्तान जिक लि. के राजपुर दरीबा खान के प्रबंधन द्वाग श्री ठाकुर दत्त शर्मा, कर्मचारी नं० 31070 को दिनांक 12-11-90 से नौकरी से बद्धिमत्त करना न्यायोचित है, शगर नहीं तो उक्त कर्मकार किस हक का अधिकारी है?

स्टेटमेंट आप केम में प्रार्थी का अभिकथन है कि दिनांक 23-4-81 को मजदूर कोटेगरी नं० 1 के पद पर विपक्षी के नियोजन में नीकर हुवा और बाद में उसका कार्य मनोपञ्जनक पाने गे हेल्पर कोटेगरी नं० 2 में पदोन्नति दी यह भी उल्लेख किया है कि प्रार्थी अमिक मंगठन छंटक का मक्कीय मद्दग्य है और अन्य कामगारों को घरेलू जान में हिस्मा लेकर उसकी मदद करना था जिसमें विपक्षी अधिकारी उससे नाशज रहने लगे और प्रार्थी सेक्षन इचाजे को पूछ कर और उनकी अनुसन्धि लेकर जाता था परन्तु इयटी छोड़ने का अनुबन्धक प्रारोप लगा रहे हैं। यह भी अकिल किया है कि विपक्षी द्वाग कामगारों का कोई निश्चित याता नहीं बना रखना और रोटेशन में इयटी प्रोसेस में भेजकर बदलने गे और परेणान करने रहे। यह भी अकिल किया है कि 1-6-90 की प्रार्थी प्रोसेस में फलोटेशन में हेल्पर के पद पर इयटी दे रहा था और फलोटेशन एक प्रोसेस है कि जहाँ से हट नहीं सकते अन्यथा जग मी अमावश्यनी बरनने में सेल जाम हो जाता है और इन्हाँ बन्द हो जाता है। इस आधार पर प्रार्थी का अभिकथन है कि उसने इयटी स्पोट नहीं छोड़ा और न ही प्लान्ट बन्द हुआ। यह भी उल्लेख किया है नियोजक द्वाग अन्य अमिक गिरधारी लाल के विरुद्ध घरेलू जांच प्रारम्भ की जिसमें प्रार्थी गवाह के स्प में उपस्थित हुआ। परन्तु श्री बी०एक० गुप्ता, विग्रह प्रबन्धक ने उस पर दबाव डाला कि वो गिरधारी लाल के पक्ष में साथ्य नहीं दे। और इन सभी आधारों पर प्रार्थी का कथन है कि उसे परेणान करने के लिये आधारहीन विवाद खड़ा कर दिया एवं उसे आरोप पत्र दिनांक 11-6-90 दिया। जिसका उत्तर 24-6-90 की प्रार्थी ने दिया। इस उत्तर को मनोप्रद नहीं मानते हुये 7-7-90 को एक पत्र दिया गया। प्रार्थी के विरुद्ध घरेलू जांच कायम की गई। श्री बी०एक० काला को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया। जांच अधिकारी के बारे में भी आधोप लगाया है कि वो निष्पक्ष नहीं है जांच अधिकारों को 26-7-90 को एक अग्रजी दी और जांच जारी करने में पूर्व प्रारम्भिक जांच की रिपोर्ट और प्रलेख मांगे, परन्तु शिकायत पत्र की प्रति नहीं दी गई। न ही गवाह की सूचि दी गई। इस प्रकार दोपारोपण कार्यवाही प्रारम्भ की गई। बी०एक० गुप्ता के हाथ पर लगी चोट का मेडिकल प्रमाण पत्र जो पेश हुआ है उसकी नकल दे दी। जिरह का मौका नहीं दिया एवं मेडिकल प्रमाणपत्र का बनावटी व सूथा हीना भी अभिकथन किया है। दिनांक 28-7-90 को एक गवा प्रार्थी की अनुपस्थिति में पेश किया गया दिनांक 28-7-90 को प्रार्थी के हस्ताक्षर करने से मना करने का क्षया लांछन लगाया गया है। मारपीट के सम्बन्ध में कोई पुलिस रिपोर्ट नहीं की गई, डाक्टर को पेश नहीं किया गया है। प्रार्थी ने अपने व्यान दिनांक 20-10-90 को देने उपस्थित हुआ परन्तु जांच अधिकारी ने लेने में इन्कार कर दिया। एक तरफा कार्यवाही कर जांच प्रतिवेदन उच्च, अधिकारियों को प्रेरित किया। आरोपों का दोषी मानते हुए प्रार्थी को 12-11-90 से भेजा में पृथक कर दिया। दिनांक 19-11-90 को प्रार्थी ने शपील की जिसे स्वीकार

नहीं किया और कोई उत्तर नहीं दिया गया। प्रार्थी ने श्रम समझौता अधिकारी अजमेर के समक्ष दिनांक 1-1-91 को विवाद प्रस्तुत किया जिसका अमफल बार्ता प्रतिवेदन 4-4-91 को सचिव महोदय भारत सरकार श्रम संबंधालय को भजा गया जहां से यह रेफरेन्स विवादित बिन्दु अधिनिर्धारित कर हेतु इस अधिकरण को प्राप्त हुआ। प्रार्थी का अनिम कथन यह है कि बड़नीव्रति से प्रेरित होकर छूटे आरोपों के आधार पर एक तरफा जांच के आधार पर उसे सेवा से पृथक किया गया है।

**विषयकी संस्थान** जवाब में उल्लेख किया है कि प्रार्थी को हिन्दुस्तान जिक निं० की दरीब माईन्स में 23-4-81 को पुनः नियुक्ति दी गई। तब भी अंकित किया है कि पूर्व में प्रार्थी जावर माईन्स में सर्वे ब्वाय श्रेणी तीन का कार्य करता था और चिकित्सा अधिकारी के नकली हस्ताक्षर बता कर प्रमाणित करने के आरोप में उसकी सेवाएँ समाप्त की गई। इस तथ्य को अस्त्रीकार किया है कि प्रार्थी की कार्य कुशलता के आधार पर उसकी पदोन्नति की गई हो बरता प्रार्थी का कार्यकाल दो बार प्रोवेशन का 6-6 महीने के लिये बढ़ाया गया परन्तु बाद में महा सचिव श्री बी० चौधरी के अनुरोध पर 7-12-88 से हेल्पर के पद पर नियुक्ति दो गई। प्रार्थी का दरीबा खान अभिक संगठन का पदाधिकारी होने को भी असत्य बताया है। यह भी, कहा है कि प्रार्थी इयटो से कई दिन अनुपस्थित रहा है कार्यस्थल को छोड़ कर चले जाता, इयटी पर सोते हुये पाना, एवं उच्च अधिकारी से दुर्व्यवहार करने का आदी था। यह भी उल्लेख किया है कि विभाग में सभी हेल्परों का एक पूल होता है और उसी इयटी का आवंटन ओपरेटर एवं ड्रेइनेन इति प्रेतिनि की अवश्यकता के अनुसार किया जाता है। दूसरे संयंत्र में ब्रेक डाउन होने पर हेल्पर बहां भेज देते हैं। प्रार्थी को जो आरोप देने का तथ्य बताया है उसे गलत बताया है। बरता यह आरोप पन्न 13-6-90 को दिया गया जिसका जवाब 15-6-90 को दिया जाना था परन्तु प्रार्थी ने जवाब 24-6-90 को दिया और उसके संतोषजनक नहीं पाने पर जांच प्रारम्भ की गई। श्री पी०पी० काला जांच अधिकारी को बदलने का कोई प्रार्थनापत्र प्रार्थी ने नहीं दिया और जांच में भाग लेता रहा। अतः उनको पक्षपाती बताने का कथन असत्य है। प्रथम बैठक 26-7-90 को हुई और 26-7-90 को तबदील हुये उस पर हस्ताक्षर करने से प्रार्थी ने मना कर दिया दिनांक 27-7-90 को विभागीय गवाह उपस्थित थे, परन्तु प्रार्थी अनुपस्थित रहा। दिनांक 28-7-90 को जांच कार्यवाही में प्रार्थी उपस्थित रहा परन्तु हस्ताक्षर नहीं किये। श्री चटोपाध्याय के बयान लिये जिसका नोट प्रार्थी ने अपने हाथ से लिखा। भरत सिंह के ब्यान हुए और प्रार्थी ने जांच कार्यवाही में सहयोग नहीं किया। पुलिस रिपोर्ट करना उचित नहीं बताया है। डाक्टर को पेण करने की कोई प्रार्थना प्रार्थी ने नहीं की। प्रार्थी को बार बार कहने पर भी अपना पक्ष प्रस्तुत नहीं किया और कार्यवाही समाप्त होने के बाद लिखित ब्यान शामिल नहीं किये जा सकते थे।

अपीलेट आयोरिटी के द्वारा विभान के तहत अपील प्रार्थी अन्वेषकार की गई है। यह भी प्रार्थना की है कि प्रार्थी का काम इतना खराब था कि यदि उसे पुनः नियुक्ति दी जाती है तो दरीबा खान के मम्पूर्ण अनुशासनात्मक बातावरण पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। बदनियती से सेवामुक्त किये जाने के आरोप को निराधार बताया है। और विभाग को अनुशासनात्मक कार्यवाही करने का अधिकार होना कहा है।

विषयकी की ओर से मम्पूर्ण जांच कार्यवाही की फोटो प्रति पेण की गई है जिनका उल्लेख में यथा स्थान करवा।

जांच कार्यवाही नैसुण्यिक व्यायिक नियन्त्रण के तहत फेयर मानी गई है जिसके अद्वितीय मैने पूर्व में दिनांक 5-5-94 को पारित किया है। अब स्थिति यह है कि जो निष्कर्ष जांच अधिकारी ने निकाला है क्या वो सही है अथवा प्रविरप है। अथवा अविकरण को पारित दंडादेश में हस्ताक्षेप करना व्यायोनित है अथवा नहीं, पर विवार करना है।

**विद्वान् अधिवक्ता** प्रार्थी ने भेरे समक्ष जो तर्क प्रस्तुत किये हैं उसमें उनका मुख्य तर्क यह है कि दिनांक 31-3-91 एवं 21-5-90 को कार्यस्थल छोड़ने बाबत विषयकी को किसी ने गिकायत नहीं की ओर जो बी.के. गृप्ता ने 10-6-90 को प्रार्थी के विरुद्ध शिकायत को उसमें उन तारीखों का जिक नहीं है बरन् महज आरोप पत्र को मजबूत करने की दृष्टि से यह आरोप जोड़े गये हैं। उनका यह भी तर्क है कि प्रार्थी 31-3-90 को 9.15 बजे अपने घर गया और 11.30 पर पुनः लौट आया। बीच में दो घंटे का समय पारी छोड़ने से योचना आवित के लिये होता है। अतः उसकी अनुपस्थिति का अनिवार्य पूर्ण एवं तर्कसंगत कारण प्रस्तुत है।

इसी प्रकार 21-5-90 को 4.30 बजे वो चला गया। दिनांक 22-5-90 को अवकाश था। दिनांक 23-5-90 को उसका आकस्मिक अवकाश का प्रार्थनापत्र स्वीकार किया। चार्जशीट के पैरा एक पंचित 11 दिनांक 21-5-90 अवकाश हेतु प्रस्तुत आवेदनपत्र दिनांक 23-5-90 को स्वीकृति की मूचना देने की ओर भेरा ध्यान प्राकर्षित कर विद्वान् अधिवक्ता ने तर्क प्रस्तुत किया है कि ऐसी कोई मूचना अथवा पत्र नहीं दिया गया है। अतः विद्वान् अधिवक्ता का तर्क है कि ये दोनों आरोप निराधार हैं और महज प्रार्थी को परेशान करने की दृष्टि से जोड़ा गया है।

दिनांक 10-6-90 को श्री बी.के. गृप्ता पर प्रहार करने एवं गान्धी-गलोच देने के आरोप मिद्दो के बारे में विद्वान् अधिवक्ता का तर्क है कि गिकायतपत्र में घण्टव्य ब्यान कहे वे ज्यों के त्यों लिखने आहिए थे और इसे स्पष्ट नहीं किया गया है। यह भी तर्क दिया है कि प्रार्थी ने हाथ को कलाई पकड़ कर गिराने की कोशिश की जिसमें घड़ी का पट्टा टूट कर गिर गया। इस बारे में यह तर्क दिया गया है कि कोई घड़ी का पट्टा नहीं

टूटा बरत् यह माना गया है कि घटी का पट्टा टूटने की वात सही नहीं है। विद्वान् अधिवक्ता का तर्क है कि ओटों के विषय में भी यह कहना मही नहीं भाना जा सकता क्योंकि प्रार्थी द्वारा यह पूछे जाने पर फि जीटे साधारण थीं। बी. के. गुप्ता ने कहा है कि इसका उत्तर चिकित्सा अधिकारी ही दे सकता है विद्वान् अधिवक्ता का तर्क है कि यह नहीं कहा कि सटिकिटे में वर्ज है। उसका यह भी तर्क है कि डाक्टर को पेश नहीं किया गया और सार्टिफिकेट को प्रमाणित नहीं कराया गया है। विद्वान् अधिवक्ता का यह भी तर्क है कि चोट लगने से केवल एक दिन बैनडेज कराना कहा है। अतः यह नहीं माना जा सकता कि धाव एक दिन में ही भर गया। विद्वान् अधिवक्ता ने भेरा ध्यान इस और भी आर्कषित किया है कि जांच रिपोर्ट में यह माना है कि जांच के दौरान प्रबंध पक्ष ने यह सावित करने की कोई चेष्टा नहीं की कि श्री शर्मा ने श्री गुप्ता को या उनके पश्चात् को मारने की धमकी दी थी। अतः उनका तर्क है कि आरोप पत्र में कुछ भी लिखा जा सकता है। यह सावित करना दायरे के बाहर है। उनका यह भी तर्क है कि गिकायत पत्र में भी सोमेन्द्र नाथ का जिक्र नहीं है पर उन्होंने बयान दिये हैं।

जिरह में स्वीकार किया है कि ज्लोटेशन को मशीन चल रही थी अतः विद्वान् अधिवक्ता का सभी कथनों के आधार पर तर्क है कि 31-3-90 एवं 21-5-90 को इयूटी छोड़ने की कोई शिकायत नहीं है और त ही श्री गुप्ता के शिकायत पत्र में वर्णन है। अंत में यह तर्क प्रस्तुत किया गया है कि जो सजा दी गई है वह भी आरोपों के मुकाबले ग्रति कठोर है और प्रार्थी भूम्बा व बैरोजगार हो जाएगा। अतः सहानुभूति का रूप्र अपनाया जाये। विद्वान् अधिवक्ता ने अपने तर्क के समर्थन में निम्नलिखित विनिर्णय प्रस्तुत किये हैं :—

1. स्कूटर इण्डिया लि., लखनऊ एवं लेवर कोटी, लखनऊ व अन्य 1989 (1) एल. एल. जे. पेज 71, इस विनिर्णय में यह सिद्धान्त प्रतिपादित हुआ है कि वहां श्रम न्यायालय ने घरेलू जांच को उचित एवं बैध माना, परन्तु सेवामुक्ति के आदेश को निरस्त किया और 75 प्रतिशत विछाना वेतन दिलाते हुए रिहाईस्टेट के आदेश दिये गये वहां श्रम न्यायालय के ऐसे आदेश को बैध माना है।

2. टी. आर. डी. नायर एवं जी. एन. कस्प बनाम यूनियन आफ इण्डिया 1993 (1) एल. एल. जे. पेज—868 इस विनिर्णय में यह सिद्धान्त प्रतिपादित हुआ है कि इन्कावायरी आफिसर की रिपोर्ट की कापी रिलिक्वेन्ट आफिसर को दिलाई जाना अनिवार्य है और यदि नहीं दिलाई जाती है तो नेसिंग क्याय के सिद्धान्त की अवहेलना मानी जाने से सेवामुक्ति के आदेश को निरस्त किया जाएगा।

3. रमाकाला मिश्रा बनाम स्टेट आफ उत्तर प्रदेश एल. एल. जे. (1) 1982 पेज 59 में माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने हस्त धारा 11(ए) की व्याख्या दरते हुए यह सिद्धान्त प्रतिपादित किया है कि विकटीमार्फतेशन के लिये आरोप को इक्ट्रो करने के लिये एवं जस्टिस, इक्ट्रीटी पृष्ठ फेयर फिले के तहत आरेंजिंग आरोप की गंभीरता के बनाम तंडांक देना चाहिये। यह भी व्याख्या दी है कि औद्योगिक संवंध के विकास के तहत पूर्व धारणा कि दंडदेश प्रबंधक का कृत्य है और न्यायालय अपने दंडदेश सबस्टीट्यूटन का प्रबंधन का स्थान नहीं ले सकती से बहुत यामे जा चुकी है। पूराचरण के आरोप सिद्ध होने पर और जहां दंडदेश आरोपों के मानन न ही न्यायालय अन्याय को गोकरने के लिये और उसके निगकरण के लिये हस्त धारा 11 (ए) जोड़ी गई है।

इस विनिर्णय में यह सिद्धान्त प्रतिपादित हुआ है कि अपशब्द की भाषा व्यक्ति विशेष के निष्कर्ष पर निभार करती है और व्यक्ति से व्यक्ति के विचार से भिन्न होती है।

4. वेदप्रकाश गुप्ता एवं मैसर्स डेलटन केबल इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लि. 1984 (1) एल. एल. जे. पेज—546 में माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने अपशब्द भाषा प्रयोग करने पर और प्रबंधक के द्वारा यह सिद्ध नहीं करने पर कि किस प्रकार से प्रबंधक व श्रमिक के मध्य विश्वास समाप्त हो जाएगा अतः अपशब्दों के दूराचरण दोषी सिद्ध होने पर सेवामुक्त के आदेश को विकटीमार्फतेशन, अनकेयर लेबर प्रेक्टिस माना है। और उसे रद्द कर पूर्ण बकाया वेतन सहित मेवा में लिये जाने का आदेश पारित किया।

5. अरविन्द दास एवं स्टेट आफ वेस्ट बंगाल, 1988 (ii) एल. एल. जे. 464 में माननीय कलकत्ता हाईकोर्ट ने इस विनिर्णय में यह माना है कि जहां इन्कावायरी आफिसर ने जो रिपोर्ट प्रार्थी को नहीं बताई गई थी उस पर अपनी जांच रिपोर्ट को आधार बनाया और गवाहों की मूची नहीं दी गई, यहां तक आरोपपत्र दूराचरण के बारे में नहीं बताया गया, वहां न्यायिक सिद्धान्तों का उल्लंघन होना माना है।

6. देहनी कलाप मिल्स बनाम श्रीगण फटिलाईजर्स कर्मचारी यूनियन, कोटा आर. एल. डब्ल्यू. 1988 (2) पेज 72 में माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय ने यह सिद्धान्त प्रतिपादित किया है कि प्रबंधक के उद्याप कदमों को भांतीषज्ञक न होने पर हस्तक्षेप किया जा सकता है।

विद्वान् अधिवक्ता विषयी ने कारिन आरोपों का नियमानुसार जांच करने के उपरान्त दोष सिद्धी का निष्कर्ष सही होना बनाया है और ऐसे प्रकरण जहां पर कि जांच अधिकारी के साथ प्रहार किया गया हो ऐसे गंभीर मामलों में अधिकरण के हस्तक्षेप का औचित्य न

होना कहा है। अपने तर्क के समर्थन में विनिर्णय राजस्थान स्टेट रोड ट्रान्सपोर्ट कार्पोरेशन बनाम हंगीर खां मार एल. आर. 1993 (1) पेज 698 प्रस्तुत किया है। माननीय गजस्थान उच्च न्यायालय ने यह सिद्धान्त प्रतिपादित किया है कि जहां जांच फेयर व प्रोपर मानी गई है और कोई विकटीमाइजेशन, डेरेमेन्ट अथवा प्रबंधक के विरुद्ध सदभावी कृत्य होने का आरोप नहीं है वहां डाईवर जो कि मदहोश था और उसने अपने साथ कण्डकटर से 10 रुपये मांगे और उसने देने पर मारपीट की तथा अपशब्द कहे व गंभीर चोटे कागित की ऐसी स्थिति में सेवामुक्ति के अदेश को अधिकरण के हस्तक्षेप को उचित नहीं माना है।

मैंने दोनों पक्षकारान के परस्पर विरोधी बहस पर मतन किया। उनके द्वारा प्रस्तुत विनिर्णयों में प्रतिपादित सिद्धान्त का अवलोकन किया। जांच रिपोर्ट, जांच कार्यवाही एवं सभी प्रलेखों का गहनता से अध्ययन किया। मेरे द्वारा निकाले गए निष्कर्ष निम्न प्रकार हैं।

1. अधिकरण के आदेश विनांक 5-5-94 के तहत प्रलेखीय एवं स्थाई आदेशों के तहत की गई जांच को नैसर्गिक न्यायिक सिद्धान्त के तहत फेयर होना माना गया है।

2. जांच अधिकारी द्वारा निकाले गये निष्कर्ष की वैधता एवं दंडादेश के औचित्य को खुला रखा गया था और उस पर पूरी बहस सुनी गई है।

3. यह सुस्थापित सिद्धान्त है कि हस्त धारा 11(ए) की वैधता अधिकार के तहत अधिकरण जांच रिपोर्ट के निष्कर्ष को बदलने, संशोधन करने, निरस्त करने, में समर्थ है और इस प्रकार जांच निष्कर्ष को सही माने जाने के बाद दंडादेश में परिवर्तन, संशोधन और निरस्त करने में भी सक्षम है। यदि प्रकरण में प्रार्थी को सेवामुक्ति के दंड में दण्डित किया गया है। चूंकि 11(ए) में अन्य दंडादेश का उल्लेख नहीं है, परन्तु माननीय सर्वोच्च न्यायालय एवं माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय के विभिन्न निर्णयों से यह स्थिति स्पष्ट है कि सामान्यतया दंडादेश में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिये परन्तु विकटीमाइजेशन एवं अनफेयर लेवर प्रेक्षिट्स अथवा प्रबंधक के पाठे पर संभाव्य कृत्य नहीं पाये जाने पर दंडादेश में हस्तक्षेप किया जा सकता है।

जहां तक जांच के मूल्यांकन का विषय है, वह क्षेत्राधिकार अधिकरण का सीमित है क्योंकि अधिकरण न तो अपीलीय कोर्ट के अनुसार पुनः साध्य का विवेचन कर प्रपना निष्कर्ष घोषने के लिये अधिकृत नहीं है। केवल यही अधिकार दिया गया है कि जहां निष्कर्ष प्रबर्ग हो अथवा उपलब्ध साध्य व ऐकाऊ के आधार पर पक्षपातपूर्ण अथवा स्थापित जांच नियमों के विशद पाया गया हो, वहां उसे बदलना, संशोधन करना, निरस्त करने में अधिकरण को अधिकृत होना माना गया है।

प्रस्तुत प्रकरण में विद्वान अधिवक्ता ने मेरे समझ जो तर्क प्रस्तुत किये हैं वे गंभीर रूप से साध्य का पनः मूल्यांकन एवं एब्रीसेशन किये जाने से सम्बन्धित है। इस विषय में कोई विवाद नहीं है कि प्रार्थी 31-3-90 एवं 21-5-90 को ड्यूटी से अनुपस्थित रहा है। विद्वान अधिवक्ता ने जो तर्क प्रस्तुत कर अनुपस्थित रहने के औचित्य को बताया है वह इस तथ्य को समाप्त नहीं कर देता कि प्रार्थी कथित समय में अनुपस्थित नहीं था। उनके तर्कों के अनुमार केवल यही सिद्ध करने का प्रयास किया गया है कि अनुपस्थिति के यथोचित कारण थे, जैसे कि 31-3-90 को उसकी नाइट शिफ्ट में ओबर टाईम ड्यूटी थी और 31-3-90 ए-शिफ्ट में थी। प्रतः 9-15 बजे ड्यूटी छोड़ कर गया और 11-15 बजे आया। विद्वान अधिवक्ता प्रार्थी के अनुमार यह समय अनुपस्थिति का अनुमति योग्य है। यह प्रश्न धूसरा है कि कथित अनुपस्थिति सही है अथवा गलत। परन्तु प्रबंधक द्वारा दर्शायी अवधि में प्रार्थी अनुपस्थित रहा इस विषय को गलत नहीं माना जा सकता। विद्वान अधिवक्ता का इसी प्रकार यह तर्क कि 21-5-90 को 4-30 बजे प्रार्थी चला गया और दूसरे दिन छुट्टी थी। दिनांक 25-5-90 की अर्जी दी कि 21-5-90 की सी.एल. स्वीकार करे जो नियमानुसार नामंजूर कर दी। उनका यह तर्क है कि यह नामंजूरी की सूचना प्रबंधक ने सिद्ध नहीं कराई है। मैं यहां यह उल्लेख करना चाहूँगा कि यहां स्वीकृत करने अथवा न करने का विवाद भिन्न है।

प्रथमता 21-5-90 को 4-30 बजे प्रार्थी के द्वारा खला जाना विवाद रहित है। प्रतः प्रबंधक के पाठे पर जो अनाधिकृत अनुपस्थित होने का विवारोपण किया है उनमें कोई वर्वियती अथवा आरोप लगाने के तर्क को स्वीकार नहीं किया जा सकता। विद्वान अधिवक्ता का वह तर्क कि श्री बी.के. गुप्ता की रिपोर्ट में इसका उल्लेख नहीं है, को मैं इसलिये महत्वपूर्ण नहीं मानता कि उन्होंने जो उनके साथ प्रार्थी के द्वारा अपशब्द बोले व प्रहार किया उसकी रिपोर्ट के विषय में थी। जांच अधिकारी ने सभी प्रलेख एवं साक्षीगण के कथनों को विचार करने के उपरान्त इन आरोपों को विद्वान जाने का निष्कर्ष निकाला है और किसी भी प्रकार उनकी फाइंडिंग्स को मैं प्रवर्त्त नहीं मानता।

इसी प्रकार श्री बी.के. गुप्ता के साथ बोले गये अपशब्द, और किये गये प्रहार के विषय में जो तर्क जिसका कि विवेचन मैंने ऊपर किया है विद्वान अधिवक्ता ने प्रस्तुत किये हैं, उन्हें मैं महत्वपूर्ण नहीं मानता और उनके आधार पर यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि जांच अधिकारी के द्वारा निकाले गये निष्कर्ष किसी भी प्रकार से प्रदर्श, प्रविटरेशी एवं प्रबंधक के पक्ष से प्रेरित हुए हो।

मैंने सम्पूर्ण जांच कार्यवाही का गहनता से अध्ययन किया और साक्षीगण के जांच में हुये बयानों और उनसे हुई लम्बी जिरह का भी अध्ययन किया है। बरेलू जांच को भारतीय साध्य अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार किसी तथ्य का प्रमाणित करना अनिवार्य होना नहीं माना जा सकता।

श्री बी.के. गुप्ता की कलाई पकड़ना और उनको घड़ी के पट्टे की पिन टूटना और हाथ से खून निकलना, अपशब्द प्रयोग करना यह तक्षण पृष्ठपेण साक्ष्य में आया है। सोमेन्द्र नाथ ने शिकायतपत्र में नाम नहीं लिखाने भाल से यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि उसका कथन अमर्त्य है। श्री बी.के. चटोपाध्याय ने कहा है कि श्री बी.के. गुप्ता ने दरवाजा अन्दर से बन्द किया हुआ था जो खूनवाया, देखने पर बहुत भयभीत हो एसा लगा। प्रार्थी ने इस साक्षी से जिरह की है और उसमें उनके सत्य स्वीकार किया है कि वह आई विटनेस नहीं है। जिरह में कहा है कि बन्द कमरे में जब मैं घुसा तो उसको मैंने प्रचण्ड रूप में भयभीत देखा। चटोपाध्याय का यह कथन अपने प्राप्त ने यह सिद्ध करता है कि श्री बी.के. गुप्ता दृष्टिटना के बाद बन्द कमरे में भयभीत रिथित में ढैंग हुआ था। और इसका कारण प्रार्थी के हारा उन्हें अपशब्द कहना और प्रहार करना ही रहा है। सोमेन्द्र नाथ ने कहा है कि टी.डी. मर्मा (प्रार्थी को) सभी लोग जानते हैं और डरते भी हैं। उन्होंने अपने कथन में गुप्ता से चार कदम आगे होना कहा है और यह भी कहा है कि किसी सास्त्र से प्रहार करते नहीं देखा है। गुप्ता के साथ अपशब्द बोलना और प्रहार करना भी कहा है। बी.के. गुप्ता ने सभी बातों को बताया है। प्रार्थी की मोर्खिक और लिखित शिकायत मिट्ट इच्छार्ज के हारा करना कहा है। आई कलाई जोर से पकड़ना और घड़ी जांच कक्ष में पेश करना, पिन टूटी हुई होना बताया है। घाव ने निशान भी बताये हैं। बहुत लम्बी जिरह प्रार्थी की ओर से की गई है। जांच अधिकारी के समक्ष घाव का निशान, घड़ी आदि प्रस्तुत की गई है। सम्पूर्ण विभागीय कार्रवाही देखने से यह सम्भव है कि प्रार्थी को नियमानुसार आरोपित की कापी दी गई है। जांच अधिकारी को नियुक्ति का आदेश भेजा गया है और प्रार्थी ने यद्यपि जांच में असहयोग रखें यथा अपनाया है। साक्षीगण से बहुत लम्बी एवं सभी छोटे से स्टोर बिक्री पर भी जिरह की गई है और मैं यह नहीं मानता कि किसी प्रकार से वह प्रिज़्युडिम हुआ है। अतः जांच निष्कर्ष में मिस कण्डकर, स्थाई आदेशों को धारा 18(1), 18(8), 18(28) एवं 18(36) जो आरोपित किये हैं और इसमें दोषी पाया गया है उन निष्कर्ष में कोई हृष्टक्रिया किये जाने की आवश्यकता में नहीं पाता।

सजा के प्रश्न पर भैने गंभीरता से विचार किया। विद्वान अधिकरका ने जो विनिर्णय मेरे समक्ष प्रस्तुत किये हैं उनमें प्रतिपादित सिद्धान्त का लाभ में उन्हें मिल सकता हो यह नहीं मानता और इसका कारण यह है कि वहाँ दोषी कर्मचारी शराब के नशे में था और उसने अपने साथी कण्डकर के साथ स्फर्पों के लेनदेन पर मारपीट कर गंभीर घोटे कारित की थीं।

विद्वान अधिकरका प्रार्थी ने जो विनिर्णय प्रस्तुत किये हैं और जैसा कि हस्त धारा 11(ए) की व्याख्या में सिद्धान्त प्रतिपादित हुआ है, उनके तहत जस्टीस, फैयर एण्ड इक्वीटी

के तहत यह देखना अनिवार्य है कि आरोप को गंभीरता के अनुकूल दंडादेश पारित होना चाहिये। न यह अत्यल्प कठिन होना चाहिये न अनुशासनात्मक होना चाहिये। माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने ऊपर वर्णित विनिर्णयों में अपशब्द प्रयोग करने के नियमकण्डकर के प्रारोपों में सेवा मुक्ति के दंडादेश को अनुचित बताया है। और अन फैयर लेवर प्रैक्टिस व विकट-माईज़ेशन की मंजा दी गई है। प्रस्तुत प्रकरण में भी यह सिद्धान्त पृष्ठपेण प्रभावी माना जाता है क्योंकि जो आरोप दिनांक 31-3-90 और 21-5-90 को डिटी में अनाधिकृत अनुपस्थित होने वाला है उनके बारे में प्रथम तो प्रार्थी की ओर से अनुपस्थित रहने के कारणों में दर्शया गया है और उन कारणों को देखते हुवे सेवामुक्ति आदेश को आरपित आरोप की गंभीरता के अनुसार उचित नहीं माना जा सकता।

जहाँ तक श्री बी.के. गुप्ता के संबंध में अपशब्द कहना और प्रहार करने का आरोप है, उसकी साथ्य व जांच अधिकारी के निष्कर्ष से भी यह प्रतीत होता है कि श्री बी.के. गुप्ता एवं उसके परिवार को मारने की धमकी देने का कथन प्रत्रध माक्षण की ओर से सिद्ध नहीं कराया गया है। अतः जो भी वाका शेष रहता है वह प्लान्ट के अन्दर का ही है और अपशब्द जो प्रयोग किये उनका उल्लेख शिकायत पत्र में नहीं है, साथ ही जो चोटें आई हैं वह प्रार्थी के स्वारा श्री बी.के. गुप्ता की कलाई पकड़ने और उसमें घड़ी की पिन टूटने व चुम्बने से आई हैं अर्थात् प्रार्थी के द्वारा सीधे कोई पारपीट कर चोटें करिते नहीं की गई हैं। जहाँ तक श्री बी.के. गुप्ता को रुकाई पकड़ा गया है और उसका यह कृत्य दुर्योगण की परिभाषा में माना गया है अतः इस आरोप के लिये सीधे ही सेवामुक्ति का आदेश अमिक की आर्थिक हत्या करने के समान है। स्थाई आदेश के तहत भी अन्य दंड प्रावधान भी उपलब्ध हैं। सुधारागत्मक रखेंगा प्रबंधक के द्वारा अपनाने का प्रयास करना नहीं पाया जाता है। आरोपों की गंभीरता के अनुसार तुननात्मक दृष्टि में भी मैं सेवामुक्ति के आदेश को अत्याधिक कठोर एवं आंचित्यपूर्ण नहीं पाता हूँ। और अधिकरण के हस्तान्त्रों को आवश्यक मानता हूँ। अतः सेवामुक्ति के आदेश को अपास्त किया जाता है और दंडादेश में संशोधन किया जाकर प्रार्थी को भविष्य में दो वेतन वृद्धियाँ संचाइ प्रभाव से रोकी जाने का आदेश पारित किया जाता है। प्रार्थी को इन्स्टेट किया जाता है।

प्रार्थी को निलम्बित किये जाने के बाद से और सेवा-मुक्ति किये जाने के बाद से पुनः सेवा में लिये जाने की अवधि का पूरा वेतन नहीं दिलाया जाता है। चूंकि दूर्भाग्य-पूर्ण स्थिति के लिये अमिक स्वयं धोषी है और उसी के कृत्य से प्रबंधक व उसके मध्य बेड ब्लड विकसित हुआ है और उसके अभद्र व्यवहार एवं अनुशासनशील, असंतोषजनक आचरण व कृत्य को देखते हुवे मैं केवल 50 प्रतिशत बकाया वेतन दिलाया जाना उचित समझता हूँ। यह अवधि सेवा की निरस्तरता में आकी जायेगी और प्रकरण की परिस्थितियों में कोस्ट का कोई आवेदा नहीं दिया जाता है।

ग्रन्त: पंचाट सूचनार्थ सरकार को प्रेषित हो।  
 पंचाट आज दिनांक 12-7-94 को खुले न्यायालय में  
 लिखाया, जारी, सुनाया गया है।

ओ.पी. गुप्ता, न्यायाधीश

नई दिल्ली, 25 अगस्त, 1994

का.आ. 2420 : --ग्राहीयक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) के धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मैसर्स, जे.एफ कपड़िया एंड क. प्राइवेट लिमिटेड, बम्बई, के प्रबन्धनतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट ग्राहीयक विवाद में केन्द्रीय सरकार और्योगिक अधिकारण, न.-1, बम्बई के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 25-08-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-31012/1/90-आई आर (मिसलेनियस)]  
 बी.एम. डेविड, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th August, 1994

S.O. 2420.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby published the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Bombay, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. J. F. Kapadia and Co. Pvt. Ltd., Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on 25-8-1994.

[No. L-31012/1/90-IR (Misc.)]  
 B. M. DAVID, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, BOMBAY

#### PRESENT :

Shri Justice R. G. Sindhakar, Presiding Officer.  
 Reference No. CGIT-39 of 1990

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of M/s. J. F. Kapadia and Co. Pvt. Ltd., Bombay

AND

Their workmen.

#### APPEARANCES :

For the Management—Shri Sayyed, Advocate.  
 For the Workmen—Shri Patel, Advocate.

INDUSTRY : Port and Docks STATE : Maharashtra  
 Bombay, the 10th day of August, 1994

#### AWARD

Government of India, Ministry of Labour, New Delhi has by letter dated 31-5-1990, made under Section 10(1)(d) read with sub-section 2-A of the Industrial Disputes Act, 1947, following reference for adjudication.

"Whether the action of the management of M/s. J. F. Kapadia and Co. Pvt. Ltd., Bombay in dismissing Shri Parvez P. Dordi, Peon from the services of

the Company w.e.f. 7-12-1989 is justified? If not, to what relief is he entitled?"

2. Statement of claim has been filed on behalf of the workman by the Secretary, Transport and Dock Workers' Union, Bombay. The Charge levelled against the workman was that on 28th December, 1988 at about 3.00 p.m. Shri Bhaduri, Asstt. Manager, asked him to go to Hoechst India Ltd. at its factory office at Andheri to collect export documents, and he decline to do the said work. Another peon was thereafter sent to get the work done. It was alleged that he shouted arrogantly at that time.

3. An Enquiry Officer was therefore appointed and the workman was given adequate opportunity to defend himself and thereafter the Enquiry Officer found him guilty of the misconduct alleged and the Competent Authority passed the order of dismissal.

4. The contentions raised in the statement of claim are that the enquiry was vitiated on the grounds mentioned in para 7. It is further contended that the material placed before the Enquiry Officer was neither good nor sufficient to base the findings of guilt. It is also contended that the extreme penalty of dismissal was not warranted. Copy of the findings was not supplied to him and no show cause notice was given before punishment was imposed.

5. Management has filed written statement and therein it is in the first instance, contended that the reference was not maintainable both in law and on facts. It is further contended that a fair and a proper enquiry was held by an independent Enquiry Officer and he found him guilty of the charge levelled against him. The gravity and seriousness of the charge proved and his past record justifies, the penalty imposed.

6. The workman had though disputed the fairness of the enquiry he, on 2-1-1991, stated that he did not want to lead any oral evidence in support the preliminary issue about fairness of enquiry and stated that he will rely upon documentary evidence on record. Thereafter, on 19-9-1991, he stated that the preliminary issue about fairness of the enquiry was not pressed and the same be treated as not pressed. He further stated that he did not want to lead any oral evidence in support of the dispute. In view of this position an application dated 21-2-1991 filed on behalf of the management was disposed off by my Learned Predecessor. It is mentioned therein that the management wanted to examine the Enquiry Officer as a witness and he be summoned. The order came to be passed on this application and for the reasons stated therein the application came to be disposed off. It is therefore, evident that the challenge to the fairness of the enquiry was given up and it appears to have been conceded that the enquiry was fair. I also find from the papers of enquiry produced that the delinquent workman was given a chargesheet and adequate opportunity to defend himself at the enquiry. He was represented by a defence counsel of his choice and the defence counsel has taken pains to put up delinquent employee's case before the Enquiry Officer. In view of all this, I would say that the enquiry was fair and proper.

7. The learned counsel for the delinquent employee then submitted that the findings of the Enquiry Officer were not justified in view of the material on record. He also relied upon a Judgment of the Bombay High Court in the case between Bhavani Metal Works Vs. Pandurang R. Sawant and Others. Writ Petition No. 2749 of 1987, decided on November 23, 1990. Therein the Learned Judge found fault with the Labour Court for not raising proper issues and remanded the matter. The Learned Judge was of the view that the Tribunal is not merely entitled but is duty bound to examine the question as to whether the workman is guilty of misconduct imputed to him or not by reappraising the evidence which was before the Enquiry Officer and the evidence before it. In this view of the matter, the issue that should have been framed to cover this aspect of the matter was "Whether the finding of misconduct is justified by the evidence led during the course of the enquiry or came to be remanded for a finding on that issue. The same view is expressed in Judgment in another Writ Petition No.

1973 of 1987 with Writ Petition No. 972 of 1988, decided on the same day in the case between E. Merck (I) Ltd., Bombay Vs. V. N. Parulekar and Others, reported in 1991, II CLR, Page 73.

8. The submission therefore is that this Tribunal should reappraise the evidence and see whether the findings recorded by the Enquiry Officer are correct.

9. I find that the Enquiry Officer had before him, the evidence of M/s. Bhaduri, Sainathan, Suvarna. Mr. Bhaduri's evidence is directly on the point of refusal by Shri Dordi to carry out the work assigned to him and he stated that he declined to do the work on same pretext, after he had given him time for lunch and also permitted to hire autorickshaw from Andheri station to the factory and even after the manager directed him to carry out the work he put in an application for half day's leave and left office without waiting for the sanction of leave. It appears that the said evidence was corroborated by witnesses examined on behalf of the management. After the cross-examination of these witnesses and after the evidence of the delinquent was recorded, the Enquiry Officer accepted the management's case and concluded that the misconduct was proved. In my view, it is difficult to say that the findings of the Enquiry Officer are not justified on the material on record. The report of the Enquiry Officer clearly goes to show that he has considered all the aspects of the matter and thereafter concluded against the delinquent. It is stated that the witness Sainathan examined did not fully corroborate Bhaduri's evidence. I do not think the main case of the management that Shri Dordi, delinquent employee declined to carry out the order issued on that ground. The fact that the tone of Shri Dordi is generally high or that he did not use abusive words, did not use insolent word would not affect that main case for which he was chargesheeted. Even-though therefore, reappraisal of the evidence adduced on behalf of the management it is not possible for me to say that the charge levelled against him has not been established.

10. His appeal has also been considered by the management and the same has been rejected.

11. The point that has been urged then is that the punishment is rather harsh and this Tribunal should exercise its powers under Section 11(A). The management has considered the gravity of this offence and past record of the delinquent before imposing penalty. It appears that Shri Dordi is not having a satisfactory past record. The management adduced material in the enquiry proceedings and which was objected to on behalf of the delinquent to show that he had an unsatisfactory past record. Objection was overruled by the Enquiry Officer on the ground that rendered management's version on the present charge highly probable. It appears that members of the Transport and Dock Workers' Union have themselves complained about misbehaviour of Shri Dordi and that letter is dated 2-8-1988. Warning was given to him. It is against the background that the management had to consider the present misconduct with which he was charged before finding out appropriate punishment. This present act of misconduct as established on record consisted of the adamant attitude of the delinquent workman. It appears that his case was that since the time he arrived he was deputed to do work and continued to work till 3.10 p.m. He could not even have a lunch break and therefore when he was told to go to Andheri he could not carry out that assignment and promised to do it the next day before 10.30 a.m. His grievance was that it was also impossible to reach that place at Andheri before the closing hours of that Company and therefore, he pleaded with Mr. Bhaduri not to ask him to carry out this work on that day. There is dispute on the point as to what he had done during the early part of the day. It is not necessary to find out whether he did or he did not carry out all that he had said he did in the morning session. Fact remains when he was asked to go to Andheri he was not in a frame of mind to carry out that direction. He pleaded that he had not taken lunch and he was told that he can take lunch and then go and he contended that he would not reach before closing hours of that firm and Shri Bhaduri authorised him to go in autorickshaw from

Andheri Station. He was also told by Chief Executive Capt. Diwakar Prasad to whom the matter was referred to go and do the work and thereafter it appears by way pretext of not feeling well he made an application for half day's leave and went away. It is rather difficult to countenance such approach of an employee. If it was not possible for him to reach he could as well have gone on the direction of orders of his superiors. The management therefore, considering the past record thought it fit to impose extreme penalty of dismissal. The management has produced at Exh. M-18, letter dated 7-8-1987, which is a letter of apology of Shri Dordi, for the incident which took place on 26-7-1987. Exh. M-19, dated 1st October, 1987 was a result of an enquiry into the charge dated 4-7-1987 which makes a reference to this letter of apology dated 7-8-1987 and says that he was given a warning that incidents of misconduct should not be repeated. Letter dated 2-8-1988, Exh. M-20, his application to the Chairman by the Staff Members, copy of which is also forwarded to the Secretary, Transport and Dock Workers' Union and it is evident from the letter addressed to Shri Dordi by the Chief Executive on 6-10-1988 that he was warned. In respect of the letter dated 2-8-1988 from the members of the staff who also were the members of the same union that has espoused the cause of Shri Dordi. In my view it is rather difficult to say that the order of dismissal is not justified and to interfere with the same, I may mention here that on behalf of the delinquent workman a decision in the case between Kashinath Laxman Gawali Datta Prasad Vs. The General Manager Hindustan Aeronautics Ltd. and others, reported in 1991, II CLR 228 is referred to and relied upon. Therein it appears that the misconduct consisted of absenting from duty inspite of leave sought being refused. It was held to be a minor or technical misconduct and punishment of dismissal was held shockingly disproportionate. It is found from the Judgment that the past leave record of the petitioner was not "so bad" that he should have been visited extreme penalty of dismissal from the service. The facts found show that he had to remain absent from duty mainly due to his illness and found that he had reasons to be away from duty. The facts in the instant case before me are distinct as would be clear from what has been stated above.

Action is dismissal is justified and workman is not entitled any relief.

Award accordingly.

R. G. SINDHAKAR, Presiding Officer

नई दिल्ली, 25 अगस्त, 1994

का.आ. 2421—श्रीद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947  
(1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भैससं सिमकन मविसेस प्राइवेट लिमिटेड, बम्बई के प्रबन्धतंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट श्रीद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रीद्योगिक अधिकरण, नं.-1, बम्बई के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 25-08-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-31011/7/89-आईआर (मिसलेनियस)]

बी.एम. डेविड, इंस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th August, 1994

S.O. 2421.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby published the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Bombay, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. Seascan Services Pvt. Ltd. Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on 25-8-1994.

[No. L-31011/7/89-TR (M'sc.)]

B. M. DAVID, Desk Officer

## ANNEXURE

## BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO.1, BOMBAY

## PRESENT :

Shri Justice R. G. Sindhakar, Presiding Officer.

Reference No. CGIT-25 of 1989

## PARTIES :

Employers in relation to the management of M/s. Seascan Services Pvt. Ltd., Bombay

AND

Their Workmen.

## APPEARANCES :

For the Management—Shri K. M. Naik.

For the Workman—Shri Jayaprakash Sawant.

INDUSTRY : Ports and Docks STATE : Maharashtra

Bombay, the 12th day of August, 1994

## AWARD

The following reference made under Section 10(1)(d), read with sub-section 2-A of the Industrial Disputes Act, 1947, by Government of India, Ministry of Labour, by letter dated 28-6-1989.

"Whether the action of the management of M/s. Seascan Services Pvt. Ltd., Bombay, in terminating the services of S/Shri Hiralal M. Dhale, Harishchandra S. Yadav and Dilip Gaikwad, w.e.f. 14-9-1987, 28-9-1987 and 20-9-1987 respectively, is legal and justified ? If not, what relief are these workmen entitled to ?"

2. They were working in the capacity of Tally Clerks for the employer w.e.f. 1-9-1985, 12-4-1986 and 20-3-1986 respectively. They were in continuous employment. However, they were refused employment from 14-9-1987, 28-9-1987 and 20-9-1987 respectively without assigning reasons and without complying with legal provisions. This, states the Union, was illegal and unjustified. This action of the management is capricious, arbitrary and vindictive. It is void ab-initio. Therefore, they wanted reinstatement with back wages, consequential benefits and compensation.

3. Written statement has been filed. It is first contended that the State Government is the appropriate Government and not the Central Government and therefore the reference is not maintainable. It is then contended that the company is engaged in the profession as Surveyors, Superintendents, Samplers and Analysts, Marine and Technical Consultants and predominantly the Company renders services to its clients when so requisitioned. It is further contended that casual staff is engaged and it is paid daily wages for the number of days employed. The staff reports to the office of the Company and enquires if there is any work available for them. It is further contended that the present employees about whom grievance is made did not report for work and therefore not employed and it was not true to say that their services were terminated. In fact the dates of alleged termination are disputed because it is contended that they had worked for some days in October also.

4. Affidavits have been filed and those who filed affidavits have been cross examined.

5. First contention is that the Central Government is not an appropriate Government to make a reference and therefore, this reference is incompetent and liable to reject on that ground. It is submitted that a reference bearing No. 1/57 of 1987 has been disposed of by this Tribunal (by

Mr. Justice Khatri) by award dated 1st May 1991. There the parties were same as are in the present dispute. The Tribunal has accepted the contention of the management that Central Government is not the appropriate Government. It is between the same parties and therefore, the contention is that it is no longer open to the employees to contend not for this Tribunal to hold that Central Government is not the appropriate Government. I find that a copy of the award passed on 1-5-1991 in reference No. 1/57 of 1987 is produced on record and it does show that the Learned Presiding Officer found that the Company's objection had sound foundation in fact and the industrial dispute cannot be said to be one concerning a Major Port, it would fall under Section 2-A of the Act and therefore, the State Government was the appropriate Government and the Central Government had no power and jurisdiction to make a reference. So holding the Learned Presiding Officer rejected in limine as incompetent that reference leaving parties to bear their costs. In this position I find that the present reference bearing No. CGIT-25 of 1989 will have to be also held as incompetent since the same has been made by the Central Government.

6. Inspite of this I would deal with the case of the workman on merits to complete the record.

7. In the statement of claim filed by the Union, it states that they worked till 14-9-1987, 28-9-1987 and 20-9-1987 from 1-9-1985, 12-4-1986 and 20-3-1986. It is on the days they ceased to work they were refused employment by the employer without assigning valid reason and without complying with legal provisions. It appears that the contention is that the provisions of Section 25-F of the Industrial Disputes Act have not been complied with.

8. The management has contended that the Company engaged them as casual employees and they used to come and enquiry everyday as to whether there was work for them and were employed as and when work was available. It is also contended that their services were not terminated but it is they who stopped coming for work. In this connection there is oral evidence adduced in the form of affidavits on either side and the affiants have been cross examined. The workman did state in their affidavits that they were refused work on the respective dates mentioned in the statement of claim. Shri Yadav states that he was refused work by the employer from 28-9-1987. In the course of his cross-examination he admitted that he is in the employment of Erickson and Richards that is for about 1 1/2-2 years and their he is doing the work of tallying the Cargo. He also, goes everyday to see if the work is available and if it is available gets it. He admits that Seascan Services Pvt. Ltd. is doing similar type of business as is done by Erickson and Richards. He used to go to Seascan Services everyday and asked for work. The management's suggestion was he voluntarily ceased to work and placed reliance upon the register for payment to show that this workmen worked even in October 1987 and his case that he was declined work on 28-9-1987 was totally false. The witness has admitted his signature in the cross-examination on Exh. M-7. That shows he has been paid for wages in the month of October 1987. It appears that in October 1987 he applied for a job on Erickson and Richards and having got that job started working with them. There is a letter on record from Erickson and Richards showing that he had applied for job on 13-10-1987 and was employed with effect from 1-11-1987. That letter is dated 29-7-1988 at serial No. 4 with list dated 9-11-1990. In my opinion therefore, the contention that he was refused work when he went on 28-9-1987 is not borne out by the material on record and on the contrary there is material to show that he was given work even in October 1987.

9. The case of Shri Dilip Gaikwad is similar to that of Yadav and he also has worked as can be seen from Exh. M-7 in October 1987. In his letter addressed to the management in 9-11-1987 he states that his Dock Entry Pass was taken away on 8th October 1987 and refused employment without assigning valid reasons. That means he was in the employment even after 20-9-1987 and was paid for the work again in October 1987. He has also admitted that he required to go everyday for enquiry if work was available and was getting work whenever it was available. The position of Shri Dhale

is not different. He says he was refused employment on 14-9-1987. He has been paid for work done in October, 1987 as can be seen from Exh. M-7.

10. Shri Wagle has filed his affidavit on behalf of the management and he stated that these workmen have worked in October 1987 and supported his evidence by the documents. He was cross-examined on behalf of the union. However, I do not find that any material has been elicited justifying rejection of his evidence. Considered from any angle it appears to me that the case that their services were terminated on the dates mentioned in the schedule to the reference is not born out by the record and it appears to me that they were casual employees and were engaged on work as and when the work was available and not given work if it was not available. The management employed them even in October 1987 subsequent to the dates of alleged termination. One of them is found to have applied for employment in October 1987 and employed with effect from 1-11-1987. The evidence that they stopped coming for work in 1987 appears to be probable in the circumstances. I therefore, find that even on merits the workmen did not have a case. In the circumstances, award accordingly made.

R. G. SINDHAKAR, Presiding Officer

नई दिल्ली, 25 अगस्त, 1994

का.आ. 2422 —श्रीयोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरन में, केन्द्रीय सरकार म/स डि.बि.सि. एड सम्ब (गज) प्राईवेट लिमिटेड, बम्बे के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच प्रनवंध में निर्दिष्ट श्रीयोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रीयोगिक अधिकरण, नं.-1, बम्बे, के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 25-08-94 को प्राप्त हुआ था।

[संखा एल-31012/4/89-प्राई आर (मिसनेनियम)]

धी.एम. डेविड, ईम्फ अधिकारी

New Delhi, the 25th August, 1994

S.O. —In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby published the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Bombay, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. D.B.C. & Sons (Guj) Pvt. Ltd., Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on 25-8-1994.

[No. L-31012/4/89-IR(Misc.)]

B. M. DAVID, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUAL NO. I, Bombay

#### PRESENT :

Shri Justice R G. Sindhakar, Presiding Officer.

Reference No. CGIT-31 of 1989

#### PARTIES:

Employers in relation to the management of M/s. Darabshawa B. Cursetjee's Sons (Gujarat) Pvt. Ltd. Bombay.

AND  
Their workmen.

#### APPEARANCES :

For the Management : Shri Patel, Advocate

For the Workmen : Shri Wagh, Advocate.

INDUSTRY : Ports & Docks

STATE : Maharashtra

Bombay, dated the 9th day of August, 1994

#### AWARD

Government of India, Ministry of Labour, New Delhi, by letter dated 26-7-1989, made following reference under section 10(1)(d) read with subsection 2A of the Industrial Disputes Act, 1947, for adjudication.

"Whether the action of the management of M/s. Darabshawa B. Cursetjee's Sons (Gujarat) Pvt. Ltd., Bombay in terminating the services of Shri K. V. Thakkar, Accounts Assistant w.c.f. February, 1988 is justified? If not, what relief is the said workman entitled to?"

2. Shri Thakkar was working as an Accounts Assistant, in the employer's Company hereinafter referred to as D.B.C.) from 10-2-1987. On 26-2-1988, his services came to be terminated and about this termination of his services Shri Thakkar made a grievance resulting in the present reference.

3. According to him he worked right from 10-2-1987 to 26-2-1988, that is for more than a year. By letter dated 23-2-1988 he was offered a permanent appointment on the terms and conditions mentioned therein. That appointment was of Accounts Executive. The letter dated 23-2-1988 was followed by another letter dated 26-2-1988 which put an end to services and according to the workman it was done without following due process of law. He states that this termination was on the ground that he declined to accept the higher post offered to him and that was not true.

4. The management has admitted that he was appointed on 10-2-1987, but it is the case of the management that it was a temporary appointment and it was continued at the instance of Shri Thakkar for a further period by letter dated 10-10-1987. It is on 23-2-1988 that he was offered a post on higher salary and which was of Accounts Executive but he declined to accept the same. The management did not have the post of Accounts Assistant on which he could have been continued and therefore, his services were terminated. The contention of the management is that the termination cannot be ruled as illegal and unjustified the workman is not entitled any relief.

5. There is no dispute on the point that he was appointed as an Accounts Assistant on 10-2-1987. The said letter is not on record but reference to that has been made in the letter dated 10-10-1987. That mentions that his services have been continued for a period of 6 months. It appears that on 6th October, 1987 workman had made a request for confirming him. Pursuant to that request he was given extension. While continuing as an Accounts Assistant he receives a letter dated 23-2-1988 informing that the management was pleased to appoint him as an Accounts Executive. In the Company with effect from 1-2-1988 at Head Office in Bombay on the terms and conditions mentioned therein. The salary offered was Rs. 1,200 and conveyance allowance of Rs. 200 in addition per month. He was also informed that his services were liable to be transferred any of the branch offices of the Company existing or which may be opened in future. The workman was informed on 26-2-1988 that since he did not agree to accept the appointment his services are terminated. The grievance of the workman is that he was considering offer made on 23-2-1988 and that was necessary because there was in fact no monetary benefit given and he was liable to be transferred in future. He says in his affidavit that it was necessary to give a thought to this aspect and consult members of his family. Without waiting for his reaction the management thought it fit to write to him a letter dated 26-2-1988. In fact it is evident from

the letter that it was ready on 23-2-1988 as can be seen from the typed date. He denied that he refused to accept Company's offer either orally or in writing. The witness examined on behalf of the management Mr. P. J. Dubash, a director of the Company, says that the workman raised apprehension that it deprived him of many legitimate benefits and rights like overtime, trade union membership, various allowances and other benefits to which other employees of his status as an Accounts Assistant would be entitled. I do not think here would be anything wrong if the arised certain apprehensions. His contention that he wanted some time to give a thought to this offer, in my opinion appears to be true and also justified. But the management's reaction was to terminate his services mentioning that he has not accepted that letter of appointment and orally declined to accept the same and therefore, noted that he was no longer interested in the employment and therefore, the same was withdrawn. It may be that the management may be right in coming to that conclusion and withdrawing that offer. However, the further part of the letter says that he was no longer interested in the job he should collect his dues immediately as he ceased to be in their temporary employment it is difficult to see how to management came to that conclusion. Besides in the evidence a different case has been made out. It is stated that work of Accounts Assistant was no longer required, but because of his entreaties and compassionate grounds, he was offered a position of Accounts Executive as the said post was available. This case was not made out and it is difficult to accept this particular version also. The management has produced a letter addressed to one Mr. Utgikar on 1-10-1987. By this letter, Utgikar was appointed as Accounts Assistant in the Company on probation for a period of 6 months extendable up to one year. He was told that he will be confirmed if his work was found satisfactory. He was confirmed in permanent cadre. It is thereafter, on 6-10-1987 that Shri Thakkar has requested for confirmation. It appears to have been done probably because of his appointment of Shri Utgikar as an Accounts Assistant. Therefore, the management did visualise availability of permanent post in which it was prepared to fit in Shri Utgikar a freshly appointed candidate as an Accounts Assistant. In the circumstances, contention that there was no work available and no post available in which Shri Thakkar could have been continued as an Accounts Assistant is devoid of substance. After receiving a letter dated 10-10-87, he was continued for a period of 6 months. That period ended on 10-4-1988. From this also it could be inferred that there was a post available, work available for an Accounts Assistant till 10-4-1988. In the circumstances, the justification that is now sought to be given at the stage of evidence that there was no post available or no work available and therefore, he was discontinued is also without substance, apart from the fact that reasons assigned in the letter dated 26-2-1988 is that Shri Thakkar was no longer interested in the job and therefore, he ceased to be in the employment of the Company. It is also to be noted that Shri Utgikar was by letter dated 17-6-1988 appointed as an Accounts Executive with effect from 1-1-1988. As stated earlier, Shri Utgikar was appointed Accounts Assistant on 1-10-1987. He was therefore available for appointment as an Accounts Executive to be filled in and therefore, given that offer to Shri Utgikar to be filled in and therefore, given that offer to Shri Thakkar on 23-2-1988. Be that as it may, I do not find that the case made out by the management for terminating the services of Shri Thakkar on the ground that he was no longer interested in the job is not correct. The case now made in the evidence that there was no work available for an Accounts Assistant is also not satisfactory established. It appears that the work that was done by the Accounts Assistant and Accounts Executive is not different. In the course of cross-examination Shri Dubash admits that as an Accounts Assistant his duty was to prepare vouchers, maintain cash book and ledger and he further stated that Accounts Executive helps in maintaining cash book and ledger and also looks to the queries of the audits. Even if that be not so, I am unable to agree with the submissions made on behalf of the management that the management was justified in issuing letter dated 26-2-1988 and in terminating the services of the employee, Shri Thakkar. He is also entitled to full back wages with reinstatement. Reference answered and award accordingly.

R. G. SINDHAKAR, Presiding Officer

नई दिल्ली, 25 अगस्त 1994

का.आ. 2423.—**श्रीयोगिक विवाद अधिनियम, 1947** (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भ/स, तुलसिदाश खिमजि प्राइवेट लिमिटेड, बम्बे, के प्रबन्धताल के सबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट श्रीयोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रीयोगिक अधिकरण, नं.-1, बम्बे के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 25-8-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-31012/26/90-आईआर (विविध)]

बी.एम. डेविड, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th August, 1994

S.O. 2423.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Bombay as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. Tulsidas Khimji Pvt. Ltd., Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on 25-08-1994.

[No. L-31012/26//90-IR(Misc.)]

B. M. DAVID, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I AT BOMBAY

#### PRESENT :

Shri Justice R. G. Sindhakar, Presiding Officer.

Reference No. CGIT-73 of 1990

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of M/s. Tulsidas Khimji Pvt. Ltd., Bombay.

#### AND

Their Workmen.

#### APPEARANCES :

For the Management : Shri Ramrakhaini, Advocate.

For the Workman : Shri Wagh, Advocate.

INDUSTRY : Ports & Docks. STATE : Maharashtra.

Bombay, dated the 1st day of August, 1994

#### AWARD

Shri Chimanlal H. Shah, hereinafter referred to as a workman was in the employment of M/s. Tulsidas Khimji Pvt. Ltd., Bombay, as a Senior Clerk for about 18 years. His services were terminated with effect from 7-2-1990 by order dated 7-2-1990. The workman states in his statement of claim that he was charged by letter dated 10-7-1989 for late reporting for duty during the month of October 1988 to June, 1989, which according to the Company amounted to a serious misconduct. He submitted his reply dated 13-7-1989, stating that, since he stayed at Borivali, a distant suburb of Bombay and his residence is away from Borivali Station from where he had to travel Bus to reach Borivali Railway Station and because of the non-punctual Bus service, and also irregular Local Train service, in spite of his efforts to reach office in-time, he sometimes reached late. He further stated that he was allergic to dust and got asthma attacks which some time resulted in late attendance. He therefore requested that he be transferred to Head Office of the

Company which was situated at Veer Nariman Road, Fort, Bombay, or at Andheri Office, which is situated on Sahar Road, Andheri (East), Bombay. This request for transfer was made because the godown of the Company where he was posted was at Carnac Bunder, Bombay. For reaching this place from Borivali he had to travel upto Dadar from Borivali by Western Railways and then change at Dadar to Central Railway for reaching the nearest Railway Station that is Masjid Bunder. As a result lot of time was required and lot of physical stamina involved for reaching his place of work. As against this for reaching Head Office or Andheri he could travel by Western Railway from Borivali to Churchgate and also to Andheri his place of work. For reaching Andheri he required only 20 minutes by local train. It is because of all this that he was unable to maintain time schedule of attendance and therefore, resulted in late attendance some times and hence request for transfer was made by him. The contention is that management however, did not accept his request and instead initiated domestic enquiry by appointing Shri Viren N. Bhatia, one of the Directors of the Company. Workman participated in the enquiry with his representative but he was held guilty of misconduct of coming late habitually.

2. A show cause notice was given after the receipt of the report of the Enquiry Officer and it was stated therein that the punishment warranted was of dismissal from service with immediate effect and the workman was called upon to show cause against that proposed penalty. His reply stating that the punishment proposed was harsh and that his conduct did not amount to major misconduct and that if imposed it will cause hardship to his entire family he prayed for lesser punishment. However, dismissal order was passed.

3. The workman, thereafter approached the union and the Union in turn approached the Asstt. Labour Commissioner, (Central), demanding reinstatement in service with full back wages and continuity of service. Failure report was sent to the Government of India, after conciliation failed.

4. Reference as mentioned in the schedule below has been made by the Government of India, Ministry of Labour, New Delhi by letter dated 28.9.1990.

#### SCHEDULE

"Whether the action of the management of M/s. Tulsidas Khimji Pvt. Ltd., Bombay in dismissing Shri Chimansal H. Shah, Clerk from service w.e.f. 7-3-90 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

5. It has to be stated that workman conceded that the enquiry conducted was fair. The workman contended that the Enquiry Officer has failed to appreciate the evidence regarding the irregular running of local trains occasionally and the asthmatic condition of the workman which are the two main reasons for late attendance. The witness of the Company had stated that late attendance for three times is exempted, normally 15 to 20 minutes of grace period is fixed for attending duty. That is because of the conditions prevailing in big cities like Bombay. Dependability on public transport system, which is occasionally irregular. He contended that he had told the management that his late attendance was because of transport difficulties. The Company failed to produce evidence to show that it was not true nor produced any Standing Orders applicable to the workman. His conduct does not come within the mischief of 'misconduct'. His past record was not the issue raised in the chargesheet, was also not produced in the enquiry. The misconduct was not grave enough to attract this penalty nor has been so stated to be grave in the Standing Orders or in rules governing the conduct of the employees. He therefore, prays that he should be reinstated with back wages.

6. He has further stated that he had put in more than 18 years of service, was about 50 years of age. He admitted that he was late in attendance some time. The charge was not of dishonesty fraud or incompetency. Difficulties in getting a job at this age was not considered. He mentions that if the Company gives him an opportunity to work in its Head Office or at Andheri he will be able to attend duty

in time. Besides, he states that it would be a penalty imposed upon his family also.

7. Written statement is filed on behalf of the management and the preliminary contention raised is that the Central Government was not appropriate Government to make present reference and it was the State Government which was competent to make reference. It is further contended that the workman was guilty of habitual late attendance and the details are given. The contention is that this was not the only period during which he attended late but he had done so in the past and for which he was also punished. Besides, it is stated that he was held guilty of other acts of misconduct, negligence in work, wasting time in reading newspaper during working hours and using Company's typewriter for doing private work. It is because of his past conduct details of which are given in the written statement that the Competent Authority found it necessary to inflict the penalty.

8. It is further stated that he admitted that he attended his place of work late but tried to justify the same on certain ground which was not found satisfactory by the management and, on receipt of the Enquiry Officer's report he was given show cause notice, why order of dismissal from services be not passed and after considering his reply which was unconvincing penalty was imposed. He was sent his dues which he did not accept. It is then contended the order does not call for interference and deserves to be upheld.

9. So far as his contention that it is not a case of major misconduct, the management contends that it is one under the Model Standing Orders and that deserved the penalty of dismissal. It is also in the alternative submitted that even otherwise habitual late attendance has been noticed in the case of workman and it would amount to a major misconduct.

10. The management has produced documents in support of its version. Following Issues have been framed on the contentions raised and they are set out below together with my findings :

ISSUES	FINDINGS
1. Whether the present reference is incompetent since it is not made by the appropriate Government?	No.
2. Whether the Enquiry Officer's findings with regard to the late attendance—perverse?	No.
3. Whether this a misconduct?	Yes.
4. Whether the penalty is disproportionate?	No
5. What relief?	No relief.

The first contention raised is that the Central Government is not the appropriate Government and therefore, the reference is not maintainable as it has been made by the Central Government. Mr. Wagh appearing on behalf of the workman, relied upon the decision between Tulsidas Khimji (which is present employer in the case before me) and Jeejabhay reported in 1961, I LLJ. page 42. There in that case the High Court of Bombay rejected the same contention of the management of Tulsidas Khimji. It has been held therein that Central Government was the appropriate Government in related dispute connected with retrenchment in the present case. The retrenchment was from the Godown Department and from the clearing and shipping department. It is not necessary, therefore, to deal with the said contention and I answer Issue No. 1 against the management.

11. The second point that has been raised is that the Enquiry Officer's findings with regard to late attendance are perverse. I am unable to accept this contention. I must mention at this stage that it is admitted in the statement of claim (para 9) by the workman that the enquiry conducted was fair. The Enquiry Officer had before him not only the admission of the workman that he attended late as alleged

by the management but he had before him the evidence adduced on behalf of the management. Mr. Bhat working in the Establishment Section, stated that he was maintaining the records and muster in the Establishment Section and explained the procedure adopted in the case of person coming late on more than three occasions in a month. According to him, that person got warning latter for the particular month. He further stated that the delinquent workman was coming late on more than three occasions in a month and this continued for several years. He produced several warning letters from April 1980 to June, 1989, out of which the Enquiry Officer exhibited four letters. He further stated that there are other employees of the Company who were residing at Borivali as well as beyond Borivali and yet come on scheduled time. He was given an opportunity to cross-examine Mr. Bhat and I do not think material has been elicited to look upon the evidence of Mr. Bhat with distrust. He himself has been residing at Kandivali and travelled by Western Railway to come to his place of work. He was not aware of any agitation of Motormen of Western Railway during the months from October 1988 to January 1989. It is in his further submission that he tried to assign reasons for his late attendance and circuitous route and the long time that was required to travel before he could come to his office at Carnac Bunder. He also stated that he is suffering from asthma and because of dust he gets his asthma aggravated. Lastly, however, he stated that he was sorry for the late attendance and assured that he will be punctual in future and requested for lenient view. He was also asked questions and the answers given do not help him much. In fact, I therefore, find that the findings recorded by the Enquiry Officer on the basis of the material are thoroughly justified and could not be styled as perverse.

12. The learned counsel for the workman submitted that in view of the peculiar features the management ought not to have taken this step of holding Departmental Enquiry and punishing him and submission is that workman's request for transfer to Head Office or Andheri ought to have been granted. It is difficult to accept this submissions. Exigencies may require a particular employee to be at a particular place and it will be difficult to maintain the functioning of the work demand of the workman is required to be accepted. Other employees have been managing attendance in office in time and difficulties that are encountered by the workman do not appear to have been experienced by other employees or appear to have been overcome. One has to remember that this was not the first lapse on the part of the delinquent workman. He was required to be dealt with in the past and the Competent Authority had taken into account not only gravity of this lapse but also the past record and I do not think one could say that the step was unjustified in the given circumstances. Findings therefore, on issue No. 2 is recorded accordingly.

13. It was then contended that this is not a misconduct envisaged by service conditions. I may make a reference to Industrial Employment (Standing Orders) Act, 1946, Schedule I, Clause 14, which says that if a workman is found to be guilty of misconduct he can be dismissed and in sub clause 3 at (f) habitual late attendance is mentioned as one of the misconducts for which penalty of dismissal could be given. It is therefore, futile to contend that it is not a case of misconduct. Even otherwise as has been rightly contended by management late attendance as evidenced by the record could hardly be said to be not a case of misconduct. Finding on Issue No. 3 is accordingly recorded.

14. Point that then arises is whether the penalty is harsh or disproportionate. The penalty is within the discretion of the management. It has to be no doubt proportionate to the gravity of the charge and also in keeping with past record of the delinquent. Here, in this case before me, I find that the management noted that he attended late between October 1988 to June 1989 on several occasions. It is for this reason that he was given chargesheet dated July 10, 1989 mentioning the number of occasions he remained attended late in the months of October 1988, November, 1988 December 1988, and thereafter January to June, 1989. He did not dispute the fact of late attendance in his explanation dated 13-7-1989 but tried to explain the circumstances

under which he attended office late. He requested management to consider his case on humanitarian grounds. He also requested the management to transfer him to Head Office or Andheri Office. Now management has also produced warning issued to him from time to time for attending late and they are to be found in the papers produced on behalf of the management and which are not disputed. The Competent Authority, therefore, thought it fit to impose penalty of dismissal and had given him, show cause notice which was replied by the delinquent on 18-1-1990 which is produced and he did not therein dispute the findings of the Enquiry Committee but pleaded for leniency on the ground that it was a case of minor misconduct. The Competent Authority did not agree with this request of the delinquent and referred to his past record ranging from 1979 till then and thought it fit to impose the penalty of dismissal. I am unable to agree with the submission that the penalty is disproportionate. I therefore, find Issue No. 4 accordingly.

15. I in the end find that the order of dismissal cannot be faulted and the reference will have to be therefore, rejected by holding that the penalty is not shown to be unjustified. Award accordingly.

R. G. SINDHAKAR, Presiding Officer

नई दिल्ली, 26 अगस्त, 1994

का.आ. 2424.—बौद्धिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) को धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मै. भारत कोकिंग कॉल लि. की सालनपुर कोलियरी के प्रबन्धनात्म के संवेद्ध तियोजका और उनके कर्मकारों के बीच अनवधि में निर्दिष्ट बौद्धिक विवाद में केन्द्रीय सरकार बौद्धिक अधिकरण, (सं. 1) धनबाद के पंचपट को प्रकाशित करतो है, जो केन्द्रीय सरकार को 17-8-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एन-20025(10)/92-आई.आर. (कोक-1)]

मी. गंगाधरन, डैम्स अधिकारी

New Delhi, the 26th August, 1994

S.O. 2424.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 1) Dhanbad as shown in the Annexure in the Industrial Disputes between the employees in relation to the management of Salanpur Colliery of M/s. B.C.C. Ltd., and their workmen, which was received by the Central Government on 17-8-94.

[No. L-20025/10/92.IR(Coal-J)]  
C. GANGADHARAN, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d)  
(2-A) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 36 of 1992

#### PARTIES :

Employers in relation to the Management of  
Salanpur Colliery of Katras Area No. IV  
of M/s. B.C.C. Ltd.

AND

## Their Workmen

## PRESENT :

Shri P. K. Sinha, Presiding Officer.

## APPEARANCES :

For the Employers : Shri B. Joshi, Advocate.

For the Workmen : None.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal.

Dated, the 25th July, 1994

## AWARD

By Order No. L-20025(10)92-IR(Coal-I) dated, the 22nd April, 1992, the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2-A) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the demand of Bihar Colliery Mazdoor Sabha for employment of the widow of late Shibli Kamar, Ex-Fitter of Salanpur Colliery is justified? If so, to what relief is the widow entitled?"

2. In this case the sponsoring Union has not been appearing since 12-4-1993. Earlier its lawyer was Shri J. B. Lall, Advocate who has, reportedly, expired.

3. Then by order dated 4-2-1994, a registered notice was issued to the sponsoring Union on 16-2-94 for appearance on 11-4-1994. On that date also none appeared. Then a chance was again given, but none appeared even on 5-7-1994.

4. It appears that the sponsoring Union has lost interest in the case or that now it has no dispute to get adjudicated. In the circumstances I am constrained to render a "no dispute" award.

5. Therefore, a "no dispute" award is rendered in the present case.

P. K. SINHA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 26 अगस्त, 1994

का. ग्रा. 2425.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) को धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मै. भारत कोकिंग कोल लि. की पाथड़ीह कोलियरी के प्रबन्धतान्त्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय मंत्रालय औद्योगिक अधिकारण, (मं. 1) धनबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय मंत्रालय को 17-8-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एन-20012(64)/88 डी 4(ए)/प्राई.आर (कॉल-I)]

सौ. गंगाधरन, ईस्क अधिकारी

New Delhi, the 26th August, 1994

S.O. 2525.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal Dhanbad (No. 1) as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employees in relation to the management of Patherdih Colliery of M/s. B.C.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 17-8-94.

[No. L-20012/64/88.D.IV(A)|IR(COAL-I)]  
C. GANGADHARAN, Desk Officer

## ANNEXURE

## BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 34 of 1992

## PARTIES :

Employers in relation to the management of Patherdih Colliery of M/s. B.C.C. Ltd.

AND

Their Workmen

## PRESENT :

Shri P. K. Sinha, Presiding Officer.

## APPEARANCES :

For the Employers : Shri B. Joshi, Advocate.

For the Workmen : Shri B. N. Singh, Secretary, Rashtriya Mazdoor Sangh.

STATE : Bihar

INDUSTRIAL : Coal.

Dated, the 8th August, 1994

## AWARD

By Order No. L-20012/64/88.D. IV(A)|R.R. (Coal-I) dated 21-4-92, the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2-A) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the action of the management of Patherdih Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. in not correcting the date of birth of Shri Hare Krishna Pandey, Weigh Bridge Clerk as 19-10-1937 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. The order of the reference was received in this Tribunal on 4-5-92. Thereafter notices were issued to the parties. Subsequently both the parties filed their respective written statements. The management also filed some items of documents. Thereafter the case was fixed for hearing. Subsequently Sri B. N. Singh, authorised representative of the Union, appeared on 4-8-94 and submitted that the concerned workman had expired.

In this regard the photo copy of death certificate and the affidavit by the widow have been filed. Sri Singh submitted in view of the death of the concerned workman there remained no dispute. Both the sides agreed that under the circumstances a "no dispute" award may be rendered in this case.

3. Therefore, I render a "No Dispute" Award in the present reference.

P. K. SINHA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 26 अगस्त, 1994

का.श्रा. 2426.—आंधोरिंग क विवाद प्राधिनियम, 1947 (1947 का 14) को शारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मै. सेन्ट्रल कोल लि की स्वांग वाकारी के प्रबन्धनमें के संपद नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में विदिष्ट आंधोरिंग विवाद गे केन्द्रीय सरकार और्योगिक प्रविकरण (सं. 1) धनवाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 17-8-94 को प्राप्त हुआ था।

[मंस्ता एन-20012(85)/90 आई.आर. (कोल I)]

सौ. गंगाधरन, डेक अधिकारी

New Delhi, the 26th August, 1994

S.O. 2426.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, (No. 1) Dhanbad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Swang Washery of M/s. Central Coalfields Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 17-8-94.

[No. L-20012(85)/90-IR(COAL-I)]

C. GANGADHARAN, Deck Officer

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD

In the matter of an application under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 187 of 1990

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of Sawang Washery of C.C. Ltd.

AND

Their Workmen

#### PRESENT :

Shri P. K. Sinha, Presiding Officer.

#### APPEARANCES :

For the Employers : Shri R. S. Murthy, Advocate.

For the Workmen : Shri J. P. Singh, Advocate

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dated, the 25th July, 1994

#### AWARD

By Order No. L-20012(85)/90-I. R. (Coal-I) dated, the 20th August, 1990, the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2-A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the action of the management of Swang Washery of C.C. Ltd., P.O. Sawang, Dist. Giridih by dismissing from service of Shri Rajnandan Singh LDC and not making payment of his wages to be paid for the month of August '88 & onwards is legal and justified ? If not, to what relief the workman concerned is entitled?"

It will appear that on behalf of the management an application dated 12-7-1991 was filed praying therein to render a "no dispute" award since the punishment of dismissal was withdrawn by the management and the concerned workman was reinstated in service after giving him some minor punishment, i.e., demotion in rank, in which post the workman had already joined. On 30-6-94 when the matter was taken up for hearing this petition filed before my learned predecessor was pointed out. At this Sri J. P. Singh, Advocate, representing the workman submitted that his apprehension was that once a "no dispute" award was passed, the management might cancel its order of withdrawal of dismissal. Sri R. C. Murthy, learned Advocate for the management at this assured on behalf of the management that there was no question of enforcing the order of dismissal which was already withdrawn. At such assurance Sri Singh submitted that then the sponsoring Union had no dispute with the management and a "no dispute" award may be rendered.

3. Under this circumstances I hereby render "no dispute" award.

P. K. SINHA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 30 अगस्त, 1994

का.श्रा. 2427.—जबकि दिल्ली परिवहन निगम जो, केन्द्रीय सरकार का एक उपक्रम है, ने उगदान संदाय अधिनियम, 1972 (1972 का 39) (जिसे इसके पश्चात् उन अधिनियम कहा जाएगा) की धारा 5 की उप-धारा (2) के अंतर्गत छूट दिये जाने हेतु आवेदन किया है;

और जबकि केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के अंतर्गत दिल्ली परिवहन निगम के नियमित कर्मचारियों को देय उगदान के लाभ, उक्त अधिनियम के अंतर्गत प्राप्त लाभ से कम लाभकारी नहीं हैं;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 5 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त प्रतिष्ठान के उन नियमित कर्मचारियों को उक्त अधिनियम के उपर्योग के प्रवालत से छूट प्रदान करते हैं जो केन्द्रीय विविध सेवा (वेशन) नियम, 1972 के अंतर्गत उपदान के लाभ प्राप्त करते के निपात्र हैं।

[फा. सं.एस. 42014/4/91-एस.एस. II]

जे.पी. शुक्ला, अवर सचिव

New Delhi, the 30th August, 1994

S.O. 2427.—Whereas the Delhi Transport Corporation, an undertaking of the Central Government, has applied for exemption under sub-section (2) of section 5 of the Payment of Gratuity Act, 1972 (39 of 1972), (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas in the opinion of the Central Government, the benefits of gratuity payable to the regular employees of the Delhi Transport Corporation under the Central Civil Service (Pension) Rules, 1972, are not less favourable than the benefits conferred under the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 5 of the said Act, the Central Government hereby exempts the regular employees of the said establishment who are entitled to the benefits of gratuity under the Central Civil Service (Pension) Rules, 1972 from the operation of the provisions of the said Act.

[F. No. S-42014/4/91-SS.II]

J. P. SHUKLA, Under Secy.

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 1994

का.आ. 2428.—कर्मचारी गज्य वीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार

एतदद्वारा 1-10-1994 को उस तारीख के रूप में नियत करते हैं, जिसको उस अधिनियम के धारा-44 (धारा-44 और 45 के मिलाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) और अध्याय-5 और 6 (धारा-76 की उपधारा (1) और धारा-77, 78, 79 और 81 के मिलाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपर्यन्थ यसम् राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, प्रथमतः—

“जिला मरीगांव में मोक्खा एवं तालुक गोवा के राजस्व याम जगीरोंड राजस्व डाउन, नौखला ग्रांट, घुनुसा, तेघोरिया, पश्चिम नौगांव एवं कोरकट बस्ती के अन्तर्गत आंते वाले क्षेत्र।”

[मध्या एस-38013/13/94-एस.एस.-I]

जे.पी. शुक्ला, अवर सचिव

New Delhi, the 31st August, 1994

S.O. 2428.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 1-10-1994 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V and VI (except sub-section (1) of section 76 and sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Assam, namely :—

“Areas comprising the Revenue villages of Jagi-road Revenue Town, Nowkhala Grant, Ghunusa, Teghoria, Paschim Nowgaon and Korkat Basti in Mouza & Taluka Gova in District Marigaon.”

[No. S-38013/13/94 S.S.I]

J. P. SHUKLA, Under Secy.

